दैनिक **अर्थ प्रकाश** खबरों की विश्वसनीयता, हमारी पहचान

पंजाब • हरियाणा • हिमाचल • चंडीगढ़ • दिल्ली • उत्तराखंड • बिहार • उत्तरप्रदेश • राजस्थान • छत्तीसगढ़ से प्रसारित

वर्ष 40 | चंडीगढ़, बुधवार, 14 मई, 2025 | ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष: द्वितीया विक्रमी संवत-2082 | www.arthparkash.com | YouTube/Arth Parkash TV | अंक: 132 | मूल्य 2.00 रुपये | पृष्ठ: 12

पंजाब के आदमपुर एयरबेस पहुंचे पीएम मोदी, जवानों का बढ़ाया हौसला, पाक को दिया कड़ा संदेश

भारत में निर्दोष लोगों का खून बहाने का एक ही अंजाम होगा–विनाश और महाविनाश

अर्थ प्रकाश संवाददाता

जालंधर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार सुबह पंजाब के आदमपुर एयरबेस पहुंचे जहां उन्होंने एयरफोर्स के जवानों से मुलाकात कर उनका हौसला बढ़ाया। इस मौके पर मोदी ने कहा कि भारत में निर्दोष लोगों का खून बहाने का एक ही अंजाम होगा- विनाश और महाविनाश। जिस पाकिस्तानी सेना के भरोसे ये आतंकी बैठे थे, भारत की सेना, एयरफोर्स और नेवी ने उस पाकिस्तानी सेना को भी धूल चटा दी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में ऐसा कोई ठिकाना नहीं है, जहां बैठकर आतंकवादी चैन की सांस ले सकें। हम घर में घुसकर मारेंगे और बचने का एक मौका तक नहीं देंगे। हमारे ड्रोन्स, मिसाइलों के बारे में सोचकर पाकिस्तान को कई दिन तक नींद नहीं आएगी।

पीएम मोदी ने कहा कि पाकिस्तान की गुहार के बाद भारत ने सिर्फ अपनी सैन्य कार्रवाई को स्थगित किया है। अगर पाकिस्तान ने फिर से आतंकी गतिविधि या सैन्य दुस्साहस दिखाया तो हम उसका मुंह तोड़ जवाब देंगे। यह जवाब अपनी शर्तों पर, अपने तरीके होगा। इस निर्णय की आधारशिला, इसके पीछे छिपा विश्वास, आपका धैर्य, शौर्य, साहस और सजगता है। उन्होंने कहा कि आपका हौसला, ये जुनून, ये जज्बा ऐसे ही बरकरार रखना है। हमें लगातार मुस्तैद रहना है। हमें तैयार रहना है। हमें दुश्मन को याद दिलाते रहना है कि ये नया भारत है, ये शांति चाहता है लेकिन मानवता पर हमला होता है तो भारत युद्ध के मोर्चे पर दुश्मन को मिट्टी में मिलाना भी अच्छी तरह जानता है।

चेतावनी- हम हर आतंकी हमले का जवाब अपनी शर्तों पर देंगे

पाकिस्तान में ऐसा कोई ठिकाना नहीं जहां आतंकी चैन से रह सकें, घर में घुसकर मारेंगे

वायुसेना हर फील्ड में दुश्मन को छकाने में माहिर

पीएम ने कहा कि आज हमारे पास नई टेक्नोलॉजी का सामर्थ्य है, जिसका पाकिस्तान सामना नहीं कर सकता है। एयरफोर्स सहित सभी सेनाओं के पास दुनिया की श्रेष्ठ तकनीक पहुंची है, नई टेक्नोलॉजी के साथ चुनौतियां भी उतनी बड़ी होती हैं। कॉम्प्लिकेटेड और सोफेस्टिकेटेड सिस्टम को मेंटेन करना और एफिशिएंसी के साथ चलाना स्किल है। आपने सिद्ध कर दिया है कि आप इस गेम में दुनिया में बेहतरीन हैं। भारत की वायुसेना सिर्फ हथियारों से ही नहीं, डेटा और ड्रोन से भी दुश्मन को छकाने में माहिर हो गई है।

हमारी वायुसेना दुनिया में सबसे बेहतरीन

पीएम ने कहा कि आज हमारे पास नई टेक्नोलॉजी का सामर्थ्य है, जिसका पाकिस्तान सामना नहीं कर सकता है। एयरफोर्स सहित सभी सेनाओं के पास दुनिया की श्रेष्ठ तकनीक पहुंची है, नई टेक्नोलॉजी के साथ चुनौतियां भी उतनी बड़ी होती हैं। कॉम्प्लिकेटेड और सोफेस्टिकेटेड सिस्टम को मेंटेन करना और एफिशिएंसी के साथ चलाना स्किल है। आपने सिद्ध कर दिया है कि आप इस गेम में दुनिया में बेहतरीन हैं। भारत की वायुसेना सिर्फ हथियारों से ही नहीं, डेटा और ड्रोन से भी दुश्मन को छकाने में माहिर हो गई है। यह अब भारतीय सेनाओं के मजबूत स्वरूप की पहचान है। ऑपरेशन सिंदूर में मैन पावर के साथ ही मशीन का कॉर्डिनेशन भी अद्भुत रहा है। भारत के पारंपरिक एयरडिफेंस सिस्टम, आकाश जैसे मेड इन इंडिया प्लेटफॉर्म, एस-400 जैसे आधुनिक डिफेंस सिस्टम ने अभूतपूर्व मजबूती दी है। एक मजबूत सुरक्षा कवच भारत की पहचान बन चुका है। पाकिस्तान की लाख कोशिश के बाद भी हमारे एयरबेस हों या डिफेंस इन्फ्रास्ट्रक्चर पर आंच तक नहीं आई। इसका श्रेय आप सभी को जाता है।

पाकिस्तान ने फिर से दुस्साहस दिखाया तो उसका मुंह तोड़ जवाब देंगे

पीएम ने कहा कि पाकिस्तान की गुहार के बाद भारत ने सिर्फ अपनी सैन्य कार्रवाई को स्थगित किया है। अगर पाकिस्तान ने फिर से आतंकी गतिविधि या सैन्य दुस्साहस दिखाया तो हम उसका मुंह तोड़ जवाब देंगे। यह जवाब अपनी शर्तों पर, अपने तरीके से देंगे। इस निर्णय की आधारशिला, इसके पीछे छिपा विश्वास आपका धैर्य, शौर्य, साहस और सजगता। आपका हौसला, ये जुनून, ये जज्बा ऐसे ही बरकरार रखना है। हमें लगातार मुस्तैद रहना है। हमें तैयार रहना है। हमें दुश्मन को याद दिलाते रहना है कि ये नया भारत है, ये शांति चाहता है, लेकिन मानवता पर हमला होता है तो भारत युद्ध के मोर्चे पर दुश्मन को मिट्टी में मिलाना भी अच्छी तरह जानता है।

न्यूक्लियर ब्लैकमेल भारत नहीं सहेगा

पीएम ने कहा कि पाकिस्तान के ड्रोन, उसके यूएवी, एयरक्राफ्ट, मिसाइलें हमारे सशक्त एयरडिफेंस के सामने ढेर हो गए। मैं देश के सभी एयरबेस से जुड़ी लीडरशिप, एयरवारियर की हृदय से सराहना करता हूं। आपने वाकई बहुत शानदार काम किया है। उन्होंने कहा कि आतंक के विरुद्ध भारत की लक्ष्मण रेखा एकदम स्पष्ट है कि अब टेरर अटैक हुआ तो भारत देगा और पक्का जवाब देगा। सर्जिकल स्ट्राइक में देखा, एयरस्ट्राइक में देखा और अब ऑपरेशन सिंदूर भारत का न्यू नॉर्मल है। कल भी कहा था कि भारत में अब तीन सूत्र तय कर दिए है।

मजबूत सुरक्षा कवच भारत की पहचान बन चुका

पीएम ने कहा कि यह अब भारतीय सेनाओं के मजबूत स्वरूप की पहचान है। ऑपरेशन सिंदूर में मैन पावर के साथ ही मशीन का कोऑर्डिनेशन भी अद्भुत रहा है। भारत के पारंपरिक एयर डिफेंस सिस्टम, आकाश जैसे मेड इन इंडिया प्लेटफॉर्म, एस-400 जैसे आधुनिक डिफेंस सिस्टम ने अभूतपूर्व मजबूती दी है। एक मजबूत सुरक्षा कवच भारत की पहचान बन चुका है। पाकिस्तान की लाख कोशिश के बाद भी हमारे एयरबेस हों या डिफेंस इन्फ्रास्ट्रक्चर, उन पर आंच तक नहीं आई। इसका श्रेय आप सभी को जाता है। पीएम ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर का एक-एक क्षण भारत की सेनाओं के सामर्थ्य की गवाही देता है। इस दौरान हमारी सेनाओं का कोऑर्डिनेशन वाकई शानदार था। आर्मी हो, नेवी हो या एयरफोर्स सबका टाइमिंग जबरदस्त था। नेवी ने समुद्र पर दबदबा बनाया, सेना ने बॉर्डर पर मजबूती दी, एयरफोर्स ने अटैक और डिफेंस दोनों किया।

न्यूज ब्रीफ

'जम्मू-कश्मीर पर तीसरे पक्ष का दखल मंजूर नही'

नई दिल्ली (अप्रस)। भारत ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत एवं पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता करने संबंधी बयान को मंगलवार को सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि जम्मू-कश्मीर से संबंधित किसी भी मुद्दे को दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय तरीके से हल करने की नीति है और दोनों के बीच एक ही मुद्दा लंबित है कि पाकिस्तान को अवैध रूप से कब्जाए गये भारतीय क्षेत्र को खाली करना है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां नियमित ब्रीफिंग में अमेरिकी राष्ट्रपति के जम्मू-कश्मीर को लेकर की गयी टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर कहा कि हमारा लम्बे अरसे से यही राष्ट्रीय पक्ष रहा है कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर से संबंधित किसी भी मुद्दे को भारत और पाकिस्तान को द्विपक्षीय तरीके से ही हल करना है। इस नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। जैसा कि आप जानते हैं, लंबित मामला केवल पाकिस्तान द्वारा अवैध रूप से कब्ज़ा किए गए भारतीय क्षेत्र को खाली करना है। जायसवाल ने यह भी स्पष्ट किया कि जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर भारत की नीति किसी भी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप की नहीं है। सिंधु जल संधि को लेकर पूछे गये एक सवाल के जवाब में प्रवक्ता ने कहा कि इस संधि की प्रस्तावना में निर्दिष्ट सद्भावना और मैत्री की जिस भावना से इस संधि को संपन्न किया गया था। हालाँकि, पाकिस्तान ने दशकों से सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देकर इन सिद्धांतों को ताक पर रख दिया है। अब 23 अप्रैल के सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) निर्णय के अनुसार, भारत संधि को तब तक स्थगित रखेगा जब तक कि पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के लिए अपने समर्थन को विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से त्याग नहीं देता। यह भी ध्यान देने योग्य हे कि जलवायु परिवर्तन, जनसांख्यिकीय बदलाव और तकनीकी परिवर्तनों ने जमीन पर नई वास्तविकताएं पैदा की हैं।

पंजाब में जहरीली शराब से मौतों का मामला ▶ **सरकार की त्वरित कार्रवाई, सभी 10 आरोपी छह घंटों में गिरफ्तार**

साजिशकर्ता को मिलेगी सख्त सजा, किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा : सीएम मान

मृतकों के परिजनों को मिलेगा 10 लाख रुपये का मुआवजा

अर्थ प्रकाश संवाददाता

मजीठा (अमृतसर), 13 मई। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने मंगलवार को कहा कि अमृतसर जिले में जहरीली शराब के कारण हुए त्रासदी में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा, भले ही वह कितना भी अमीर या पहुंच वाला क्यों न हो। जहरीली शराब त्रासदी के पीड़ित परिवारों के साथ सहानुभूति साझा करने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मौतें सिर्फ हादसा नहीं हैं, बल्कि हत्या है, जो कुछ व्यक्तियों के लालच के कारण हुई है। उन्होंने कहा कि यह एक स्पष्ट हत्या है और राज्य सरकार दोषियों को सख्त से सख्त सजा सुनिश्चित करेगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि जहरीली शराब के कारण 17 कीमती जानें चली गई हैं और इसके लिए जिम्मेदार लोग किसी भी रहम के हकदार नहीं हैं, क्योंकि उन्होंने यह अपराध सोच-समझकर किया है।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट तौर पर कहा कि यह अपराध शक्तिशाली राजनेताओं के राजनीतिक संरक्षण के बिना नहीं किया जा सकता और पुलिस द्वारा इस पहलू की जांच की जा रही है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि मुख्य आरोपी समेत 10 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है और साथ ही पुलिस ने इस घिनौने अपराध में शामिल गठजोड़ के संपर्क सूत्रों की भी पहचान की है। भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि मैं एक बात स्पष्ट तौर पर बताना चाहता हूं, मेरी सरकार दोषियों को मिसाली सजा देकर बेसहारा परिवारों को न्याय दिलाने के लिए दृढ़ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस गठजोड़ के संबंध दिल्ली तक पाए गए हैं और इस अपराध में शामिल प्रत्येक व्यक्ति को राज्य सरकार द्वारा सलाखों के पीछे डाला जाएगा। उन्होंने कहा कि यह बात सामने आई है कि इस गंभीर त्रासदी के दोषियों द्वारा 600 लीटर मिथेनॉल, ऑनलाइन मंगवाया गया था, जिसका उपयोग शायद नकली शराब बनाने के लिए किया गया

था। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पुलिस इस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है ताकि दोषियों को पकड़ा जा सके और उन्हें मिसाली सजा दी जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने नकली शराब की बिक्री और आपूर्ति रोकने में लापरवाही बरतने के लिए पहले ही चार अधिकारियों को निलंबित कर दिया है, जिनमें डी.एस.पी., एस.एच.ओ. और आबकारी विभाग के दो अधिकारी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भले ही यह गठजोड़ बहुत मजबूत है और पिछली सरकारों द्वारा खुले संरक्षण के कारण इसने अपने पैर मजबूत किए हैं, पर इस शराब माफिया को राज्य से खत्म कर दिया जाएगा। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यदि

बच्चों का खर्च उठाएगी सरकार

मुख्यमंत्री ने प्रत्येक मृतक के परिवार को 10 लाख रुपये के मुआवजे का ऐलान किया और कहा कि राज्य सरकार पीड़ितों के बच्चों की पढ़ाई का सारा खर्च उठाएगी। उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में इन परिवारों को नौकरियां और अन्य हर संभव मदद भी दी जाएगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार इन परिवारों की सुरक्षा और भलाई के लिए पूरी तरह से वचनबद्ध है और इस नेक कार्य के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जाएगी।

कोई भी राजनेता या सरकारी कर्मचारी, जहरीली शराब से हुई मौतों में शामिल पाया गया तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने पहले ही 'युद्ध नशों विरुद्ध' मुहिम के तहत इस माफिया पर कार्रवाई करने के लिए पंजाब पुलिस को निर्देश दे दिए हैं। उन्होंने कहा कि इन शरारती तत्वों ने भारत-पाकिस्तान सीमाओं पर तनाव के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस की हुई तैनाती का फायदा उठाया ताकि पंजाबियों की जानों की कीमत पर अपना लालच पूरा किया जा सके।

शेष पेज-2 पर

बंगलादेश में जल्द कराये जायें चुनावः भारत

नई दिल्ली (अप्रस)। भारत ने बंगलादेश में लोकतंत्र का दायरा निरंतर सीमित होने पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए आज कहा कि वहां जल्द से जल्द निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव कराये जाने चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को यहां साप्ताहिक ब्रीफिंग में एक सवाल के जवाब में बंगलादेश में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाये जाने पर चिंता जताते हुए कहा कि लोकतांत्रिक प्रणाली में एक तरीका होता है जो वहां नहीं अपनाया जा रहा। उन्होंने कहा कि बंगलादेश में लोकतंत्र का दायरा निरंतर सिकुड़ रहा है और लोकतांत्रिक आजादी को रोका जा रहा है।

प्रवक्ता ने कहा कि भारत का मानना है कि और उसका आह्वान है कि बंगलादेश में जल्दी से जल्दी निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव कराये जायें। बंगलादेश में सुश्री हसीना की सरकार के खिलाफ बगावत के बाद वह देश छोड़कर भारत आ गयी थी।

नतीजे | **सीबीएसई का 10वीं और 12वीं का रिजल्ट**

बेटियों ने फिर मारी बाजी, 10वीं 95 प्रतिशत; बारहवीं में 91 प्रतिशत स्टूडेंट्स पास

10वीं में 93.66 प्रतिशत और 12वीं में 88.39 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

नई दिल्ली, 13 मई। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने मंगलवार को दसवीं और बारहवीं कक्षा के परीक्षा परिणाम घोषित किए जिसमें क्रमशः 93.66 प्रतिशत और 88.39 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण घोषित किए गए है। परिणामों के विश्लेषण के अनुसार बोर्ड की दसवीं और बारहवीं- दोनों ही परीक्षाओं ने लड़कियों ने लड़कों पर बाजी मारी है। 10वीं की परीक्षा में 95 प्रतिशत छात्राएं उत्तीर्ण हुई हैं जबकि उत्तीर्ण छात्रों का प्रतिशत 92.63 है। बारहवीं में छात्राओं की सफलता दर 91 प्रतिशत रही जो छात्रों की तुलना में 5.94 प्रतिशत ऊंची है। दसवीं की परीक्षा में उत्तीण कुल परीक्षार्थियों का अनुपात इस बार पिछले वर्ष की तुलना में 0.06 प्रतिशत अधिक रहा।

सीबीएसई ने बताया कि इस वर्ष 10वीं की परीक्षा में 22,388,27 विद्यार्थी परीक्षा में बैठे थे जिनमें से 20,95,467 उत्तीर्ण हुए। तिरुवनंतपुरम ने दसवीं की परीक्षा में 99.70 प्रतिशत सफलता के साथ पहला स्थान हासिल किया है जबकि असम के गुवाहाटी में 84.14 प्रतिशत विद्यार्थी ही उत्तीर्ण हो सके। प्रमुख केंद्रों में गुवाहाटी का प्रदर्शन सबसे खराब रहा है। दसवीं की परीक्षा में जवाहर नवोदय विद्यालयों (जेएनवी) में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का अनुपात 99.49 प्रतिशत के साथ सबसे ऊंचा रहा । केंद्रीय विद्यालय (केवी) 99.45 प्रतिशत सफलता दर के साथ दूसरे स्थान पर रहे। निजी (स्वतंत्र) स्कूलों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया, जिसमें उत्तीण परीक्षार्थियों का प्रतिशत 94.17 प्रतिशत रहा। दसवीं में केंद्रीय तिब्बती स्कूलों (एसटीएसएस) में 91.53 प्रतिशत, सरकारी स्कूलों में 89.26 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए। सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों की श्रेणी में उत्तीर्ण छात्रों का प्रतिशत 83.94 रहा। सीबीएसई दसवीं की परीक्षा इस वर्ष 15 फरवरी से 18 मार्च के बीच आयोजित की गई थी।

सीबीएसई ने आज ही कक्षा 12 के परिणाम भी जारी किए, जिसमें 88.39 प्रतिशत छात्र-छात्राएं उत्तीर्ण हुए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 0.41 प्रतिशत अधिक रहा। बारहवीं में 91 प्रतिशत छात्राएं सफल रहीं और उनकी सफलता का अनुपात लड़कों की तुलना में 5.94 प्रतिशत ऊंचा है। इस वर्ष सीबीएसई का 12वीं कक्षा का परिणाम पिछले साल से 0.41 प्रतिशत बेहतर है। उत्तीर्ण परीक्षार्थियों का अनुपात 2024 के 87.98 प्रतिशत से बढ़कर 88.39 प्रतिशत हो गया है। परीक्षा देने वाले 16,92,794 छात्र-छात्राओं में से 14,96,307 उत्तीर्ण हुए। सीबीएसई 12वीं कक्षा के नतीजों में जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) 99.29 प्रतिशत उत्तीण परीक्षार्थियों के साथ सूची में शीर्ष पर रहे। केंद्रीय विद्यालय (केवी) 99.05 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि केंद्रीय तिब्बती स्कूलों (एसटीएसएस) ने भी 98.96 पास प्रतिशत के साथ शानदार प्रदर्शन किया। अन्य श्रेणियों में, सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों का पास प्रतिशत 91.57 रहा और सरकारी स्कूलों ने 90.48 प्रतिशत दर्ज किया। इस बार स्वतंत्र (निजी) स्कूल ने थोड़े पिछडते हुए भी 87.94 प्रतिशत का पास प्रतिशत हासिल किया। सीबीएसई ने बताया कि कि बारहवीं की परीक्षा में प्रयागराज परीक्षाफल तालिका में सबसे निचले स्थान पर रहा, जिसमें करीब 80 फीसदी छात्र परीक्षा में उत्तीर्ण हुए।

सीबीएसई कक्षा 10वीं की 2025 परीक्षाएं 26675 स्कूलों के 7837 केंद्रों पर आयोजित की गई थीं। परीक्षाएं भारत में 7,842 केंद्रों और विदेशों में 26 स्थानों पर आयोजित की गई।

पंजाब के जल संसाधनों की रक्षा के लिए 4 कैबिनेट मंत्री और आप विधायक नंगल में दिन-रात के धरने में शामिल

मंत्रियों ने पंजाब के जल अधिकारों के लिए धरना जारी रखने का संकल्प लिया

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 13 मई। एकजुटता का प्रदर्शन करते हुए, पंजाब के कैबिनेट मंत्री बरिंदर कुमार गोयल, हरभजन सिंह ईटीओ, लाल चंद कटारूचक और लालजीत सिंह भुल्लर, विभिन्न हलकों से आप विधायकों और नेताओं के साथ, आज नंगल बांध पर दिन-रात के धरने में शामिल हुए ताकि भाजपा शासित केंद्र और राज्य सरकारों और भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) द्वारा पंजाब के पानी को अन्य राज्यों को दिए जाने के मुद्दे पर अपना कड़ा विरोध व्यक्त किया जा सके।

प्रभावशाली सभा को संबोधित करते हुए, जल संसाधन और भूमि एवं जल संरक्षण मंत्री बरिंदर कुमार

गोयल ने कहा कि हरियाणा को 21 मई से पहले कोई अतिरिक्त पानी नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि पंजाब पहले से ही मानवीय के तौर पर अपने आवंटित कोटे से अधिक 4000 क्यूसेक पानी हरियाणा को दे रहा है। इस अतिरिक्त पानी का बुद्धिमानी से उपयोग करने की बार-बार चेतावनी के बावजूद, हरियाणा ने इस पर ध्यान नहीं दिया है। गोयल ने कहा, 'राजस्थान में तैनात सुरक्षा बलों के लिए पानी की मांग को तुरंत स्वीकार करते हुए, पंजाब सरकार ने पंजाबी संस्कृति और पंजाबियत में निहित उदारता और मूल्यों का प्रदर्शन किया है।'

बिजली और लोक निर्माण मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ ने किसानों के खेतों तक नहर का पानी पहुंचाने की पंजाब सरकार की 4500 करोड़ रुपये की व्यापक योजना पर प्रकाश डाला, जिससे किसानों को ट्यूबवेल

मंत्रियों ने पंजाब के हितों और अधिकारों की रक्षा के लिए स्वयंसेवकों की समर्पण भावना की प्रशंसा की

कैबिनेट मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने देश के खाद्य भंडार में पंजाब के योगदान पर प्रकाश डाला, भले ही उसे भूजल निष्कर्षण की लागत वहन करनी पड़ रही है। उन्होंने फसल विविधीकरण अपनाने और बागवानी और सब्जी की खेती की ओर बढ़ने के लिए राज्य के किसानों की प्रशंसा की, जबकि इन फसलों के उत्पादन को बढ़ाने और कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में नहर के पानी के महत्व पर जोर दिया। मंत्रियों ने पंजाब के हितों और अधिकारों की रक्षा के लिए स्वयंसेवकों की समर्पण भावना की प्रशंसा की। उन्होंने दृढ़ संकल्प लिया कि दिन-रात का धरना जारी रहेगा, इस बात पर जोर दिया कि पंजाब के जल संसाधनों की सुरक्षा राज्य की अर्थव्यवस्था और भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है।

पर निर्भरता से मुक्ति मिलेगी और राज्य की बिजली लागत कम होगी। ईटीओ ने कहा कि राज्य के किसान 15 लाख से अधिक ट्यूबवेल के माध्यम से भूजल निकालने के लिए मजबूर हैं, जबकि पंजाब के जल संसाधनों का उपयोग अन्य राज्यों द्वारा किया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप अधिकांश ब्लॉक डार्क जोन में चले गए हैं और भूमि का स्वास्थ्य बिगड़ रहा है।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले मंत्री लाल चंद कटारूचक ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के पदचिह्नों पर चलते हुए, नंगल बांध और कीरतपुर साहिब के लोहंड खड्ड गेट पर विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि पंजाब पहले ही हरियाणा को अपने हिस्से से अधिक पानी दे चुका है और किसी भी परिस्थिति में अपना हिस्सा नहीं छोड़ेगा।

राजनीतिक या गैर-राजनीतिक, अवैध शराब में शामिल कोई भी बचेगा नहीं: चीमा

'आप सरकार' का सख्त संदेश - गैर-कानूनी तरीके से शराब बेचने वालों को नहीं बख्शा जाएंगा

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 13 मई। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने मजीठा में जहरीली शराब के कारण जान गंवाने वाले 14 पीड़ितों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। चीमा ने इस घटना को जघन्य कृत्य बताया और आश्वासन दिया कि सभी दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि घटना में शामिल किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वे कितने भी ऊंचे राजनीतिक या प्रशासनिक पहुंच वाले क्यों न हो।

चीमा ने कहा, 'मैं उन परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने इस दुखद घटना में अपने प्रियजनों को खोया है। यह एक घृणित अपराध है और सरकार न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। कई अपराधियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है और उनके खिलाफ कानून के कड़े प्रावधानों के तहत हत्या का मामला दर्ज किया गया है।' चीमा ने जोर देकर कहा कि राज्य सरकार घटना के जिम्मेदार लोगों को कड़ी से कड़ी सजा सुनिश्चित करेगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि अपराधी, चाहे राजनीतिक रूप से जुड़ा हो, गैर-राजनीतिक हो या सरकारी अधिकारी हो, न्याय के चंगुल से बच नहीं पाएगा।

मंत्री ने कहा कि ''इंडस्ट्रियल-ग्रेड मेथनॉल'' का दुरुपयोग कर अवैध रूप से नकली शराब बनाने के लिए उपयोग किया गया, जिसके कारण कई लोगों की जान चली गई। उन्होंने आश्वास्त किया कि ऐसी घटनाओं को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकार भविष्य में औद्योगिक रसायनों के दुरुपयोग को रोकने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रही है।

उन्होंने कहा, 'यह मानवाधिकारों और सार्वजनिक सुरक्षा का भी गंभीर उल्लंघन है। पंजाब सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि इस अपराध में शामिल हर व्यक्ति को न्याय के कटघरे में लाया जाए। इस तरह के कृत्यों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जा सकता और इसमें शामिल सभी लोगों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।'

मोहिंदर भगत ने लिया बागवानी विभाग की प्रगति का जायजा, अधिकारियों को चल रहे प्रोजेक्टों को तेजी से पूरा करने के दिए निर्देश

किसानों को सब्सिडी का समय पर वितरण पर दिया जोर

राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 13 मई। पंजाब के बागवानी मंत्री श्री मोहिंदर भगत ने आज खेती भवन, मोहाली में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान बागवानी विभाग के चल रहे प्रोजेक्टों और विभिन्न योजनाओं का जायजा लिया।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में बागवानी क्षेत्र को और अधिक विकसित करने के लिए लगातार काम कर रही है ताकि किसानों के लिए बागवानी क्षेत्र में और बेहतर अवसर सुनिश्चित किए जा सकें। उन्होंने आगे कहा कि

बागवानी को प्रोत्साहित करना किसानों की आय को बढ़ाने और राज्य में कृषि विविधीकरण को अपनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

श्री मोहिंदर भगत ने किसानों को पारदर्शी तरीके से सब्सिडी का समय पर वितरण की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि उन्हें बिना किसी देरी के सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को बागवानी से संबंधित सभी पहलों को जल्द से जल्द पूरा करने और जमीनी स्तर पर किसानों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने के निर्देश भी दिए।

इस बैठक के दौरान सचिव बागवानी श्री मोहम्मद तैयब और निदेशक बागवानी श्रीमती शैलेंद्र कौर ने कैबिनेट मंत्री को विभाग की विभिन्न योजनाओं और प्रोजेक्टों के तहत हुई प्रगति से अवगत कराया। उन्होंने विभाग की मुख्य उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला और क्षेत्रीय स्तर पर कार्यान्वयन के बारे में जानकारी भी साझा की।

इस मौके पर डिप्टी डायरेक्टर बागवानी श्री दलबीर सिंह, श्री हरमेल सिंह, डॉ. हरप्रीत सिंह और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

गांवों के स्वास्थ्य नेटवर्क को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध पंजाब सरकार

12977 विलेज हेल्थ कमेटियां, लोगों को वेक्टर-जनित बीमारियों से बचाने और नशों के विरुद्ध लड़ाई में देंगी सहयोग

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह द्वारा पुनर्गठित विलेज हेल्थ सैनिटेशन और पोषण कमेटियों का उद्घाटन

राज्य भर के सिविल सर्जनों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

अर्थ प्रकाश/अक्षित जैन

चंडीगढ़, 13 मई। स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं को लोगों के सहयोग से जमीनी स्तर पर मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने आज राज्य भर में पुनर्गठित की गई ग्राम स्वास्थ्य सैनिटेशन और पोषण कमेटियों (वीएचएस एनसीज़) का उद्घाटन किया और इन कमेटियों से

वेक्टर जनित और पानी से होने वाली बीमारियों से लोगों को बचाने और पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के लिए सरकार के साथ मिलकर काम करने की अपील की है। उल्लेखनीय है कि 12,977 वीएचएसएनसीज़ के 1 लाख से अधिक सदस्यों ने यू-ट्यूब लिंक के माध्यम से उद्घाटन समारोह में हिस्सा लिया, जो कि सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रति उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

ऑनलाइन कार्यक्रम के दौरान डॉ. बलबीर सिंह ने मानसा, पटियाला, संगरूर, फतेहगढ़ साहिब, गुरदासपुर और बठिंडा सहित छह जिलों की कुछ चुनिंदा वीएचएसएनसीज़ के 100 से अधिक सदस्यों के साथ सीधे तौर पर बातचीत की। मौजूदा स्वास्थ्य मुद्दों से निपटने में वीएचएसएनसीज़ की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि इन कमेटियों का जिम्मा डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी वेक्टर जनित बीमारियों की रोकथाम और नियंत्रण के साथ-साथ दस्त जैसी पानी से होने वाली बीमारियों के प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करना है। उन्होंने बताया कि सभी आशा कार्यकर्ताओं को ÷हर शुक्रवार डेंगू पर वार÷ अभियान के हिस्से के रूप में मच्छरों के लार्वा की पहचान संबंधी प्रशिक्षण दिया गया है, जिसका उद्देश्य घरों के अंदर और आसपास खड़े पानी, जो मच्छरों के प्रजनन का कारण बनते हैं, को खत्म करना है। उन्होंने यह जानकारी भी दी कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा जैविक नियंत्रण उपाय के रूप में गांव के तालाबों में छोड़ने के लिए गैंबूसिया मछलियाँ भी प्रदान की जा रही हैं।

इस मौके पर पीएचएससी के वाइस चेयरमैन मनइंदरजीत सिंह विक्की, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य कुमार राहुल, सदस्य पंजाब विकास कमीशन अनुराग कुंडू, सचिव स्वास्थ्य बसंत गर्ग, विशेष सचिव स्वास्थ्य-कम-एमडी एनएचएम घनश्याम थोरी, एमडी पीएचएससी अमित तलवार, डायरेक्टर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण डॉ. हितिंदर कौर, डायरेक्टर परिवार कल्याण डॉ. जसमिंदर, डायरेक्टर ईएसआई डॉ. जसप्रीत कौर, डायरेक्टर पीएचएससी डॉ. अनिल गोयल शामिल थे।

विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों में शानदार प्रदर्शन वाले सम्मानित जिले

— 2024-25 में माताओं की मृत्यु (एमएमआर) दर में सबसे कम कमी: रोपड़ (25)
— एएसीज़ में सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाला जिला: संगरूर
— वेक्टर जनित रोग नियंत्रण में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला जिला: लुधियाना
— एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) और गैर-संचारी बीमारियों (एनटीपी) में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला जिला (30+ स्क्रीनिंग): पठानकोट
— 100-दिवसीय टीबी अभियान में संवेदनशील समूहों की सबसे अधिक स्क्रीनिंग: फतेहगढ़ साहिब
— टीकाकरण में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला जिला: होशियारपुर
— एनपीसीबी स्कूलों में ऐनकें की मुफ्त वितरण में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला जिला: मलेरकोटला
— ट्यूबेक्टोमी और पीपीआईयूसीडी (परिवार नियोजन) में 100 प्रतिशत सफलता: बरनाला
— 2023-24 और 2024-25 के सिविल रजिस्ट्रेशन प्रणाली में पीसी और पीएनडीटी कार्यक्रम के तहत सबसे अधिक लिंग अनुपात: कपूरथला (964)

पंजाब सरकार ने उठाए कदम-घर-घर से कूड़ा कलेक्शन, फगवाड़ा के लिए 4000 एलईडी लाइटें: डॉ. रवजोत सिंह

मंत्री डॉ. रवजोत ने की पहल, डॉ. रवजोत सिंह के सुबह-सुबह किए निरीक्षण से तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित हुई

लापरवाही के प्रति शून्य सहिष्णुता: फगवाड़ा में सीवरेज, सफाई और स्ट्रीट लाइटों का शीघ्र ही नवीनीकरण किया जाएगा

अर्थ प्रकाश संवाददाता

फगवाड़ा, 13 मई। पंजाब के स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने कहा कि फगवाड़ा शहर की तस्वीर बदलने के लिए प्राथमिकता के आधार पर सफाई व्यवस्था, कूड़े के उचित निपटारे और रहते इलाकों में सीवरेज की स्थापना का कार्य जल्द किया जाएगा। उन्होंने कहा कि फगवाड़ा में कूड़े की लिफ्टिंग का

स्थायी समाधान शीघ्र किया जाएगा।

फगवाड़ा शहर में ज़मीन पर जाकर लोगों से सीधा संवाद कायम करते हुए स्थानीय निकाय मंत्री ने कहा कि उनके दौरे का मुख्य उद्देश्य लोगों की समस्याओं को समझकर उनका उपयुक्त समाधान निकालने के लिए व्यापक योजना बनाना है, जिसके लिए नगर निगम, सीवरेज बोर्ड और जल सप्लाई विभाग के अधिकारियों को युद्धस्तर पर काम करने के निर्देश दिए गए हैं।

कैबिनेट मंत्री ने बस स्टैंड, जे.जे. स्कूल, गुरु नानक नगर, अर्बन एस्टेट, बसंत नगर जैसे क्षेत्रों का दौरा कर साफ सफाई व्यवस्था का जायज़ा लिया। उन्होंने निगम अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे घर-घर से कूड़ा इकट्ठा करने की शुरुआत करें, ताकि केवल निर्धारित डंपिंग स्थलों पर ही कूड़े का उचित निपटारा सुनिश्चित किया जा सके।

सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए मंत्री ने कहा कि 'इस संबंध में निगम अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी।' उन्होंने शहर में बंद पड़ी स्ट्रीट लाइट्स के बारे में बताया कि 4000 नई एलईडी लाइट्स लगाई जा रही हैं, जिससे रात के समय रोशनी से जुड़ी समस्याओं का समाधान हो जाएगा। निगम अधिकारियों ने बताया कि इस संबंध में टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।

शहर में जे.जे. स्कूल के पास स्थित डंप का दौरा करते हुए मंत्री ने नगर निगम अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे इस डंप को दूसरी जगह स्थानांतरित करने के लिए उपयुक्त स्थान की तलाश करें, ताकि स्कूल के पास से इसे हटाया जा सके। गुरु नानक नगर में सीवरेज ना होने के कारण जमा हो रहे पानी की समस्या का जायज़ा लेते हुए उन्होंने नगर निगम कमिश्नर डॉ. अक्षिता जैन को निर्देश दिया कि वे सीवरेज बोर्ड के अधिकारियों से मिलकर एक सप्ताह के अंदर व्यापक योजना बनाकर प्रस्ताव पेश करें।

इस अवसर पर डिप्टी कमिश्नर अमित कुमार पंचाल, जिला योजना बोर्ड के चेयरमैन ललित सकलानी, मेयर रामपाल उप्पल, आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता हरनूर सिंह हरजी मान, नगर सुधार ट्रस्ट के चेयरमैन जरनैल नंगल, एस.डी.एम. जशनजीत सिंह और अन्य लोग उपस्थित थे।

'युद्ध नशों विरुद्ध' के 73वें दिन 156 नशा तस्कर गिरफ्तार; 1.5 किलो हेरोइन, 16 किलो अफीम, 5.38 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद

नशा छुड़ाने संबंधी प्रयासों के रूप में पुलिस ने 115 व्यक्तियों को नशा छोड़ने का इलाज लेने के लिए राजी किया

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 13 मई। राज्य से नशों के पूर्ण खात्मे के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर छेड़े गए 'युद्ध नशों विरुद्ध' के 73वें दिन पंजाब पुलिस ने आज 156 नशा तस्करों को गिरफ्तार करके उनके कब्जे से 1.5 किलो हेरोइन, 16 किलो अफीम, 5.38 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की है। इसके साथ सिर्फ 73 दिनों के अंदर गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 10802 हो गई है।

यह ऑपरेशन डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) गौरव यादव के निर्देशों पर राज्य के सभी 28 जिलों में एक ही समय पर चलाया गया।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमिश्नरों, डिप्टी कमिश्नरों और एसएसपीज को पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के आदेश दिए हैं। पंजाब सरकार द्वारा नशों के विरुद्ध जंग की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब कमेटी भी बनाई गई है।

ऑपरेशन का विवरण देते हुए स्पेशल डीजीपी कानून और व्यवस्था अर्पित शुक्ला ने बताया कि 97 गजटेड अधिकारियों की निगरानी में 1500 से अधिक पुलिस कर्मचारियों की भागीदारी वाली 200 से अधिक पुलिस टीमों ने राज्य भर में 601 स्थानों पर छापेमारी की, जिसके चलते राज्य भर में 109 एफआईआर दर्ज की गई। उन्होंने आगे कहा कि दिन भर चले इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस टीमों ने 613 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच भी की।

स्पेशल डीजीपी ने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा राज्य से नशों के खात्मे के लिए तीन-तरफ़ा रणनीति - इंफोर्समेंट, डी-एडिक्शन और प्रिवेंशन (ईडीपी) - लागू की गई है और पंजाब पुलिस ने इस रणनीति के हिस्से के रूप में 115 व्यक्तियों को नशा छोड़ने और पुनर्वास का इलाज लेने के लिए राजी किया है।

चुनाव आयोग द्वारा एक और राजनीतिक पार्टी के प्रतिनिधिमंडल के साथ विचार-विमर्श

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 13 मई। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी ने मंगलवार को निर्वाचन सदन, दिल्ली में नेशनल पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष कॉनराड संगमा के साथ आए पार्टी प्रतिनिधिमंडल के साथ विचार-विमर्श किया। यह बातचीत चुनाव आयोग द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के प्रधानों के साथ किए जा रहे विचार-विमर्श की

श्रृंखला का हिस्सा है। इससे पहले चुनाव आयोग बसपा, भाजपा और सीपीआई (एम) के प्रतिनिधिमंडल के साथ भी मुलाकात कर चुका है।

पेज एक का शेष

साजिशकर्ता को मिलेगी...

भगवंत सिंह मान ने कहा कि इन लोगों को अपने पापों की कीमत चुकानी पड़ेगी और राज्य सरकार द्वारा उन्हें उचित सबक सिखाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जहरीली शराब ने पीड़ित परिवारों के एकमात्र रोटी कमाने वालों को छीन लिया है और लगभग 17 व्यक्तियों की जान चली गई है।

भगवंत सिंह मान ने कहा कि मौतें उसी तरह हुई, जिस तरह साल 2020 में तरनतारन में जहरीली शराब के कारण हुई थीं।

उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में राज्य सरकार मृतकों के परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है और उन्हें न्याय दिलाने के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ेगी।

नकली शराब के विरुद्ध पंजाब की लड़ाई को मिली बड़ी सफलता

पटियाला पुलिस व आबकारी विभाग ने 600 लीटर मीथेनॉल केमिकल जब्त किया

दिल्ली से पंजाब आ रही मीथेनॉल की खेप के मजीठा नकली शराब मामले से तार जुड़े होने का संदेह

नकली शराब के तस्करों के विरुद्ध पटियाला पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम द्वारा बड़ी कार्रवाई

अर्थ प्रकाश संवाददाता

तेपला, (शंभू, राजपुरा, पटियाला), 13 मई। नकली और जहरीली शराब के विरुद्ध पंजाब की लड़ाई को आज बड़ी सफलता मिली है। इस लड़ाई के तहत महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पटियाला जिला पुलिस ने आबकारी विभाग के साथ मिलकर 600 लीटर मीथेनॉल केमिकल की बड़ी खेप जब्त करने में बड़ी सफलता हासिल की है, इस

पकड़े गए मीथेनॉल केमिकल का उपयोग अवैध शराब के उत्पादन में किए जाने का संदेह है। यह खुलासा पटियाला के जिला पुलिस प्रमुख वरुण शर्मा ने किया।

बाबा बंदा सिंह बहादुर शंभू-बनूड़ रोड पर तेपला पुलिस चौकी के पास पकड़े गए ट्रक के पास प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एसएसपी वरुण शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा राज्य को नशा मुक्त करने के लिए चलाए जा रहे मुहिम 'युद्ध नशों विरुद्ध' के तहत नकली शराब के कारोबार को रोकने के लिए पटियाला पुलिस ने डीजीपी गौरव यादव के निर्देशों के तहत यह बरामदगी की है।

एसएसपी ने बताया कि आज सुबह अमृतसर के मजीठा में नकली शराब की दुर्भाग्यपूर्ण घटना सामने आने के बाद डीआईजी बॉर्डर रेंज द्वारा यह सूचना मिली थी कि दिल्ली के ट्रांसपोर्ट नगर से मीथेनॉल केमिकल की खेप पंजाब आ रही है, इस पर डीजीपी पंजाब द्वारा आदेश मिलने पर पटियाला पुलिस ने आबकारी विभाग के साथ मिलकर तुरंत चौकसी बरतते हुए नकली शराब के तस्करों के विरुद्ध तुरंत कार्रवाई करते हुए इस मीथेनॉल की खेप को जब्त कर लिया है।

उन्होंने बताया कि दिल्ली से पंजाब आ रहे इस ट्रक नंबर पीबी 10 एच 1577 को तेपला के पास घेरकर तलाशी के दौरान बाकी और बहुत सारे सामान में छिपाकर रखे गए तीन ड्रमों में से यह 600 लीटर मीथेनॉल केमिकल बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि ट्रक ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की जांच की जा रही है।

एसएसपी वरुण शर्मा ने आगे बताया कि प्रारंभिक पूछताछ से पता चला है कि मीथेनॉल की यह खेप दिल्ली से लाई जा रही थी, जिसके तार मजीठा नकली शराब से जुड़े होने का संदेह है और अगर यह आगे अपने स्थान पर पहुंच जाती तो इससे तैयार होने वाली नकली और जहरीली शराब तैयार करके बेचने से और भी सैकड़ों लोगों की मौत हो सकती थी।

एसएसपी ने कहा कि नकली शराब के तस्करों के विरुद्ध की गई कार्रवाई के दौरान एसपी डी गुरबंस सिंह बैंस, डीएसपी हरमनजीत सिंह चीमा, आबकारी विभाग के सहायक कमिश्नर राजेश ऐरी की निगरानी में इस टीम में आबकारी ईटीओ रूपिंदरजीत सिंह, थाना शंभू के प्रमुख इंस्पेक्टर हरप्रीत सिंह, आबकारी इंस्पेक्टर हरजिंदर सिंह, गोपाल शर्मा और रजनीश कुमार सहित आबकारी पुलिस और तेपला चौकी इंचार्ज जजविंदर सिंह शामिल थे।

सीज़फायर के नाम पर सेना के हाथ बांधे गए, देश को जवाब चाहिए, मोदी सरकार के फैसले पर उठे सीधे सवाल: मनीष सिसोदिया

आतंकी देश से अचानक सीज़फायर क्यों, पाकिस्तान ने हाथ जोड़े, मोदी जी क्यों मान गए

पाकिस्तान पीछे हटने की हालत में था, फिर लिखित समझौता क्यों नहीं? इंदिरा गांधी ने 1971 में किया था

पहलगाम और पुंछ के शहीदों को न्याय कैसे मिलेगा, अमेरिका के बयानों पर प्रधानमंत्री मौन क्यों?

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 13 मई। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता और पार्टी के पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया ने पहलगाम हमले और अचानक सीजफायर को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कई गंभीर सवाल खड़े किए और उनसे सीजफायर से उपजे सवालों और संशयों पर स्पष्टीकरण देने की मांग की। मंगलवार को पार्टी कार्यालय चंडीगढ़ में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मनीष सिसोदिया ने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद पूरे देश के लोगों में भयंकर गुस्सा था। उसके बाद भारत की सेना ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर को सफलतापूर्वक चलाकर पाकिस्तान में आतंकवादियों के अड्डे तबाह किए। फिर देश के लोगों के मन में न्याय की एक उम्मीद जगी और थोड़ा सुकून महसूस हुआ।

उन्होंने कहा कि भारतीय सेना लगातार पाकिस्तान पर कारवाई कर रही थी और लड़ाई में पाकिस्तान के मुकाबले काफी मजबूत स्थिति में थी, लेकिन सरकार की तरफ से अचानक सीजफायर की घोषणा कर दी गई। इस घोषणा से पूरे देश को हैरानी हुई और उनके मन में कई सवाल और संशय पैदा हुए, जिसका जवाब न तो सरकार ने न ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कल के अपने भाषण में दिया। जबकि कल लोगों को उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री सीजफायर को लेकर उपजे सभी सवालों का जवाब देंगे और संशय स्पष्ट करेंगे लेकिन उन्होंने सिर्फ बड़ी-बड़ी बातें की।

अपने भाषण में प्रधानमंत्री ने कहा, 'भारत की आक्रामक कार्रवाई के बाद पाकिस्तान बचने के रास्ते खोजने लगा और भारतीय सेना से तनाव खत्म करने की गुहार लगाने लगा। 10 मई की दोपहर को बुरी तरह पीटने के बाद पाकिस्तानी सेना ने हमारे डीजीएमओ से संपर्क किया और कहा कि पाकिस्तान अब आगे से कोई आतंकी गतिविधि और सैन्य कार्रवाई नहीं करेगा। फिर हमने अपनी जवाबी कार्रवाई स्थगित कर दी।' लेकिन यहां महत्वपूर्ण सवाल उठता है कि जब पूरा देश और विपक्ष सरकार के साथ खड़ी थी, भारतीय सेना मजबूत स्थिति में थी और आप खुद मान रहे हैं कि पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है, तो आपने अचानक सीजफायर क्यों कर दिया? दूसरा सवाल, पाकिस्तान हमारे हवाई हमले को रोक नहीं पा रहा था और तनाव खत्म करने के लिए गिड़गिड़ा रहा था तो आपने पहलगाम हमले के आतंकवादियों को भारत को सौंपने के लिए क्यों नहीं कहा?

सिसोदिया ने कहा कि बहुत आश्चर्य की बात है कि पाकिस्तान ने हाथ जोड़े और मोदी जी मान गए। मैं पूछना चाहता हूं कि जब पाकिस्तान के भेजे हुए आतंकवादी पहलगाम में लोगों को जब चुन-चुन कर मार रहे थे, उस वक्त हमारी बहनें उसके सामने हाथ जोड़ कर गिड़गिड़ा रही थी कि मेरे पति को छोड़ दो, मेरा सिंदूर मत उजाड़ो, लेकिन पाकिस्तानी आतंकियों ने उनकी एक नहीं सुनी और बर्बरतापूर्वक उनके पतियों की हत्या कर की। जब आतंकियों ने हमारी बहनों की गिरगिराहट नहीं सुनी तो आप एक बार हाथ जोड़ने पर कैसे मान गए। जब पहलगाम हमले के आतंकियों को आपने पकड़ा ही नहीं तो उन पीड़ित महिलाओं को न्याय कब और कैसे मिलेगा?

तीसरा सवाल-अगर प्रधानमंत्री सीजफायर के लिए मान भी गए तो उन्होंने 1972 समझौते की तरह पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को बुलाकर लिखित समझौता क्यों नहीं किया?

चौथा सवाल-जिस समय भारत के अधिकारियों ने सीजफायर की घोषणा की उससे आधा घंटा पहले अमेरिका के राष्ट्रपति ने सीजफायर का ऐलान कैसे कर दिया? अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि उन्होंने दोनों देशों को व्यापार रोकने की धमकी देकर सीजफायर करवाया। फिर प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में ट्रम्प के बयान पर खंडन क्यों नहीं किया? आपने ट्रंप को क्यों नहीं कहा कि भारत को अमेरिका की मध्यस्थता की कोई ज़रूरत नहीं है। हम अपना विवाद सुलझाने में खुद सक्षम हैं।

पिछले 78 सालों में भारत कभी अमेरिका के सामने नहीं झुका: सिसोदिया

सिसोदिया ने कहा, 'पिछले 78 सालों में भारत कभी अमेरिका के सामने नहीं झुका। हमेशा अपने फैसले खुद लिए। मोदी जी की ऐसी क्या मजबूरी है कि देश के स्वाभिमान को दांव पर लगा दिया? उन्होंने कहा कि एक भारतीय के रूप में मुझे शर्म आती है कि जब अमेरिका व्यापार का लालच देकर हमारी सेनाओं को रोकने के किए भारत सरकार को विवश कर देता है। मुझे शर्म आती है आज फिर से अमेरिका भारत को पाकिस्तान के बराबर देखता है, जबकि हम पाकिस्तान से हर मामले में काफी आगे हैं। सिसोदिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इन सवालों का जवाब देश की जनता को देना चाहिए। जनता को सच जानने का हक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का मौन इशारा करता है कि कहीं कुछ गड़बड़ है। इसलिए इस मामले में चुप्पी बर्दाश्त नहीं की जा सकती।

मलेरकोटला में नहर में गिरी कार, 4 शव बरामद

10 मई से थे लापता, हरिद्वार जाने के लिए निकले, पंजाब-राजस्थान-हिमाचल के रहने वाले

गोताखोरों ने सर्च ऑपरेशन कर बाहर निकाली कार

अर्थ प्रकाश संवाददाता

खन्ना, 13 मई। मलेरकोटला की जोड़ेपुल नहर से मंगलवार शाम को एक कार बरामद की गई। इस कार में सवार चार कर्मचारी के शव मिले है, जो 10 मई की रात से लापता थे। मृतकों में जयपुर निवासी 50 वर्षीय जतिंदर कुमार, जयपुर के 28 वर्षीय गोपाल कृष्ण, हिमाचल प्रदेश के 22 वर्षीय सूजन मलिक और भवानीगढ़ के गगन शामिल हैं। सभी धूरी रोड स्थित गांव सांगला की भारत ऑटो कार एजेंसी में काम करते थे। इनमें एक कंपनी मैनेजर, स्टोर कीपर और दो अन्य कर्मी थे। चारों कर्मचारी 10 मई की रात को बिना किसी को बताए बलेनो कार से हरिद्वार के लिए निकले थे। उनकी आखिरी मोबाइल लोकेशन जोड़ेपुल नहर के पास मिली थी। इसी आधार पर परिवार और पुलिस ने नहर में तलाश शुरू की। गोताखोरों के सर्च ऑपरेशन में कार नहर से बाहर निकाली गई। पुलिस चौकी इंचार्ज हरजिंदर सिंह ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल मलेरकोटला भेजा गया है। मृतकों के परिजनों के बयान और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भारत ऑटो एजेंसी के मालिक के अनुसार, गेट कीपर ने चारों कर्मचारियों के एक साथ जाने की जानकारी दी थी। संपर्क टूटने के बाद काफी कोशिशों के बावजूद कोई पता नहीं चला। इस पर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई थी। कार मिलने की सूचना पर पूरा स्टाफ और परिजन मौके पर पहुंच गए।

लुधियाना में नगर कौंसिल प्रधान को मिली राहत, डेढ़ साल से लटकी कुर्सी बची, अवैध कब्जे की शिकायत पर सरकार ने दी क्लीन चिट

अर्थ प्रकाश संवाददाता

जगराओं, 13 मई। लुधियाना में जगराओं नगर कौंसिल के प्रधान जतिंदरपाल राणा को पंजाब सरकार से राहत मिल गई है। डेढ़ साल से चली आ रही उनकी कुर्सी की लड़ाई अब खत्म हो गई है। सरकार ने उनके खिलाफ दी गई शिकायत को खारिज कर दिया है। ानकारी के अनुसार मामला तब शुरू हुआ जब सुभाष गेट के रहवासी चरनजीत सिंह ने लोकल बाडी विभाग में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में आरोप लगाया गया कि राणा शहर में अवैध कब्जे करवा रहे हैं। इससे कौंसिल को आर्थिक नुकसान हो रहा है। कौंसिल की बिल्डिंग इंस्पेक्टर निशा के बयान दर्ज करने के बाद सरकार ने 12 मार्च 2025 को राणा को नोटिस जारी किया। राणा ने अपने बचाव में कहा कि कुछ राजनीतिक लोग उन्हें पद से हटाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पहले भी उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाए गए। लेकिन हर बार विरोधी असफल रहे। राणा ने सरकार को दिए जवाब में कहा कि उन्होंने अवैध कब्जे हटाने के लिए अधिकारियों को कई बार पत्र भेजे हैं। लोकल बाडी मंत्री रवजोत सिंह ने 9 अप्रैल 2025 को राणा को तलब किया। राणा ने मंत्री के सामने अपना पक्ष रखा। उन्होंने भविष्य में भी ईमानदारी से काम करने का भरोसा दिलाया। राणा को मिली राहत के बाद मंगलवार को कई कौंसलर उनके दफ्तर पहुंचे। रविन्द्रपाल राजू कामरेड, दविन्द्र जीत सिधु, सुखविन्द्र सिंह समेत कई लोगों ने उन्हें बधाई दी।

मजीठिया के बयान से लगता है कि उनकी मुजरिमों से है जान-पहचान या वह सफेद झूठ बोल रहे है: कंग

सांसद मलविंदर कंग ने बिक्रम मजीठिया के बयान पर उठाए सवाल, पूछा – उन्हें कैसे पता कि मुजरिम असली है या नकली?

कंग बोले- अगर असली गुनहगारों की जानकारी है तो पुलिस को बताएं, इस तरह जनता को गुमराह न करें

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 13 मई। मजीठा में नकली शराब पीने से 14 लोगों की हुई मौत पर अकाली दल के नेता विक्रम मजीठिया द्वारा मुख्य आरोपी के संबंध में दिए गए बयान को लेकर आम आदमी पार्टी के नेता और सांसद मलविंदर सिंह कंग ने सवाल उठाया और मजीठिया पर राजनीति करने का आरोप लगाया।

कंग ने सवाल करते हुए कहा कि पंजाब पुलिस ने जिन आरोपियों को पकड़ा है उसके बारे में विक्रम मजीठिया को कैसे पता कि वह असली है या नकली। उन्होंने कहा कि जिस आत्मविश्वास के साथ वह दावा रहे हैं, उससे लगता है कि उनकी मुजरिमों से अच्छी जान पहचान है या फिर वह सफेद झूठ बोल रहे है।

कंग ने कहा कि अगर मजीठिया को लगता है कि पकड़े गए आरोपी गलत है तो फिर वह असली आरोपी के नाम पुलिस को बता दें। इस तरह के बयान देकर लोगों को गुमराह न करें। कंग ने कहा कि अब इतना बड़ा दावा करने के बाद अगर मजीठिया मुख्य आरोपी का नाम नहीं बताते तो इसका मतलब होगा कि वह मुजरिमों को राजनीतिक संरक्षण दे रहे हैं।

आप सांसद ने कहा कि इसमें कोई शक नहीं की विक्रम मजीठिया को असली गुनहगारों के बारे में पता हो क्योंकि अतीत में उनका नाम कई सारे नशा तस्करों के साथ जुड़ता रहा है। उनके बयान के बाद अब यहां भी एक बड़ा सवाल उठता है कि इस घटना में कहीं वह खुद भी तो शामिल नहीं है?

श्री सुखमणि कॉलेज ऑफ नर्सिंग में मनाया अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस

अर्थ प्रकाश संवाददाता

डेराबस्सी,13 मई। श्री सुखमणि कॉलेज ऑफ नर्सिंग, डेरा बस्सी ने आधुनिक नर्सिंग की संस्थापक फ्लोरेंस नाइटिंगेल की जयंती मनाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस को बड़े जोश और उत्साह के साथ मनाया। यह कार्यक्रम स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में नर्सों के अमूल्य योगदान का सम्मान करने और उनकी निस्वार्थ सेवा, करुणा और अटूट समर्पण को मान्यता देने के लिए आयोजित किया गया था। इस समारोह में बीएससी नर्सिंग, जीएनएम, पोस्ट बेसिक नर्सिंग और एमएससी नर्सिंग कार्यक्रमों के लगभग 300 नर्सिंग छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत श्री सुखमणि कॉलेज ऑफ नर्सिंग के प्रिंसिपल डॉ. अरुण कुमार जिंदल के गर्मजोशी भरे स्वागत भाषण से हुई, जिन्होंने स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में नर्सों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों और शिक्षकों के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया, अपने संदेश को इस वर्ष की थीम 'हमारी नर्से, हमारा भविष्य 'नर्सों की देखभाल अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करती है' के साथ जोड़ते हुए। कार्यक्रम में छात्रों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की एक जीवंत श्रृंखला ने और भी चार चांद लगा दिए, जिसमें भावपूर्ण गीत, भावपूर्ण कविताएँ और मनोरंजक मिमिक्री शामिल थीं, जिन्होंने उनकी रचनात्मकता और उत्साह को दर्शाया। प्रस्तुतियों के बाद, लंच ब्रेक का आयोजन किया गया। एक गंभीर और गरिमामय क्षण में, कार्यक्रम बीएससी नर्सिंग प्रथम सेमेस्टर और जीएनएम प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए शपथ ग्रहण समारोह के साथ फिर से शुरू हुआ।

इस समारोह ने महान नर्सिंग पेशे में उनके औपचारिक प्रवेश को चिह्नित किया और देखभाल और करुणा के मूल्यों को बनाए रखने के लिए उनकी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। श्री सुखमणि ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस (एसएसजीआई) के अध्यक्ष श्री कंवलजीत सिंह और एसएसजीआई के निदेशक श्री दमनजीत सिंह ने एक सार्थक और प्रेरक समारोह आयोजित करने के लिए श्री सुखमणि कॉलेज ऑफ नर्सिंग के संकाय और कर्मचारियों को हार्दिक बधाई दी। इस कार्यक्रम को समूह के तहत अन्य कॉलेजों के प्रिंसिपल और मुख्य प्रशासक प्रो. रशपाल सिंह की उपस्थिति से और अधिक सुशोभित किया गया।

इस समारोह ने न केवल नर्सों के योगदान को सम्मानित किया बल्कि नर्सिंग पेशे के महान आदर्शों देखभाल, करुणा और प्रतिबद्धता को बनाए रखने के लिए उपस्थित सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बना।

जगराओं में अवैध शराब समेत महिला गिरफ्तार

हरियाणा से लाई जा रही 13 बोतल बरामद

अर्थ प्रकाश/प्रदीप पाल

जगराओं, 13 मई। जगराओं थाना सिटी पुलिस ने शराब तस्करी के मामले में एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया है। महिला लंबे समय से तस्करी का काम कर रही थी। हरियाणा से शराब लाकर जगराओं के गांव क्षेत्रों के आसपास में सप्लाई करा करती थी।

आरोपी महिला की पहचान पूजा रानी के रूप में हुई है, जो लैहदी भैणी जगराओं के नजदीक दुली पेंटर की रहने बताया जा रहा है। जगराओं के थाना सिटी के एएसआई गुरदीप सिंह के अनुसार, पुलिस टीम सुभाष गेट पर गश्त के दौरान चेकिंग कर रही थी। इस दौरान गुप्त सूचना मिली कि एक महिला लंबे समय से शराब तस्करी में संलिप्त रही थी। वह हरियाणा की देसी शराब को आसपास के क्षेत्र में सप्लाई करती है। इस समय भी आरोपी महिला शराब की सप्लाई के लिए ग्राहकों का इंतजार कर रही है।

सूचना के आधार पर पुलिस ने बाबा चुप शाह की जगह के पास छापेमारी की। 13 बोतल देसी शराब बरामद समेत महिला तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने थाना सिटी में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

सन्मति स्कूल की एथलीट जसमीत कौर ने मार्शल आर्ट में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परचम लहराया

अर्थ प्रकाश/प्रदीप पाल

जगराओं, 13 मई। सन्मति विमल जैन सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल, जगराओं, क्षेत्र के अग्रणी संस्थानों में से एक है और शिक्षा के क्षेत्र के साथ-साथ खेल की दुनिया में भी अपना नाम उगते सूरज की तरह चमका रहा है। इस संबंध में प्रधानाचार्या सुप्रिया खुराना ने बताया कि स्कूल की नौवीं कक्षा की प्रतिभावान खिलाड़ी जसमीत कौर ने 'इंडो-नेपाल इंटरनेशनल टोग-इल-मो.डो मार्शल आर्ट चैंपियनशिप-2025' जीत ली है जो कि टोग-इल-मो.डो है।

प्रतियोगिता का आयोजन डू एसोसिएशन पंजाब (भारत) द्वारा किया गया था, जिसमें इस खिलाड़ी ने प्रथम स्थान प्राप्त कर मेडल व ट्रॉफी जीतकर अपने स्कूल व माता-पिता का नाम रोशन किया। स्कूल पहुंचने पर स्कूल की प्रबंध समिति, प्रिंसिपल मैडम सुप्रिया खुराना और समस्त स्टाफ ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रिंसिपल सुप्रिया खुराना, कुलविंदर कौर डी.डी. खिलाड़ी जसमीत कौर का स्कूल पहुंचने पर स्वागत किया गया। पी।

डी.ए.वी. स्कूल जगराओं के दिव्यम गर्ग और भविष्य खन्ना ने किया नाम रोशन

दिव्यम गर्ग 96 प्रतिशत व भविष्य खन्ना ने 95.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किए

अर्थ प्रकाश/प्रदीप पाल

जगराओं, 13 मई। डी.ए.वी. स्कूल जगराओं का नाम किया रोशन कल दोपहर सी.बी.एस.ई. द्वारा कक्षा 10वीं और 12वीं के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए। इस संबंध में जानकारी देते हुए स्कूल के प्रधानाचार्य वेदव्रत प्लाह ने बताया कि स्कूल की मेडिकल, नॉन-मेडिकल और कॉमर्स तीनों स्ट्रीम का परिणाम बेहद शानदार रहा। इस क्रम में नॉन-मेडिकल स्ट्रीम के दिव्यम गर्ग ने 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल और अपने माता-पिता का नाम रोशन किया। वहीं साइंस स्ट्रीम में सतनाम सिंह ने 93.6 और नूर शर्मा ने 89.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। कॉमर्स स्ट्रीम में विभूति सिंगला ने 94.2 प्रतिशत, लोकेश ने 92.6 प्रतिशत , अंकुश ने 91.6 प्रतिशत, शिप्रा ने 91 प्रतिशत, रितेश उप्पल ने 90.8 प्रतिशत और हिरदेजोत कौर ने 89.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सफलता हासिल की।

दसवीं कक्षा के घोषित परिणामों के तहत, प्रधानाचार्य जी ने बताया कि भविष्य खन्ना ने 95.2 प्रतिशत, ऐंजल सिंगला ने 94.8 प्रतिशत, मनंतप्रीत कौर ने 94.4 प्रतिशत, दिशांत गोयल ने 93.6 प्रतिशत, शिव वर्मा ने 93.6 प्रतिशत, प्रभजोत कौर ने 92.8 प्रतिशत, यशिका ने 92.6 प्रतिशत, आकृति ने 91.8 प्रतिशत, सहजप्रीत ने 91.4 प्रतिशत, परमजीत कौर मिगलानी ने 90.4 प्रतिशत, चितवनजोत कौर चावला ने 90.2प्रतिशत और रूशिल गर्ग ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल का नाम गौरवान्वित किया।

11 नशा तस्कर गिरफ्तार, हेरोइन और नशीली गोलियां बरामद

अर्थ प्रकाश/प्रदीप पाल

जगराओं, 13 मई। पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन अभियान चलाया। एक एसपी और तीन डीएसपी के नेतृत्व में 110 पुलिसकर्मियों की टीम ने कई गांवों में सर्च ऑपरेशन किया। जगराओं सिटी, रामगढ़ भुल्लर, दाखा, रायकोट, जोधा और सुधार गांवों में यह अभियान चलाया गया। पुलिस ने पूरे इलाके को सील कर दिया।

इस दौरान 47 लोगों की जांच की गई। पुलिस ने 25 चालान भी काटे। पुलिस ने सात अलग-अलग मामलों में 11 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया। आरोपियों से 18 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। इसके अलावा 169 नशीली गोलियां और 35 नशीले कैप्सूल भी जब्त किए गए। सभी आरोपियों के खिलाफ अलग-अलग थानों में मामले दर्ज कर लिए गए हैं।

कासो ऑपरेशन के तहत पुलिस ने जेल से छूटे और जेल में बंद तस्करों के घरों की तलाशी ली। बैंड रूम से लेकर रसोई तक की जांच की गई।

मोहाली सिटी सेंटर मार्किट के बिजली बॉक्स में लगी आग, लाखों का नुकसान

दमकल विभाग ने मौके पर पहुंचकर आग पर पाया काबू

अर्थ प्रकाश संवाददाता

जीरकपुर, 13 मई। पटियाला हाइवे पर स्थित मोहाली सिटी सेंटर नामक व्यापरिक प्रोजेक्ट की बिजली यूनिट सोमवार को दुपिहर करीब साढ़े तीन बजे अचानक आग लग गई। जहां बड़े बड़े ट्रांसफरमर रखे हुए थे और आगे बिजली सप्लाई करने के लिए दो बड़े बड़े बॉक्स लगे हुए थे। जिनमें दुपिहर करीब साढ़े तीन बजे अचानक आग लग गई। जिसे दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर बुझाया। हलांकि दमकल विभाग के पहुंचने से पहले ही बॉक्स काफी हद तक जल चुके थे और आग बुझाने से पहले बिजली काट करना भी अनिवार्य था। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया की दुपिहर करीब साढ़े तीन अचानक से ट्रांसफार्मर के बीच से धुआं निकलना शुरू हो गया तो मार्किट में मौजूद सराफा बाजार ज्वेलरी शॉप के स्टॉफ ने सबसे पहले बिजली को बंद करवाया और दमकल विभाग को सुचना दी। जिसके बाद दमकल विभाग ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है के जिन बॉक्स में आग लगी थी उनकी कीमत 5 से 6 लाख रूपये आंकी जा रही है। आग लगने के बाद पूरी मार्किट की बिजली गुल रही। गनीमत रही के मार्किट के जिस कोने में आग लगी वहां साथ ही निजी स्कूल की चार दीवारी थी। अगर आग ज्यादा फैलती तो नुकसान ज्यादा हो सकता था। लेकिन लोगों व दमकल विभाग की मदद से समय रहते आग पर काबू पा लिया गया था। आग लगने के का शार्ट शर्किट बताया जा रहा है।

ज्ञान सागर मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस छात्रों ने गेट के सामने धरना देकर की अस्पताल प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी

शिक्षा पर लाखों रुपए खर्च करने के बावजूद 14 घंटे की दी जा रही है मात्र 170 रुपए दैनिक मजदूरी

छात्रों ने की मांगें पूरी न होने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की घोषणा

अर्थ प्रकाश संवाददाता

बनूड़, 13 मई। राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित ज्ञान सागर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के एमबीबीएस इंटर्नशिप (प्रैक्टिस) के छात्रों ने कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ गेट के बाहर धरना दिया तथा जोरदार नारेबाजी की। प्रदर्शनकारी छात्रों ने कहा कि अस्पताल प्रबंधन उन्हें अल्प वेतन देकर उनका शोषण कर रहा है। जबकि बाबा फरीद यूनिवर्सिटी और नेशनल मेडिकल काउंसिल के निर्देशानुसार न्यूनतम वेतन 25 हजार रुपए निर्धारित है। इंटर्न छात्रों को 15,000 रुपए का भुगतान करने को कहा गया है।

प्रदर्शनकारी छात्रों में कपिल, अरविल, गौरव, मनकीरत, रीतिस, पीयूष, दीक्षा, जैशमीन, साची, गुरलीन, सौरव, आरिस, संदीप सहित सैकड़ों अन्य छात्रों ने बताया कि वे ज्ञान सागर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एमबीबीएस इंटर्नशिप के छात्र हैं। छात्रों ने बताया कि उन्होंने ज्ञान सागर अस्पताल में चार साल तक पढ़ाई के लिए लाखों रुपए खर्च किए। अब उसी अस्पताल में एक साल तक उनकी आंतरिक सर्जरी (प्रैक्टिस) चलेगी। इस दौरान प्रबंधन द्वारा उन्हें परेशान किया जा रहा है। छात्रों ने बताया कि अस्पताल प्रशासन उनसे प्रतिदिन 14 घंटे काम करवा रहा है। इसके बदले उन्हें 5,000 रुपए यानी 170 रुपए प्रतिदिन वेतन दिया जा रहा है। छात्रों ने बताया कि बाबा फरीद यूनिवर्सिटी फरीदकोट व नेशनल मेडिकल काउंसिल ने एमबीबीएस इंटर्नशिप छात्रों को 15,000 रुपए प्रति माह देने की घोषणा की गई है। जब राज्य सरकार ने मेडिकल छात्रों को न्यूनतम 13,700 रुपए प्रतिमाह देना अनिवार्य कर दिया है। छात्रों ने बताया कि वे पिछले 10 दिनों से इस मुद्दे पर प्रशासन से बात कर रहे हैं, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इसके विरोध में आज उन्हें यह कदम उठाना पड़ा। छात्रों ने प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की और कहा कि जब तक उन्हें बाबा फरीद यूनिवर्सिटी और एनएमसी के निर्देशानुसार वेतन नहीं दिया जाता, तब तक वे धरना नहीं हटाएंगे। छात्रों ने अस्पताल के बाहर टेंट लगाकर अपना विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। छात्रों ने कहा कि वे दिन-रात विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे। जब प्रशासकों को छात्रों के विरोध के बारे में पता चला, तो उन्होंने व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से धरने पर बैठे छात्रों को नोटिस जारी किए और अनुपस्थिति दर्ज करने तथा चरित्र प्रमाण पत्र और डिग्री जारी न करने की धमकी भी दी। प्रदर्शनकारी छात्रों ने घोषणा की कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, तब तक विरोध प्रदर्शन अनिश्चित काल तक जारी रहेगा।

उल्लेखनीय है कि पूर्व में भी ज्ञानसागर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल को ऐसे ही विवादों के चलते बंद किया जा चुका है। जिसके बाद लंबे संघर्ष के बाद यह अस्पताल दोबारा खुला है और अब यह नए विवादों में घिरता जा रहा है।

जब इस मामले में मैनेजर पूजा साहनी से संपर्क किया गया, तो उन्होंने कहा कि ऐसे छोटे-मोटे मामले होते रहते हैं और फोन काट दिया।

दिल्ली में कर्तव्य पथ पर निकाली गई तिरंगा यात्रा सीएम रेखा बोलीं– यह सभी के लिए गौरव की बात

अर्थ प्रकाश/नरेश वत्स

नई दिल्ली, 13 मई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 13 मई से 23 मई के बीच पूरे देश में तिरंगा यात्रा निकालने का निर्णय किया है। इसी क्रम में मंगलवार को दिल्ली में तिरंगा यात्राएं निकाली गई। कर्तव्य पथ पर निकाली गई 'तिरंगा शौर्य सम्मान यात्रा' में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता कहा, 'भारतीयों के लिए जो निर्णय लिए गए हैं, वे हम सभी के लिए गौरव की बात है। यदि आतंक के आका भारत की ओर आंख उठाकर देखेंगे तो हमारी सेनाएं, सरकार और प्रधानमंत्री मोदी उन्हें करारा जवाब देने को तैयार बैठे हैं।

इंडिया गेट के कर्तव्य पथ पर तिरंगा यात्रा निकाला गई। इसमें छात्र, स्काउट गाइड, आम नागरिक और भाजपा के नेता-कार्यकर्ता शामिल हुए। इस तिरंगा यात्रा में हिस्सा लेने आए शुभम ने अमर उजाला से कहा कि यह पूरे देश के लिए गौरव का क्षण है। भारतीय सेनाओं ने एक बार फिर पूरे देश को गौरवान्वित होने का अवसर दिया है। इससे उनके मन में सेना के लिए इज्जत और ज्यादा बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि वे हर तरह से भारतीय सेना के साथ खड़े हैं और हर स्तर पर सेना का सहयोग देने के लिए तैयार हैं।

बीजेपी कार्यकर्ता सीमा तिवारी ने कहा कि वे यह देखकर बहुत खुश हैं कि भारतीय सेना ने अपना पराक्रम दिखाते हुए दुश्मन देश को परास्त कर दिया है। वे चाहती हैं कि सभी लोग शांति के साथ रहें और दुनिया को किसी युद्ध का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि जिस तरह पड़ोसी देश ने आतंकियों के सहारे भारत को हराने की कोशिश की है, उससे यही साफ होता है कि उसे अपनी सेना पर भरोसा नहीं है। उन्होंने कहा कि उनकी तरह देश की हर बेटी भारतीय सेना के साथ खड़ी है और उसके साथ काम करना चाहती है।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने इस अवसर पर कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत हमारी सेनाओं ने अद्भुत पराक्रम दिखाया है।

46 दिनों बाद मनाली-लेह मार्ग पर बर्फ की कई फीट ऊंची दीवारों के बीच से दौड़े पर्यटक वाहन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

कुल्लू/केलांग। मनाली-लेह सामरिक मार्ग खुलने के पहले ही दिन 291 वाहन लेह की तरफ रवाना हुए। जबकि शिंकुला दर्रा होकर भी लगभग 90 छोटे वाहन लद्दाख की तरफ निकले हैं। सीमा सड़क संगठन के दीपक और हिमांक प्रोजेक्ट ने बीते मंगलवार को मनाली-लेह सड़क मार्ग छोटे वाहनों के लिए बहाल किया है। मंगलवार से इस मार्ग पर वाहनों की आवाजाही शुरू हो गई है। हालांकि दोपहर बाद बारालाचा दर्रा के आसपास ताजा हिमपात हुआ है।

बावजूद वाहनों की आवाजाही जारी रही। बताया जा रहा है कि पिछले कुछ दिनों से लद्दाख क्षेत्र में फंसे सैलानियों को वहां के टैक्सियों से वाया शिंकुला दर्रा होकर मनाली पहुंचाया था। वे गाड़ियां अब सरचू और शिंकुला होकर लद्दाख के लिए वापस निकल रही हैं। डीएसपी केलांग राज कुमार ने बताया कि बुधवार को सरचू होकर 291 लेह और शिंकुला दर्रा होकर करीब 90 वाहन लद्दाख की तरफ निकले हैं। बीआरओ ने अभी बड़े वाहनों की आवाजाही के लिए एनओसी जारी नहीं किया है। लिहाजा इस मार्ग पर फिलहाल छोटे वाहनों को आवाजाही शुरू हुई है। बारालाचा दर्रा के आसपास सड़क के दोनों किनारों पर बर्फ की ऊंची दीवारें होने से बड़े वाहनों की आवाजाही में दिक्कत हो रही है। बीआरओ के मशीनें इन दीवारों को काट कर सड़क को चौड़ा करने में जुट गई है। हालात सामान्य होते ही बारालाचा सरचू होकर जल्द बड़े वाहनों की आवाजाही शुरू हो जाएगी।

ऑपरेशन सिंदूर के बीच दुनिया के सबसे ऊंचे दर्रे से होकर गुजरने वाली मनाली-लेह सड़क को खोलने के लिए सीमा सड़क संगठन पर लगातार दबाव बना हुआ था। ऑपरेशन को देखते हुए इस सड़क से जल्द भारतीय सेना के वाहनों को लद्दाख की तरफ भेजना जरूरी हो गया था। लिहाजा सीमा सड़क संगठन ने समुद्रतल से 16,000 कीट से भी अधिक की ऊंचाई से गुजरने वाली इस सड़क को सोमवार को बहाल कर दिया था।

बिहार सरकार

समाहरणालय, सारण
न्यायालय, समाहर्त्ता एवं जिला दण्डाधिकारी, सारण
बिहार मद्य निषेध और उत्पाद अधिनियम–2016, (संशोधित) अधिनियम–2018 एवं 2022 के अन्तर्गत जब्त वाहन/मकान स्वामी के लिए नोटिस

सूचना

एतद् द्वारा निम्नलिखित वाहन स्वामी/मकान स्वामी हितबद्ध व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम, 2016 (संशोधित) अधिनियम–2018 एवं 2022 के अन्तर्गत पुलिस/उत्पाद विभाग द्वारा अवैध शराब रखने/परिवहन करने के आरोप में आपके वाहन/मकान को जप्त कर अधिहरण हेतु समर्पित प्रस्ताव के आलोक में अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में अधिहरण वाद संधारित है। सभी वाहन स्वामी/मकान स्वामी हितबद्ध व्यक्तियों को बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम–2022 (संशोधित) के कंडिका 12(क) के आलोक में शास्ति (Penalty) की राशि जमा कर वाहन/मकान को मुक्त कराने के लिए नोटिस दी गई थी, लेकिन अब तक निम्नलिखित वाहन/मकान/नाव स्वामी उपस्थित नहीं हुए है। वैसे वाहन/मकान की राजसात की कार्रवाई के लिए सुनवाई की तिथि कंडिका–04 एवं कंडिका–05 में निर्धारित की गई है:–

क्रम सं0	अधिहरण वाद संख्या	थाना कांड संख्या एवं तिथि	सुनवाई की निर्धारित अगली तिथि	सुनवाई की निर्धारित अंतिम तिथि	जप्त वाहन का प्रकार एवं निबंधन संख्या/ मकान का विवरण	वाहन मालिक/ नामजद अभियुक्त का नाम एवं पता
1	2	3	4	5	6	7
01	129/2025	उत्पाद सदर थाना सं0–219/2024	19.05.2025	26.05.2025	HYUNDAI कार रजिस्ट्रेशन संख्या–HR55X-2684, इंजन संख्या–G4LAGM940801 एवं चेचिस संख्या–MALA741CLGM163976B	आकाश सैनी, पिता–महेन्द्र सैनी, पता–हाउस नं0–04, टिकमपुरा विष्णु गार्डेन, गुडगाँव, हरियाणा
02	192/2025	मकेर थाना कांड संख्या–275/2024	19.05.2025	26.05.2025	महिन्द्रा जायलो रजिस्ट्रेशन संख्या–HR124F-8295, इंजन संख्या–BX94L68733 एवं चेचिस संख्या–92L30862	महाबीर, पिता–राममिहर, पता–भी.पी.ओ. इस्माईला–11बी, साम्पल, जिला–रोहतक, राज्य–हरियाणा

अतः सभी संबंधित व्यक्तियों को आगाह किया जाता है कि कॉलम–04 एवं कॉलम–05 में निर्धारित तिथि को आप स्वयं अथवा अपने प्राधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें अन्यथा आपके अनुपस्थिति में एकपक्षीय कार्रवाई करते हुए विधिसम्मत आदेश पारित किया जाएगा।

उक्त सूचना **www.state.bihar.gov.in/prdbihar** पर भी देखी जा सकती है।

PR. No. 003097 (District) 25-26

समाहर्त्ता–सह–जिला दण्डाधिकारी, सारण, छपरा

नशे की मार, बर्बाद करे सुखी परिवार।

गंभीर और संवेदनशील राष्ट्रीय मुद्दों पर संसद में विस्तृत चर्चा आवश्यक : रामचंद्र गुर्जर

कहा– केंद्र सरकार को जल्द से जल्द विशेष सत्र बुलाया जाना चाहिए

अर्थ प्रकाश/ओम प्रकाश

कैथल, 13 मई। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यकारिणी सदस्य रामचंद्र गुर्जर ढांड ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले, ऑपरेशन सिंदूर और युद्ध विराम पर चर्चा करना लोगों और उनके प्रतिनिधियों के लिए बहुत जरूरी है। ऐसे में केंद्र सरकार को जल्द से जल्द विशेष सत्र बुलाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकसभा में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और राज्यसभा में कांग्रेस के राष्ट्रीयाध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री को भेजा गया पत्र विपक्ष की सर्वसम्मत भावनाओं को दर्शाता है। अत्यंत गंभीर और संवेदनशील राष्ट्रीय मुद्दों पर संसद में विस्तृत चर्चा आवश्यक है। यह देश की लोकतांत्रिक परंपरा, सुरक्षा नीति और जनता के प्रति हमारी जवाबदेही का हिस्सा है। नई अनाज मंडी ढांड में अपने प्रतिष्ठान पर एक भेंटवार्ता में बातचीत करते हुए कांग्रेसी नेता रामचंद्र गुर्जर ढांड ने कहा कि सरकार इन विषयों पर चुप्पी साधे हुए है, जबकि देश चिंतित है और स्पष्टता चाहता है। जनता को सच जानने का अधिकार है, और संसद इसका सर्वोच्च मंच है। विपक्ष देशहित में एकजुट होकर इस विशेष सत्र की मांग कर रहा है और यदि सरकार लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास रखती है, तो उसे तत्काल संसद का विशेष सत्र बुलाना चाहिए। कांग्रेस प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रामचंद्र गुर्जर ने कहा कि कांग्रेस पहलगाम में हुए अमानवीय आतंकवादी हमले के मद्देनजर संसद के दोनों सदनों का एक विशेष सत्र बुलाने का अनुरोध पहले भी कर चुकी है। नवीनतम घटनाक्रमों के मद्देनजर लोकसभा में विपक्ष के नेता ने सरकार को फिर से पत्र लिखकर सभी विपक्षी दलों की सर्वसम्मत मांग से अवगत कराया है।

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियाँ–2025

रेलयात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे द्वारा निम्नलिखित ग्रीष्मकालीन स्पेशल एक्सप्रेस रेलगाड़ियों का संचालन किया जायेगा, जिनका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:–

गाड़ी संख्या	स्टेशन से	प्रस्थान समय	स्टेशन तक	आगमन समय	आवृति	चलने के दिन	चलने के तिथि
04088	नई दिल्ली	15:50	पटना जंक्शन	08:40	प्रतिदिन		10.07.2025 तक
04087	पटना जंक्शन	12:00	नई दिल्ली	04:40			11.07.2025 तक
04064	नई दिल्ली	09:30	शेखपुरा	05:00	द्वि–साप्ताहिक	सोम, गुरु	10.07.2025 तक
04063	शेखपुरा	07:00	नई दिल्ली	23:35		मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04066	नई दिल्ली	21:35	सहरसा जंक्शन	22:00	द्वि–साप्ताहिक	सोम, गुरु	10.07.2025 तक
04065	सहरसा जंक्शन	23:55	नई दिल्ली	23:30		मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04022	नई दिल्ली	14:00	गोरखपुर	05:00	साप्ताहिक	शुक्रवार	11.07.2025 तक
04021	गोरखपुर	07:00	नई दिल्ली	23:10		शनिवार	12.07.2025 तक
04081	नई दिल्ली	23:45	श्री माता वैष्णो देवी कटरा	11:40	त्रि–साप्ताहिक	सोमवार, बुध, शनि	12.07.2025 तक
04082	श्री माता वैष्णों देवी कटरा	21:20	नई दिल्ली	09:30		मंगल, गुरु, रविवार	13.07.2025 तक
04012	दिल्ली जंक्शन	19:30	दरभंगा जंक्शन	20:30	द्वि–साप्ताहिक	मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04011	दरभंगा जंक्शन	22:00	दिल्ली जंक्शन	22:40		बुध, शनि	12.07.2025 तक
04024	दिल्ली जंक्शन	19:30	वाराणसी जंक्शन	09:45	त्रि–साप्ताहिक	सोम,गुरु,शनि	10.07.2025 तक
04023	वाराणसी जंक्शन	18:35	दिल्ली जंक्शन	08:50		मंगल,शुक्र,रवि	11.07.2025 तक
04026	दिल्ली जंक्शन	23:05	रक्सौल जंक्शन	19:00	साप्ताहिक	गुरुवार	10.07.2025 तक
04025	रक्सौल जंक्शन	22:00	दिल्ली जंक्शन	17:45		शुक्रवार	11.07.2025 तक
04018	आनंद विहार (ट)	09:00	मुजफ्फरपुर जंक्शन	06:00	साप्ताहिक	गुरुवार	29.05.2025 तक
04017	मुजफ्फरपुर जं	07:30	आनंद विहार (ट)	06:00		शुक्रवार	30.05.2025 तक
04020	आनंद विहार (ट)	19:30	बरौनी जंक्शन	18:00	साप्ताहिक	रविवार	06.07.2025 तक
04019	बरौनी जंक्शन	20:00	आनंद विहार (ट)	19:00		सोमवार	07.07.2025 तक
04070	आनंद विहार (ट)	00:20	राजगीर	19:50	द्वि–साप्ताहिक	मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04069	राजगीर	23:30	नई दिल्ली	19:00		मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04096	आनंद विहार (ट)	05:00	जयनगर	12:00	द्वि–साप्ताहिक	सोम, गुरु	10.07.2025 तक
04095	जयनगर	17:00	आनंद विहार (ट)	19:55		मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04098	आनंद विहार (ट)	05:00	सीतामढी	02:30	द्वि–साप्ताहिक	मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04097	सीतामढी	03:45	आनंद विहार (ट)	01:30		बुध, शनि	12.07.2025 तक
04030	आनंद विहार (ट)	09:00	मुजफ्फरपुर जंक्शन	04:30	द्वि–साप्ताहिक	मंगल, शनि	17.05.2025 तक
04029	मुजफ्फरपुर जंक्शन	06:15	आनंद विहार (ट)	03:10		बुध, रवि	18.05.2025 तक
04094	आनंद विहार (ट)	23:55	जोगबनी	07:30	साप्ताहिक	गुरुवार	10.07.2025 तक
04093	जोगबनी	09:30	आनंद विहार (ट)	16:00		शनिवार	12.07.2025 तक
04207	लखनऊ जंक्शन	08:05	नई दिल्ली	17:50	साप्ताहिक	सोमवार	07.07.2025 तक
04208	नई दिल्ली	20:20	लखनऊ जंक्शन	06:00		सोमवार	07.07.2025 तक
04213	अयोध्या कैंट	18:20	आनंद विहार (ट)	06:00	त्रि–साप्ताहिक	रवि,मंगल,गुरु	10.07.2025 तक
04214	आनंद विहार (ट)	09:00	अयोध्या कैंट	22:00		सोम,बुध,शुक्र	11.07.2025 तक
04687	बनिहाल	18:40	बडगाम	20:20	सप्ताह में 06 दिन	शुक्रवार को छोड़कर	03.06.2025 तक
04688	बडगाम	08:35	बनिहाल	10:40			03.06.2025 तक
04217	वाराणसी जंक्शन	06:25	लखनऊ जंक्शन	11:45	प्रतिदिन		30.06.2025 तक
04218	लखनऊ जंक्शन	16:30	वाराणसी जंक्शन	21:50			30.06.2025 तक
04219	शाहगंज जंक्शन	22:35	अयोध्या धाम जंक्शन	01:40	प्रतिदिन		10.07.2025 तक
04220	अयोध्या धाम जंक्शन	02:10	शाहगंज जंक्शन	04:40			10.07.2025 तक
02270	लखनऊ जंक्शन (वंदे भारत स्पेशल)	14:15	छपरा	21:30	सप्ताह में 06 दिन	मंगलवार को छोड़कर	11.07.2025 तक
02269	छपरा	23:00	लखनऊ जंक्शन	06:30			11.07.2025 तक
04604	श्री माता वैष्णो देवी कटरा	18:15	वाराणसी जंक्शन	19:00	साप्ताहिक	रविवार	06.07.2025 तक
04603	वाराणसी जंक्शन	05:30	श्री माता वैष्णो देवी कटरा	11:25		मंगलवार	08.07.2025 तक
04206	वाराणसी जंक्शन	14:50	चंडीगढ़	07:45	साप्ताहिक	शनिवार	05.07.2025 तक
04205	चंडीगढ़	09:30	वाराणसी जंक्शन	01:20		रविवार	06.07.2025 तक
04518	भटिंडा जंक्शन	20:50	वाराणसी जंक्शन	17:30	द्वि–साप्ताहिक	सोम, शुक्र	11.07.2025 तक
04517	वाराणसी जंक्शन	20:40	भटिंडा जंक्शन	17:00		मंगल, शनि	12.07.2025 तक
04209	लखनऊ जंक्शन	20:45	चंडीगढ़	07:55	त्रि–साप्ताहिक	सोम,बुध,शुक्र	09.07.2025 तक
04210	चंडीगढ़	10:20	लखनऊ जंक्शन	21:30		मंगल,गुरु,शनि	10.07.2025 तक
04504	चंडीगढ़	23:35	पटना जंक्शन	22:10	साप्ताहिक	गुरुवार	29.05.2025 तक
04503	पटना जंक्शन	22:45	चंडीगढ़	23:10		शुक्रवार	30.05.2025 तक
04302	योग नगरी ऋषिकेश	15:20	मुजफ्फरपुर जंक्शन	13:00	साप्ताहिक	मंगलवार	15.07.2025 तक
04301	मुजफ्फरपुर जंक्शन	15:00	योग नगरी ऋषिकेश	14:20		बुधवार	16.07.2025 तक
04606	श्री माता वैष्णो देवी कटरा	21:30	गुवाहाटी	19:10	साप्ताहिक	शुक्रवार	30.05.2025 तक
04605	गुवाहाटी	23:20	श्री माता वैष्णो देवी कटरा	20:45		सोमवार	02.06.2025 तक
04610	जम्मू तवी	06:20	वाराणसी जंक्शन	05:10	साप्ताहिक	गुरुवार	09.07.2025 तक
04609	वाराणसी जंक्शन	09:00	जम्मू तवी	07:45		शुक्रवार	10.07.2025 तक
04304	योग नगरी ऋषिकेश	15:20	गोरखपुर	06:20	साप्ताहिक	शनिवार	12.07.2025 तक
04303	गोरखपुर	09:00	योग नगरी ऋषिकेश	00:55		रविवार	13.07.2025 तक
04602	फिरोजपुर कैंट जंक्शन	15:10	पटना जंक्शन	18:00	द्वि–साप्ताहिक	बुध, शनिवार	12.07.2025 तक
04601	पटना जंक्शन	20:50	फिरोजपुर कैंट जंक्शन	23:55		गुरु, रविवार	13.07.2025 तक
04608	अमृतसर जंक्शन	20:10	दरभंगा जंक्शन	02:30	साप्ताहिक	शुक्रवार	11.07.2025 तक
04607	दरभंगा जंक्शन	04:00	अमृतसर जंक्शन	10:30		रविवार	13.07.2025 तक
04212	सुल्तानपुर जंक्शन	04:00	लोकमान्य तिलक	14:00	साप्ताहिक	सोमवार	23.06.2025 तक
04211	लोकमान्य तिलक	16:35	सुल्तानपुर जंक्शन	23:00		मंगलवार	24.06.2025 तक
05559	रक्सौल जंक्शन	05:30	उधना जंक्शन	12:35	साप्ताहिक	शनिवार	17.05.25 से 26.07.25 तक
05560	उधना जंक्शन	15:35	रक्सौल जंक्शन	00:15		रविवार	18.05.25 से 27.07.25 तक
03255	पटना जंक्शन	22:20	आनंद विहार (ट)	18:35	द्वि–साप्ताहिक	रवि, गुरु	02.01.2025 से अगले आदेश तक
03256	आनंद विहार (ट)	23:30	पटना जंक्शन	18:35		सोम, शुक्र	03.01.2025 से अगले आदेश तक
05049	छपरा	10:15	अमृतसर जंक्शन	13:50	साप्ताहिक	शुक्रवार	07.02.2025 से अगले आदेश तक
05050	अमृतसर जंक्शन	17:45	छपरा	23:55		शनिवार	08.02.2025 से अगले आदेश तक
05305	छपरा	22:00	आनंद विहार (ट)	00:20	द्वि–साप्ताहिक	सोम, गुरु	17.02.2025 से अगले आदेश तक
05306	आनंद विहार (ट)	22:10	छपरा	22:50		बुध, शनि	19.02.2025 से अगले आदेश तक
05057	गोरखपुर जंक्शन	22:45	दिल्ली जंक्शन	12:50	साप्ताहिक	गुरुवार	06.02.2025 से अगले आदेश तक
05058	दिल्ली जंक्शन	14:00	गोरखपुर जंक्शन	06:25		शुक्रवार	07.02.2025 से अगले आदेश तक
01701	जबलपुर	19:40	अयोध्या कैंट	11:00	साप्ताहिक	बुधवार	25.06.2025 तक
01702	अयोध्या कैंट	13:30	जबलपुर	04:15		गुरुवार	26.06.2025 तक
03309	धनबाद जंक्शन	10:10	जम्मू तवी	22:40	द्वि–साप्ताहिक	मंगल, शनि	28.06.2025 तक
03310	जम्मू तवी	23:30	धनबाद जंक्शन	14:00		बुध, रवि	29.06.2025 तक
02397	गया	14:15	आनंद विहार (ट)	07:10	साप्ताहिक	रविवार	29.06.2025 तक
02398	आनंद विहार (ट)	08:20	गया	00:30		सोमवार	30.06.2025 तक
03257	दानापुर	07:30	आनंद विहार	00:30	साप्ताहिक	रविवार	27.07.2025 तक
03258	आनंद विहार (ट)	05:00	दानापुर	20:45		सोमवार	28.07.2025 तक
03697	गया	14:15	दिल्ली जंक्शन	07:45	सप्ताह में 6 दिन	रवि को छोड़कर	30.06.2025 तक
03698	दिल्ली जंक्शन	08:55	गया	00:30		सोम को छोड़कर	01.07.2025 तक
05577	सहरसा जंक्शन	20:00	आनंद विहार (ट)	00:30	सप्ताह में 5 दिन	गुरु, शनि को छोड़कर	30.06.2025 तक
05578	आनंद विहार (ट)	05:15	सहरसा जंक्शन	10:30		शनि, सोम को छोड़कर	02.07.2025 तक
02393	राजेंद्र नगर	20:10	नई दिल्ली	12:10	सप्ताह में 6 दिन	गुरुवार को छोड़कर	30.06.2025 तक
02394	नई दिल्ली	13:20	राजेंद्र नगर	07:00		शुक्र को छोड़कर	01.07.2025 तक
02877	रांची	23:55	नई दिल्ली	03:00	साप्ताहिक	शुक्रवार	27.06.2025 तक
02878	नई दिल्ली	04:00	रांची	05:00		रविवार	29.06.2025 तक
05736	कटिहार जंक्शन	21:00	अमृतसर जंक्शन	09:45	साप्ताहिक	बुधवार	21.05.25 से 25.06.25 तक
05735	अमृतसर जंक्शन	13:25	कटिहार जंक्शन	23:45		शुक्रवार	23.05.25 से 27.06.25 तक
09183	मुंबई सेंट्रल	22:50	वाराणसी जंक्शन	10:30	साप्ताहिक	बुधवार	25.06.2025 तक
09184	वाराणसी जंक्शन	14:30	मुंबई सेंट्रल	04:20		शुक्रवार	27.06.2025 तक
03223	राजगीर	06:05	हरिद्वार जंक्शन	06:05	साप्ताहिक	शुक्रवार	27.06.2025 तक
04324	हरिद्वार जंक्शन	07:20	राजगीर	07:15		शनिवार	28.06.2025 तक
03221	राजगीर	14:00	शहीद कप्तान तुषार एम	23:05	साप्ताहिक	सोमवार	30.06.2025 तक
03222	शहीद कप्तान तुषार एम	03:15	राजगीर	15:00		बुधवार	02.07.2025 तक
05742	न्यू जलपाईगुड़ी	13:40	अयोध्या धाम जंक्शन	09:30	साप्ताहिक	रविवार	18.05.25 से 29.06.25 तक
05741	अयोध्या धाम जंक्शन	11:40	न्यू जलपाईगुड़ी	09:30		सोमवार	19.05.25 से 30.06.25 तक
03311	धनबाद जंक्शन	23:50	चंडीगढ़	04:30	द्वि–साप्ताहिक	मंगल, शुक्र	27.06.2025 तक
03312	चंडीगढ़	06:00	धनबाद जंक्शन	09:00		गुरु, रवि	29.06.2025 तक
05113	छपरा	15:45	आनंद विहार (ट)	14:25	साप्ताहिक	बुधवार	14.05.25 से 16.07.25 तक
05114	आनंद विहार (ट)	16:00	छपरा	14:00		गुरुवार	15.05.25 से 17.07.25 तक
05301	मऊ जंक्शन	04:00	अंबाला कैंट	00:30	साप्ताहिक	गुरुवार	15.05.25 से 17.07.25 तक
05302	अम्बाला कैंट	01:40	मऊ जंक्शन	22:00		शुक्रवार	16.05.25 से 18.07.25 तक
05193	छपरा	14:00	शहीद कप्तान तुषार एम	23:05	साप्ताहिक	सोमवार	19.05.25 से 14.07.25 तक
05194	शहीद कप्तान तुषार एम	00:10	छपरा	08:00		बुधवार	21.05.25 से 16.07.25 तक
07363	हुब्बल्ली जंक्शन	20:30	योग नगरी ऋषिकेश	23:30	साप्ताहिक	सोमवार	24.02.2025 से अगले आदेश तक
07364	योग नगरी ऋषिकेश	06:15	हुब्बल्ली जंक्शन	06:30		गुरुवार	27.02.2025 से अगले आदेश तक
01491	पुणे	17:30	हजरत निजामुद्दीन	18:10	साप्ताहिक	शुक्रवार	27.06.2025 तक
01492	हजरत निजामुद्दीन	22:10	पुणे	23:55		शनिवार	28.06.2025 तक
09101	वडोदरा जंक्शन	19:00	हरिद्वार जंक्शन	14:30	साप्ताहिक	शनिवार	28.06.2025 तक
09102	हरिद्वार जंक्शन	17:20	वडोदरा जंक्शन	11:25		रविवार	29.06.2025 तक
07023	चर्लपल्ली	20:45	हजरत निजामुद्दीन	02:00	साप्ताहिक	रविवार	29.06.2025 तक
07024	हजरत निजामुद्दीन	04:00	चर्लपल्ली	06:30		मंगलवार	01.07.2025 तक
07621	हुजूर साहिब नांदेड़	08:45	हजरत निजामुद्दीन	14:00	साप्ताहिक	शनिवार	28.06.2025 तक
07622	हजरत निजामुद्दीन	21:40	हुजूर साहिब नांदेड़	00:35		रविवार	29.06.2025 तक
09309	इंदौर जंक्शन	17:00	हजरत निजामुद्दीन	05:00	द्वि–साप्ताहिक	शुक्र, रवि	29.06.2025 तक
09310	हजरत निजामुद्दीन	08:20	इंदौर जंक्शन	21:00		शनि, सोम	30.06.2025 तक
09003	मुंबई सेंट्रल	10:30	दिल्ली जंक्शन	10:00	द्वि–साप्ताहिक	मंगल, शुक्र	27.06.2025 तक
09004	दिल्ली जंक्शन	13:05	मुंबई सेंट्रल	13:30		बुध, शनि	28.06.2025 तक
09425	साबरमती	17:20	हरिद्वार जंक्शन	17:00	द्वि–साप्ताहिक	गुरु, रवि	29.06.2025 तक
09426	हरिद्वार जंक्शन	21:00	साबरमती	22:30		शुक्र, सोम	30.06.2025 तक
09603	उदयपुर सिटी	01:50	श्री माता वैष्णो देवी कटरा	06:35	साप्ताहिक	बुधवार	25.06.2025 तक
09604	श्री माता वैष्णों देवी कटरा	10:50	उदयपुर सिटी	13:55		गुरुवार	26.06.2025 तक
01441	पुणे	17:30	हजरत निजामुद्दीन	18:10	साप्ताहिक	मंगलवार	27.05.2025 तक
01442	हजरत निजामुद्दीन	22:20	पुणे	02:45		बुधवार	28.05.2025 तक
01705	जबलपुर	15:45	हरिद्वार जंक्शन	13:50	साप्ताहिक	बुधवार	25.06.2025 तक
01706	हरिद्वार जंक्शन	17:40	जबलपुर	17:50		गुरुवार	26.06.2025 तक
07077	चर्लपल्ली	05:00	देहरादून	19:20	साप्ताहिक	मंगलवार	27.05.2025 तक
07078	देहरादून	07:00	चर्लपल्ली	22:30		गुरुवार	29.05.2025 तक

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी अन्य जानकारी जैसे मार्ग में पड़ने वाले स्टेशन एवं उनकी विस्तृत समय–सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

उत्तर रेलवे
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पर हमें फॉलो करें

बाहरवीं के परीक्षा परिणाम में स्यू माजरा स्कूल के अर्पणदीप सिंह ने किया प्रदेश में टॉप

अर्थ प्रकाश/ओम प्रकाश

कैथल, 13 मई। हरियाणा स्कूल शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा आज घोषित किए गए बाहरवीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में खंड गुहला के गांव स्यू माजरा के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के छात्र अर्पणदीप सिंह पुत्र यादविंद्र सिंह ने पूरे प्रदेश में टॉप किया है। अर्पणदीप सिंह ने कामर्स संकाय में 500 में से 497 अंक हासिल कर स्कूल के साथ साथ अपने माता पिता, गांव व खंड गुहला का नाम रोशन किया है। आज परीक्षा परिणामों की सूचि जारी होने के बाद अर्पणदीप सिंह के पूरे प्रदेश में टॉप करने की सूचना जैसे ही स्यू माजरा स्कूल में पहुंची तो वहां के स्टाफ सदस्यों व स्कूल छात्रों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा और सभी छात्र झूमने लगे। बेटे के प्रदेश में टॉप करने की सूचना मिलते ही अर्पणदीप सिंह के पिता यादविंद्र सिंह व माता रमनदीप कौर भी स्कूल पहुंच गए और बेटे अर्पणदीप सिंह के साथ साथ स्कूल प्रिंसिपल चरणजीत कौर व स्टाफ सदस्यों का मुंह मिठ्ठा करवाया बधाई दी। अर्पणदीप सिंह ने बताया कि उसने पिछले वर्ष अपना पूरा ध्यान पढ़ाई पर लगाया हुआ था और स्कूल में जो पढ़ाया जाता था उसे घर जाकर रिवाईज करता था। अर्पणदीप ने बताया कि उसे अपने गुरुजनों का पूरा सहयोग मिला और उसके ऊपर कभी भी पढ़ाई के लिए दबाव नहीं बनाया। अर्पणदीप सिंह के पिता यादविंद्र सिंह एक किसान है व मां रमनदीप कौर गृहणी हैं। बेटे की इस उपलब्धि पर दोनों बेहद खुश हैं। पिता यादविंद्र सिंह व माता रमनदीप कौर ने बताया कि उनका बेटा पढ़ाई में शुरू से ही काफी तेज है और एक बार में पढ़ा हुआ उसे लंबे समय तक याद रहता है। अर्पणदीप के माता पिता ने बेटे की इस उपलब्धि के पीछे स्कूल स्टाफ सदस्यों की मेहनत व मार्ग दर्शन को बताया है। बता दें कि अर्पणदीप सिंह का परिवार गांव अगौंध में रहता है और उसने पहली से लेकर छटी तक की शिक्षा गांव दुसरेपुर के निजी विद्यालय स्वामी विवेकानंद से पूरी की थी। अर्पणदीप सिंह सातवीं कक्षा से स्यू माजरा के स्कूल में शिक्षा ग्रहण कर रहा है। अर्पणदीप सिंह ने बताया कि भविष्य में वह चार्टड अकाउंटेंट बनना चाहता है।

आप जिलाध्यक्ष जगमग मटौर ने बोर्ड परीक्षा के टॉपर विद्यार्थियों को दी बधाई

अर्थ प्रकाश/कृष्ण प्रजापति

कैथल, 13 मई। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में कैथल जिले के गांव स्योंमाजरा स्थित सरकारी स्कूल के छात्र अर्पण दीप सिंह ने कमाल कर दिया है। अर्पण दीप ने कुल 497 अंक प्राप्त कर जिला ही नहीं, पूरे प्रदेश में गौरव का विषय बना दिया है।

इस शानदार उपलब्धि पर आम आदमी पार्टी के कैथल जिला अध्यक्ष जगमग मटौर ने अर्पण दीप को दिल से बधाई दी और कहा कि देश का भविष्य उज्ज्वल है जब ऐसे मेधावी छात्र हमारे बीच हैं। अर्पण दीप को मेरी ओर से ढेरों शुभकामनाएं।

जगमग मटौर ने आगे कहा कि इस सफलता के पीछे छात्र की मेहनत, शिक्षकों का मार्गदर्शन और माता-पिता का सहयोग महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी सफल विद्यार्थियों को भी बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

वहीं, जो विद्यार्थी इस बार सफल नहीं हो सके, उनके लिए भी उन्होंने एक सशक्त संदेश देते हुए कहा कि विफलता अंत नहीं होती। आप निराश न हों, बल्कि पूरी लगन और मेहनत के साथ फिर से तैयारी करें, परीक्षा दें और अपने सपनों को साकार करें।

अर्पण दीप की इस कामयाबी से न केवल उनके परिवार और स्कूल, बल्कि पूरे गांव में खुशी की लहर है। स्कूल स्टाफ ने भी इस मौके पर छात्र को बधाई दी और कहा कि वह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणा है।

सीबीएसई रिजल्ट : पंचकूला की सृष्टि देश में 10वीं की सीबीएसई टॉपर

पिता दिव्यांग हैं बेटी के आइकन, सभी सब्जेक्ट्स में 500 में से 500 अंक किए हासिल

हंसराज पब्लिक स्कूल की यशस्वी भय ने 99.8 प्रतिशत के साथ स्कूल में टॉप किया

अर्थ प्रकाश/आदित्य शर्मा

सृष्टि शर्मा 100 प्रतिशत अंक लेकर देश की टॉपर

यशस्वी 99.8 प्रतिशत अंक लेकर ट्राईसिटी में टॉपर

पंचकूला, 13 मई। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा मंगलवार को 10वीं और 12वीं कक्षाओं के परिणाम घोषित किए गए। पंचकूला सेक्टर 15 स्थित भवन विद्यालय स्कूल की 10वीं कक्षा की छात्रा सृष्टि शर्मा ने भारत में टॉप किया है। छात्रा ने 500 में से 500 अंक लेकर ना सिर्फ पंचकूला बल्कि हरियाणा का पूरे देश में मान बढ़ाया है। सृष्टि के पिता राजीव शर्मा दिव्यांग होते हुए बेटी का हमेशा मनोबल बढ़ाते रहे है। उनका दो साल पहले व्हील चेयर से सडक़ पर एक्सीडेंट हुआ था तब भी बेटी के आइकन बने रहे। वह सिटको, चंडीगढ़ में कार्यरत हैं। अर्थ प्रकाश के साथ विशेष वार्ता में छात्रा ने कहा कि वह रोजाना 18 घंटे की कठित परिश्रम के बाद यह मुकाम हासिल करने में कामयाब रही। वह आगे चल कर कंप्यूटर साइंस में अपना भविष्य बनाना चाहती है और बेहतर इंजीनियर बन कर कंप्यूटर साइंस के जरिए तकनीक में नए बदलाव लाना चाहती है। वह आगे भी इसी तरह कठिन मेहनत जारी रखेगी। उसे हर समय अपने माता-पिता, स्कूल अध्यापकों और सेल्फ स्टडी से जो सपोर्ट मिली है वह उसे खोना नहीं चाहती। स्कूल की कोऑर्डिनेटर गीता दीवान ने कहा कि सृष्टि ने पढ़ाई को लेकर कोई दबाव महसूस नहीं किया। छात्रा ने कहा कि 12वीं कक्षा पर वह इसी मेहनत के बूते पर फोकस कर रही है।

उधर, हंसराज पब्लिक स्कूल सेक्टर 6 पंचकूला में 10वीं कक्षा यशस्वी भय ने 99.8 प्रतिशत के साथ स्कूल में टॉप किया। इस वर्ष के परिणामों में कक्षा 10वीं के 25 विद्यार्थियों ने 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। यह विशेष रूप से सराहनीय है कि दसवीं कक्षा की मनस्वी वशिष्ठ ने शारीरिक चुनौतियों का सामना करने के बावजूद 93.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

पंचकूला क्षेत्र का कुल परिणाम 92.77 प्रतिशत रहा

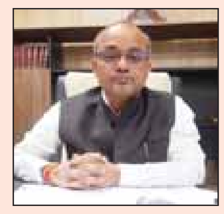

सीबीएसई पंचकूला क्षेत्र के निदेशक शेखर चंद्र ने बताया कि सीबीएसई 10वीं और 12वीं कक्षा के परिणाम मंगलवार को घोषित कर दिए गए हैं। हरियाणा में इस बार 10वीं बोर्ड परीक्षा के लिए 490 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। परीक्षा के लिए 174230 स्टूडेंट्स रजिस्टर्ड हुए थे जिनमें से 173472 स्टूडेंट्स ने परीक्षा दी और 160158 स्टूडेंट्स उत्तीर्ण हुए हैं। इस तरह प्रदेश का कुल परीक्षा परिणाम 92.32 प्रतिशत रहा है। उन्होंने बताया कि पंचकूला क्षेत्र का कुल परिणाम 92.77 प्रतिशत कुल परिणाम रहा। 12वीं के अब की बार चंडीगढ़ और पंचकूला रीजन की पास प्रतिशतता लगभग समान रही है। चंडीगढ़ रीजन जिसमें जे एंड के, चंडीगढ़, मोहाली के स्टूडेंट्स की 91.61 और पंचकूला रीजन के 91.17 प्रतिशत स्टूडेंट्स बोर्ड परीक्षा में पास हुए हैं। हालांकि लड़कियां इस बार भी लडक़ों के मुकाबले आगे रही। लड़कियों की पास प्रतिशतता 5.94 प्रतिशत अधिक रही। बोर्ड परीक्षा में लड़कियों की पास प्रतिशतता 91.64 और लडक़ों की 85.70 प्रतिशत रही।

12वीं में चंडीगढ़ का ओवर ऑल रिजल्ट 91.61 प्रतिशत

चंडीगढ़। सैंट्रल बोर्ड ऑफ सेकैंडरी एजुकेशन ने सोमवार बाहरवीं क्लास का रिजल्ट घोषित कर दिया गया। इस बार 12वीं में चंडीगढ़ से 91.61 और पंचकूला रीजन 91.17 प्रतिशत बच्चें पास हुए है। चंडीगढ़ रीजन से 123679 लडके और लड़कियों ने रीजस्टर्ड करवाया था 123080 अपीयर हुए जिसमें से 57882 लडके और 54872 लड़कियां पास हुई । लडकों की पास प्रतिशतता 89.78 और लड़कियो की 92.97 रही। रीजन का ओवरऑल रिजल्ट 91.61 प्रतिशत रहा है।

हरियाणा में सज़ी विषय में रजिस्टर्ड 80965 लडके और 61964 लड़कियां हुए। जिसमें 18572 लडके और 14122 लड़किया अपीयर हुई है। 17006 लडके और 13386 लड़किया पास हुए है। 91.57 लडके और 94.79 लड़किया का पास प्रतिशत रहा है। हरियाणा का पास 92.9प्रतिशत रहा है। चंडीगढ़ में सज़ी विषय में रजिस्टर्ड 10194 लडके और 9317 लड़किया हुए। जिसमें 10147 लडके और 9287 लड़कियां अपीयर हुई है। 9026 लडके और 8642 लड़किया पास हुई । 88.95 लडके और 93.05 लड़किया का पास प्रतिशत रहा है। चंडीगढ का पास 90.91प्रतिशत रहा है। हिमाचल प्रदेश में सज़ी विषय में रजिस्टर्ड 6081 लडके और 5336 लड़किया हुए। जिसमें 6058 लडके और 5327 लड़किया अपीयर हुई है। 5499 लडके और 5062 लड़किया पास हुए है। 90.77 लडके और 95.03 लड़किया का पास प्रतिशत रहा है। हिमाचल की पास प्रतिशतता 92.76प्रतिशत रही है।

दसवीं का चंडीगढ़ का ओवर ऑल रिजल्ट 93.71 प्रतिशत रहा

चंडीगढ़। सैंट्रल बोर्ड ऑफ सेकैंडरी स्कूल ने सोमवार को दसवीं क्लास का रिजल्ट घोषित कर दिया। इस बार 10 वी में चंडीगढ़ का ओवर ऑल रिजल्ट 93.71 प्रतिशत और पंचकूला रीजन का 92.77 प्रतिशत रहा। ओवर आल चंडीगढ़ रीजन 9वें नंबर पर और पंचकूला रीजन 10 नंबर पर रहा है । चंडीगढ़ रीजन से 144291 लडके और लड़कियों ने रीजस्टर्ड करवाया था 143824 अपीयर हुए और 71922 लडके और 62853 लड़कियां पास हुई है। लडकों की पास प्रतिशतता 92.23 प्रतिशत और लड़कियों की 95.46 प्रतिशत रही रीजन का ओवरऑल रिजल्ट 93.71 प्रतिशत रहा है। पंजाब में सज़ी विषय में रजिस्टर्ड 60193 लडके और 49843 लड़कियां हुए। जिसमें 59955 लडके और 49723 लड़कियों अपीयर हुई है। 55560 लडके और 48071 लड़कियां पास हुई 92.67 लडके और 96.68 लड़कियों की पास प्रतिशत रहा है। पंजाब का पास 94.49 प्रतिशत रहा है। चंडीगढ़ में सज़ी विषय में रजिस्टर्ड 8992 लडके और 8422 लड़किया जिसमें 8971 लडके और 8387 लड़किया अपीयर हुई है। 7858 लडके और 7504 लड़किया उत्तीर्ण हुए है। 87.59 लडके और 89.47 लड़किया का पास प्रतिशत रहा है। चंडीगढ का पास 88.50 प्रतिशत रहा है। हिमाचल प्रदेश में सज़ी विषय में रजिस्टर्ड 9530 लडके और 7674 लड़कियां जिसमें 9516 लडके और 7661 लड़कियां अपीयर हुई है। 9191 लडके और 7515 लड़कियां पास हुई । 96.58 लडके और 98.09 लड़कियों का पास प्रतिशत रहा है। हिमाचल का पास 97.26प्रतिशत रहा है।

भवन की अक्षिता जैन नॉन मेडिकल में और मानस कॉमर्स में टॉपर

अक्षिता जैन

मानस सिधर

पंचकूला। जिला में भवन विद्यालय स्कूल की छात्रा अक्षिता जैन ने सीबीएसई बोर्ड की 12वीं की परीक्षा में जिले में टॉप किया है। अक्षिता ने नॉन मेडिकल में 99.2 प्रतिशत अंक हासिल किए। छात्रा ने कहा कि प्रैक्टिकल और कान्सेप्ट सोल्व करने में अध्यापकों का भरपूर योगदान रहा। वह आगे चल कर कंप्यूटर साइंस में भविष्य बनाएगी। अक्षिता जैन के पिता विशाल जैन प्राइवेट बैंक में वाइस प्रेसिडेंट हैं और मां शर्विका जैन हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण में सहायक के पद पर हैं। उन्होंने कहा कि अक्षिता 10वीं की परीक्षा में 98.98 प्रतिशत अंक लेकर ठानी थी कि वह नॉन मेडिकल में 12वीं की पढ़ाई करेगी। उसने सेल्फ स्टडी को अपनी कामयाबी का रास्ता बनाया, तभी वह इस मुकाम को हासिल करने में सफल रही। अक्षिता जैन ने कहा कि उसे म्यूजिक और पेंटिंग का शोंक है। कंप्यूटर साइंस में एआई में रोजाना हो रहे बदलाव से प्रेरित होकर वह आगे कंप्यूटर इंजीनियरिंग करेगी। उधर, भवन विद्यालय के छात्र मानस सिधर ने कॉमर्स संकाय में 99.2 प्रतिशत अंक लेकर स्कूल में टॉप किया। उसने कहा कि दिल्ली में दाखिला लेने के लिए वह सीएयूटी का एग्जाम देगा। उसने बताया कि वह दिन में केवल एक घंटा मुश्किल से पढ़ता था लेकिन उसके दिमाग में सभी कॉन्सेप्ट क्लीयर थे इसलिए टयूशन के जरिए उसने हमेशा उन्हें रिवाइज किया और वर्कशीट तैयार करता रहा। यही उसकी कामयाबी की असल वजह है।

कॉमर्स टॉपर : श्रेया गर्ग 99.4 प्रतिशत, फादर बिजनेसमैन हैं बेटी बनना चाहती है सीए

चंडीगढ़। केबीडीएवी स्कूल सैक्टर 7 श्रेया गर्ग ने बाहरवीं क्लास में कॉमर्स स्ट्रीम में 99.4 प्रतिशत नंबर लेकर ट्राईसिटी में टॉप किया है। श्रेया ने बताया कि मैं सीए बनना चाहती हूं। मैंने पूरा साल रेगुलर स्टडी की है, लास्ट में जाकर एग्जाम का प्रैशर नहीं लिया। रोजाना स्कूल से आकर 3 से 4 घंटे पढ़ाई की है उसी का नतीजा है। मेरा ऐसा मानना है कि पूरी लगन और मेहनत से इंसान किसी ज़ी लक्ष्य को प्राप्त करने में सफलता हासिल कर सकता है। श्रेया ने बताया कि मेरे फादर एक बिजनेसमैन हैं ओर मदर हाउस वाइफ है। टीचर ही मेरी रोल मॉडल हैं।

नॉन मेडिकल टॉपर: अक्षिता जैन 99.2 प्रतिशत.. आईआईटी बाम्बे में एडमिशन लेना चाहती है: ज़वन विद्यालय पंचकूला की नॉन मेडिकल स्ट्रीम की अक्षिता जैन ने बाहरवीं क्लास में 99.2 प्रतिशत नंबरों से ट्राईसिटी में टॉप किया है। अक्षिता का कहना है कि मैं इंजीनियरिंग करना चाहती हूं इसलिए अज़ी मैंने जेईई मेन का एग्जाम दिया है और उसके बाद एडवांस क्लीयर करके आईआईटी बाम्बे में एडमिशन लेना चाहती हूं। स्कूल में रेगुलर और पूरी तरह से स्टडी पर फोक्स रख कर एग्जाम की तैयारी की है। एनसीईआरटी के साथ साथ जेईई की ज़ी तैयार की है क्योंकि उसमें ज़ी एनएसईआरटी का ही सिलेबस होता है। फादर विशाल जैन इंश्योरेंस कंपनी में और मदर हुडा हरियाणा में अस्सिटेंट के पद पर कार्यरत है।

मेडिकल टॉपर : आरव गोयल 99 प्रतिशत.. डॉक्टर बनकर समाज की सेवा करना चाहता हूं: श्री गुरु हरकृष्ण मॉडल स्कूल सैक्टर 38 के 12वी की मेडिकल स्ट्रीम के आरव गोयल ने 99 प्रतिशत नंबर लेकर ट्राईसिटी में टॉप किया है। आरव ने अपने परिवार और शिक्षकों को बहुत गौरवान्वित किया है। चिकित्सा के प्रति एक मजबूत जुनून के साथ, आरव एक पेशेवर डॉक्टर बनना चाहता है। उसने बताया कि मैं अपने माता-पिता डॉ. राजीव गोयल, एक प्रसिद्ध न्यूरोसर्जन, और डॉ. प्रज्ञा गोयल, एक समर्पित स्त्री रोग विशेषज्ञ के नक्शेकदम पर चलने की इच्छा रखता हूं। उसने बताया कि बडा ज़ाई पहले ही जीएमसीएच सैक्टर 32 में एमबीबीएस सैकेंड ईयर स्टूडैंटस के रूप में अपनी चिकित्सा यात्रा जारी रख रहे हैं। पढ़ाई के अलावा, आरव को क्रिकेट खेलना, शिल्पकला में शामिल होना और संगीत के साथ आराम करना पसंद है। समर्पण और प्रतिज्ञा का एक आदर्श मिश्रण, आरव अपने लक्ष्यों और जमीनी व्यक्तित्व से प्रेरित करना जारी रखता है।

आर्टस टॉपर : चार्मी 98.8 प्रतिशत..क्रिमिनलॉजिस्ट बनना चाहती हूं: सेंट जोसफ स्कूल सैक्टर 44 की आर्टस की चार्मी ने 98.8 प्रतिशत नंबर लेकर ट्राईसिटी में टॉप किया है। चार्मी का कहना है कि मुझे साइकॉलोजी में इंटरेस्ट है इसलिए इसके बाद क्रिमिनॉलाजी सब्जैक्ट लेना चाहती हू और उसके बाद उसमें स्पेशलिस्ट यानि कि क्रिमिनलॉजिस्ट बनना चाहती हूं क्योंकि मुझे शुरू से ही क्रिमिनल मिस्ट्रीज का शौक रहा उससे रिलेटेड स्टोरिज और सीरिज ज़ी देखती हूं सेल्फ स्टडी ही की है मुझे लगता है अगर स्कूल रेगुलर हो और क्लास में पूरी कंसस्ट्रेट होकर पढा जाए तो टयूशन की कोई जरूरत नहीं होती । एक ज़ी क्लास का टैस्ट मिस नहीं करती थी। मैंने अपने आप को हमेशा 90 प्लस में ही देखा है लेकिन इस बार थोडा से ज्यादा करके घर वालों को खुश करने का मन था इसलिए 95 तक की उम्मीद थी लेकिन 98.8 प्रतिशत आ गए वैसे मैंने अपना 100 प्रतिशत ही किया था।

गवर्नमेंट स्कूलों में नॉन मेडिकल और आर्टस में जीएमएसएस 16 ने किया टॉप

चंडीगढ़। सैंट्रल बोर्ड ऑफ सेकैंडरी एजुकेशन की ओर से सोमवार को घोषित किए गए रिजल्ट में शहर के गवर्नमेंट स्कूलों में जीएमएसएस 16 के दो छात्रों ने नॉन मेडिकल और आर्टस में टॉप किया। गवर्नमैंट मॉडल सीनियर सेकैंडरी स्कूल मॉडर्न कांप्लेक्स मनीमाजरा की आरजू ने मेडिकल स्ट्रीम में 97.20 नंबरों से टॉप किया वहीं गवर्नमैंट मॉडल सीनियर सेकैंडरी स्कूल सैक्टर 16 के जयंत कुमार ने 97.20 प्रतिशत से नॉन मेडिकल में और गवर्नमैंट मॉडल सीनियर सेकैंडरी स्कूल सैक्टर 8 की स्नेहा ने कॉमर्स में 97.40 प्रतिशत और गवर्नमैंट मॉडल सीनियर सेकैंडरी स्कूल सैक्टर 16 के अदित्य ने आर्टस में 97.80 प्रतिशत नंबर लेकर टॉप किया । वोकेशनल कोर्सिज में गवर्नमैंट मॉडल सीनियर सेकैंडरी स्कूल सैक्टर 33 के शिप्रा और कृष्णा चोपडा ने 96.60 प्रतिशत से टॉप किया ।

गवर्नमैंट स्कूलों के 12वीं के रिजल्ट में ओवर ऑल 0.1 प्रतिशत बढ़ौतरी

गवर्नमैंट स्कूलों से 10180 छात्र अपीयर हुए थे 10178 का रिजल्ट घोषित किया गया जिसमें से 9039 छात्र पास हुए 372 फेल हुए वहीं 767 छात्रों की कंपार्टमैंट आई है, 2 छात्रों का रिजल्ट लेट है इस वर्ष ओवर ऑल पास प्रतिशतता 88.79 रही । जबकि बीते वर्ष गवर्नमैंट स्कूलों का रिजल्ट 88.69 प्रतिशत था इस बार रिजल्ट में 0.1 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई ।

गवर्नमैंट स्कूलों के 10वीं के रिजल्ट में 2.46 प्रतिशत की बढौतरी

गवर्नमैंट स्कूलों में 9823 छात्र एनरोल हुए थे जिसमें 9781 छात्रों एग्जाम में अपीयर हुए 9781 का रिजल्ट घोषित हुआ जिसमें 7940 छात्र पास हुए 107 छात्र फेल हुए 1732 छात्रों की कंपार्टमैंट आई। ओवर ऑल पास प्रतिशतता 81.18 प्रतिशत रही जबकि बीते वर्ष दसवीं का ओवर ऑल रिजल्ट 78.72 प्रतिशत था। इस वर्ष दसवीं के ओवर ऑल रिजल्ट में 2.46 प्रतिशत की बढौतरी हुई। वहीं 4 स्कूलों का रिजल्ट 100 प्रतिशत रहा जिसमें जीएमएसएस 8, जीएमएसएस 27, जीएमएसएस 28 और जीएमएसएस 35 का रिजल्ट 100 प्रतिशत रहा । जीएमएसएस 21 के आरव शर्मा ने 97.4 प्रतिशत नंबर हासिल कर गवर्नमैंट स्कूलों में दसवीं क्लास में टॉप किया है।

शेमरॉक स्कूल के छात्रों ने सीबीएसई कक्षा 10 और 12 की परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया

अर्थ प्रकाश संवाददाता

मोहाली, 13 मई। शेमरॉक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, फेज 69, मोहाली ने एक बार फिर अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता को साबित किया है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए सीबीएसई कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षाओं में स्कूल के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया।कक्षा 10 के परिणामः कक्षा 10 की परीक्षा में लगभग 101 छात्र शामिल हुए, जिनमें से करीब 30 छात्रों ने 90प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। स्कूल को हर्षवीर सिंह के शानदार 99.6 प्रतिशत अंकों पर गर्व है, जिन्होंने स्कूल में प्रथम स्थान हासिल किया। रोबिश चौधरी ने 97.8प्रतिशत अंकों के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया। अन्य उच्च स्कोररों में विहान, प्रज्ञा धूलिया, अनुष्का राणा, ध्रुव नंगली, दीपकंवल कौर और प्रीतनूर सिंह शामिल हैं, जिन्होंने 95प्रतिशत और उससे अधिक अंक हासिल किए। यह परिणाम शेमरॉक में समर्पण, कठिन परिश्रम और शैक्षणिक कठोरता को दर्शाता है।कक्षा 12 के परिणामः कक्षा 12 के परिणाम भी उतने ही उल्लेखनीय रहे, जिसमें मेडिकल, नॉन-मेडिकल, कॉमर्स और ह्यूमैनिटीज स्ट्रीम के लगभग 189 छात्र शामिल हुए। शीर्ष प्रदर्शन करने वालों में इशमिन कौर (95.4प्रतिशत, ह्यूमैनिटीज), परनीत कौर (95 प्रतिशत, ह्यूमैनिटीज), अन्विता (92प्रतिशत, ह्यूमैनिटीज), स्मार्थ (95.2प्रतिशत, नॉन-मेडिकल), परमदीप सिंह (92प्रतिशत, नॉन-मेडिकल) और दिलनाज वालिया (90प्रतिशत, मेडिकल) शामिल हैं। 20 से अधिक छात्रों ने 80प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए, जो उनकी दृढ़ता और शिक्षकों व अभिभावकों के अटूट समर्थन का प्रमाण है।स्कूल प्रशासन की प्रतिक्रियाः चेयरमैन ए.एस. बाजवा और प्रिंसिपल प्रिनीत सोहल ने सभी छात्रों को उनकी शानदार उपलब्धियों के लिए हार्दिक बधाई दी। उन्होंने छात्रों पर गर्व व्यक्त किया, जिन्होंने अपनी मातृसंस्था का नाम रोशन किया और उत्कृष्टता का उच्च मानक स्थापित किया।शेमरॉक स्कूल का यह प्रदर्शन न केवल छात्रों की मेहनत, बल्कि स्कूल के समर्पित शिक्षकों और सहायक स्टाफ की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

करसान फेस-1 का सीबीएसई दसवीं कक्षा में शानदार प्रदर्शन

राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय करसान फेस-1 ने सीबीएसई दसवीं कक्षा के परिणाम में इतिहास रचा है। स्कूल का परिणाम 92.95 फीसदी रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 31.5 फीसदी अधिक है। स्कूल के मुख्याध्यापक डॉ. धर्मेंद्र शास्त्री ने बताया कि यह स्कूल के इतिहास में पहली बार हुआ है कि इतना अच्छा परिणाम आया है। डॉ. शास्त्री ने बताया कि स्कूल ने पिछले कुछ वर्षों में कई सुधार किए हैं, जिनमें स्कूल की बाउंड्रीवाल का निर्माण, पुरानी बिल्डिंग को तोडक़र नया चार मंजिला भवन बनवाना शामिल है। उन्होंने बताया कि अब स्कूल का ध्यान बच्चों के अकादमिक स्तर को ऊपर उठाने के साथ-साथ खेलों और दूसरे क्षेत्रों में भी उत्कृष्टता प्राप्त करने पर है। स्कूल के इस शानदार प्रदर्शन से रामदरबार के लोगों में खुशी की लहर है। डॉ. शास्त्री ने बताया कि अगले वर्ष स्कूल का लक्ष्य सीबीएसई का परिणाम 100 फीसदी लाने का है।

सभी छात्रों ने 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए

मोहाली। सेक्टर 71 के जितेंद्र वीर सर्वहितकारी मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने सीबीएसई कक्षा 10वीं के परिणामों में शत प्रतिशत सफलता हासिल की है। स्कूल के सभी छात्रों ने 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। स्कूल के टॉपर शिवांश पांडेय ने 95.85 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं, जबकि योगेश कुमार ने 93 प्रतिशत, चंदन कुमार शाह ने 92 प्रतिशत, सम्राट ने 91.8 प्रतिशत और शिवांश कुमार ने 90.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। स्कूल के प्रिंसिपल और प्रबंधन ने छात्रों और शिक्षकों को इस उपलब्धि पर बधाई दी है और उन्हें भविष्य में भी उत्कृष्टता की दिशा में काम करने के लिए प्रोत्साहित किया है।

शिवालिक कॉन्वेंट स्कूल की छात्रा तरनदीप कौर ने 12वीं में लिए 96.8 प्रतिशत अंक

बनूड़ (अप्रस)। सीबीएसई द्वारा घोषित 10वीं व 12वीं कक्षा के परिणामों में शिवालिक कॉन्वेंट स्कूल के छात्रों ने एक बार फिर अपने स्कूल का नाम रोशन किया है। 12वीं कक्षा की छात्रा तरनदीप कौर ने 96.8 प्रतिशत अंक लेकर स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस स्कूल के 15 छात्रों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। 23 छात्रों ने 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। इसके अलावा 33 छात्रों ने 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। इसी प्रकार, 10वीं के परिणाम में भवनदीप सिंह और ब्रह्मजोत ने क्रमशः 93 प्रतिशत और 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल का नाम रोशन किया। 16 छात्रों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए तथा 41 छात्रों ने 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। 47 छात्रों ने 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। शिवालिक कॉन्वेंट स्कूल की प्रिंसिपल चीनू शर्मा ने छात्रों के साथ-साथ शिक्षकों को भी बधाई दी, जिनकी कड़ी मेहनत की बदौलत छात्रों ने यह मुकाम हासिल किया। उन्होंने उन माता-पिता को धन्यवाद दिया, जो हमेशा अपने बच्चों के साथ खड़े रहे।

सेक्रेट हार्ट स्कूल की मान्या शर्मा ने सीबीएसई बारहवीं आर्ट्स में मारी बाजी

चंडीगढ़, 13 मई। सेक्रेट हार्ट स्कूल की छात्रा मान्या शर्मा ने सीबीएसई बारहवीं आर्ट्स संकाय की परीक्षा में 95.6 फीसदी अंक प्राप्त किए हैं। मान्या ने बताया कि उनके माता-पिता और स्कूल के शिक्षकों का बहुत योगदान रहा है। मान्या ने बताया कि वह कानून की पढ़ाई करना चाहती हैं और जज बनकर समाज सेवा करना चाहती हैं। उनकी बड़ी बहन सोम्या शर्मा ने भी बारहवीं आर्ट्स में 98 फीसदी अंक प्राप्त किए थे और अब वह कानून की पढ़ाई पूरी कर चुकी हैं। मान्या के पिता जितेन शर्मा पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में स्पेशल सेक्रेट्री के पद पर सेवाएँ दे रहे हैं। मान्या ने बताया कि वह घर के काम में अपनी माता का हाथ बंटाती थी और 7 से 8 घंटे पढ़ाई करती थी। अब वह किसी प्रतिष्ठित इंस्टीट्यूट से कानून की डिग्री लेना चाहती है और जज बनकर समाज सेवा करना चाहती है।

इस साल अक्टूबर तक 100 और इलेक्ट्रिक बसें सीटीयू के बेड़े में

चंडीगढ़ परिवहन विभाग ने केंद्र सरकार की पीएम ई-बस सेवा योजना के तहत पर्यावरण अनुकूल बसों की खरीद के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) को प्रस्ताव भेजा

इलेक्ट्रिक बसें चंडीगढ़ परिवहन उपक्रम (सीटीयू) के डिपो नंबर 4 से वर्तमान में संचालित 100 पुरानी डीजल बसों की जगह लेंगी

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़, 14 मई। चंडीगढ़ परिवहन विभाग इस साल अक्टूबर तक अतिरिक्त 100 नई इलेक्ट्रिक बसें लाने के लिए पूरी तरह तैयार है। इलेक्ट्रिक बसें चंडीगढ़ परिवहन उपक्रम (सीटीयू) के डिपो नंबर 4 से वर्तमान में संचालित 100 पुरानी डीजल बसों की जगह लेंगी। विभाग ने केंद्र सरकार की पीएम ई-बस सेवा योजना के तहत इन पर्यावरण अनुकूल बसों की खरीद के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) को एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। हालांकि विभाग खरीद के लिए निविदा जारी करेगा, लेकिन केंद्र की मंजूरी मांगी गई है क्योंकि केंद्र इस परियोजना के लिए महत्वपूर्ण सब्सिडी प्रदान करेगा। जवाब में, केंद्र ने नियम और शर्तों की समीक्षा के लिए प्रस्ताव के लिए अनुरोध (आरएफपी) की एक प्रति मांगी है। आरएफपी को अंतिम रूप दे दिया गया है और इसे इस हफ्ते तक आगे भेज दिया जाएगा। ये इलेक्ट्रिक बसें चंडीगढ़ ट्रांसपोर्ट अंडरटेकिंग (सीटीयू) के डिपो नंबर 4 से वर्तमान में संचालित 100 पुरानी डीजल बसों की जगह लेंगी। मौजूदा बेड़े में गैर-एसी ग्रीन और एसी रेड ऑटोमैटिक डीजल बसें शामिल हैं, जिन्हें दिल्ली में 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान एक विशेष योजना के तहत शहर को आवंटित किया गया था। इन बसों की 15 साल की आयु समाप्त होने वाली है, इसलिए इन्हें नवंबर से जनवरी के बीच चरणबद्ध तरीके से हटाया जाना तय है। अपनी उम्र के कारण, ये अक्सर खराब हो जाती हैं और अधिक मात्रा में डीजल की खपत करती हैं, जिससे दक्षता प्रभावित होती है और परिचालन लागत बढ़ जाती है। इस पर टिप्पणी करते हुए, परिवहन विभाग के निदेशक प्रद्युम्न सिंह ने कहा कि चंडीगढ़ की सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में 100 इलेक्ट्रिक बसें लाने की प्रक्रिया चल रही है। केंद्र से मंजूरी मिलते ही टेंडर जारी कर दिया जाएगा। नई इलेक्ट्रिक बसें चंडीगढ़, पंचकूला और मोहाली के रूटों पर चलेंगी, जबकि ट्राइसिटी में सिटी और सब-अर्बन रूटों पर पहले से ही 80 इलेक्ट्रिक बसें चल रही हैं।

इंफोर्समेंट टीम शिकायत के आधार पर नहीं बल्कि अपनी सुविधा के अनुसार करती है कार्रवाई

पटियाला चौक से अंबाला रोड की तरफ रेहड़ी फड़ी वालों के अवैध कब्जों से वाहन चालक परेशान

अर्थ प्रकाश/संदीप सिंह बावा

जीरकपुर, 13 मई। जीरकपुर का पटियाला चौंक सबसे ज्यादा ट्रैफिक वाला स्थान है और सबसे अधिक वाहनों का आना-जाना इसी चौंक पर रहता है। पटियाला चौंक से अंबाला रोड़ की तरफ रेहड़ी फड़ी वालों द्वारा किया जाने वाला अवैध कब्जा ट्रैफिक के लिए बड़ी समस्या बन रहा है क्योंकि पटियाला चौंक से लेकर पुरी प्रीत कॉलोनी के आगे शाम के समय रेहड़ी फड़ी वाले अवैध रूप से अपना कब्जा जमा लेते हैं। कुछ लोग मंजे लगाकर उस पर सामान रख कर बेचने लग जाते हैं और बहुत सी लोग रेडियों को लाकर लंबी लाइन में यहां पर खड़ी कर लेते हैं जिनके चलते आने जाने वाले लोग सड़क पर ही गाड़ियां खड़ी करके यहां पर से खरीदारी करते हैं जिसके चलते पूरी सड़क जाम हो जाती है और वहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। पहले भी कई बार नगर परिषद की इंफोर्समेंट टीम द्वारा यहां पर करवाई की गई है लेकिन उनकी कार्रवाई ठोस ना होने के चलते यहां पर फिर से लोगों द्वारा अवैध कब्जा कर लिया जाता है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यहां पर रेहड़ी फड़ी लगाने वालों के साथ इंफोर्समेंट टीम की सेटिंग है जिसके चलते इन पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जाती क्योंकि जब भी कार्रवाई हुई है उससे अगले दिन फिर से वही लोग वही रेहड़ियों पर अपना सामान भेजते हुए देखे जा सकते हैं। लेकिन टीम द्वारा शिकायत के आधार पर नहीं बल्कि अपनी सुविधा के अनुसार ही कार्रवाई की जाती है।

मुझे एनफोर्समेंट विंग में आए हुए कुछ दिन ही हुए हैं इसलिए मुझे ज्यादा जानकारी नहीं है। बाकी इस संबंधी देखकर जिसने भी गलत तरीके से रेहड़ी फड़ी लगाई होगी उसे हटवा दिया जाएगा। इंफोर्समेंट टीम द्वारा रेहड़ी वालों से पैसे लेने संबंधी मुझे कोई जानकारी नहीं है।

पलविंदर सिंह, इंचार्ज एनफोर्समेंट विंग नगर परिषद जीरकपुर।

सम्पादकीय

प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन है देश की आज की आवाज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के नाम अपने संबोधन में जो बातें कही हैं, वे नए भारत की प्रस्तावना समझी जानी चाहिए। यह बात ध्यान देने योग्य है कि बीते करीब 12 वर्षों में देश की विदेश और उसकी सामरिक नीति बदल चुकी है। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद देश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जो अद्भुत धैर्य और साहस दिखाया है, वह उसे आज पूरे विश्व में सभी से अलग कर रहा है। 140 करोड़ से ज्यादा वासियों के देश ने अपने घोषित और अघोषित दुश्मनों को बता दिया है कि अब भारत बदल चुका है। बेशक, गांधी उसकी आत्मा का हिस्सा हैं, लेकिन अब वह नेता जी सुभाष की भाषा भी बोलने लगा है। यह वास्तव में जरूरी था कि पाकिस्तान जैसे आतंकी देश को उसी की भाषा में या फिर कहें कि उससे कहीं ज्यादा परिष्कृति शैली में जवाब दिया जाए। और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एवं उसके बाद भारत की तीनों सेनाओं और सुरक्षा बलों ने दुश्मन को जो संदेश और सबक दिया, वह प्रधानमंत्री मोदी के भाषण का सार था। बीते कुछ समय के दौरान परमाणु शक्ति संपन्न होने के नाम पर जिस प्रकार का शिगूफा पाकिस्तान ने छेड़ा हुआ था, उसे भी भारत ने खारिज कर दिया। प्रधानमंत्री मोदी का यह कथन कि न्यूक्लियर ब्लैकमेलिंग अब नहीं बर्दाश्त नहीं होगी, बेहद उचित जवाब है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में कहा कि आतंकियों ने हमारी बहनों का सिंदूर उजाड़ा और भारत ने उनके आतंक के हेडक्वार्टर उजाड़ दिए, सर्वथा उचित टिप्पणी है। इन हमलों के दौरान भारतीय सेनाओं ने पाक में आतंकियों के 100 से अधिक खूंखार आतंकियों को मार गिराया है। आखिर आज जीत का झूठ बोलकर जश्न मनाने में जुटे पाकिस्तान को इसका अंदाजा कब था कि एकाएक यह सब हो जाएगा। इससे पहले भी भारत पर आतंकी हमले हुए हैं, लेकिन उस दौरान बेहद सीमित कार्रवाई अंजाम दी गई। पुलवामा अटैक के बाद भारत ने पीओके के आतंकी ठिकानों पर ही कार्रवाई की थी, लेकिन पहलगाम हमले के बाद तो पूरी तस्वीर बदल गई।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में कहा कि आतंकियों ने हमारी बहनों का सिंदूर उजाड़ा और भारत ने उनके आतंक के हेडक्वार्टर उजाड़ दिए, सर्वथा उचित टिप्पणी है। इन हमलों के दौरान भारतीय सेनाओं ने पाक में आतंकियों के 100 से अधिक खूंखार आतंकियों को मार गिराया है। आखिर आज जीत का झूठ बोलकर जश्न मनाने में जुटे पाकिस्तान को इसका अंदाजा कब था कि एकाएक यह सब हो जाएगा। इससे पहले भी भारत पर आतंकी हमले हुए हैं, लेकिन उस दौरान बेहद सीमित कार्रवाई अंजाम दी गई। पुलवामा अटैक के बाद भारत ने पीओके के आतंकी ठिकानों पर ही कार्रवाई की थी, लेकिन पहलगाम हमले के बाद तो पूरी तस्वीर बदल गई। इसका अंदाजा सेनाओं को था कि पाकिस्तान की ओर से हताशा में कदम उठाया जाएगा, हालांकि इसका जवाब देने को सरकार और सेनाएं तैयार थी। उनकी तत्परता ने पाकिस्तान और उसके आकाओं को भयभीत कर दिया, अगर पाकिस्तान चाहता तो यह युद्ध आगे भी जारी रखा जा सकता था, लेकिन इस दौरान उसका नक्शा संभव है, कुछ अलग ही तरह का हो जाता। प्रधानमंत्री मोदी ने इसलिए यह बात कही है कि पाक ने भारत ने बुरी तरह पिटने के बाद दुनिया में गुहार लगाई और उसी के जैसे उसके मित्र उसकी मदद को आगे आए। यह पाक की जनता का दुर्भाग्य है कि दुनिया के विकसित देशों ने इस बात को बखूबी समझा है कि वह किस प्रकार आतंक का पोषक बना हुआ है, जबकि भारत ने न केवल अपने नागरिकों अपितु पूरी दुनिया में अमन-चैन और खुशहाली के बीज बोए हैं।

इस घटनाक्रम के दौरान भारत ने पाक की तरफ बहने वाली नदियों के पानी को रोक दिया है, वहीं व्यापार-कारोबार को भी पूरी तरह से बंद कर दिया है। आर्थिक रूप से बर्बाद हो चुके पाकिस्तान के लिए यह बहुत बड़ी सजा है। इसी के जवाब में पाक के एक युवा मंत्री ने कहा था कि उनका पानी रोका गया तो खून बहेगा। निश्चित रूप से प्रधानमंत्री मोदी ने इसका बेहद सार्थक जवाब दिया है, जब उन्होंने यह कहा कि पानी और खून साथ-साथ नहीं बह सकते तो पाकिस्तान के रक्तपाती मानसिकता के हुक्मरानों को इसका जवाब मिल गया होगा कि भारत की सोच कहां है और वे आज भी कहां रहकर जी रहे हैं। पाकिस्तान के अंदर मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन होता है, उसके अंदर एक धर्म के अलावा अन्य किसी धर्म का कोई अस्तित्व नहीं है। उसके अंदर संस्कृति, साहित्य और रंग दम तोड़ चुके हैं। अब केवल उसकी सेना है और सेना के पयादों के रूप में काम करने वाले हुक्मरान हैं, जिन्हें केवल इसी तरह की बातें सूझती हैं कि जिन नदियों में कल कल करता पानी बहना चाहिए, वहां वे खून बहाने की बात करते हैं। निश्चित रूप से आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर अब देश का न्यू नॉर्मल है। अभी तक अपने हक के संबंध में नरमी दिखाने का रवैया अपनाते रहे देश ने अगर अपनी आंखें तरेरी हैं, तो दुश्मन चार कदम नहीं अपितु पूरी तरह पलट चुका है। एक वायुसेना अधिकारी ने रामायण की उस पंक्ति का सही ही प्रवचन किया था कि भय बिनु प्रीत न होई। वास्तव में पाकिस्तान से अब अंतिम बात करने का यही वक्त है। उसे समझा दिया गया है कि बात होगी तो आतंकवाद और पीओके पर होगी। प्रधानमंत्री मोदी देश के स्वावलंबन का वह साहसी चेहरा हैं, जिन्होंने देश को अपरिमित हर्ष और उल्लास से भर दिया है। इस कामयाबी का श्रेय देश की तीनों सेनाओं, सुरक्षा बलों और कर्तव्यबद्ध केंद्र एवं जनता को जाता है।

शानदार जीत से भारत एशिया की एक बड़ी शक्ति बना

भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर जारी तनाव एवं युद्ध की स्थितियों के बीच भारत ने बड़ा ऐलान करते हुए सीजफायर लागू किया। चार दिन चले सैन्य संघर्ष में परिस्थितियां और भी ज्यादा नाजुक हो गई थीं एवं पाकिस्तान की भारी तबाही हुई। दोनों परमाणु सम्पन्न देशों के बीच के बढ़ते तनाव के बीच समझौते के बाद भले ही पाकिस्तान के विनाश का सिलसिला थम गया हो, लेकिन उसकी एक भूल भारी का सबब बन सकता है। क्योंकि भारत ने यह बड़ा फैसले लेते हुए कहा था कि भविष्य में उसकी जमीन पर किसी भी आतंकवादी हमले को भारत के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और उसकी गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा। पाकिस्तान की फितरत को देखते हुए भारत सरकार एवं भारतीय सेना अधिक चौकस, सावधान एवं सतर्क रहते हुए संघर्ष-विराम के लिये यदि सहमत हुई है तो उसका स्वागत होना चाहिए। जब भारत ने पाकिस्तान को सबक सिखाकर कड़ा संदेश दे दिया तो संघर्ष विराम को एक समझदारी भरा फैसला ही माना जायेगा। यदि पाकिस्तान ने फिर आतंकवादियों को मदद-हथियार देकर भारत पर हमले करवाये तो उसकी हर हरकत का जवाब पहले से ज्यादा ताकतवर, विनाशकारी एवं विध्वसंक होगा। शनिवार को हुए समझौते के कुछ ही घंटों के बाद सी? फायर के अतिक्रमण ने बता दिया कि पाकिस्तान में चुनी हुई सरकार के बजाय सेना ही समांतर रूप से सत्ता चला रही है। जिसे भारत-पाक के बीच शांति पसंद नहीं है। तभी भारत ने स्पष्ट किया है कि पाक के साथ बातचीत राजनीतिक, ईएएम स्तर पर या एनएसए के बजाय सिर्फ डीजीएमओ स्तर पर ही होगी।

पाकिस्तान को परमाणु ठिकानों पर हमले का डर सता रहा था, भय एवं डर की इन स्थितियों के बीच पाकिस्तान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से सहयोग मांगा एवं युद्ध विराम के लिये अपनी सहमति दी, भारत ने अपनी शर्तो पर, पाकिस्तान को झटका देने के बाद इस सीज फायर पर सहमति जताई है तो यह भारत का बडप्पन है, उसकी बड़ी सोच का ही परिचायक है और भारत की कूटनीतिक जीत है। एक बार फिर पाकिस्तान को उसकी जमीन दिखाई गयी है। दुनिया ने भी भारत की सैन्य पराक्रम एवं स्वदेशी हथियारों की ताकत को देखा और समझा है। एक बानगी भर में जब पाकिस्तान ने पुंछ और राजौरी समेत रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया तो जवाबी कार्रवाई करते हुए भारतीय सेना ने भी पाकिस्तानी सेना के कई महत्वपूर्ण अड्डों को तबाह कर दिया। सेना ने रावलपिंडी समेत पाक सेना के 4 एयरबेस नष्ट कर दिए। पाकिस्तान की फतेह

मिसाइल को हवा में ही खत्म कर दिया गया। लाहोर एवं करांची सहित पाकिस्तान में अनेक स्थानों पर भारी तबाही से सहम गये पाकिस्तान ने घुटने टेक दिये। भारत ने उसके एयर डिफेंस सिस्टम की धज्जियां उड़ाकर जिस तरह उसके प्रमुख एयरबेस ध्वस्त किए, उसके बाद उसके सामने और अधिक तबाही एवं शर्मिंदगी झेलने के अलावा और कोई चारा नहीं रह गया था।

यह ठीक है कि सैन्य टकराव रोकने की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति ने की, लेकिन इसका मूल कारण तो भारत का यह संकल्प रहा कि इस बार पाकिस्तान को छोड़ना नहीं है। भारत ने संघर्ष विराम केवल सैन्य टकराव रोकने तक सीमित रखकर कूटनीति एवं राजनीतिक परिपक्वता का ही परिचय दिया है। भारत ने पाकिस्तान को सही रास्ते पर लाने के लिए उसके खिलाफ सिंधु जल समझौते स्थगित करने जैसे जो कठोर फैसले लिए, वे यथावत रहेंगे। ये रहने भी चाहिए, क्योंकि धोखा देना एवं अपनी बात से बदलना पाकिस्तान की पुरानी आदत है। इस पर यकीन के साथ कुछ कहना कठिन है कि अब वह भारत में आतंक फैलाने से बाज आएगा। उसने और खासकर उसकी सेना ने भारत के प्रति जो नफरत पाल रखी है, उसके दूर होने में संदेह है। भारतीय नेतृत्व को पाकिस्तान के प्रति अपने संदेह से तब तक मुक्त नहीं होना चाहिए, जब तक वह आतंक से तौबा नहीं करता और कश्मीर राग अलापना बंद नहीं करता।

सीजफायर की कहानी 9-10 मई की रात से शुरू होती है, जब पाकिस्तान पर करारा पलटवार करते हुए भारतीय वायुसेना ने पाक सैन्य ठिकानों पर ब्रह्मोस-ए क्रूज मिसाइल दाग दी। इस दौरान रावलपिंडी के नूरखान, चकलाला और पंजाब के सरगोधा एयरबेस को निशाना बनाया गया। यह हमला रावलपिंडी में पाकिस्तानी सेना के मुख्यालय के बेहद करीब हुआ। इसके बाद पीओके में जकोबाबाद, भोलारी और स्कार्दू एयरबेस को भी तबाह किया गया। भारत के द्वारा पाकिस्तानी एयरबेस पर हमले से बौखलाए पाक को अगला निशाना उनके परमाणु कमांड और कंट्रोल इंफ्रास्ट्रक्चर पर होने का डर सताने लगा। ऐसे में पाकिस्तान ने अमेरिका से मदद मांगी। अमेरिका पहले से दोनों देशों के संपर्क में था। मगर, परमाणु की बात सुनकर अमेरिका भी हड़बड़ी में आ गया।

पहलगाम आंतकी हमले के बाद तेजी से बदले घटनाक्रम के चलते 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू होते ही पाक स्थित बहावलपुर, मुरीदके व मुजफ्फराबाद में आतंकी ठिकानों को सेना ने मिट्टी में मिला दिया। फिर एक बार भारतीय सेना प्रोफेशनल एवं सैन्य मानकों पर खरी उतरी। जिसमें वायुसेना-नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका रही। 'ऑपरेशन-सिंदूर' की कामयाबी से बौखलाए पाक ने एलओसी समेत कई शहरों पर हमले किये, जिसे हमारे प्रतिरक्षातंत्र ने विफल किया। विदेशी डिफेंस सिस्टम के साथ मिलाकर बनायी गई कई परतों वाली प्रतिरक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान के तमाम हमले विफल कर दिए। तमाम विदेशी रक्षा विशेषज्ञों ने इस प्रणाली की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। भारत के मारक हमलों के सामने असहाय पाकिस्तान ने अमेरिका, सऊदी अरब व चीन जैसे देशों से सीज फायर के लिये गुहार लगायी। लेकिन भारत ने अपनी शर्तों पर सीज फायर पर सहमति जतायी। प्रधानमंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि सीमा पार से यदि कोई गोली चली तो उसका जवाब गोले से दिया जाएगा।

पाकिस्तान का यह आरोप बेबुनियाद है कि तनाव की शुरुआत भारत ने की। भारत ने पाकिस्तानी सेना के ठिकानों को अभी तक निशाना नहीं बनाया है। दरअसल, आतंकवाद के मामले में पाकिस्तान लंबे अरसे से दुनिया को गुमराह करता आया है। ताजा मामले में भी वह झूठ फैला रहा है कि भारत की स्ट्राइक उसके धार्मिक स्थलों पर हुई और इसमें आतंकी नहीं, आम नागरिक मारे गए हैं। यह झूठ दरअसल उसी साजिश का हिस्सा है, जिसके तहत आतंकियों ने टारगेटेड किलिंग करके भारत में सांप्रदायिक तनाव फैलाने का प्रयास किया था। सच्चाई तो यह है कि धर्म को आतंक से पाकिस्तान ने जोड़ा है। आतंकवादियों को पालना-पोसना और उनके जरिये छद्म युद्ध लड़ना पाकिस्तान की पुरानी आदत रही है, लेकिन इस बार वह जिस तरह आम लोगों का इस्तेमाल ढाल की तरह कर रहा है, वह निंदनीय एवं शर्मनाक होने के साथ-साथ चिंताजनक भी है। इससे उसकी हताशा झलकती है।

भारत का मकसद आतंकवाद का खात्मा है, युद्ध नहीं है। प्रधानमंत्री ने अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस को साफ बताया था कि पाकिस्तान की किसी भी हरकत की प्रतिक्रिया विनाशकारी साबित हो सकती है। निस्संदेह, भारत की सटीक कार्रवाई और पाकिस्तान के हमलों को विफल बनाने से दुनिया में स्पष्ट संदेश गया कि भारत एशिया की एक बड़ी शक्ति है। यह भी कि भारत अपनी सुरक्षा को लेकर न केवल सतर्क है बल्कि पाकिस्तानी हमलों को विफल बनाने की ताकत भी रखता है। भारतीय सेनाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन इसकी मिसाल है। आधुनिक तकनीक व मजबूत प्रतिरक्षा तंत्र के बूते भारत पाक के सैन्य प्रतिष्ठानों, हवाई अड्डों व प्रतिरक्षा प्रणाली को करारी चोट देने में सफल हुआ। पाक को इसकी ब?ी कीमत चुकानी पड़ी। वहीं उसके मित्र तुर्की व चीन द्वारा दिए गए हथियारों, ड्रोन व प्रतिरक्षा प्रणाली को भारतीय सेनाओं ने नेस्तनाबूद कर दिया। हमने दुनिया को बताया कि हम अपनी संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेंगे। पाकिस्तान के पास विकल्प बहुत ज्यादा नहीं हैं। उसकी अर्थव्यवस्था इस संघर्ष को लंबा झेल पाने में असमर्थ है, युद्ध को तो वह भूल ही जाए। इसके बाद भी अगर वह दुस्साहस करने की सोच रहा है, तो यह जरूरी हो जाता है कि उस तक पहुंचने वाली मदद को भी रोका जाए। उसे आईएमएफ से नए राहत पैकेज का इंतजार है और भारत सरकार इसका विरोध करेगी। दुनिया को समझ लेना चाहिए कि पाकिस्तान को मिलने वाली कोई भी मदद आखिरकार आतंक फैलाने में ही इस्तेमाल होगी।

अर्थ प्रकाश में 34 साल पहले आज का दिन

न्यायाधीश रामास्वामी द्वारा त्याग पत्र देने का फैसला

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश श्री वी. रामास्वामी ने आज अपने पद से त्याग पत्र देने का फैसला कर लिया है। श्री रामास्वामी ने अपने एक बयान में कहा कि वे ग्रीष्मकालीन छुट्टियों के बाद वे अपने पद पर काम नहीं करेंगे। न्यायाधीश ने कहा कि उनके खिलाफ संसद में पिछले दिनों प्रस्तुत महाभियोग प्रस्ताव रद्द हो जाने से अब उनकी इस पद पर बने रहने की कोई इच्छा नहीं है और न ही वे काम करने का कोई इरादा रखते है। आपको याद होगा कि श्री वी. रामास्वामी के खिलाफ पिछले दिनों संसद में प्रस्ताव पेश किया गया था जिसमें आरोप था कि उन्होंने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के पद पर रहते हुए अपने पद का दुरुपयोग किया था। विपक्ष द्वारा प्रस्तुत यह महाभियोग प्रस्ताव वांछित बहुमत के अभाव में पास नहीं हो सका था क्योंकि जहां एक ओर विपक्ष ने संयुक्त रूप से इस प्रस्ताव पर मतदान में हिस्सा लेकर जस्टिस रामास्वामी को हटाने का मत व्यक्त किया था वही सत्तारुढ़ कांग्रेस ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया था जिसके कारण यह प्रस्ताव पास नहीं हो सका था।

विषाक्त भोजन खाने से 6 मरे, 6 बीमार

चंडीगढ़। गत रात्रि माता वैष्णों देवी से वापिस लौटते वक्त पठानकोट में जरीला भोजन खाने से 6 व्यक्ति मारे गये। जबकि 6 अन्य को उपचार के लिए अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। यह सभी अंबाला छावनी के निवासी बताए जाते है। प्राप्त समाचारों के मुताबिक यह लोग माता वैष्णों देवी से अंबाला वापिस लौटते वक्त रास्ते में पठानकोट के होटल वरफानी टैम्पल में रुके थे। जहां पर इन्होंने रात का भोजन खाया तो इन्हें अचानक उलटी आई जिनमें से 6 की मृत्यु हो गई जोकि 12 से 18 वर्ष के बीच बताए जाते है। मरने वालों में राजेश कुमार व उसकी दो बहने गायत्री व मीनू तथा इन्द्रजीत, विद्या व प्रकाश शामिल है।।

रवि नाइक को 5 दिन के भीतर पद छोड़ने के आदेश

पणजी। मुम्बई उच्च न्यायाल की पणजी पीठ ने अपने निर्णय में गोवा विधानसभा के भूतपूर्व अध्यक्ष के उस निर्णय को सही टहराया है जिसमें उन्होंने मुख्यमंत्री रवि नायक को विधानसभा के लिए अयोग्य घोषित किया था। न्यायालय की पणजी पीठ का यह फैसला 16 जून 1991 से प्रभावी माना जाएगा क्योंकि तत्कालीन विधानसभा के लिए अयोग्य घोषित करते हुए अपना पद छोड़ने को कहा था।

ज्ञान सागर : देखें आज के दिन क्या घटा

1607: उत्तरी अमेरिका में अंग्रेजों ने अपना पहला स्थायी अड्डा स्थापित किया। इसे जेम्स टाउन, वर्जीनिया का नाम दिया गया।

1610: फ्रांस में हेनरी चौथे की हत्या और लुइस तेरहवें फ्रांस की गद्दी पर बैठे।

1702: इंग्लैंड और नीदरलैंड ने फ्रांस और स्पेन के खिलाफ़ युद्ध की घोषणा की।

1811: पराग्वे स्पेन से मुक्त हुआ।

1878: पहली बार वैसलीन ब्रांड नाम का रॉबर्ट ए चेसब्राफ ने पंजीकरण करवाया।

1879: थॉमस एडिसन यूरोप की एडिसन टेलीफोन कंपनी से जुड़े।

1944: ब्रिटिश सैनिकों ने कोहिमा पर कब्जा किया।

1948: इस्राइल ने ब्रिटेन से स्वतंत्रता की घोषणा की।

1955: वारसा संधि पर हस्ताक्षर। सोवियत संघ और पूर्वी यूरोप के उसके सहयोगी देशों ने पोलैंड की राजधानी वारसा में इस संधि पर हस्ताक्षर किए। इसके जरिए सदस्य देशों के बीच आर्थिक, सैनिक और सांस्कृतिक संबंधों के विकास पर सहमति बनी।

1963: कुवैत संयुक्त राष्ट्र का 111 वां सदस्य बना।

1973: अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने सेना में महिलाओं के समान अधिकार को मंजूरी दी।

1984: फेसबुक के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग का जन्म।

1991: दक्षिण अफ्रीका के रंगभेद विरोधी नेता नेल्सन मंडेला की पत्नी विनी मंडेला को चार युवकों के अपहरण के मामले में छह साल की सज़ा सुनाई गई।

1992: भारत ने लिट्टे पर प्रतिबंध लगाया ।

2012: इस्राइल की जेलों में बंद 1500 फलस्तीनी कैदी भूख हड़ताल समाप्त करने पर सहमत हुए।

2013: ब्राजील समलैंगिक विवाह को मान्यता देने वाला 15वां देश बना।

2016: तमिल भाषा के विद्वान एवं लेखक कंडासामी कुप्पुसामी का निधन।

2023: अमेरिका के पोकर खिलाड़ीडॉयल फ्रैंक ब्रूनसन

1905: भारत के पूर्व राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद का जन्म।

1952: स्वतंत्रता के बाद भारत के उच्च सदन राज्यसभा की पहली बैठक हुई।

1956: आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन की स्थापना करने वाले आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर का जन्म हुआ।

1960: मैक्स इसेलीन के नेतृत्व में स्विटजरलैंड का एक खोजी दल हिमालय में धौलागिरी पर्वत शिखर पर पहुंचा।

1962: सर्वपल्ली राधाकृष्णन देश के दूसरे राष्ट्रपति बने।

1967: जाकिर हुसैन भारत के तीसरे राष्ट्रपति चुने गए।

बोल ब्यूटीफुल

श्रीमय तालुकन्दार: पाकिस्तान जैसे देश पर कभी किसी सूरत में विश्वास नहीं किया जा सकता। हमारी जिम्मेदारी है कि हम भारत में हर पीढ़ी को इस सच्चाई से लगातार रूबरू कराते रहे।

मीनाक्षी कंडवाल: पाकिस्तान के प्रोपेगंडा को डीजीएमओ की प्रेस ब्रीफ में जिस अंदाज से ध्वस्त किया गया, वह वक्त की जरूरत थी। सही समय पर सही मंच से सही संवाद। हमें पाकिस्तान की पिच पर नहीं अपनी पिच पर खेलना है। दुष्प्रचार का जवाब सिर्फ और सिर्फ तथ्य होते है।

सुशील दोशी: रोहित शर्मा के बाद विराट कोहली ने भी टेस्ट से संन्यास ले लिया। बढ़ती उम्र के बावजूद विरोट भारतीय टीम के सबसे फिट खिलाड़ियों में रहे। उनके रहने से टीम में विश्वास और विरोधियों में निराशा छाती है। इंग्लैंड के विरुद्ध श्रृंखला में उनकी मौजूदगी असर दिखती है।

शुभांगी शर्मा: भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम द्वारा तुर्किये के ड्रोन्स को निस्तेज करने की खबरों ने भी दुनिया में खलबली मचाने का काम किया है।

आईएमएफ का पाकिस्तान को बेलआउट पैकेज देना सांप को दूध पिलाने जैसा

भारत और पाकिस्तान के बीच जारी भीषण तनाव के बावजूद अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी इंटरनेशनल मानेटरी फंड (आईएमएफ) की ओर से पाकिस्तान के लिए बेलआउट पैकेज को मंजूरी दे दी गई। इसके कारण इस क्षेत्र में तनाव बढ़ने की आशंका बनी हुई है। देखा जाए तो भारत की यह आशंका निराधार और निरर्थक भी नहीं, क्योंकि यह जगजाहिर हो चुका है कि पाकिस्तान की आर्थिक नीतियों में उसकी सेना की दखलंदाजी काफी ज्यादा रहती है। साथ ही, पिछले लंबे समय से ऐसे प्रमाण भी लगातार मिलते रहे हैं कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से मिलने वाली किसी भी प्रकार की आर्थिक मदद का इस्तेमाल पाकिस्तान भारत के विरूद्ध आतंकवादियों को पालने-पोसने एवं आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देकर निर्दोष लोगों की हत्या कराने के लिए करता रहा है। समय-समय पर इसके प्रमाण मिलते भी रहे हैं। फिलहाल, इसका ताजा उदाहरण पहलगाम के बैसरण घाटी की वह दिल दहला देने वाली घटना है, जिसमें आतंकियों ने 26 निर्दोष पर्यटकों की उनके परिवार वालों विशेषकर स्त्रियों और बच्चों के समक्ष उनका धर्म पूछ-पूछकर अत्यंत बेरहमी से हत्या कर दी थी। वैसे, 2021 में संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में भी इस बात का खुलासा हो चुका है कि पाकिस्तान एक प्रकार से सेना आधारित व्यापार करने वाला देश है, जो दान तथा ऋण में मिले रुपयों का उपयोग भारत के विरूद्ध आतंकी गतिविधियों को ब?ावा देने में करता रहा है।

इतना ही नहीं, पाकिस्तानी सेना अब 'स्पेशल इन्वेस्टमेंट फैसिलिटेशन काउंसिल' में भी ब?ी भूमिका निभाने लगी है, जो इस बात का प्रमाण है कि पाकिस्तान में हालात अभी भी सुधरे नहीं हैं, बल्कि दिनोंदिन और बद से बदतर ही होते जा रहे हैं। वहीं, पिछले दिनों पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष मुल्ला आसिम मुनीर का भाषण सुनने के बाद तो यह भी बिल्कुल स्पष्ट हो गया कि पाकिस्तानी सेना एक पेशेवर सेना नहीं, बल्कि जिहादियों जैसी भाषा बोलने और व्यवहार करने वाला एक धार्मिक संगठन मात्र है, जिसकी कमाई का मुख्य आधार व्यापार है। ऐसे में आईएमएफ से मिलने वाली आर्थिक मदद के कारण भारत के विरूद्ध इस क्षेत्र में सैन्य एवं आतंकी आक्रामकता और क्रूरता का जोखिम पैदा होने की आशंका बढ़ गई है। देखा जाए तो भारत ने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को अपनी इन्हीं चिंताओं से अवगत कराते हुए यह निवेदन किया था कि पाकिस्तान की आर्थिक हालत सुधारने के नाम पर उसके द्वारा मांगा जाने वाला ऋण आईएमएफ की ओर से मंजूर नहीं किया जाना चाहिए। भारत ने विरोध स्वरूप 09 मई को आईएमएफ के

एक्सटेंडेड फंड फैसिलिटी (ईएफएफ) लेंडिंग प्रोग्राम पर मतदान भी नहीं किया, जिसमें पाकिस्तान के लिए 01 अरब डॉलर के ईएफएफ लेंडिंग और 1.3 अरब डॉलर के नए लोन पर आईएमएफ द्वारा विचार किया जाना था। भारत की ओर से इस दौरान पाकिस्तान में आईएमएफ कार्यक्रमों की प्रभावशीलता पर अपनी चिंता प्रकट करते हुए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के समक्ष स्पष्ट शब्दों में कहा भी था कि पाकिस्तान लोन फाइनेंसिंग का इस्तेमाल सीमा पार (मुख्यतः भारत में) आतंकवाद के लिए कर सकता है। इसके बावजूद आईएमएफ ने 09 मई को 02 साल की अवधि के लिए पाकिस्तान को 1.3 अरब डॉलर का नया ऋण प्रदान कर ही दिया।

बता दें कि पिछले 35 सालों में पाकिस्तान 28 बार आईएमएफ से ऋण प्राप्त कर चुका है। हाल के वर्षों का ही रिकार्ड देखा जाए तो 2019 से पिछले 05 सालों में ही उसने आईएमएफ से 04 बार ऋण लिए हैं। जाहिर है कि ऋण में मिलने वाले रुपयों का इस्तेमाल यदि पाकिस्तान के द्वारा अब तक सही ढंग से किया गया होता तो शायद उसको आईएमएफ के दरवाजे पर बार-बार हाथ फैलाने की जरूरत ही नहीं पड़ती, लेकिन सच तो यही है कि पाकिस्तान आईएमएफ से बार-बार कर्ज लेता है, लेकिन वह उनका उपयोग वास्तविक उद्देश्यों के लिए नहीं, बल्कि भारत के विरूद्ध अपनी जिहादी मानसिकता को प्रदर्शित और प्रारूपित करने के लिए ही करता रहता है। आश्चर्य कि अब यह बात दुनिया में किसी से छुपी हुई भी नहीं है। इस प्रकार, देखा जाए तो जिन परिस्थितियों में सबकुछ जानते-बूझते हुए भी अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने भारत की चिंताओं और आशंकाओं को दरकिनार कर आईएमएफ की ओर से पाकिस्तान को 11 हजार करोड़ रुपए से भी अधिक का ऋण देने का प्रस्ताव मंजूर कर लिया, वह एक प्रकार से सांप को दूध पिलाने जैसा प्रतीत होता है, जो केवल भारत विरोधी ही नहीं, बल्कि अंततः मानवता विरोधी ही साबित होने वाला है।

बता दें कि आईएमएफ से ऋण प्राप्त करने के लिए किसी भी देश को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के सदस्य देशों के कुल वोटों का 85 प्रतिशत प्राप्त करना जरूरी होता है। साथ ही, यह जानना भी जरूरी है कि आईएमएफ में सबसे ज्यादा प्रभाव अमेरिकी वोट का होता है, जिसके पास सर्वाधिक 17 प्रतिशत वोटों का भार है। इसकी तुलना में भारत के पास वोटों का भार मात्र 03 प्रतिशत ही है। यही कारण है कि हमारे विरोध के बावजूद पाकिस्तान को आईएमएफ से ऋण मिल गया। देखा जाए तो इस मामले में अमेरिकी पहल का एक बड़ा कारण यह हो सकता है कि हाल के वर्षों में पाकिस्तान लगातार चीन की गोद में बैठकर खेलता रहा है, जिससे अमेरिका बेहद नाराज है। वह चाहता है कि पाकिस्तान चीन से बिदककर उसके पाले में आ जाए। इसीलिए शायद उसने पाकिस्तान को आईएमएफ से ऋण दिलाने में मदद की है, लेकिन उसे यह भी अच्छी तरह से समझ लेना चाहिए कि पाकिस्तान तो शुरू से ही कभी चीन तो कभी अमेरिका की गोद में बैठकर खेलता रहा है।

पाकिस्तान और अमेरिका की ओर से उसे अपना ही पिट्ठू बनाए रखने के लिए अनेक प्रकार की रियायतें, जिनमें बेशुमार धनादि शामिल हैं, भी दी जाती रही हैं। वैसे, अमेरिका के द्वारा फटकारे जाने पर वह कहता तो जरूर है कि वह आतंकवादियों को पनाह नहीं देगा तथा विदेशों से मिले धन का उपयोग आतंकवाद को बढ़ावा देने में नहीं करेगा, लेकिन क्या हम नहीं जानते कि कुत्ते की दुम कभी सीधी नहीं होती। जाहिर है कि पाकिस्तान कभी नहीं सुधरने वाला। इसीलिए यह आशंका बनी हुई है कि हमेशा की तरह फिर वह आईएमएफ से मिले धन का उपयोग भारत के विरूद्ध आतंकवादी गतिविधियों यानी 'प्रॉक्सी वॉर' को बढ़ावा देने में करेगा।

ऊन के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि पर विचार कर रही सरकार : मुख्यमंत्री

गद्दी प्रतिनिधिमंडल ने मनोज कुमार को वूलफेडरेशन का अध्यक्ष नियुक्त करने पर मुख्यमंत्री का आभार जताया

अर्थ प्रकाश संवाददाता

शिमला। हिमाचल प्रदेश वूल फेडरेशन के नवनियुक्त अध्यक्ष मनोज कुमार के नेतृत्व में गद्दी समुदाय के प्रतिनिधिमंडल ने आज यहां मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू से भेंट की। उन्होंने इस महत्वपूर्ण पद पर गद्दी समुदाय का प्रतिनिधि नियुक्त करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार गद्दी समुदाय की कठिनाइयों से अवगत है तथा इस समुदाय से जुड़े विभिन्न मुद्दों का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ऊन के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि पर विचार कर रही है तथा सभी हितधारकों से परामर्श के बाद इस पर निर्णय लिया जाएगा। राज्य सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि भेड़-बकरी पालकों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य मिले, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाते हुए मानसून आपदा 2023 के दौरान प्रभावित परिवारों के लिए विशेष राहत पैकेज प्रस्तुत कर मुआवजे की राशि को कई गुणा बड़ाया। इस पहल के तहत भेड़, बकरी और सूअर की मृत्यु पर वित्तीय सहायता को 4000 रुपये से बड़ाकर 6000 रुपये किया गया है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में पशुपालक समुदाय की सहायता के लिए इस वित्तीय सहायता को और अधिक बड़ाया जाएगा।

इससे पहले, हिमाचल प्रदेश वूल फेडरेशन के अध्यक्ष मनोज कुमार ने इस महत्वपूर्ण दायित्व के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह समर्पण भाव से कार्य कर मुख्यमंत्री की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उनकी नियुक्ति चंबा और कांगड़ा जिला में रहने वाले पूरे गद्दी समुदाय के लिए गर्व की बात है। उन्होंने भेड़ और बकरियों की मृत्यु पर मुआवजे को बड़ाने के लिए सरकार की सराहना की।

इस अवसर पर ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह और प्रतिनिधिमण्डल के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

सीबीएसई 10वीं और 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम घोषित, हिमाचल में बेटियां रहीं अव्वल

अर्थ प्रकाश संवाददाता

शिमला। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) कक्षा 10वीं और 12वीं के नतीजे जारी हो गए हैं। विद्यार्थी अपना परीक्षा परिणाम डिजिलॉकर के जरिये देख सकेंगे। हिमाचल प्रदेश में सीबीएसई दसवीं व 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में बेटियां अव्वल रही हैं। दोनों की कक्षाओं का पास प्रतिशत राष्ट्रीय औसत से बेहतर है। प्रदेश के 232 स्कूलों की 12वीं कक्षा की परीक्षा के लिए 11,417 विद्यार्थियों का पंजीकरण हुआ था। इनमें से 11,385 ने परीक्षा दी। परीक्षा में 10,561 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। पास प्रतिशत 92.76 रहा है। वहीं दसवीं व 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में बेटियों ने बाजी मारी है। परीक्षा में 95.3 फीसदी छात्राएं व 90.77 फीसदी छात्र पास हुए। प्रदेश का परीक्षा परिणाम पड़ोसी राज्य पंजाब(92.47), हरियाणा(91.04), उत्तराखंड (86.15) से बेहतर है। परीक्षा के लिए प्रदेश में 108 केंद्र बनाए गए थे।

दसवीं में 97.26 रहा पास प्रतिशत

वहीं दसवीं कक्षा के लिए प्रदेश में 17,204 विद्यार्थियों ने पंजीकरण किया था और 17,177 ने परीक्षा दी। इसमें 9,516 छात्र व 7,661 छात्राएं शामिल हैं। परीक्षा में 16,706 विद्यार्थी पास हुए और पास प्रतिशत 97.26 रहा है। 98.09 फीसदी छात्राएं व 96.58 प्रतिशत छात्र परीक्षा में पास हुए। इस तरह दसवीं कक्षा में भी बेटियां अव्वल रही हैं। दसवीं के परीक्षा परिणाम में भी उत्तराखंड, हरियाणा व पंजाब हिमाचल से पीछे रहे हैं। प्रदेश के दसवीं कक्षा तक के 320 स्कूलों के लिए 119 केंद्रों पर यह परीक्षा हुई।

इन आधिकारिक वेबसाइटों पर देखें परीक्षा परिणाम : विद्यार्थी अपना स्कोर आधिकारिक वेबसाइटों जैसे cbse.gov.in, cbseresults.nic.in, results.cbse.nic.in और results.gov.in पर जाकर देख सकेंगे। इसके अलावा, डिजिलॉकर ऐप, उमंग ऐप और एसएमएस सेवा के माध्यम से भी परिणाम चेक किया जा सकता है। 17 रीजन में विजयवा?ा 99.60 फीसदी के साथ टॉप पर रहा है। त्रिवेंद्रम 99.32, चेन्नई 97.39, बेंगलुरु 95.95, दिल्ली वेस्ट, 95.37, दिल्ली ईस्ट 95.06, चंडीगढ़ 91.61, पंचकूला 91.17, पुणे 90.93, अजमेर 90.40, भुवनेश्वर 83.64, गुवाहाटी 83.62, देहरादून 83.45, पटना 82.86, भोपाल 82.46, नोएडा 81.29 व प्रयागराज का परीक्षा परिणाम 79.53 फीसदी रहा है। देशभर में जवाहर नवोदय विद्यालय का रिजल्ट सबसे अच्छा रहा। यहां बच्चों का पास प्रतिशत 99.29 फीसदी रहा। निजी स्कूल का 87.94 फीसदी के साथ सबसे कम फीसदी परिणाम रहा है। सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल का रिजल्ट 91.57 फीसदी रहा।

न्यूज ब्रीफ

17 मई को विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

सोलन (अप्रस)। हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड सोलन से प्राप्त जानकारी के अनुसार आवश्यक रखरखाव के दृष्टिगत 17 मई, 2025 को विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। यह जानकारी बोर्ड के अतिरिक्त अधीक्षण अभियंता सोलन राहुल वर्मा ने दी। राहुल वर्मा ने कहा कि 17 मई, 2025 को प्रातः 09.00 बजे से सांय 06.00 बजे तक कण्डाघाट, डोलग, परोथा, डेड़घराट, शन्हेच, टिक्कर, माही, सिरीनगर, हाथो, पलेच, शलुमणा, हिमुडा, वाकनाघाट, छावशा, डुमैहर, कोट, क्वारग, कोठी, बाहरा, आंजी ब्रहमणा, सैंज, गोग, कैथलीघाट, शालाघाट, क्यारी बंगला, बीशा, बाशा, सुरो, जे.पी. विश्वविद्यालय, चायल, दोची, मिलिट्री स्कूल, जीतनगर, आलमपुर, भलावग, हिन्नर, कुरगल, मिहानी, बिन्नू, डुबलु, नगाली तथा आस-पास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। उन्होंने कहा कि खराब मौसम एवं किन्ही अपरिहार्य कारणों से उपरोक्त तिथि व समय पर परिवर्तन किया जा सकता है। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों के उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है।

कसौली इंटरनेशनल स्कूल का सीबीएसई कक्षा 10वीं और 12वीं का परिणाम रहा 100 फीसदी

सोलन (अप्रस)। सोलन के कसौली इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में सीबीएसई कक्षा 10वीं और 12वीं का परिणाम रहा 100 प्रतिशत फीसदी रहा। कक्षा 12वीं में गुंताज़ कौर ने 97.8 प्रतिशत अंकों के साथ टॉप किया, अंग्रेज़ी व भूगोल में पूर्ण 100 अंक अर्जित कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। हर्ष 90.8 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान पर रहे। इसी प्रकार कक्षा 10वीं में अक्षय चौहान ने 92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। दोनों कक्षाओं में 10-10 विद्यार्थियों ने विशिष्ट श्रेणी में सफलता प्राप्त की। स्कूल प्रबंध निदेशक हीरा ठाकुर, प्रधानाचार्य राजीव गुलेरिया, और उप-प्रधानाचार्या पूनम ठाकुर ने विद्यार्थियों और अभिभावकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सीबीएसई परिणाम में गुरूकुल स्कूल का बेहतर प्रदर्शन

सोलन (अप्रस)। मंगलवार को घोषित सीबीएसई दसवीं व बारहवीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में गुरूकुल स्कूल का प्रदर्शन बेहतर रहा। बारहवीं कक्षा में शिवांग ठाकुर ने 97 फीसदी अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। (विज्ञान संकाय) रजत कुमार जो विद्यालय के छात्रावास में रहते हैं, ने 94.2 फीसदी अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। (मानविकी संकाय) सृष्टि नेगी ने 94 फीसदी अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार दसवीं कक्षा के परिणाम मेंआदित्य प्रताप सिंह ने 95 फीसदी अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया।हर्षवर्धन ने 94.4 फीसदी अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। नियति रौंटा ने 94 फीसदी अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कश्मीर दो देशों का आंतरिक मसला, दोनों ही सुलझाएंगे : विक्रमादित्य

अर्थ प्रकाश संवाददाता

शिमला। लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि भारतीय सेना की पाकिस्तान के खिलाफ की गई कारवाई को पूरे देश ने सराहा है। आज पूरा देश भारतीय सेना के साथ चट्टान की तरह खड़ा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी लोकसभा के विपक्ष के नेता हैं। उन्होंने इस मामले को लेकर स्पेशल सदन बुलाने की बात कही है। पाकिस्तान आतंकियों का गढ़ है। वर्ष 1971 के बाद ऐसा हुआ है। आतंकियों ने संसद में हमला किया। पठानकोट और मुंबई में भी धमाके किए। कश्मीर के भीतर अटैक किया।

विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि विपक्ष चाहता है कि इस पूरे मामले पर सदन में हो चर्चा होनी चाहिए।

भारत और पाक युद्ध मामले में जिस तरह अमेरिका के राष्ट्रपति ने अपने ट्वीट में बात कही, इस पर उन्होंने कहा कि कश्मीर का यह दो देशों का आंतरिक मसला है। भारत और पाक को ही इसे सुलझाया जाना है। सदन में सभा विपक्ष और विपक्ष के नेताओं में चर्चा होने पर इस मामले में पूरी स्पष्टता सामने आ जाएगी।

उन्होंने कहा कि भारत व हिमाचल में तुर्की का सेब आना चिंता का विषय है। भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध के दौरान चीन और तुर्की भारत के खिलाफ दिखे। ऐसे में तुर्की के सेब पर इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ाने की जरूरत है। जब भी इंपोर्ट ड्यूटी कम होती है तो इसका सबसे ज्यादा असर हिमाचल पर पड़ता है। हिमाचल प्रदेश में सेब से 5000 करोड़ की आर्थिकी है। इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ने से सबसे ज्यादा नुकसान हिमाचल के बागवानों को होता है। चाहे वह सेब चीन से आ रहा हो या अमेरिका से। इस मामले को मुख्यमंत्री के समक्ष उठाएंगे। उन्होंने कहा कि हिमाचल लोकसभा और राज्य सभा के सांसदों को भी यह मामला उठाना चाहिए। ताकि प्रधानमंत्री इस मामले पर कड़ा संज्ञान लें।

दिल्ली से शिमला हवाई सेवा शुरू

शिमला (अप्रस)। दिल्ली से शिमला के लिए हवाई सेवा मंगलवार से शुरू हो गई है। अलायंस एयर के विमान ने सुबह 6 बजकर 10 मिनट पर दिल्ली से शिमला के लिए उड़ान भरी और सुबह 7 बजकर 25 मिनट पर जुब्बड़हट्टी एयरपोर्ट पर लैंड किया। इसमें 23 यात्री दिल्ली से शिमला आए। इसके बाद शिमला से 7 बजकर 45 मिनट पर यही विमान अमृतसर को उड़ान भरने को तैयार था, लेकिन अभी अमृतसर एयरपोर्ट बंद होने की वजह से जहाज ने अमृतसर के लिए उड़ान नहीं भरी। जहाज 10 बजकर 30 मिनट पर 8 यात्रियों को लेकर शिमला से वापस दिल्ली के लिए उड़ा। हालांकि उड़ानें केंद्रीय उड्डयन मंत्रालय के आदेशों पर निर्भर करेंगी। भारत-पाक के बीच युद्ध जैसी स्थिति को देखते हुए बीते पांच दिनों से यहां उड़ानें बंद थीं।

स्थानीय लोगों की मदद से युवती सहित 4 चिट्टा तस्कर गिरफ्तार, एक फरार

अर्थ प्रकाश संवाददाता

शिमला। शिमला पुलिस जिला सहित शहर में चिट्टा तस्करों को पकड़ रही है, लेकिन इस बार शिमला पुलिस ने स्थानीय गांव वालों की मदद से समरहिल के साथ लगते एक गांव में चिट्टा तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, शिमला पुलिस ने राजधानी शिमला के समरहिल के साथ लगते हिवन गांव से एक सप्लायर युवती सहित 4 लोगों को चिट्टे के साथ गिरफ्तार किया है। इनके पास से 11.521 ग्राम चिट्टा बरामद किया गया है। वहीं, एक युवक मौके से फरार हो गया है। उसकी तलाश की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, हिवन गांव में ये एक किराए के कमरे में रहते थे। युवती इन युवकों को चिट्टे की सप्लाई करती थी। स्थानीय लोगों को जैसे ही इस बात की भनक लगी, तो स्थानीय पंचायत के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर लोगों ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। पुलिस की टीम ने सोमवार रात को करीब 11 बजे इनके कमरे में दबिश दी। पुलिस ने इनके पास से 11.520 ग्राम चिट्टा बरामद किया है। ये हिवन गांव में अश्वनी भवन में किराए पर रहते थे।

मंडी व चौपाल के रहने वाले हैं युवक व युवती : चिट्टा के साथ पकड़ी गई युवती की पहचान स्मृति ठाकुर के रूप में हुई है। यह शिमला के चौपाल की रहने वाली बताई जा रही है। वहीं, युवक की पहचान विनय चौहान और अभिषेक वर्मा के रूप में हुई है। इनमें से दो युवक शिमला के पंथाघाटी और एक युवक मंडी का रहने वाला बताया जा रहा है।

डॉ. (कर्नल) धनीराम शांडिल ने देवभूमि क्षत्रिय संगठन के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक, कहा-

सभी वर्गों का समावेशी विकास सुनिश्चित बनाना सरकार की प्राथमिकता

अर्थ प्रकाश संवाददाता

शिमला। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल ने आज यहां देवभूमि क्षत्रिय संगठन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में देवभूमि क्षत्रिय संगठन द्वारा प्रस्तुत विभिन्न बिंदुओ पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

इस अवसर पर डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल ने कहा कि प्रदेश सरकार संविधान के विभिन्न प्रावधानों के तहत समाज के सभी वर्गों के कल्याण व उत्थान के लिए निरंतर कार्यरत है तथा समाज के सभी वर्गों का समावेशी विकास सुनिश्चित बनाना सरकार की प्राथमिकता है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शपथ ग्रहण करते ही सर्वप्रथम बालिका आश्रम

टुटीकंडी का दौरा किया था तथा समाज के उन बच्चों के लिए एक ऐसी योजना लेकर आए, जिनकी देखभाल करने वाला कोई अपना नहीं था।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुख-आश्रय योजना के माध्यम से प्रदेश में हजारों अनाथ व बेसहारा बच्चों का प्रदेश सरकार पालन-पोषण कर रही है, जिनके अभिभावक जीवित नहीं हैं। ऐसे बच्चों के लिए प्रदेश सरकार ही माता-पिता की भूमिका निभा रही है तथा उन्हें 'चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट' का दर्जा दिया है। उन्होंने कहा कि बिना किसी भेदभाव के समाज के विभिन्न वर्गों के उत्थान व कल्याण के लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है।

डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल ने कहा कि देवभूमि क्षत्रिय संगठन द्वारा प्रस्तुत किए गए विभिन्न बिंदुओं पर राज्य सरकार गंभीरता से विचार-विमर्श करेगी तथा इस बारे मुख्यमंत्री को भी अवगत करवाया जाएगा ताकि इस दिशा में कुछ निर्णायक कदम उठाए जा सकें।

उपमुख्यमंत्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' में घायल हरोली के वीर सपूतों का जाना कुशलक्षेम

अर्थ प्रकाश संवाददाता

ऊना। उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान घायल हुए हरोली विधानसभा क्षेत्र के दो वीर जवानों बाथू गांव निवासी बीएसएफ के उप निरीक्षक व्यास देव और छेत्रा गांव निवासी सिख रेजिमेंट के जवान गुरनाम सिंह उर्फ 'रोमी' के परिजनों से मंगलवार को भेंट कर उनका कुशलक्षेम जाना। वर्तमान में दोनों वीर जवान आर्मी हॉस्पिटल जम्मू में उपचाराधीन हैं।

ड्रोन हमले में गंभीर रूप से घायल हुए उप निरीक्षक व्यास देव के घर पर पहुंचकर उप मुख्यमंत्री ने उनकी पत्नी परमजीत कौर से मुलाकात की और पूरे प्रदेश की ओर से उनके साहस को नमन किया। उन्होंने कहा कि व्यास देव ने अद्वितीय पराक्रम और शौर्य का परिचय देते हुए देश की रक्षा में अपना अभूतपूर्व योगदान दिया है।

हमले में एक टांग गंवाने के बावजूद उनका साहस पूरे राष्ट्र को गौरवान्वित करता है।

इसके उपरांत उप मुख्यमंत्री छेत्रा गांव पहुंचे और सिख रेजिमेंट के घायल जवान गुरनाम सिंह के परिजनों पिता जोगिंदर सिंह, माता जगमोहन कौर व पत्नी गुरप्रीत कौर से भेंट कर गुरनाम सिंह के स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि गुरनाम सिंह सरीखे वीरों का समर्पण देश की असली ताकत है, जिसे प्रदेश सदैव नमन करता रहेगा।

उप मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दोनों जवानों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की और प्रदेश सरकार की ओर से हर संभव सहायता की प्रतिबद्धता जताई।

इस दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रणजीत राणा, अशोक ठाकुर, प्रमोद कुमार, सतीश बिट्टू, विनोद बिट्टू, पवन ठाकुर और बाथू ग्राम पंचायत की प्रधान सुरेखा राणा सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

स्कॉलर्स यूनिफाइड स्कूल के छात्र-छात्राओं ने वार्षिक परीक्षा में किया शानदार प्रदर्शन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

ऊना। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा मंगलवार को जारी किए गए 10वीं और 12वीं के वार्षिक परीक्षा परिणाम में स्कॉलर्स यूनिफाइड स्कूल के छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए माता-पिता और विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय के प्रबंध निदेशक धीरज शर्मा ने विद्यार्थियों के उम्दा प्रदर्शन पर उनकी पीठ थपथपाई और अभिभावकों को बधाई दी है। इसके साथ ही उन्होंने विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों को इन छात्र-छात्राओं से प्रेरणा लेते हुए वार्षिक परीक्षाओं की तैयारी में अभी से डट जाने का आह्वान किया है। उन्होंने बताया कि दसवीं कक्षा के वार्षिक परीक्षा परिणाम में रिया ने 94 फ़ीसदी अंक लेकर पहला स्थान हासिल किया, अहाना 93.8 फ़ीसदी के साथ दूसरे नंबर पर ही, अनिका जोशी ने 93 फ़ीसदी अंक लेकर तीसरा स्थान हासिल किया। चौथे स्थान पर साहिल ने 90.4 फ़ीसदी अंक, पांचवें पर पलक ने 90 फीसदी अंक और छठे पर स्वाति और सक्षम ने 89 प्रतिशत अंक अर्जित किए। सातवें स्थान पर मृदुल ने 88.6 प्रतिशत अंक, आठवें पर राधिका ने 87.2 फीसदी, नौवें स्थान पर निहालिका, अक्षिता भारद्वाज और अनुराधा ने 87 प्रतिशत अंक और दसवें स्थान पर रहे।

11 वर्ष की आयु में दसवीं कक्षा उत्तीर्ण, देश में हासिल किया पहला स्थान

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पालमपुर। वंडर गर्ल काशवी ने मात्र 11 वर्ष की आयु में दसवीं कक्षा उत्तीर्ण कर ली। इतनी कम आयु में दसवीं कक्षा उत्तीर्ण करने वाली काशवी सीबीएसई बोर्ड के अंतर्गत देश की पहली विद्यार्थी बन गई है। सीबीएसई द्वारा घोषित दसवीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में काशवी ने 91 प्रतिशत अंक प्राप्त कर यह उपलब्धि अर्जित की। काशवी ने इंग्लिश विषय में 89, गणित में 93, हिंदी में 88, विज्ञान में 92 तथा सोशल साइंस में 82 अंक अर्जित किए हैं। काशवी का जन्म 12 मार्च, 2014 को हुआ था। काशवी असाधारण प्रतिभा की धनी रही है तथा उन्हें 3 वर्ष की आयु में ही भारत के सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, भारत के पड़ोसी राज्य, सौरमंडल तथा अन्य महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी थी। वर्तमान में काशवी नॉन मैडिकल के साथ जमा एक की कक्षा में अध्यनरत है।

154 पाया गया था आईक्यू

स्कोर

बौद्धिक स्तर के पैमाने पर भी चमत्कारी पाई गई थी। वर्ष 2021 में बीकेटी यानि की बिनट कामट टैस्ट में काशवी का आईक्यू स्कोर 13 वर्ष आयु का पाया गया था। यद्यपि काशवी की आयु मात्र 7 वर्ष थी। काशवी के परिजनों के आग्रह पर किए गए बीकेटी में विशेषज्ञों की टीम ने उसका आईक्यू स्कोर 154 पाया है, जो 13 वर्ष की आयु के बच्चे के मानसिक स्तर का था। बताया जाता है कि करोड़ों में एक का आईक्यू स्कोर 147 का स्तर पाया जाता है जबकि काशवी का आईक्यू का स्तर इससे भी अधिक है। क्षेत्रीय चिकित्सालय धर्मशाला में काशवी के आईक्यू स्तर की जांच की गई थी, जिसमें उसे जीनियस चाइल्ड की श्रेणी में आईक्यू के आधार पर आंका गया था। लगभग इतनाा ही आई क्यू स्कोर प्रख्यात वैज्ञानिक अल्बर्टटआइंस्टीन का पायाा गया था।

लॉकडाऊन के दौरान सामने आई थी प्रतिभा

घर अपनी अनूठी मेधा के चलते काशवी ने लॉकडाऊन के दौरान घर पर रहते हुए न केवल तीसरी कक्षा की पढ़ाई पूरी की अपितु चौथी व 5वीं कक्षा के पाठ्यक्रम को भी पूरा कर लिया। इसके पश्चात भी काशवी ने अगली कक्षाओं की पढ़ाई जारी रखी। 7 वर्ष की आयु में जब काशवी 8वीं कक्षा की परीक्षा देना चाहती थी परंतु नियम उसके आड़े आ गए। नियमानुसार 12 वर्ष की आयु में ही 8वीं की परीक्षा दी जा सकती है। न्यायालय से मिले आदेशों के पश्चात कुछ स्तरीय टीम की देखरेख में काशी का टैस्ट लिया गया तथा इसके पश्चात उसे आठवीं कक्षा में प्रवेश की अनुमति दी गई थी। ऐसे में काशवी ने इस चुनौती को भी दृढ़ता से पर पाया तथा 9 वर्ष की आयु में 91.6 प्रतिशत अंकों के साथ आठवीं की कक्षा उत्तीर्ण की थी।

ऐसे निर्धारित होता है आईक्यू स्कोर

आईक्यू स्कोर रेंज के अनुसार 80 से 89 का स्कोर औसत बुद्धिमता से कम माना जाता है तथा लगभग 15.7 प्रतिशत जनसंख्या में यह स्कोर औसतन पाया जाता है। 90 से 110 का स्कोर एवरेज इंटैलीजैंस की श्रेणी में आता है तथा 51.6 प्रतिशत जनसंख्या इसके अंतर्गत आती है। औसत इंटैलीजैंट से अधिक 111 से 120 का आईक्यू 15.7 प्रतिशत जनसंख्या में, जबकि 121 से 130 को रेंज गिफ्टड माना जाता है तथा मात्र 6.4 फीसदी जनसंख्या ही इसकी रेंज के अंतर्गत आती है।

मनोज कुमार ने संभाला नगर निगम ऊना के संयुक्त आयुक्त का कार्यभार, साझा कीं प्राथमिकताएं

अर्थ प्रकाश संवाददाता

ऊना। हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक सेवा के अधिकारी मनोज कुमार ने मंगलवार को नगर निगम ऊना के संयुक्त आयुक्त पद का कार्यभार ग्रहण किया। मनोज कुमार 2020 बैच के एचएएस अधिकारी हैं। मूलतः मंडी जिला के जोगिंदरनगर क्षेत्र से संबंध रखने वाले श्री कुमार इससे पूर्व उदयपुर में एसडीएम के पद पर सेवाएं दे रहे थे। इसके अतिरिक्त वे ज्वालाजी, शिमला, कुल्लू सहित राज्य के विभिन्न जिलों में अलग अलग पदों पर सेवाएं दे चुके हैं। केलांग में उन्होंने परियोजना अधिकारी (आईटीडीपी) के रूप में भी कार्य किया है।

कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने शहर के समग्र विकास को सुनिश्चित करने को लेकर अपनी प्राथमिकताएं साझा कीं। उन्होंने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को सुदृ? बनाना, सीवरेज संबंधी समस्याओं का प्रभावी समाधान करना और शहरी सौंदर्यीकरण को प्राथमिकता के आधार पर क्रियान्वित करना उनकी शीर्ष प्राथमिकताएं होंगी। इसके साथ ही उन्होंने बरसात के मौसम के दौरान जलभराव जैसी समस्याओं के स्थायी समाधान हेतु ठोस कार्य योजना पर बल देने की बात कही। उन्होंने निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों से सहयोग की अपेक्षा जताते हुए कहा कि सभी मिलकर जनहित में कार्य करते हुए नगर निगम ऊना को एक आदर्श नगरीय इकाई के रूप में विकसित करने के लिए काम करेंगे।

सभी के सहयोग से सफल होगा नशा मुक्त भारत अभियान-2 : उपायुक्त

मानसिक स्वास्थ्य के लिए टॉल फ्री नम्बर 14416 के बारे में जागरूक करने के निर्देश

अर्थ प्रकाश संवाददाता

सोलन। उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने कहा कि सभी के सहयोग नशा मुक्त भारत अभियान को सफल बनाया जाएगा। मनमोहन शर्मा आज यहां मादक पादर्थों एवं नशा मुक्त भारत अभियान-2 के अंतर्गत जिला स्तरीय कार्य योजना की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

मनमोहन शर्मा ने कहा कि नशा एक ऐसी बुराई है जो हमारे समूचे समाज पर विपरीत असर डाल रही है। उन्होंने कहा कि नशा स्वास्थ्य व आर्थिक हानि के साथ-साथ सामाजिक सम्मान पर भी दुष्प्रभाव डालता है और नशे का सेवन एक व्यक्ति के साथ-साथ उसके परिवार और समाज को पूर्ण रूप से नष्ट कर देता है।

उन्होंने कहा कि सोलन जिला में 20 जून से 31 अगस्त, 2025 तक भांग उखाड़ो अभियान कार्यान्वित किया जाएगा। उन्होंने इस अभियान को सफल बनाने के लिए वन विभाग, पंचायती राज संस्थाओं, स्वास्थ्य विभाग तथा स्वयं सेवी संस्थाओं से आग्रह किया कि ऐसे क्षेत्रों को चिन्हित करें जहां भांग के पौधे पाए जाते है ताकि इन्हें सफलतापूर्वक समाप्त किया जा सके।

उपायुक्त ने शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि वह समय-समय पर स्कूलों में बच्चों को नशा निवारण पर व्याख्यान के माध्यम से जागरूक करें तथा इस दिशा में स्वास्थ्य विभाग से सहयोग प्राप्त करें। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य तथा पंचायती राज विभाग को निर्देश दिए कि वह मानसिक स्वास्थ्य के लिए टॉल फ्री नम्बर 14416 के बारे में सभी को जागरूक करें। उन्होंने इस टॉल फ्री नम्बर के विषय में सभी स्कूलों में छात्रों को जागरूक करने और विद्यालयों में इस नम्बर की जानकारी देने के निर्देश दिए।

मनमोहन शर्मा ने निर्देश दिए कि यदि सोलन जिला के किसी क्षेत्र में अफीम की खेती पाई जाती है तो उसे भी नष्ट किया जाए। उन्होंने औषधि निरीक्षक को निर्देश दिए कि जिला में दवा की दुकानों का औचक निरीक्षण कर यह सुनिश्चित बनाएं कि कोई भी दवा चिकित्सक के लिखित परामर्श के बिना न दी जाए। उन्होंने इस दिशा में नियमित कार्यवाही के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में नशे की समस्या में बड़ौतरी दृष्टिगोचर हो रही है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान-2 के तहत 272 जिलों को चिन्हित किया गया है जिसमें सोलन जिला भी शामिल है। उन्होंने इस अभियान को सफल बनाने के लिए शिक्षा, पंचायती राज, स्वास्थ्य, पुलिस, आबकारी, परिवहन, पर्यटन, युवा सेवाएं एवं खेल विभाग को अपने-अपने विभाग में नोडल अधिकारी नियुक्त कर बहुमूल्य सुझाव शीघ्र प्रेषित करने के निर्देश भी दिए।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बद्दी अशोक वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सोलन राजकुमार चंदेल, राज्य कर एवं आबकारी विभाग के सहायक आयुक्त प्रेम सिंह कायथ, मुख्य चिकित्सा अधिकारी सोलन डॉ. राकेश प्रताप, जिला कल्याण अधिकारी गावा सिंह नेगी, जिला पंचायत अधिकारी जोगिन्द्र राणा, सहायक अरणयपाल चन्द्रिका शर्मा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. गगनदीप राज हंस सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा विभिन्न गैर सरकारी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बिजली विभाग के कच्चे कर्मचारियों ने 20 मई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल में शामिल होने का किया ऐलान

15 मई को प्रातः 10 बजे डिवीजनल कार्यालय जीरकपुर पर संयुक्त रैली की जाएगी

अर्थ प्रकाश /संदीप सिंह बावा

जीरकपुर। बिजली विभाग के आउटसोर्स कर्मचारियों के विभिन्न संगठनों द्वारा एक जरूरी बैठक की गई। जिसमें बलिहार सिंह कटारिया, जगरूप सिंह लेहरा, गुरविंदर सिंह पन्नू और बलविंदर सिंह सैनी ने भाग लिया। इस बैठक में बिजली विभाग के कर्मचारियों की विभिन्न मांगों को लेकर 20 मई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया गया। इस बैठक में विभिन्न डिवीजनों के नेताओं ने सर्वसम्मति से 20 मई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल में शामिल होने का एलान किया। इसकी सफलता के लिए सब-डिवीजन स्तर पर संयुक्त बैठकें करके तैयारियां की जाएंगी और 15 मई को पूरे पंजाब में सब-डिवीजन या डिवीजन स्तर पर संयुक्त रैलियां और विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे। 20 मई की राष्ट्रव्यापी हड़ताल को सफल बनाने के लिए 15 मई को प्रातः 10 बजे डिवीजनल कार्यालय जीरकपुर पर संयुक्त रैली की जाएगी, जिसमें सभी पंजाब समर्थकों, उपभोक्ताओं व बिजली कंपनी के कर्मचारियों को सरकार के आगामी हमलों के बारे में जागरूक किया जाएगा तथा संघर्ष करने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

घर-घर, मंडल-मंडल तिरंगा यात्रा

तिरंगा यात्रा के 4 बड़े कार्यक्रम

तिरंगा यात्रा के 4 बड़े कार्यक्रम 14 मई को सीटीओ पर शिमला प्रशासनिक जिला, 15 मई धर्मशाला में प्रशासनिक जिला कांगड़ा, 16 मई को प्रशासनिक जिला मंडी और 17 को प्रशासनिक जिला हमीरपुर।

33 मंडलों की तिरंगा यात्रा का शेड्यूल

बिहारी लाल शर्मा ने बताया कि 18 मई को अर्की, पांवटा साहिब, ऊना, डलहौजी और मनाली। 19 मई को सोलन, कुल्लू, कुटलेहड़, जसवां परागपुर, पच्छाद और चंबा। 20 मई को दून, नाहन, देहरा, बिलासपुर और बंजर। 21 मई को नालागढ़, हरोली, घुमारवीं, ज्वालामुखी, चुरहा और किन्नौर। 22 मई को कसौली, चिंतपूर्णी, नैनादेवी, आनी, भटियात और 23 मई को शिलाई, रेणुका जी, गगरेट, झंडूता, भरमौर और लाहौल स्पीति। इन मंडलों में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा।

अर्थ प्रकाश संवाददाता

शिमला। भाजपा प्रदेश महामंत्री बिहारी लाल शर्मा ने प्रदेश में होने जा रही तिरंगा यात्रा का शेड्यूल जारी किया यह यात्रा पूरे प्रदेश में होने का रही है।

तिरंगा यात्रा एक सामाजिक कार्यक्रम रहेगा जिसमें समाज के सभी वर्ग बढ़-चढ़कर भाग लेने जा रहे हैं और इस यात्रा के माध्यम से भारत की सेवा, जिसने वीरता के साथ पाकिस्तान के विरुद्ध युद्ध लड़ा और पाकिस्तान को घुटने टेकने के लिए मजबूर कर दिया उस सेवा को सेल्यूट किया जाएगा। यह सभी कार्यक्रम सिटीजन फॉर नेशनल सिक्योरिटी संस्थान द्वारा चलाए जाएंगे।

बिहारी लाल शर्मा ने बताया कि तिरंगा यात्रा 14 मई से 23 मई तक पूरे प्रदेश में चलेगी। 4 कार्यक्रम बड़े होंगे जो कि जिला स्तर पर आयोजित किए जाएंगे, इसके अंतर्गत 35 मंडल कार्य करेंगे और 33 मंडल अगल से तिरंगा यात्रा निकलेंगे।

तिरंगा यात्रा में भाजपा करेगी सहयोग, सिटीजन फॉर नेशनल सिक्योरिटी करेगी आयोजन: भाजपा प्रदेश महामंत्री बिहारी लाल शर्मा ने बताया कि तिरंगा यात्रा में भाजपा सहयोग करेगी और यह कार्यक्रम सिटिजन फॉर नेशनल सिक्योरिटी संस्थान द्वारा आयोजित किए जाएंगे, इस कार्यक्रम में विशेष कर सभी सामाजिक संस्थान बढ़-चढ़कर भाग लेंगे जैसे कि व्यापार मंडल, एनजीओ, स्टूडेंट आर्गेनाइजेशन, वेलफेयर सोसाइटी, महिला मंडल, युवक मंडल, विभिन्न प्रकार की सभाएं एवं धार्मिक संस्थान।

गुरजीवन विहार के निवासियों की 2 वर्ष पुरानी मांग हुई पूरी

कॉलोनी में रुके हुए विकास कार्य हुए शुरू

अर्थ प्रकाश संवाददाता

> आज हमने जेसीबी मशीन की मदद से गुरजीवन विहार की सड़कों की खुदाई शुरू की हुई है इसके बाद इनका लेवल किया जाएगा और साथ-साथ एस्टीमेट तैयार करके तुरंत सारी गलियों में इंटरलॉकिंग टाइलों को लगाने का काम शुरू कर दिया जाएगा।
>
> **ईशान कुमार जेई नगर परिषद जीरकपुर।**

जीरकपुर । ढकोली क्षेत्र में स्थित गुरजीवन विहार के लोगों की मांग आज पूरी होती नजर आ रही है क्योंकि आज वहां पर सड़के बनाने का काम शुरू हो चुका है। जानकारी के अनुसार कॉलोनी में नगर परिषद जीरकपुर द्वारा आज जेसीबी मशीन भेज कर कॉलोनी की गलियों तथा सड़कों की खुदाई शुरू करवा दी गई है जिसके चलते लोगों को कॉलोनी की गलियां तथा सड़क बनने की उम्मीद जागी है। गुरजीवन बिहार रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष योगराज सहोता तथा अन्य निवासियों में ए.पी अरोड़ा, जोगिंदर पाल ,सोनी त्यागी, जीएस यादव तथा अन्य लोगों द्वारा पिछले दो वर्ष से नगर परिषद को पत्र भेजे जा रहे थे जिन पर सुनवाई न होने के चलते लोगों द्वारा एडीसी मोहाली, डिप्टी कमिश्नर मोहाली के अलावा मुख्यमंत्री पंजाब भगवंत मान तक भी पहुंच की जा चुकी थी जिसके चलते आज इस कॉलोनी में विकास कार्य शुरू हुआ है। समाजसेवी विशाल शर्मा ने बताया कि काफी समय से गुरजीवन बिहार के विकास कार्य रुके हुए थे जिनके लिए वह निरंतर नगर परिषद के संपर्क में थे आखिरकार आज नगर परिषद द्वारा सड़कों की मरम्मत का काम शुरू करवा दिया गया है।

पीएम मोदी ने दिया सीधा संदेश, पाक को किया एक्सपोज : विनोद

अर्थ प्रकाश संवाददाता

शिमला। भाजपा प्रदेश सचिव एवं विधायक विनोद कुमार ने कहा कि विपक्षी दल के पास कोई मुद्दा नहीं है इसलिए युद्ध के मुद्दे को राजनीतिक रंग देने का प्रयास किया जा रहा है, उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा दिया गया संदेश स्पष्ट नहीं था। पर हम कहना चाहते हैं कि इससे स्पष्ट संदेश विपक्ष को क्या चाहिए जब प्रधानमंत्री ने सीधा सीधा पाकिस्तान को पूरी तरह से एक्सपोज कर दिया है।

विनोद कुमार ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं थी, बल्कि इसका एक बड़ा और प्रभावशाली 'नॉन-मिलिट्री पोर्शन' भी था। इस रणनीति के अंतर्गत भारत सरकार ने 1960 में हुए सिंधु जल समझौते को स्थगित करने का निर्णय लिया। पाकिस्तान की 90त्र जनता और 80त्र कृषि इस जल पर निर्भर करती है। यदि भारत इस जल प्रवाह को रोक दे तो पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था की रीढ़ टूट जाएगी। पाकिस्तान की जीडीपी गिर जाएगी, कृषि व्यवस्था चरमरा जाएगी, और देश संकट में डूब जाएगा। आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने जो कहा था, 'हम घुसकर मारेंगे और मिट्टी में मिला देंगे।' वह आज पूरे देश ने साकार होते देखा है। यह केवल शब्द नहीं थे, यह भारत के संकल्प, सामर्थ्य और गौरव का जीवंत उदाहरण था।

ऑपरेशन सिंदूर केवल सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि आतंकवाद के विरुद्ध भारत का एक संपूर्ण और निर्णायक प्रतिघात है। यह कार्यवाही न केवल आतंकियों को समाप्त करने के लिए की गई, बल्कि इसके नॉन-मिलिट्री आयाम भी उतने ही प्रभावशाली थे, जिसने पाकिस्तान को एक कमज़ोर स्टेट के रूप में उजागर कर दिया। सिंधु जल संधि, जिसे 1960 से भारत ने तमाम युद्धों के बावजूद जारी रखा, उसे इस बार स्थगित कर दिया गया। झेलम और चिनाब नदियों के जल पर अब भारत सरकार का पूर्ण नियंत्रण है। भारत अब इन नदियों पर बांध निर्माण, जल संग्रहण, सिंचाई और हाइड्रो पावर के माध्यम से जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों को व्यापक लाभ पहुंचाने जा रहा है। यह वह कार्य है जो 50 वर्षों में नहीं हुआ। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज यह असंभव कार्य भी संभव हो गया। भारत सरकार ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि 'पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते।'

भारत धरातल पर काम करता है सोशल मीडिया पर नहीं : विनोद- भाजपा विधायक विनोद कुमार ने कहा कि भारत धरातल पर काम करता है सोशल मीडिया पर नहीं। पाकिस्तान ने युद्ध के दौरान जब हार मनी तो डीजीएमओ पाकिस्तान ने डीजीएमओ भारत से बात की और सीजफायर मांगा। भारतीय सेवा को यह मैसेज पहुंचने में लगभग एक घंटा लगता है।

न्यूज़ ब्रीफ

अभिलाषी ग्रुप के 11 प्रतिभाशाली छात्रों को मिली कामयाबी

गोहर (अप्रस)। युवा प्रशिक्षुओं के लिए रोजगार का पर्याय बन चुके अभिलाषी एजुकेशनल ग्रुप के लिए यह गर्व का क्षण है । कैंपस प्लेसमेंट के दौरान 11 छात्रों का चयन भारत की प्रतिष्ठित दवा कंपनी टोरेंट फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड में हुआ है। इस नियुक्ति प्रक्रिया में अभिलाषी विश्वविद्यालय, अभिलाषी कॉलेज ऑफ फार्मेसी और अभिलाषी पीजी इंस्टीट्यूट ऑफ साइंसेज के अंतिम वर्ष के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा एवं उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल का प्रदर्शन किया। इस प्लेसमेंट ड्राइव में टेक्निकल असेसमेंट और साक्षात्कार सहित विभिन्न चयन चरणों के बाद ही छात्रों को चयनित किया गया। इस उपलब्धि पर अभिलाषी ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर के अभिलाषी ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा, 'टोरेंट जैसी प्रतिष्ठित फार्मास्युटिकल कंपनी में छात्रों का चयन हमारे लिए गर्व की बात है। यह उनकी कड़ी मेहनत, समर्पण और हमारे संस्थान द्वारा प्रदान की गई गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रमाण है।' वहीं अभिलाषी ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ एल के अभिलाषी ने खुशी जताते हुए बताया कि चयनित छात्र अब टोरेंट के साथ अपने पेशेवर करियर की यात्रा शुरू करने के लिए तैयार हैं। संस्थान उन्हें इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए बधाई देता है । विवि के कुलपति प्रो. एच के चौधरी ने चयनित छात्रों को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की और बताया कि कैंपस ड्राइव का आयोजन लगातार जारी है जिसके अंतर्गत समस्त भारत की प्रतिष्ठित कंपनियों में छात्रों को रोजगार के अवसर मुहैया करवाए जा रहे हैं।

एडवामेड अस्पताल जीरकपुर द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

जीरकपुर (अप्रस)। आज ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की खुशी में रोटरी क्लब चंडीगढ़ के सहयोग से जीरकपुर के अंबाला रोड स्थित एडवामेड अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 80 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। जीरकपुर की समाज सेवी संस्थाओं के सहयोग से आयोजित इस शिविर में करीब 150 रक्तदाता पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों की सलाह पर मात्र 80 रक्तदाताओं को ही रक्तदान के लिए चुना गया। इस अवसर जानकारी देते हुए एडवामेड अस्पताल के प्रमुख डॉ. जतिंदर सिंह ने कहा कि देश में मौजूदा हालात में कभी भी कुछ भी हो सकता है और ऐसे समय में रक्त की तुरंत जरूरत पड़ सकती है, जिसके चलते उन्होंने रक्तदान शिविर का आयोजन किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक महान पुण्य का कार्य है, जिसमें बिना किसी भेदभाव या जाति के रक्तदान किया जाता है और जरूरतमंदों तक पहुंचाया जाता है। उन्होंने रोटरी क्लब, रॉयल ग्रुप, प्रेस क्लब जीरकपुर व अन्य संस्थाओं का आभार व्यक्त किया जिन्होंने इस महान कार्य में उनका सहयोग किया।

बिलासपुर में जन शिकायतों के त्वरित समाधान और योजनाओं की निगरानी के लिए 'मंडे रिव्यू मीटिंग' शुरू

डीसी राहुल कुमार बोले- ई-गवर्नेंस और जनसुनवाई को बनाएंगे प्रभावशाली और जवाबदेह

अर्थ प्रकाश / अजय मल्होत्रा

शाहतलाई। जिला बिलासपुर के नव नियुक्त उपायुक्त राहुल कुमार ने सोमवार को जिला स्तर पर ÷मंडे रिव्यू मीटिंग÷ की औपचारिक शुरुआत की। इस बैठक का उद्देश्य प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ-साथ जिला वासियों की शिकायतों एवं समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी और उत्तरदायी समाधान सुनिश्चित करना है। उपायुक्त राहुल कुमार ने कहा कि यह बैठक अब प्रत्येक सोमवार नियमित रूप से आयोजित की जाएगी, ताकि विभागीय कार्यों की निरंतर निगरानी और जनसेवा की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हो सके।

बैठक के दौरान उपायुक्त राहुल कुमार ने ई-समाधान पोर्टल पर लंबित शिकायतों, ई-ऑफिस प्रणाली की प्रगति, मुख्यमंत्री सेवा संकल्प 1100 हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों की स्थिति, आधार प्रमाणीकरण तथा राजस्व न्यायालयों में लंबित मामलों की गहन समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विभाग एक सप्ताह के भीतर ई-ऑफिस प्रणाली के अंतर्गत कार्य करना सुनिश्चित करें, ताकि कार्यों की निगरानी डिजिटल माध्यम से हो सके और समाधान समयबद्ध ढंग से किया जा सके।

उपायुक्त ने निर्देश दिए कि ई-समाधान पोर्टल पर पंजीकृत पुरानी शिकायतों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित किया जाए और इनकी साप्ताहिक समीक्षा मंडे मीटिंग में की जाए। मुख्यमंत्री सेवा संकल्प 1100 हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों को भी प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाए, विशेषकर वे शिकायतें जो 100 दिनों से अधिक समय से लंबित हैं।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे केवल कार्यालयीन कार्यों तक सीमित न रहें, बल्कि फील्ड में जाकर योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन की स्थिति का स्वयं आंकलन करें। उपमंडल अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे अपने क्षेत्रों में अधिकारियों को जनसुनवाई व त्वरित समस्या समाधान के लिए नियमित रूप से फील्ड में भेजें।

उपायुक्त राहुल कुमार ने कहा कि जो भी नागरिक अपनी समस्या लेकर उपायुक्त कार्यालय आता है, उसकी शिकायत को संबंधित अधिकारी को सौंपा जाएगा और उस अधिकारी को समस्या का समाधान होने तक नियमित रिपोर्टिंग करनी होगी। यदि समाधान में लापरवाही पाई जाती है, तो संबंधित अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी ठहराया जाएगा।

उन्होंने कहा कि गुड गवर्नेंस की दिशा में बिलासपुर को प्रदेश में एक आदर्श जिला के रूप में स्थापित करने के लिए सभी अधिकारियों को समयबद्ध लक्ष्य तय कर मिशन मोड में कार्य करना होगा। यदि कोई उपमंडल अधिकारी अपने क्षेत्र में कोई नवाचार करना चाहता है, तो उसे पूर्ण स्वतंत्रता दी जाएगी और जिला प्रशासन उसके प्रयासों में हर संभव सहयोग करेगा।

वशिष्ट पब्लिक स्कूल के छात्रों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

ऊना। सी0बी0एस0ई0 की ओर से घोषित 10वीं व 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में वशिष्ट पब्लिक स्कूल बहडाला के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। कक्षा बाहरवीं के विद्यार्थी अमृत्यांशु चड्ढा ने 96.6 प्रतिशत अंक प्राप्त करके प्रथम , स्निग्धा भारद्वाज ने 95.6प्रतिशत अंक प्राप्त करके द्वितीय ,अलीशा ने 95प्रतिशत अंक प्राप्त करके तृतीय स्थान प्राप्त किया है, रमणीत 93प्रतिशत ,शब्द ठाकुर 92प्रतिशत, आलिया 92प्रतिशत, रूपाली 91प्रतिशत, तशविता सैणी 90प्रतिशत, इशिका राणा 90प्रतिशत अंक हासिल करके स्कूल का नाम रोशन किया है। विद्यालय के 23 छात्रों ने 80प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं।

कक्षा दसवीं की सृष्टि अरोड़ा ने 96प्रतिशत अंक प्राप्त करके प्रथम , अक्षिता राजपूत ने 95.6 प्रतिशत अंक प्राप्त करके द्वितीय तथा सिमरिता व इशमीत ने 94प्रतिशत अंक प्राप्त करके तृतीय स्थान प्राप्त किया है, सानवीं सिंह 92प्रतिशत , कनव मिश्रा 91.4 प्रतिशत, सार्थक शर्मा 90प्रतिशत, रमनदीप कौर 90प्रतिशत, गुरप्रीत सिंह 90प्रतिशत , अनिका वशिष्ट 88प्रतिशत,गुंजन शर्मा 87.2प्रतिशत, गुंजन 87 प्रतिशत, मंथन वशिष्ट 87 प्रतिशत, शैलजा रायजादा 86 प्रतिशत, तक्ष पुंज 86प्रतिशत, पूर्वा ठाकुर 86 प्रतिशत,साक्षी 85 प्रतिशत, आराध्या शर्मा 85प्रतिशत तथा रिद्धिमा ने 85त्रअंक हासिल किए हैं। विद्यालय के 32 छात्रों ने 80त्र से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। ऐसे परिणाम की घोषणा सुनकर सभी में खुशी की लहर दौड़ पड़ी ।अभिभावकों ने इसका श्रेय स्कूल में पढ़ाई का बेहतर वातावरण, स्कूल मैनेजमेंट एवं स्टाफ को दिया। स्कूल के अध्यक्ष सतपाल वशिष्ट ने सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों व शिक्षकों को बधाई दी। विद्यालय के प्रधानाचार्य दीपक कौशल ने विद्यार्थियों से कहा कि यह सफलता आपके भविष्य की ओर ठोस कदम है ।आप सभी ने कठिन परिश्रम किया है और चुनौतियों का डटकर सामना किया है। जो विद्यार्थी अपने अपेक्षित लक्ष्य तक नहीं पहुँच पाए हैं ,उन्हें निराश होने की आवश्यकता नहीं है। यह एक अनुभव है जिससे आप और अधिक निखरेंगे । याद रखें, सफलता केवल अंकों से नहीं मापी जाती ,बल्कि आपके प्रयास और जिज्ञासा से मापी जाती है ।

जिला परिषद निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन का प्रस्ताव प्रकाशित

अर्थ प्रकाश संवाददाता

सोलन । उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने सोलन जिला के सभी 17 जिला परिषद निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन का प्रस्ताव सार्वजनिक रूप से प्रकाशित करने की अधिसूचना जारी की है। यह अधिसूचना हिमाचल प्रदेश पंचायती राज निर्वाचन नियम, 1994 के नियम 09 तथा अन्य आवश्यक नियमों का पालन करते हुए जारी की गई है।

यह अधिसूचना उपायुक्त कार्यालय सोलन सहित पंचायत समिति कार्यालय सोलन कण्डाघाट, धर्मपुर, कुनिहार, पट्टा और नालागढ़ सहित सम्बन्धित ग्राम सभा मुख्यालय में उपलब्ध है। यदि कोई व्यक्ति जिला परिषद सोलन के निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन की प्रस्तावना के सम्बन्ध में कोई आपत्ति अथवा आक्षेप प्रस्तुत करना चाहता है तो वह अधिसूचना के जारी होने के 07 दिवस के भीतर उपायुक्त कार्यालय सोलन में पुष्ट आधार के साथ प्रस्तुत कर सकता है।

अधिसूचना के अनुसार जिला परिषद संख्या 01 दाड़ला में कुनिहार विकास खण्ड की ग्राम सभा बेरल, चाखड़, दाड़ला, रौड़ी, बरायली, दसेरन, क्यारड़, ग्याणा, कश्लोग, कोटलु, मांगल, बागा, मांगू, नवगांव, पारनु, संघोई, सन्याडी मोड़ और सेवड़ा चण्डी को सम्मिलित किया गया है। ज़िला परिषद संख्या 02 धुन्धन में कुनिहार विकास खण्ड की ग्राम सभा हनुमान बड़ोग, बखालग, बलेरा, साई, बड़ोग, बंसतपुर, धुन्धन, कुंहर, जघून, मटेरनी, पट्टा, घनागुघाट, सारमा, सरयांज, शहरोल, सूरजपुर, दावंटी और दानोघाट को सम्मिलित किया गया है।

जिला परिषद संख्या 03 भूमती में कुनिहार विकास खण्ड की ग्राम सभा सरली, भूमती, सानण, चम्यावल, समोग, डुमैहर, बनोह, मान, पलानियां, चाईयां धार, रोहांज जलाना, देवरा, कोटली, पलोग, खनलग, दधोगी, बातल, कुनिहार और कोठी को सम्मिलित किया गया है।

जिला परिषद संख्या 04 बाकना में कण्डाघाट विकास खण्ड की ग्राम सभा कनैर, जधाणा, ममलीग, सतड़ोल, सायरी, काहला, कोट, वाकना, पौधना, छावशा, देलगी और क्वारग को सम्मिलित किया गया है। जिला परिषद संख्या 05 दंघील में कण्डाघाट विकास खण्ड की ग्राम सभा सिरीनगर, मही, बीशा, सैंज, तुन्दल, बांजणी, सकोड़ी, चायल, नगाली, झाजा, हिन्नर, रहेड़, दंघील और बाशा को सम्मिलित किया गया है।

ज़िला परिषद संख्या 06 सलोगड़ा में सोलन विकास खण्ड की ग्राम सभा बसाल, धरोट, जौणाजी, कोठें, मशीवर, ओच्छघाट, पड़ग, सलोगड़ा, सन्होल, सेरबनेड़ा, सेरी, शामती, नौणी मंझगांव, शमरोड़, डांगरी, आंजी और सपरुन को सम्मिलित किया गया है। ज़िला परिषद संख्या 07 चेवा में सोलन विकास खण्ड की ग्राम सभा अन्हेच बड़ोग, सुल्तानपुर, भोजनगर, भोली, चामत भड़ेच, चेवा, देवठी, रणों, काबा कलां, नेरी कलां, शड़ियाणा, तोप की बेड़, कोरों, हरिपुर, भारती, जाबल जमरोट, जाडली, कक्कड़हट्टी और पट्टा बरावरी को सम्मिलित किया गया है।

जिला परिषद संख्या 08 धर्मपुर में धर्मपुर विकास खण्ड की ग्राम सभा आंजी मातला, बनासर, मेहलों, चम्मों, धर्मपुर, गुल्हाड़ी, हुडंग, जाबली, कोटी नाम्ब, प्राथा, रौडी, कोटला और नारायणी को सम्मिलित किया गया है। जिला परिषद संख्या 09 टकसाल में विकास खण्ड धर्मपुर की ग्राम सभा चामियां, गनोल, गड़खल सनावर, कसौली गड़खल, सनवारा, कोट, कोट बेजा, नाहरी, निचली गांगुडी, जंगेशु और टकसाल को सम्मिलित किया गया है।

जिला परिषद संख्या 10 दाड़वा में विकास खण्ड पट्टा की ग्राम सभा कृष्णगड़, बड़लग, बाडियां, भावगुड़ी, बुघार कनैता, चण्डी, दाड़वां, ढकरियाणा, घड़सी, गोयला, जाडला, मन्ढेसर और जगजीत नगर को सम्मिलित किया गया है। जिला परिषद संख्या 11 मंधाला में विकास खण्ड पट्टा की ग्राम सभा बरोटीवाला, सूरजपुर, हरिपुर संढोली, गुल्लरवाला, भटोली कलां, नालका, कालू झिण्डा, मंधाला, पट्टानाली, कैंडोल, साई और सौडी को सम्मिलित किया गया है।

जिला परिषद संख्या 12 खेड़ा में विकास खण्ड नालागड़ की ग्राम सभा ढेला, थाना, लेही, किशनपुरा, नन्दपुर, मलपुर, मानपुरा, सुनेहड़, लोधीमाजरा और खेड़ा को सम्मिलित किया गया है। जिला परिषद संख्या 13 रडियाली में विकास खण्ड नालागड़ की ग्राम सभा किरपालपुर, भाटियां, ढांग निहली, मंझोली, गागुवाल, प्लासी कलां, रडियाली और राजपुरा को सम्मिलित किया गया है। जिला परिषद संख्या 14 दभोटा में विकास खण्ड नालागड़ की ग्राम सभा बरूणा, भोगपुर, माजरा, रेडु उपरला, गोलजमाला, कश्मीरपुर, रिया, दभोटा, नवागांव और पंजेहरा को सम्मिलित किया गया है।

जिला परिषद संख्या 15 बारियां में विकास खण्ड नालागड़ की ग्राम सभा बारियां, बधोखरी, बेहडी, बायला, चमदार, छियाछी, दिग्गल, मनलोग कलां, चिल्लड, मटूली, बवासनी और रामशहर को सम्मिलित किया गया है। जिला परिषद संख्या 16 नन्ड में विकास खण्ड नालागड़ की ग्राम सभा लूनस, नन्ड, भियुखरी, धरमाणा, डोली, क्यार कनैता, कोइडी, लग, जयनगर, मित्तियां, मलौण, कोहू, पोले दा खाला, रतवाड़ी, सरौर, सौर और चडोग को सम्मिलित किया गया है। जिला परिषद संख्या 17 बगलैहड में विकास खण्ड नालागड़ की ग्राम सभा बेरछा, घोलोंवाल, जगतपुर, जोघों, जुखाडी, करसौली, खिल्लियां, कुण्डलु, बाहा, मस्तानपुर, मलैहणी, घड़याच, बघेरी, जगनी और बगलैहड़ को सम्मिलित किया गया है।

सेना के शौर्य व पराक्रम को सम्मान देने हेतु कल आयोजित की जाएगी तिरंगा यात्रा : कृष्णपाल गुर्जर

'ऑपरेशन सिंदूर' सेना के पराक्रम और प्रधानमंत्री मोदी की मजबूत नीति व नेतृत्व का प्रतीक

अर्थ प्रकाश/दयाराम वशिष्ठ

फरीदाबाद। भारतीय जनता पार्टी फ़रीदाबाद ज़िला कार्यालय अटल कमल पर फ़रीदाबाद लोकसभा की बैठक में केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' भारतीय सेना के शौर्य, साहस और समर्पण का एक ऐतिहासिक उदाहरण है। यह ऑपरेशन न केवल पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के विरुद्ध कड़ा संदेश है, बल्कि हमारी माताओं-बहनों के सम्मान की रक्षा का संकल्प भी है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मजबूत नीति और नेतृत्व के कारण आज भारत आतंकवाद के खिलाफ दुनिया में एक मजबूत राष्ट्र के रूप में खड़ा है। 'हमारी सेनाएं अपने नागरिकों की रक्षा के लिए किसी भी सीमा तक जा सकती हैं । सेना ने पाकिस्तान में घुसकर जिस तरह आतंकवाद के ठिकानों को नष्ट किया और सैन्य ठिकानों को तबाह किया, वह अपने आप में भारतीय सेना के पराक्रम की अद्भुत मिसाल है।

कृष्णपाल गुर्जर ने इस अवसर पर घोषणा की कि सेना के शौर्य और पराक्रम को सम्मान देने हेतु आगामी 15 मई को फ़रीदाबाद लोकसभा में शाम 4.30 बजे बीके चौक से एनआईटी 4/5 के चौक तक 'तिरंगा यात्रा' का आयोजन किया जाएगा। यह यात्रा देशवासियों में देशभक्ति की भावना को जागृत करेगी और आम जनमानस को यह संदेश देगी कि हमारा राष्ट्र अपने हर नागरिक के सम्मान और सुरक्षा के लिए सतर्क है। इस तिरंगा यात्रा में फ़रीदाबाद लोकसभा के सर्व समाज, धर्म व पंथ के लोग, धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी व सदस्य, राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता, पार्षद गण, जन प्रतिनिधि और सभी देश प्रेमी लोग उपस्थित रहेंगे और उन्होंने कहा कि 15 मई को होने वाली तिरंगा यात्रा ऐतिहासिक होगी ।

फ़रीदाबाद के जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल ने कहा, 'सेना के पराक्रम पर गर्व है ।' ऑपरेशन सिंदूर हमारी बहुत बड़ी उपलब्धि है। इस ऑपरेशन ने पूरी दुनिया को दिखाया कि भारत की ताकत क्या है। भारतीय सेना ने पहलगाम का बदला ले लिया। तिरंगा यात्रा के माध्यम से सेना के पराक्रम का सम्मान किया जाएगा ।

इस अवसर पर बैठक में एन आई टी से विधायक सतीश फागना, बल्लभगढ़ से विधायक पूर्व मंत्री मूलचन्द शर्मा, बड़खल से विधायक धनेश अदलखा, फ़रीदाबाद नगर निगम महापौर प्रवीण जोशी, राष्ट्रीय परिषद सदस्य संदीप जोशी, पूर्व शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा, पूर्व विधायक नरेन्द्र गुप्ता, दीपक मंगला, जगदीश नायर, प्रवीण डागर, फ़रीदाबाद के जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल, बल्लभगढ़ के ज़िला अध्यक्ष सोहनपाल सिंह, पलवल ज़िला अध्यक्ष विपिन बैसला, पूर्व जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा, राजकुमार वोहरा, चरण सिंह तेवतिया, जिला महामंत्री मनोज वशिष्ठ, सुरेंद्र जांगड़ा, पलवल जिला महामंत्री सतीश बैसला, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य ओमप्रकाश रक्षवाल, टीपरचंद शर्मा, पूर्व ज़िला महामंत्री मूलचंद मित्तल, आर एन सिंह, ज़िला परिषद सदस्य चेयरमेन विजय लोहिया, ज़िला परिषद वाईस चेयरमैन धर्म चौधरी, टीना बैंटिक, पूर्व महापौर सुमन बाला तथा भाजपा कार्यकर्ता के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

साइबर अपराधों के बारे जानकारी हर नागरिक के लिए जरूरी : नीतीश अग्रवाल

अर्थ प्रकाश संवाददाता

कुरुक्षेत्र। आमजन को साईबर अपराधों और उनसे बचने के बारे में जागरूक करने के लिए पुलिस विभाग द्वारा प्रयास लगातार जारी है। पुलिस अलग-अलग तरीकों से आमजन को जागरूक करने में जुटी है। पुलिस ने इस विषय बारे अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करने का बीड़ा उठाया है। पुलिस विभाग द्वारा जहां शिक्षण संस्थानों में विधार्थियों को जागरूक कर रही है वहीं आम लोगों को जागरूक करने के लिए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये जा रहें हैं ।

जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक कुरुक्षेत्र श्री नीतीश अग्रवाल ने बताया कि साईबर ठगों के निशाने पर हर वह आदमी है, जो किसी भी डिजिटल माध्यम से जुड़ा है फिर चाहे वह इंटरनेट मीडिया हो या फिर इंटरनेट बैंकिंग। बदलते वक्त के साथ साईबर ठगों ने अपने पैंतरे भी बदले हैं। साईबर ठग इंटरनेट मीडिया के जरिए लोगों के पास किसी कभी एप्लीकेशन के माध्यम से फ्रैंड रिक्वेस्ट भेजते हैं, कभी पेंसन स्कीम का लालच देते हैं। साइबर ठग कभी फर्जी लोन एप्प के माध्यम से, कभी कॉल फॉरवर्डिंग करके और कभी किसी व्यक्ति की ई-मैल, व्यटसएप, फेसबुक आईडी को हैक करके तो कभी डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर साईबर ठगी का शिकार बनाने से नहीं चुकते। इन सब तरीको से वो व्यक्ति के बारे में समस्त जानकारियां जुटा लेते हैं।

अर्थ प्रकाश क्लासीफाइड CLASSIFIED ADS आज ही बुक करें PH. : 0172-2638515, 98140-19928 Email : arthparkashadvt29@gmail.com

ऋण

Equitas Small Finance Bank Solution Limited (1995 से आपके सेवा में)
सरकारी योजना के अंतर्गत सभी प्रकार के मार्कशीट, पर्सनल, प्रॉपर्टी, एग्रीकल्चर, ईट भट्टा, बिज़नेस, होमलोन, सभी लोन
50000 - 95 लाख तक घर बैठे 72 घंटे मे पाएं
सरकारी कर्मचारी, महिलाओं हैंडीकैप्ड को भारी छूट 2 % ब्याज सालाना 40 % की छूट
70 लाख संतुष्ट ग्राहक
नोट : नार्मल डाक्यूमेंट्स और नेगेटिव एरिया और ख़राब सिविल स्कोर पर भी लोन उपलब्ध
9335436289, 9064554675

सार्वजनिक सूचना

मैं, लवप्रीत सिंह मावी पुत्र करम सिंह निवासी 2196/3, पिपली वाला टाउन मनीमाजरा चंडीगढ़ ने अपना नाम गुरजीत सिंह मावी से बदलकर लवप्रीत सिंह मावी कर लिया है।
एपी-1159

I Shashi Bhushan Mehan S/o Narain Dass Mehan R/o House No. 44, Sector 9-A, Chandigarh have changed my name from Shashi Bhushan Mahen to Shashi Bhushan Mehan. All Concerned may please note.

I Anju Mehan W/o Sh. Shashi Bhushan Mehan R/o House No. 44, Sector 9-A, Chandigarh have changed my name from Anju Mahen to Anju Mehan. All Concerned may please note

I Anita Mehan W/o Sh. Vijay Mehan R/o House No. 44, Sector 9-A, Chandigarh have changed my name from Anita Mahen to Anita Mehan. All Concerned may please note.

I Vijay Mehan S/o Sh. Narain Dass Mehan R/o House No. 44, Sector 9-A, Chandigarh have changed my name from Vijay Mahen to Vijay Mehan. All Concerned may please note.
एपी-1160

मैं, मनोज कुमार चावला पुत्र श्री दर्शन लाल चावला निवासी मकान नं. 283 , फेस - 3/A, मोहाली ने अपना नाम मनोज कुमार चावला दे बदलकर मनोज चावला रख लिया है।
एपी-1161

I Seema Garg W/O Sushil Goyal House no 163, 2nd Floor, Sector 21-A Chandigarh have changed my name from Seema Garg To Sia Goyal
एपी-1165

मैं, दीपक कुमार जैन एडवोकेट, पुत्र श्री एस.के. जैन एडवोकेट, निवासी मकान संख्या 251, एडवोकेट सोसायटी सेक्टर 49ए, चंडीगढ़ घोषणा करता हूं कि दीपक जैन और दीपक कुमार जैन एक ही व्यक्ति है।
एपी-1166

मैं, माई फिरोज आलम पुत्र करीम मुल्ला, #1468, मौली जागरण कॉम्प्लेक्स, चंडीगढ़ ने अपना नाम माई फिरोज आलम से बदलकर महिफरोज आलम रख लिया है।
एपी-1164

I Manjula W/o Sh. Sanjay Thakur R/o House No. 3059/2, Sector - 44D, Chandigarh have changed my name to Manjusha Thakur to Manjula
एपी-1173

मैं, राम गोपाल वासी नाबगढ़ खरना, सिरमौर एच.पी ब्यान करता हूँ के मेरे पुत्र का नाम स्कूल रिकॉर्ड में Shorya Thakur गलत दर्ज है उसका सही नाम Shourya Thakur है।

मैं, वरिंदर कुमार पुत्र Onkar चंद वासी मकान नं.3133, अजंता सोसाइटी, सैक्टर 51 डी, चंडीगढ़ ने अपना नाम बदलकर वरिंदर कुमार शर्मा रखा है।

मैं, सुखपाल कौर पत्नी नछतर सिंह वासी मकान नं. 780 गांव जमालपुर Sheikhan, टोहाना, फतेहाबाद ने अपना नाम बदलकर सुखपाल कौर Gindo रखा है।

मैं, कुलदीप पुत्र पहलवान सिंह वासी गांव व् डाक लालौदा, तहसील टोहाना जिला फतेहाबाद ने अपना नाम बदलकर कुलदीप सिंह रखा है।

मैं, Sharanjeet Kaur पत्नी दिलजीत सिंह वासी गांव व डाक चन्दर कलां, तहसील टोहाना जिला फतेहाबाद ने अपना नाम बदलकर Saranjit Kaur रखा है।

मैं, अशोक कुमार हांडा पुत्र विश्व मित्तर वासी मकान नं 118 मॉडल कॉलोनी यमुना नगर ने अपना नाम बदलकर अशोक कुमार रखा है।

मैं, विक्रम जीत पुत्र मोहिंदर पाल वासी मकान नं. 128-आर मॉडल टाउन करनाल ने अपनी नाबालिग पुत्री का नाम बदलकर मेहर से मेहर कौर रखा है।

मैं, संदीप पुत्री हरजिंदर सिंह वासी गांव व् डाक Ahlisadar जिला फतेहाबाद ने अपना नाम बदलकर संदीप (नाम) संदीप (उपनाम) रखा है।

मैं, अजय गोयल पुत्र रोशन लाल वासी मकान नं. 1699, सैक्टर-7 करनाल ब्यान करता हूँ की मैंने अपनी नाबलिग पुत्री का नाम बदलकर अलीशा से अलीशा गोयल रखा है।

मैं, अजय Goyal पुत्र रोशन लाल वासी मकान नं. 1699, सैक्टर-7 करनाल ने अपना नाम बदलकर Ajay Goel से Ajay Goyal रखा है।
एपी-1174

मैं, सचिन सुपुत्र मुन्ना राम # 749, फेस-1, रामदरबार, चंडीगढ़ अपने नाबालिग बेटे का नाम बदलकर अभि से लविश मकवाना रख लिया है।
एपी-1175

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की परफेक्ट मैनपावर ग्रुप जिसका पता 72, 2nd फ्लोर, आर्य समाज मंदिर, नागोरी गेट, हिसार था अब 134 रेड स्क्वायर मार्किट, हिसार-125001 हो चूका है, यदि किसी को इस परिवर्तन पर कोई आपत्ति हो, तो वह इस सूचना के 7 दिनों के भीतर दर्ज करवाए।
एपी-1176

I Sheela Devi W/O Satish Kumar Grover r/o House No. 9225 PUJAN WALA MOHALA, BATHINDA, PUNJAB have changed my name from Sheela Devi To Sheela Grover.

I, Satish Grover s/o Chhajju Ram Grover r/o House No. 9225 PUJAN WALA MOHALA, BATHINDA, PUNJAB have changed my name from Satish Grover To Satish Kumar Grover.
एपी-1165

मैं, विजय कुमार सुपुत्र श्री बलिन्द्र सिंह निवासी गांव बुंढा तहसील लाडवा, जिला कुरुक्षेत्र ने अपने पुत्र का नाम तन्मय सिंह लालर (Tannmay singh Laller) से बदल कर तन्मय सिंह लालर (Tanmay singh Laller) रख लिया है।
एपी-1177

मैं, मधुकर सैन्य संख्या- 15593090एल रैंक- सैपर नाम- पाटिल शुभम मधुकर का पिता हुं जो वर्तमान में यूनिट- कॉलेज ऑफ मिलिट्री इंजीनियरिंग, पुणे महाराष्ट्र- 411031 में तैनात है स्थायी पता- टाकली प्र. देहेरे, पोस्ट ऑफिस- टाकली. प्र .दे, जिला- जलगांव, महाराष्ट्र - 424116 घोषणा करता हूं कि मैंने अपना नाम मधुकर से बदलकर मधुकर चंद्रसिंग पाटील कर लिया है। शपथ पत्र संख्या- 48एए 901697, दिनांक-13/05/2025

मैं, शालिनी सैन्य संख्या- 15593090एल रैंक- सैपर नाम- पाटिल शुभम मधुकर की मां हूं वर्तमान में यूनिट- कॉलेज ऑफ मिलिट्री इंजीनियरिंग, पुणे महाराष्ट्र- 411031 में तैनात है स्थायी पता- टाकली प्र. देहेरे, पोस्ट ऑफिस- टाकली प्र .दे , जिला- जलगांव, महाराष्ट्र- 424116 घोषणा करती हूं कि मैंने अपना नाम शालिनी से बदलकर शालिनी मधुकर पाटील कर लिया है। शपथ पत्र संख्या- 48एए 901668, दिनांक- 13/05/2025
एपी-1178

मैं, मोहन सिंह पुत्र स्वर्गीय साधुराम उर्फ बलमत पुत्र चन्दगी राम निवासी ईटल कलां तहसील व जिला जींद-126102 (हरियाणा) मेरे पिता का नाम साधू राम ऊर्फ बलमत दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं जो कि मेरे पिता के हैं।

मैं, वेद सिंह उर्फ वेद प्रकाश पुत्र स्वर्गीय चन्दगी राम निवासी ईटल कलां तहसील व जिला जींद-126102 (हरियाणा) मेरा नाम कुछ कागजात में वेद प्रकाश है और कुछ में वेद सिंह जो कि एक ही व्यक्ति के हैं जो कि मैं स्वयं हूँ। मुझे भविष्य में वेद सिंह के नाम से जाना व पहचाना जाए।

I, No. 1478396L Rank . Hony/N/Sub. Vijender Singh (Retd.) 234 AER (BEG & Center Roorkee (U.K) R/o #4143 U/E Defence Colony JIND-126102 have declared that my services record wrongly mentioned my wife name Sakuntala & D.O.B 12.03.1970 but her actual & Correct Name Shakuntla & D.O.B. 01.05.1970 vide affidavit dated 13.05.2025 attested by Executive Magistrate Jind
एपी-1179

मैं, नेहा मित्तल पुत्री विजय कुमार पत्नी संजय कुमार निवासी मकान नंबर 120, वार्ड नंबर 7, हुडा R-2, चीका, तहसील गुहला, जिला कैथल, हरियाणा, ने अपना नाम नेहा बंसल से बदलकर नेहा मित्तल कर लिया है।

मैं, Puneeta Chopra पत्नी जितेन्द्र चोपड़ा निवासी मकान नंबर 24, सेक्टर 20ए चंडीगढ़, ने अपना नाम Puneeta Chopra से बदलकर Punita Chopra कर लिया है।

मैं, सोनिया पत्नी दीपक, गांव बहबलपुर तहसील व जिला जीन्द की स्थाई निवासी हूं। मैंने अपना सोनिया से बदलकर गीता देवी रख लिया है।

मैं, रेखा पत्नी सत्यवान निवासी हाउस नंबर 301, न्यू इंदिरा कॉलोनी मनीमाजरा, चंडीगढ़ ने अपना नाम बदलकर रेखा देवी रख लिया है ।

मैं, पुनीता चोपड़ा पत्नी जितेंदर चोपड़ा निवासी हाउस नंबर 24, सेक्टर 20-ए, चंडीगढ़ ने शादी के बाद अपना नाम पुनीता लालानी से बदलकर पुनीता चोपड़ा रख लिया है।

मैं, विकास शर्मा पुत्र श्री रवि प्रकाश शर्मा निवासी # 126/5, छोटा बाजार, महादेव मोहल्ला, थानेसर, कुरुक्षेत्र, हरियाणा घोषणा करता हूँ कि मेरे मैट्रिकुलेशन/12वीं के HBSE द्वारा जारी प्रमाण पत्र में मेरे पिता का नाम रवि प्रकाश शर्मा के बजाय रवि शर्मा लिखा हुआ है। रवि शर्मा और रवि प्रकाश शर्मा एक ही व्यक्ति हैं।

मैं, मनप्रीत सिंह पुत्र श्री सतनाम सिंह निवासी गांव व डाकघर- यारा, तहसील- शाहबाद, जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा ने अपनी नाबालिग बेटी का नाम रश्मी से बदलकर रश्मी निम्बर रख लिया है।

मैं, निधि अरोड़ा, पुत्री सुरेश अरोड़ा, आधार संख्या 8646 XXXX 7383, निवासी मकान नंबर 24, सेक्टर 9, पंचकूला, हरियाणा, यह घोषित करती हूं कि मैंने विवाह उपरांत अपना नाम निधि अरोड़ा से बदलकर निधि चावला कर लिया है। अब से मैं सभी कानूनी, सरकारी एवं भविष्य के कार्यों में निधि चावला, पत्नी करुण चावला, के नाम से जानी जाऊंगी।

मैं, बीरू पुत्र ओमप्रकाश निवासी गाँव ढुराना, गोहाना, सोनीपत मेरी दसवीं की मार्कशीट में मेरी माता जी का नाम रौशनी (ROSHNI) व पिताजी का नाम ओम प्रकाश (OMPARKASH) दर्ज है। मेरे आधार कार्ड व मेरे पासपोर्ट को छोडकर अन्य सभी दस्तावेजों में भी यही नाम दर्ज है। जोकि यह नाम सही व दुरुस्त है। मेरे पासपोर्ट न. X6644346 में मेरी माता जी का नाम रौशनी (ROSHANI) व मेरे पिताजी का नाम (OMPRAKASH) दर्ज है जोकि गलत है। जोकि इसे सही किया जाना अनिवार्य है।
एपी-1168

मैं, लता रानी पत्नी रविंद्र कुमार निवासी राम नगर वार्ड न.7 असंध जिला करनाल ब्यान करती हूं कि चंचल और लता रानी रानी दोनों मेरे ही नाम है। भविष्य में मुझे लता रानी के नाम से जाना जाए।

मैं, Deepiika Panchal पत्नी आर्मी नंबर -17032435पी रैंक। सीएफएन नाम जितेंद्र पांचाल पता- पटेल कॉलोनी खाचरौद जिला उज्जैन राज्य मध्य प्रदेश पिन कोड 456224 ने अपना नाम Deepiika Panchal से बदलकर Deepika Panchal रख लिया है।

I Ram Phal Huda Alias Ram Phal Hooda Alias Ram Phal S/o Ram Dhari Hooda R/o 2141, Sector-18, Huda, Panipat, Haryana - 132103, have changed my name to Ram Phal Singh Hooda.
एपी-1180

मैं, गुरिन्द्रजीत सिंह पुत्र भूपेंद्र सिंह निवसी मोहनपुर, पिहोवा, कुरुक्षेत्र, ने अपना नाम बदलकर गुरिन्द्रजीत उपनाम सिंह रख लिया है।

मैं, शालिनी गर्ग पत्नी सुरेंद्र गर्ग गाँव ढांड, जिला कैथल ने अपना नाम शालिनी गर्ग से बदलकर शालु गर्ग रख लिया है।

मैं, राहिती देवी पत्नी जेदु राम गाँव ढांड, कैथल ने अपना नाम राहिती देवी से बदलकर राहाती देवी रख लिया है।
एपी-1183

बेदखली सूचना

मैं, सलीम पुत्र रमजानी निवासी मकान नं. 1, वार्ड नं. 11, दरगाह मखदूम साहब, पानीपत, अपने हल्फ से ब्यान करता हूं कि मेरे छोटे लड़के वसीम व उसकी पत्नी शाबदा मेरे कहने सुनने से बाहर है इसलिए मैं अपने पुत्र व पुत्रवधु को अपनी चल अचल सम्पति से बेदखल करता हूं। भविष्य में उनके साथ लेन-देन करने वाला स्वंय जिम्मेदार होगा। मेरी कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।
एपी-1167

मैं, ज्ञानचंद (आधार 2334 85 080216) पुत्र रामलाल निवासी प्रताप गेट मोहल्ला कैथल अपने हल्फ से बयान करता हूं कि मेरा पुत्र संजय खुराना उर्फ लक्की खुराना और उसकी पत्नी मंजू दोनों ही मेरे कहने-सुनने से बाहर है मैं उन्हें अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में उनसे जो भी लेनदेन करेगा वह स्वयं जिम्मेवर होंगे।

मैं, रानी (आधार नं0 9258 6075 9041) पत्नी जीतराम पुत्र नंदलाल गांव सिवानामाल तह0 सफीदों जिला जींद अपने हल्फ से बयान करती हूं कि मेरा लड़का रवि व उसकी पत्नी प्रियंका दोनों मेरे कहने सुनने से बाहर है मैं इन दोनों को अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल करती हूं। भविष्य में इनके साथ कोई भी लेनदेन करता है तो इसका जिम्मेदार वह स्वयं होगा। इसमें मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
एपी-1179

मैं, मनजीत कौर पत्नी बन्त सिंह निवासी वार्ड नंबर 8 संजय बस्ती चीका तहसील गुहला जिला कैथल (हरियाणा) सूचित करती हूं कि मेरा पुत्र सैन्टी व पुत्रवधू ज्योति दोनों मेरे नियंत्रण से बाहर हैं। मैं इन्हें अपनी संपूर्ण चल अचल जायदाद से बेदखल करती हूं। इनके किसी भी कृत्य, लेनदेन अथवा संबंध की मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं है। भविष्य में इनसे संबंध रखने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा।

मैं, सुमन सचदेवा पत्नी सुरेंदर सचदेवा निवासी फ्लैट नंबर 180, Second Floor, Block-C6, Gulmohar Trends ढकोली, जीरकपुर एसएएस नगर मोहाली पंजाब ब्यान करती हूं कि मेरी बहू निष्ठा और पोता Advik मेरे कहने सुनने से बाहर हैं। इसलिए मैं उनसे सभी संबंध तोड़ती हूं। अगर कोई उनसे कोई लेन देन करता है तो वह उसका स्वयं जिम्मेदार होगा।
एपी-1168

मैं, दविंद्र कौर पत्नी नरेंद्र सिंह गाँधी नगर, पिहोवा तहसील पिहोवा, जिला कुरुक्षेत्र मेरी पुत्री मनजीत कौर जो की मेरे कहने-सुनने से बाहर होने के कारण अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल करती हूँ। भविष्य में इसके द्वारा किये गए लेन देन व अनैतिक कार्य के लिए ये स्वयं जिम्मेवार होगी ।
एपी-1183

आवश्यक सूचना
अर्थ प्रकाश में क्लासीफाइड विज्ञापन देने के लिए 9988934664 पर संपर्क करें।

अर्थ प्रकाश समाचार पत्र में अपना विज्ञापन लेकर अपने व्यापार को लाभांवित करें

आवश्यक सूचना
अर्थ प्रकाश (हाउस ऑफ प्रिंट एंड डिजिटल मीडिया) का इस समाचार पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाइड) के तथ्यों संबंधी कोई दायित्व नहीं है। हमारा समाचार पत्र इनको सत्यापित नहीं करता है। किसी भी प्रकार के विज्ञापनों में पाठकों से विनती है कि वह कोई भी प्रतिक्रिया करने से पहले, विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पूर्व तथ्यों की स्वयं पुष्टि कर लें। यह समाचार पत्र उपरोक्त किसी भी विज्ञापन के प्रति उत्तरदायी नहीं होगा।

सार्वजनिक सूचना

मैं नरेंद्र कुमार आधार नं. 9737 8286 8580 सुपुत्र स्व. ओम प्रकाश निवासी बरवाला जिला हिसार (हरियाणा) - 125121 प्रमाणित पत्र से यह ब्यान करता हूँ कि मेरे पिता ओम प्रकाश सुपुत्र लाल चन्द का 25 अक्टूबर 2018 को स्वर्गवास हो गया था। मेरे पिता ओम प्रकाश के नाम पुराना प्रॉपर्टी आईडी नं.1192 व नया प्रॉपर्टी आईडी न. . 6DR6HRF2 है जो कि वाका मौजा बरवाला जिला हिसार में स्थित है। मेरे पिता ओम प्रकाश के स्वर्गवास हो जाने उपरान्त उपरोक्त प्रॉपर्टी के निम्न पार्वती देवी विधवा ओम प्रकाश और नरेंद्र कुमार सुपुत्र स्व. ओम प्रकाश तथा नेहा सुपुत्री स्व. ओम प्रकाश हर तीन समभाग विधिक वारसान है। अगर अन्य कोई भी वारसान दावेदार बनकर उपरोक्त प्रॉपर्टी बाबत कोई एतराज व दावा आदि करता है तो उसकी हर प्रकार की जिम्मेवारी मेरी स्वयं की होगी। अगर इस बारे किसी को कोई एतराज है तो वो 15 दिन के अंदर-अंदर नगरपालिका बरवाला जिला हिसार में अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है।

AP-1181

निर्माण हेतु सिगनल एवं टेलिकम कार्य

ई-निविदा सूचना संख्या. KIR-N-2025-K-08 तारीखः 09-05-2025। नीचे उल्लेखित कार्यों के लिए अधोहस्ताक्षरी द्वारा ई-निविदा आमंत्रित किया गया हैं। **कार्य का नामः** जालालगढ़ पर प्रत्यक्ष प्राप्तकरण एवं प्रेरण सुविधा सहित लाइन संख्या. 03 के पास एक गुडस लाइन के निर्माण हेतु सिगनल एवं टेलिकम कार्य। **निविदा राशिः ₹2,64,03,724/- धरोहर राशिः ₹2,82,000/-। निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः 02-06-2025** तारीख के **15.00 बजे में एवं खुलेगीः 02-06-2025** तारीख के **15.30 बजे में।** उपरोक्त ई-निविदा के निविदा दस्तावेजों के साथ पूर्ण जानकारी आगामी 02-06-2025 तारीख के 15.00 बजे तक www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध होगी।

डीआरएम (एसएंडटी), कटिहार
पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
मुस्कान के साथ ग्राहकों की सेवा में

AP-1182

सार्वजनिक सूचना

श्री नवीन, दानिक्स, सहायक संपदा अधिकारी के समक्ष, संपदा अधिकारी, यू.टी. चंडीगढ़ की शक्तियों का प्रयोग करते हुए।

विषयः- स्वर्गीय श्री मनोहर लाल की अपंजीकृत वसीयत दिनांक 10.10.1999 और स्वर्गीय श्रीमती कांता रानी की अपंजीकृत वसीयत दिनांक 10.10.2011 के आधार पर (i) श्री पवन गुलाटी (15 प्रतिशत शेयर), (ii) श्री हरीश गुलाटी (20 प्रतिशत शेयर) और (iii) श्री भुवनेश गुलाटी (15 प्रतिशत शेयर) सभी स्वर्गीय श्री मनोहर लाल के पुत्रों के नाम पर, स्वर्गीय श्री मनोहर लाल की 50 प्रतिशत हिस्सेदारी की सीमा तक आवासीय साइट संख्या 1315, सेक्टर 19-बी, चंडीगढ़ (आरपीएल-17748) के संबंध में स्वामित्व का हस्तांतरण।

आम जनता और सभी संबंधितों की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के रिकॉर्ड के अनुसार श्रीमती पुष्पा गुलाटी (25 प्रतिशत शेयर), श्री सातिक गुलाटी (25 प्रतिशत शेयर) और श्री मनोहर लाल (50 प्रतिशत शेयर) आवासीय साइट नंबर 1315, सेक्टर 19-बी, चंडीगढ़ के 100 प्रतिशत शेयर की सीमा तक सह-मालिक हैं।

श्री पवन गुलाटी और अन्य द्वारा यह सूचित किया गया है कि श्री मनोहर लाल की मृत्यु 14.11.1999 को हो गई थी और वे अपने पीछे नि नलिखित कानूनी उत्तराधिकारी छोड़ गए हैं:- (1) श्रीमती राम प्यारी-माता (मृतक), (2) श्रीमती कांता रानी-पत्नी (मृतक), (3) श्रीमती मनप्रीत कौर उर्फ नीलम गुलाटी- पुत्री, (4) श्री पवन गुलाटी- पुत्र, (5) श्री हरीश गुलाटी- पुत्र, (6) श्री भुवनेश गुलाटी- पुत्र।

अब, श्री पवन गुलाटी एवं अन्य ने स्वर्गीय श्री मनोहर लाल की दिनांक 10.10.1999 की अपंजीकृत वसीयत और स्वर्गीय श्रीमती कांता रानी की दिनांक 10.10.2011 की अपंजीकृत वसीयत के आधार पर, उनके पक्ष में आवासीय साइट सं या 1315, सेक्टर 19-बी, चंडीगढ़ के संबंध में स्वर्गीय श्री मनोहर लाल द्वारा धारित 50 प्रतिशत हिस्सेदारी की सीमा तक स्वामित्व के हस्तांतरण के लिए आवेदन किया है।

यदि किसी के पास ऊपर उल्लिखित के अलावा किसी भी सहदायिक के बारे में कोई जानकारी है, तो उसे तुरंत संपदा अधिकारी, यूटी., चंडीगढ़ को सूचित किया जा सकता है।

यदि किसी को उक्त संपति में उक्त हिस्से के उत्परिवर्तन पर कोई आपति है, तो वह इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में इसे लिखित रूप में (मजिस्ट्रेट/नोटरी द्वारा विधिवत सत्यापित शपथ पत्र के साथ) प्रस्तुत कर सकता/सकती/सकते है, ऐसा न करने पर सभी सहदायिकों का अनुरोध तदनुसार स्वीकार किया जाएगा और बाद में किसी भी अन्य दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

नवीन, दानिक्स, सहायक संपदा अधिकारी, संपदा अधिकारी, यूटी., चंडीगढ़ की शक्तियों का प्रयोग करते हुए

AP-1175

सार्वजनिक सूचना

आम जनता और सभी संबंधितों की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित आवेदकों ने वित्त विभाग, चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार सोसायटी की प्रबंध समिति के समक्ष आवंटी के नामिती के रूप में शेयर/फ्लैट के हस्तांतरण के लिए आवेदन किया है :

मूल आवंटी का नाम/ ट्रांसफरी	आवेदक/नामांकित व्यक्ति का नाम	संपत्ति
श्री जगदेव सिंह गरचा पुत्र स्व. नसीब सिंह गरचा	श्रीमती परमजीत कौर पत्नी जगदेव सिंह गरचा और श्रीमती रवनीत कौर गरचा पुत्री जगदेव सिंह गरचा	फ्लैट नं. 3068, फर्स्ट फ्लोर, कैट ए, सेक्टर- 50 डी , चंडीगढ़

यदि किसी को आवेदक के पक्ष में सोसायटी के ऊपर उल्लिखित फ्लैट में शीर्षक अधिकार या हित के हस्तांतरण पर कोई आपत्ति है, तो, वह इस नोटिस के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर नीचे हस्ताक्षरकर्ता को प्रासंगिक दस्तावेजों के साथ लिखित रूप में आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है, अन्यथा उपरोक्त फ्लैट का स्वामित्व आवेदक के पक्ष में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। बाद में किसी भी तरह से कोई और दावा स्वीकार नहीं किया जाएगा।

ब्लड डोनर सहकारी सदन बाल्डिंग (प्रथम) सोसायटी लिमिटेड, सेक्टर 50-डी, चंडीगढ़।
अध्यक्ष / महासचिव

AP-1164

सूचना

खण्ड नारायणगढ की ग्राम पंचायत गदौली-1, काला आम्ब-1, में जलकर्मी के अस्थाई पदों को भरने के लिए दिनांक 13.05.2025 से दिनांक 28.05.2025 तक सभी कार्य दिवसों में प्रातः 10:00 बजे से सांय 3:00 बजे तक आवेदन पत्र साधारण कागज पर आमंत्रित किये जाएंगे, जिसकी शर्तें निम्न प्रकार से हैं :-
1. इच्छुक उम्मीदवार किसी भी मान्यता प्राप्त स्कूल से मैट्रिक पास होना चाहिए।
2. जलकर्मी का कार्य करने में सक्षम होना चाहिए व सरकार द्वारा सौंपे गए अन्य किसी भी कार्य को करने में सक्षम होना चाहिए।
3. जलकर्मी को प्रतिदिन 8 घंटे कार्य करना होगा।
4. उम्मीदवार के पास परिवार पहचान पत्र होना चाहिए।
5. जलकर्मी को सरकार द्वारा निर्धारित मु0 12342/-रू0 मासिक मानदेय दिया जाएगा। जिसमें से ई0पी0एफ0 व ई0एस0आई0 की कटौती की जाएगी।

खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी नारायणगढ़

AP-1172

चुनाव सूचना

उदय कोऑपरेटिव हाउस बिल्डिंग प्लॉट होल्डर सोसायटी लिमिटेड सेक्टर 42-बी, चंडीगढ़ का चुनाव कार्यक्रम इस प्रकार है :-
सूचना की तिथि : 14.05.2025
नामांकन की तिथि : 03.06.2025 (सुबह 10.00 बजे से 11.00 बजे तक)
मतदान की तिथि 03.06.2025 (दोपहर 2.00 बजे से 3.30 बजे तक)
स्थान : पार्क # 1186, सेक्टर 42 बी, चंडीगढ़ के समीप।
विस्तृत चुनाव कार्यक्रम सोसायटी के नोटिस बोर्ड पर चिपका दिया गया है/सोसाइटी के सभी सदस्यों को व्यक्तिगत रूप से/डाक द्वारा वितरित किया गया है। सभी सदस्यों से अनुरोध है कि वे उपरोक्त चुनाव में भाग लें।

चुनाव प्रबंधक

AP-1164

न्यायालय तहसीलदार-कम-सब रजिस्ट्रार साहिब जीन्द

मनके वेद प्रकाश पुत्र रामप्रकाश निवासी कानूनगो मोहल्ला जिला जीन्द बनाम जनरल पब्लिक इस इश्तहार के माध्यम से हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि मेरे ताऊ रामदास सिंह का दिनांक 01/09/2006 को देहांत हो चुका है। रामदास सिंह की पत्नी उतमी बाई का भी दिनांक 22/11/2016 को देहांत हो चुका है। रामदास सिंह की कोई औलाद नहीं है। रामदास सिंह की मृत्यु के बाद उसका मैं वारिस हूं।

इनके अलावा उक्त मृतक का और कोई वारिस नहीं है। इसलिए हर आम व खास को इस नोटिस/इश्तहार के माध्यम से सूचित किया जाता है कि उपरोक्त मृतकों के बताए गए वारसान/ उत्तराधिकारी के बाबत कोई शक या ऐतराज हो तो वह स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस नोटिस के प्रकाशन के उपरांत 30 दिन के अंदर-अंदर इस कार्यालय के कार्यदिवस पर अपना ऐतराज प्रस्तुत कर सकता है।

यह नोटिस बाबत इश्तहार आज दिनांक 13/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मोहर द्वारा जारी किया गया।
क्रमांक : 2323/आरसी
दिनांक : 13/05/2025

सब रजिस्ट्रार जीन्द।

AP-1171

आवश्यक सूचना

नगर परिषद गोहाना के प्रोपर्टी टैक्स रिकार्ड से अनुसार वर्तमान में PUID No. 3FRJODC0 वार्ड नं.-- पर श्री राजकुमार पुत्र श्री हेमराज के नाम पर दर्ज है। अब/इस प्रोपर्टी आई डी पर अपना नाम पर दर्ज करवाने के लिये कमलेश देवी, पवन कुमार, राकेश, मुकेश कुमारी, कविता, सविता देवी निवासी वार्ड नं -- गोहाना, सोनीपत मोबाईल नं 9896455777 ने इस कार्यालय में अपना आवेदन पत्र स्व. श्री राजकुमार पुत्र हेमराज का मृत्यु प्रमाण पत्र व तहसीलदार गोहाना द्वारा तसदीक/ सत्यापित वारिसान रिपोर्ट तथा अन्य आवश्यक दस्तावेज सहित प्रस्तुत किया है। अतः आम जन साधारण को इस नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि यदि इस प्रोपर्टी आईडी पर उपरोक्त आवेदक/आवेदकों का नाम दर्ज करने पर कोई एतराज/आपत्ति है तो वह इस नोटिस प्रकाशन [illegible]

AP-1168

ਗਰੇਟਰ ਮੁਹਾਲੀ ਏਰੀਆ ਡਿਵੈਲਪਮੈਂਟ ਅਥਾਰਿਟੀ ਪੁੱਡਾ ਭਵਨ, ਸੈਕਟਰ 62, ਐਸ.ਏ.ਐਸ. ਨਗਰ

ਜਨਤਕ ਸੂਚਨਾ

ਮ੍ਰਿਤਕ ਅਲਾਟੀ ਦੀ ਫੋਟੋ / ਲਾਭ ਪਾਤਰ ਦੀ ਫੋਟੋ

ਪਲਾਟ ਨੰ: 294, ਫੇਜ 6, ਸੈਕਟਰ 56, ਐਸ.ਏ.ਐਸ. ਨਗਰ, ਦੇ ਅਲਾਟੀ Sh. Mohinder Singh Randhawa S/o Boota Singh Randhawa ਦੀ ਮੌਤ ਮਿਤੀ 25.12.2021 ਨੂੰ ਹੋ ਗਈ ਹੈ। Civil Suit No. 148 of 2012 Surinder Kaur V/s Mohinder Singh Randhawa ਵਿੱਚ ਮਾਨਯੋਗ ਅਦਾਲਤ ਵਲੋਂ ਮਿਤੀ 04.08.2014 ਨੂੰ ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਅਨੁਸਾਰ ਹੁਕਮ ਕੀਤੇ ਗਏ ਸਨ:-

"Case called Several Times, since morning. However, neither the plaintiff nor his counsel has appeared in the court today. It is now 3.45 PM. therefore, I am satisfied that plaintiff is not interested to proceed further with the case. So the case of the plaintiff is dismissed in default of the appearance of the plaintiff."

Civil Suit No. 145 of 15.06.2010 Gagandeep Singh V/s Mohinder Singh Randhawa & Ors. ਵਿੱਚ ਮਾਨਯੋਗ ਅਦਾਲਤ ਵਲੋਂ ਮਿਤੀ 26.03.2015 ਨੂੰ ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਅਨੁਸਾਰ ਹੁਕਮ ਕੀਤੇ ਗਏ ਸਨ:-

"Keeping in view of my findings on above issues , the suit of the plaintiffs fail and the same stands dismissed with cost."

Civil Appeal No. Rt 256/ 06.05.15/ 27.07.16, CIS No. 216/2015 Gagandeep Singh V/s Mohinder Singh Randhawa & Ors. ਵਿਚ ਮਾਨਯੋਗ ਅਦਾਲਤ ਵਲੋਂ ਮਿਤੀ 26.09.2019 ਨੂੰ ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਅਨੁਸਾਰ ਹੁਕਮ ਕੀਤੇ ਗਏ ਸਨ:-

"As a result of the above discussion, this court is of the view that there is no merit in the instant appeal and the same is hereby dismissed with costs."

Gurpreet Kaur , Municipal Councilor , Ward No. 49 , Phase 6 , SAS Nagar ਨੇ ਮ੍ਰਿਤਕ ਅਲਾਟੀ ਦੇ ਵਾਰਸਾਂ ਸਬੰਧੀ Declaration ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਜਿਸ ਅਨੁਸਾਰ ਮ੍ਰਿਤਕ ਅਲਾਟੀ Sh.Mohinder Singh Randhawa S/o Boota Singh Randhawa ਦੇ ਵਾਰਸ ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਅਨੁਸਾਰ ਤਸਦੀਕ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ:-
1. Harinder Singh Randhawa - Son
2. Sukhnandan Kahlon - Daughter
3. Harjinder Singh Randhawa - Son

ਲੜੀ ਨੰਬਰ 1 ਦੇ ਵਾਰਸ Harinder Singh Randhawa R/o # 43 Valley Brook Cres Caledon ON L7C 4C5 Canada ਨੇ Navneet Singh S/o Sukhdev Singh R/o Village-Kirtowal Kalan, Tarn taran PB 143412 ਨੂੰ ਆਪਣਾ ਜੀ ਪੀ ਏ ਨਿਯੁਕਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਜੀ ਪੀ ਏ ਨੰਬਰ 1175 ਮਿਤੀ 01.09.2023 ਰਾਹੀਂ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿਤੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਦੇ ਮਾਲ ਸਕੱਤਰ ਵਲੋਂ ਇਮਬੋਸ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ।

ਲੜੀ ਨੰਬਰ 2 ਦੇ ਵਾਰਸ Sukhnandan Kahlon R/o #2618-Massey Sq Toronto ON M4C 5L6 Canada ਨੇ Navneet Singh S/o Sukhdev Singh R/o Village-Kirtowal Kalan, Tarn taran PB 143412 ਨੂੰ ਆਪਣਾ ਜੀ ਪੀ ਏ ਨਿਯੁਕਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਜੀ ਪੀ ਏ ਨੰਬਰ 1174 ਮਿਤੀ 01.09.2023 ਰਾਹੀਂ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿਤੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਦੇ ਮਾਲ ਸਕੱਤਰ ਵਲੋਂ ਇਮਬੋਸ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ।

ਲੜੀ ਨੰਬਰ 3 ਦੇ ਵਾਰਸ Harjinder Singh Randhawa R/o # 149 Sky View Ranch Blvd NE Calgary AB T3N 0K8 Canada ਨੇ [illegible] R/o Flat no-317, 3rd Floor Tower no-9, Alpine Residency, Zirakpur, Mohali ਨੂੰ ਆਪਣਾ ਜੀ ਪੀ ਏ ਨਿਯੁਕਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਜੀ ਪੀ ਏ ਨੰਬਰ 113/HRC ਮਿਤੀ 26.05.2023 ਰਾਹੀਂ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਐਸ ਏ ਐਸ ਨਗਰ ਵਲੋਂ ਇਮਬੋਸ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ।

[illegible]

ਮਿਲਖ ਅਫਸਰ (ਹ) ਗਮਾਡਾ, ਐਸ ਏ ਐਸ ਨਗਰ

AP-1170

ਗਰੇਟਰ ਮੁਹਾਲੀ ਏਰੀਆ ਡਿਵੈਲਪਮੈਂਟ ਅਥਾਰਿਟੀ ਪੁੱਡਾ ਭਵਨ,ਐਸ.ਏ.ਐਸ.ਨਗਰ।

(ਜਨਤਕ ਸੂਚਨਾ)

ਮਕਾਨ ਨੰ: ਐਚ.ਐਮ.-341, ਸੈਕਟਰ 63, ਐਸ.ਏ.ਐਸ. ਨਗਰ, ਮੋਹਾਲੀ ਦੇ ਅਲਾਟੀ Tripta Saili W/o Roshan Lal ਦੀ ਮੌਤ ਮਿਤੀ 16-02-2021 ਨੂੰ ਹੋ ਗਈ ਹੈ। Kamalpreet Singh, Municipal Councilor, Ward no. 14, SAS Nagar ਵੱਲੋਂ ਦਿੱਤੀ [illegible]

1. Roshan Lal Sharma — Husband
2. Sangeeta Sharma — Daughter
3. Shaleen Saili — Son
4. Nischal Saili — Son

[illegible]

ਮਿਲਖ ਅਫਸਰ (ਘ), ਗਮਾਡਾ, ਮੋਹਾਲੀ

AP-1162

[illegible]

AP-1163

सार्वजनिक सूचना

श्री नवीन, दानिक्स, सहायक संपदा अधिकारी-1 के समक्ष, संपदा अधिकारी, यू.टी., चंडीगढ़ की शक्तियों का प्रयोग करते हुए। [illegible]

नवीन, दानिक्स, सहायक संपदा अधिकारी-1, संपदा अधिकारी, यू.टी., चंडीगढ़ की शक्तियों का प्रयोग करते हुए

AP-1169

जिला में चमके सरकारी स्कूलों के धुरंधर

आशी गौतम ने आर्ट्स में, यश्वी ने कॉमर्स में, मेडिकल में वेदिका ने किया टॉप

अर्थ प्रकाश आदित्य शर्मा

पंचकूला। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के द्वारा बाहरवीं के नतीजे घोषित किए गए। इस बार पंचकूला जिले का कुल नतीजा 85.40 प्रतिशत रहा। इस बारे में जानकारी देते हुए पंचकूला जिला शिक्षा अधिकारी सतपाल कौशिक ने बताया कि पंचकूला से कुल 2828 विद्यार्थी ने परीक्षा दी जिसमें से 2415 विद्यार्थी उर्त्तीण हुए हैं। इनमें से 348 विद्यार्थियों की कंपार्टमेंट आई है तथा 65 विद्यार्थी अनुर्तीण हुए हैं। जिले में सीबीएसई से मान्यता प्राप्त सरकारी स्कूलों में आर्ट्स संकाय में सेक्टर 20 स्थित जीएमएसएसएस की आशी गौतम ने 492 अंक हासिल कर टॉप किया। जीएमएसएसएस के ही साहिल सैनी ने 485, एंजल ने 484 अंक हासिल कर टॉप किया।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय थापली की कोमल ने 95.2 प्रतिशत (476अंक) प्राप्त किए, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दामन ने 95 प्रतिशत (475 अंक) के साथ खंड में दूसरा व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दामन की साक्षी शर्मा व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भूड़ी की मोनिका ने संयुक्त् तौर पर 94. 8 प्रतिशत (474 अंक)के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया है।

कॉमर्स संकाय में जीएम एस एस एस एस 12 ए की यश्वी ने 479, जीएमएसएस सेक्टर 26 की अनन्या ने 474, इसी स्कूल की खुशी ने 473, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कालका की मानसी ने 471 अंक प्राप्त कर जिले में प्रथम, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, खटौली की महक ने 469 अंक प्राप्त कर जिले में द्वितीय व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कालका की नितिका रावत ने 468 अंक प्राप्त कर जिले में तृतीय स्थान हासिल किया। मेडिकल संकाय में जीएम एस एस एस सेक्टर 12 ए की वैदिका ने 490, जीएम एस एस एस बतौड़ के आर्यन ने 477, जीएम एस एस एस सेक्टर 20 की वैष्णवी वर्मा ने 476 अंक हासिल कर स्कूल में टॉप किया है। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बरवाला की शिवानी ने 473 अंक प्राप्त कर जिले में प्रथम, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सैक्टर -15 की शिवानी ने 465 अंक के साथ जिले में दूसरा व इसी विद्यालय की काजल ने 462 अंक प्राप्त कर जिले में तीसरा स्थान प्राप्त किया है।

नॉन मेडिकल संकाय में जीजी एसएसएस बरवाला की महक 455 अंक प्राप्त कर जिले में पहला, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, थापली के मंदीप ने 454 अंक प्राप्त कर जिले में दूसरा व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय,कालका के आयुष शर्मा ने 448 अंक प्राप्त कर जिले में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। टिक्कर हिल्स का परिणाम शत प्रतिशत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का इस बार बाहरवी कक्षा का परिणाम शत प्रतिशत रहा। शिक्षकों व विद्यार्थियों के द्वारा दिए गए बेहतरीन नतीजों के लिए विद्यालय की प्रिंसिपल उर्मिल रंगा ने सभी को बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की।

विद्यालय के वाइस प्रिंसिपल सुभाष शर्मा ने बताया कि करुणा शर्मा ने 87 दशमलव 8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में पहला, कोमल देवी ने 87 दशमलव 2 प्रतिशत के साथ दूसरा, हिमांशी भारद्वाज ने 86 दशमलव के साथ तीसरा व शुभम् शर्मा एवं हर्षित शर्मा ने 84 प्रतिशत के साथ संयुक्त तौर पर चौथा स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने विद्यार्थियों की अनथक मेहनत के लिए व उनके उज्जवल भविष्य के लिए कामना की।

शगुन ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सार्थक स्कूल व पंचकूला का नाम किया रोशन

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा 2024-25 की 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया, जिसमें पंचकूला के सेक्टर-12 स्थित सार्थक स्कूल की छात्रा शगुन ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर परिवार, स्कूल व शहर का नाम रोशन किया है। शगुन की इस उपलब्धि से उनके घर में खुशी का माहौल है। परिवारजनों ने मिठाई बांटकर और जश्न मनाकर इस पल को खास बनाया। शगुन ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों और भगवान के आशीर्वाद को दिया। उन्होंने बताया कि स्कूल के सभी अध्यापकों ने समर्पण भाव से पढ़ाई करवाई और अतिरिक्त समय देकर छात्रों को बेहतर तैयार किया। शगुन ने सभी गुरुजनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, 'उनके मार्गदर्शन और मेहनत की वजह से ही यह परिणाम संभव हो पाया है।'

पं. धीरेंद्र शास्त्री द्वारा पंचकूला में होने जा रही श्री हनुमंत कथा हेतु शालीमार दशहरा ग्राउंड में किया भूमि पूजन

छाया : अजीत कौशल

सालासर धाम, राजस्थान से लाई ध्वजा को हनुमंत कथा स्थल पर लगाया गया

बाबा बागेश्वर धाम सरकार का ट्राइसिटी में पहली बार लगेगा दरबार-26 मई से होगा आयोजन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के राजनीतिक सचिव तरुण भंडारी के सौजन्य से सुदेश भंडारी चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से प्रख्यात कथावाचक पं. धीरेन्द्र शास्त्री द्वारा पंचकूला में होने जा रही श्री हनुमंत कथा हेतु शालीमार दशहरा ग्राउंड में भक्तों द्वारा भूमि पूजन एवं हवन करने के उपरांत सालासर धाम, राजस्थान से लाई ध्वजा को हनुमंत कथा स्थल पर लगाया गया। उसके पश्चात उपस्थित सभी भक्तों द्वारा राम भक्त हनुमान जी से 25 मई को होने वाली विशाल एवं भव्य कलश यात्रा और 26 मई से 30 मई तक पांच दिवसीय हनुमंत कथा आयोजन को निर्विघ्न सफल बनाने की प्रार्थना की गई।

इस अवसर पर हरियाणा मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव तरुण भंडारी, मुकेश सिंगला, नरेश मित्तल (सांवरा स्वीट्स), दिनेश गुप्ता, पंकज बंसल, नरेश गोयल, राज मित्तल, साहिल गर्ग, राकेश गर्ग बिट्टू, अमन शर्मा, संदीप गुप्ता, अनिल थापर, हुकुम चंद गोयल, किशन जैन भोथरा, विकास, सुरेन्द्र गोयल, शुभम अग्रवाल, कस्तूरी लाल बंसल व राजू नागपाल आदि सदस्यगण उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि 26 मई से 30 मई तक पहली बार बाबा बागेश्वर धाम सरकार का दरबार ट्राइसिटी में लगेगा। इस उपलक्ष्य में 25 मई दिन रविवार को महिला शक्ति, पंचकूला द्वारा सेक्टर 6 स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर से कथा आयोजन स्थल तक भव्य एवं विशाल कलश यात्रा निकाली जायगी।

पंचकूला के सिविल अस्पताल में स्पोर्ट्स इंजरी क्लीनिक की दूसरी सफल सर्जरी

अर्थ प्रकाश/रंजीत शम्मी

पंचकूला। डॉ हिमांशु भयाना स्पोर्ट्स सर्जरी के माहिर एसोसिएट प्रोफेसर (ऑर्थोपेडिक्स) पीजीआई चंडीगढ़ को सिविल अस्पताल सैक्टर 6 पंचकूला में स्पोर्ट्स इंजरी क्लिनिक के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया।जिसका उद्घाटन मार्च 2025 में हरियाणा सरकार और पीजीआई चंडीगढ़ के बीच एमओयू के रूप में किया गया था। 22 अप्रैल 2025 को पीजीआई चंडीगढ़ के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ हिमांशु भयाना ने क्लिनिक से पहला स्पोर्ट्स इंजरी केस ऑपरेट किया। मरीज(कपिल) करनाल (हरियाणा) के हैं। एक 33 वर्षीय व्यावसायिक क्रिकेट खिलाड़ी हैं।जिन्हें घुटने की चोट के कारण खेल छोड़ना पड़ा था। मरीज को एसीएल पुनर्निर्माण और मेनिस्कस में समस्या थी।जिन्हें डॉ हिमांशु के पास जाने की सलाह दी गई थी। मरीज की (22 अप्रैल) सर्जरी हुई और एक व्यक्तिगत फिजियोथेरेपी प्रोटोकॉल का पालन करने के बाद जल्द ही खेल में वापसी की उम्मीद है। डॉ. हिमांशु पीजीआई में एसोसिएट प्रोफेसर (ऑर्थोपैडिक्स) के पद पर अपनी सेवाएं देने के अलावा हर मंगलवार को पंचकूला के सिविल अस्पताल में भी अपनी सेवाएं देते हैं। पेशेंट रेनू को 3 साल पहले चोट लगी थी।उसे बार-बार लॉक होने और जोड़ों में दर्द के कारण बाएं घुटने में समस्या थी। जिसे डॉ. हिमांशु (एसोसिएट प्रोफेसर ऑर्थोपेडिक पीजीआई चंडीगढ़) और सिविल अस्पताल पंचकूला में स्पोर्ट्स इंजरी केंद्र के नोडल अधिकारी के पास भेजा गया। जिसकी सफल आर्थोस्कोपिक घुटने की सर्जरी की। जिसमें मेनिस्कस बैलेंसिंग की गई। वर्तमान में अब वह खुश है।और व्यक्तिगत पुनर्वास प्रोटोकॉल का पालन करने के बाद नियमित काम और खेल गतिविधियों में वापस लौटने की उम्मीद करता है। डॉ. हिमांशु भयाना हर मंगलवार को सिविल अस्पताल। सैक्टर 6 पंचकूला में अपनी सेवाएं देते हैं।

न्यूज ब्रीफ

आर्य पुत्रियों ने बाज़ी मारी, 12वीं कक्षा में उत्कृष्ट परिणाम

कालका (जग्गी)। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी द्वारा हाल ही में घोषित 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणामों में आर्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल, भिवानी की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। इस वर्ष भी आर्य पुत्रियों ने शिक्षा के क्षेत्र में बाज़ी मारते हुए मेरिट सूची में अपनी जगह पक्की की है। विद्यालय की कॉमर्स संकाय की छात्रा प्रियंका ने 86 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया है। इसके अलावा संगीता ने 85.8 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय स्थान और श्रुति ने 85.4 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया है। विद्यालय के कुल 7 छात्र-छात्राएं मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने में सफल रहे हैं, जबकि 25 छात्राओं ने प्रथम श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण की है, जो कि विद्यालय के लिए एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन पर विद्यालय प्रबंधक समिति के प्रधान श्री प्रेम सिंह सहित समिति के अन्य सदस्यों ने प्रधानाचार्य कुलदीप शर्मा एवं समस्त शिक्षकों को बधाई दी। श्री प्रेम सिंह ने कहा कि यह सफलता न केवल छात्रों की कड़ी मेहनत का परिणाम है, बल्कि विद्यालय के शिक्षकों की निरंतर मार्गदर्शन और समर्पण का भी फल है। प्रधानाचार्य श्री कुलदीप शर्मा ने सफल छात्राओं को आशीर्वाद देते हुए कहा कि आर्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने सदैव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को प्राथमिकता दी है। छात्राओं की यह उपलब्धि आने वाले विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा स्रोत बनेगी। विद्यालय परिवार ने सभी छात्राओं को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

मानव मंगल स्मार्ट वर्ल्ड स्कूल का नतीजा रहा शानदार

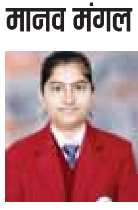
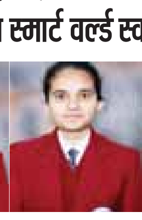

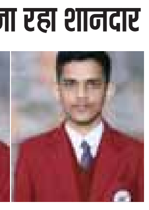

जीरकपुर (अप्रस)। सीबीएसई बोर्ड के आज घोषित हुए नतीजे में मानव मंगल स्मार्ट वर्ल्ड स्कूल जीरकपुर का नतीजा 100त्र रहा है। इस संबंधी जानकारी देते हुए स्कूल के डायरेक्टर संदीप सरदाना ने बताया कि हमारे स्कूल के कुल 149 बच्चों ने दसवीं कक्षा की परीक्षा दी थी जिनका नतीजा 100त्र रहा है जिनमें से 30 बच्चों के अंक 95त्र से अधिक आए हैं। हमारे स्कूल में पहला स्थान इशिका ने 99त्र अंक लेकर हासिल किया है। इसके बाद तीन विद्यार्थी जिनमें मंशा, अनन्या बंसल तथा धैर्य राठी ने 98.8 प्रतिशत अंक हासिल करके मानव मंगल स्कूल जीरकपुर तथा अपने मां-बाप का नाम रोशन किया। डायरेक्टर संदीप सरदाना ने कहा कि हमारे स्कूल का इतना बढ़िया नतीजा आने का श्रेय हमारे स्कूल की प्रिंसिपल मैडम अनिला किंडर तथा हमारे मेहनती स्टाफ को जाता है।

विवेकानंद स्कूल के छात्रों ने सीबीएसई दसवीं और बारहवीं बोर्ड परीक्षाओं में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

कालका (जग्गी)। सेंट विवेकानंद मिलेनियम स्कूल, एचएमटी टाउनशिप, पिंजौर के छात्रों ने इस साल आयोजित सीबीएसई दसवीं और बारहवीं बोर्ड परीक्षाओं में अत्युत्तम प्रदर्शन किया है। इन अद्वितीय परिणामों से विद्यालय की शिक्षण गुणवत्ता और छात्रों की उत्कृष्ट क्षमताओं की प्रतिष्ठा स्पष्ट होती है। छात्रों ने एक बार फिर अपने समर्पण, दृढ़ता और बौद्धिक क्षमता का प्रदर्शन करते हुए सीबीएसई बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किए हैं। बारहवीं कक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वालों में परीक्षित मान (97.8 प्रतिशत), कनन शर्मा (95.6प्रतिशत) और प्रिंस कुमार (95.2प्रतिशत) अग्रणी रहे। विषयों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वालों में शामिल हैं:- परीक्षित मान ने शारीरिक शिक्षा में 99, अंग्रेज़ी में 99 और व्यवसाय अध्ययन में 97 अंक प्राप्त किए; आर्यन और उमेश ने पेंटिंग में 99 अंक; वेदांशु कंडपाल ने लेखांकन में 97 अंक; परीक्षित मान और प्रिंस ने अर्थशास्त्र में 98 अंक; कनन शर्मा ने राजनीति विज्ञान में 94 और इतिहास में 95 अंक; कुमारी प्रतिभा ने जीव विज्ञान में 97 अंक; यति सिंह ने गणित में 95 अंक प्राप्त किए। सिद्धि, कनिका और यति सिंह ने रसायन विज्ञान में 95 अंक, जबकि कीरतपाल सिंह और यति सिंह ने भौतिक विज्ञान में 90 अंक प्राप्त किए। बारहवीं कक्षा के 11 छात्रों ने 91त्र से अधिक अंक प्राप्त किए और पूरी कक्षा का औसत 75.49त्र रहा, जो विद्यालय के लिए गर्व का विषय है। दसवीं कक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वालों में प्रतीक लाकरा (95प्रतिशत), नैतिक धीमान (94.4प्रतिशत) और दिशा चौहान (94प्रतिशत) शामिल हैं। इन विशिष्ट अंकों से उनके सुदृढ़ शैक्षणिक आधार का पता चलता है।

मनीष तिवारी ने किया सफाई कर्मचारी यूनियन कार्यालय का उद्घाटन

अर्थ प्रकाश /अजय चौधरी

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के नवनिर्वाचित प्रधान मोनू बोहोत ने यूनियन कार्यालय का उदघाटन समारोह आयोजित किया जिसमें मुख्य अतिथि चंडीगढ़ प्रदेश से सांसद श्री मनीष तिवारी जी ने यूनियन कार्यालय का उदघाटन किया । इस उदघाटन समारोह में चंडीगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री हरमोहिंदर सिंह लक्की जी, नगर निगम के सीनियर डिप्टी मेयर श्री जसबीर सिंह बंटी जी, डिप्टी मेयर श्रीमती तरूणा मैहता जी,कांग्रेस पार्टी के पार्षद श्री गुरप्रीत सिंह गाप्पी जी, सेक्टर-25 रेजिडेंश वेलफेयर एसोसिशन के प्रधान और कांग्रेस पार्टी के नेता श्री राजेन्द्र नीटू जी और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती ऊषा जी,पूर्व मेयर श्री कुलदीप कुमार टीटा जी,श्री लव कुमार जी, श्री गुरचरण जी, श्री धर्मवीर जी, श्री दिलावर जी, श्री सतीश मचल जी, श्री भगत राज तिसावर जी उपस्थित रहे। इस उदघाटन समारोह में सैकड़ों सफाई कर्मचारीयों ने भाग लिया।

मनीष तिवारी जी ने कर्मचारीयों के सम्बोधित करते हुए कहा कि श्री मोनू बोहोत के अध्यक्ष बनने से यूनियन को नई उर्जा और नई सोच मिलेगी। मनीष तिवारी जी ने सफाई कर्मचारीयों को आश्वस्त किया कि सफाई कर्मचारियों की सभी मांगों को जल्द से जल्द पूरी करवाएंगे। सफाई कर्मचारी यूनियन के इतिहास में पहली बार किसी सांसद द्वारा यूनियन कार्यालय का उदघाटन किया गया।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री मोनू बोहोत और उनकी समस्त टीम ने आए हुए सभी अतिथियों का तहेदिल से धन्यवाद किया।

ओपी सिहाग ने पूर्व उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला से मुलाकात कर जिला अध्यक्ष बनाये जाने पर किया धन्यवाद

अर्थ प्रकाश/ सुनील सिंघई

पंचकूला। जननायक जनता पार्टी पंचकूला के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष ओ पी सिहाग ने पार्टी के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला से उनके पंचकूला सेक्टर 21 स्थित निवास स्थान पर मुलाकात की तथा पंचकूला जजपा का जिला अध्यक्ष बनाये जाने पर उनका तथा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजयसिंह चौटाला का धन्यवाद किया। सिहाग ने उनको भरोसा दिलाया कि वो जिला पंचकूला के पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को साथ लेकर पार्टी को मजबूत बनाने का काम करेंगे । उन्होंने कहा कि जिले के दोनों हल्को के पार्टी तथा श्रद्धेय स्व. चौधरी देवीलाल की विचारधारा से सरोकार रखने वाले लोगों से मिलकर उनको पार्टी के साथ जोड़ने का काम करेंगे। जजपा जिला अध्यक्ष ने उनको बताया कि वे पार्टी के साथियों के साथ पूरे जिले में जनता से जुड़े मुद्दों को उठाकर उनका समाधान करवाने का प्रयास करेंगे ।

पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने नवनियुक्त जिला अध्यक्ष ओ पी सिहाग को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पार्टी शीर्ष नेतृत्व को उनकी कार्य क्षमता पर पूरा विश्वास है तथा पूरी उम्मीद है कि वो शीघ्र ही पार्टी के जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को साथ लेकर पार्टी को पूरे जिले में एक बड़ी ताकत के रूप मे उभारने का काम करेंगे। उन्होंने जिला अध्यक्ष को शीघ्र ही अन्य महत्वपूर्ण पदों को भरने हेतू पार्टी के कर्मठ ,मेहनती तथा बफादार कार्यकर्ताओं के नाम शीर्ष नेतृत्व को भेजने बारे कहा । इस अवसर पर जजपा के वरिष्ठ नेता धर्मवीर सिहाग , के सी भारद्वाज, सुरिंदर चड्डा, पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी दीपकमल उपस्थित थे ।

झुग्गियां हटाकर पक्के कमरे बनाने का काम हुआ शुरू

दो बार काम बंद करवाने के बावजूद रसूक का इस्तेमाल करते हुए लेंटर डालने की हो चुकी है तैयारी

अर्थ प्रकाश /संदीप सिंह बावा

जीरकपुर । जीरकपुर के ढकोली क्षेत्र में वसंत विहार में गंदे नाले के नजदीक पिछले काफी समय से अवैध रूप से खाली जमीन पर झुग्गियां बनाई हुई थी इन झुग्गियों को जमीन मालिक द्वारा प्रवासी लोगों को किराए पर दिया हुआ था। पिछले समय में यहां पर एक कत्ल होने का मामला सामने आया था उसके बाद लोगों द्वारा इन झुग्गियों को हटाने की लगातार मांग की जा रही थी लेकिन मालिक द्वारा नगर परिषद जीरकपुर से 6 महीने का समय मांगा गया था। 6 महीने बीत जाने के बावजूद भी झुग्गियां नहीं हटाई गई थी। इसके बाद लोगों द्वारा इन झुग्गियों को हटाने के लिए नगर परिषद में कई बार शिकायत भी की गई थी। इसके बाद जमीन मालिक द्वारा झुग्गियों को तो अपने स्तर पर हटा दिया गया था लेकिन उसके बाद यहां पर किराए पर देने के लिए पक्के कमरों का निर्माण शुरू कर दिया गया जिसके लिए लेंटर डालने की तैयारी पूरी कर ली गई है और शटरिंग भी मुकम्मल कर दी गई है। जमीन मालिक इतना ताकतवर है कि उसने अपनी जमीन पर बिना सीएलयू लिए और बिना कोई नक्शा पास करवाए इन स्थाई कमरों का निर्माण शुरू कर दिया है जिस संबंधी भी लोगों ने नगर परिषद अधिकारियों को शिकायतें दर्ज करवाई है लेकिन फिर भी इस निर्माण कर्ता के ऊपर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। स्थानीय निवासी केआर शर्मा, परमवीर सिंह, ऋषि, अमन चीमा, एस.एस मालिक, विनोद कुमार शर्मा आदि ने कहा के पहले भी यहां पर प्रवासी लोग रहते थे जिनके कारण क्षेत्र का माहौल खराब हो चुका था और अब भी जो जमीन मालिक द्वारा कमरे बनाए जा रहे हैं उनमें भी प्रवासी लोग ही रहने के लिए आएंगे। जमीन मालिक द्वारा अपने किराएदारों की कोई पुलिस वेरिफिकेशन भी नहीं करवाई जाती जिसके चलते शहर की सुरक्षा के लिए खतरा हो सकता है?। लोगों ने कहा कि नगर परिषद अधिकारियों द्वारा जमीन मालिक पर ठोस कार्रवाई न करना मिली भगत की ओर इशारा करता है।

हमने यहां पर पहले भी दो बार निर्माण कार्य बंद करवाया था जो के अब भी बंद है अगर जमीन मालिक द्वारा यहां पर लेंटर डालने की कोशिश की गई तो उसके खिलाफ नियमों के अनुसार कार्रवाई करते हुए इस निर्माण को तोड़ दिया जाएगा।

अजय बराड़ बिल्डिंग इंस्पेक्टर नगर परिषद जीरकपुर।

मानव मंगल स्मार्ट स्कूल के साकेत ने दसवीं में हासिल किए 99.2 प्रतिशत

अर्थ प्रकाश संवाददाता

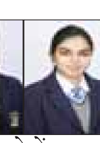

चंडीगढ़। मानव मंगल स्मार्ट स्कूल, मोहाली के पांच स्टूडेंट्स ने सीबीएसई दसवीं की परीक्षा में 98 प्रतिशत या इससे अधिक अंक हासिल किए हैं। स्कूल के छात्र साकेत गर्ग ने 99.2 प्रतिशत अंक हासिल कर स्कूल में पहला स्थान हासिल किया है। वहीं, कनिका सिंगला 98.8 प्रतिशत अंक लेकर दूसरे और अदिति 98.4 प्रतिशत अंक हासिल कर तीसरे स्थान पर रही हैं। जप्प कौर ने 98.2 और शौर्य सहगल ने 98 प्रतिशत अंक हासिल लेकर शानदार प्रदर्शन किया है। स्कूल के 26 स्टूडेंट्स ने 97 फीसदी या इससे अधिक अंक हासिल किए हैं। वहीं 51 स्टूडेंट्स ने 95 फीसदी या इससे अधिक अंक हासिल किए हैं। स्कूल के 111 स्टूडेंट्स 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल करने में सफल रहे हैं। जबकि 198 स्टूडेंट्स 80 फीसदी से अधिक अंक लेने में सफल रहे हैं। स्कूल के 12 छात्रों ने इंग्लिश और 3 ने हिंदी, फ्रेंच व एआई में शत प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। स्कूल के 299 स्टूडेंट्स परीक्षा में बैठे थे और सभी पास हो गए हैं। स्कूल के छात्रों का औसत प्रतिशत 82.88 है। स्कूल के डॉयरेक्टर संजय सरदाना ने स्टूडेंट्स को बेहतर भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

मानव मंगल हाई स्कूल में याशिका ने मारी बाजी : चंडीगढ़ के सेक्टर 21 स्थित मानव मंगल हाई स्कूल के 9 स्टूडेंट्स ने 97 या इससे अधिक अंक हासिल किए हैं।

हवाई अड्डे की दीवार के पास बनी झुग्गियां बन रही है हवाई अड्डे की सुरक्षा के लिए खतरा

अधिकारी पार्षद की शिकायत पर कार्रवाई नहीं करते तो आम लोगों की क्या होगी सुनवाई ?

झुग्गियों को हटाने के लिए नगर परिषद को लिखा जाएगा पत्र: डीएसपी

अर्थ प्रकाश /संदीप सिंह बावा

जीरकपुर । जीरकपुर क्षेत्र में स्थित हवाई अड्डे की दीवार के मात्र 50 मीटर के नजदीक लोगों द्वारा खाली प्लाटों में झुग्गियां बनाकर किराए पर दे रखी है और कुछ लोगों ने ऐसे ही अपने खाली प्लाट लोगों को किराए पर दे रखे हैं। यह किराएदार कबाड़ का काम करते हैं। कबाड़ में कई बार विस्फोटक चीज भी आ जाती है जो की हवाई अड्डे के लिए खतरा हो सकते हैं। इसके अलावा स्थानीय हाई ग्राउंड रोड पर एयर फोर्स स्टेशन से मात्र 1 किलोमीटर की दूरी पर भी ऐसी बहुत सी झुग्गियां बनी हुई है जिनके संबंध में पहले भी खबरें प्रकाशित हो चुकी है लेकिन नगर परिषद द्वारा इसकी और कोई ध्यान नहीं दिया गया। इन झुग्गियों में रहने वाले लोग भी ज्यादातर कबाड़ का काम करते हैं। बहुत सी जगह से खबरें अक्सर पढ़ने को मिलती है की झुग्गियों में आग लगने से भारी नुकसान हो गया है तो वही स्थिति कभी भी यहां पर हो सकती है जो की हवाई अड्डे के लिए खतरा बन सकती है क्योंकि यहां पर अवैध रूप से बिजली के कनेक्शन भी चल रहे हैं जिसमें कभी भी शॉर्ट सर्किट होने से इनकार नहीं किया जा सकता।

हमने एयरफोर्स की दीवार के पास खाली प्लाटों में रहने वाले लोगों की कई बार जांच की है और उनके पहचान पत्र भी चेक किए हैं लेकिन वहां पर कोई संदिग्ध नहीं पाया गया। फिर भी ऐसे खाली प्लाटों में झुग्गियां नहीं बनाई जा सकती। हम जल्द ही नगर परिषद जीरकपुर के कार्यकारी अधिकारी को पत्र लिखकर इन जमीनों के मालिकों की पहचान करके इन झुग्गियों को हटवाने के लिए कहेंगे क्योंकि इन झुग्गियों को हटाने का काम नगर परिषद जीरकपुर का है। आने वाले समय में हवाई अड्डे के आसपास रहने वाले लोगों की जांच लगातार जारी रहेगी।

जसपिंदर सिंह गिल डीएसपी जीरकपुर

नगर परिषद का एनफोर्समेंट विंग नहीं करता शिकायत पर कोई कार्रवाई

एयर फोर्स स्टेशन की दीवार के पास बनी हुई अवैध झुग्गियों के संबंध में वार्ड पार्षद नवतेज नवी द्वारा पिछले एक महीने से नगर परिषद को शिकायतें की जा रही है लेकिन नगर परिषद द्वारा इन झुग्गियों पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। यह झुग्गियां एयर फोर्स स्टेशन की सुरक्षा के लिए खतरा भी हो सकती हैं। नवतेज नवी के अनुसार अगर नगर परिषद के अधिकारी एक पार्षद की शिकायत पर कार्रवाई नहीं करते तो आम लोगों की क्या सुनवाई होगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अगुवाई में पंचकूला में निकाली गई 'तिरंगा यात्राः 'एक यात्रा देशभक्ति के नाम'

'ऑपरेशन सिंदूर : शौर्य, स्वाभिमान और नए भारत का संकल्प' : नायब सैनी

अर्थ प्रकाश/आदित्य शर्मा

पंचकूला, 13 मई। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता पर देशवासियों को बधाई दी और इसे राष्ट्र की गरिमा, शौर्य और आत्मसम्मान का प्रतीक बताते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता ने भारत के राष्ट्रीय संकल्प, सैनिकों की वीरता और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की दृढ़ता को विश्व पटल पर स्थापित किया है। यह पूरे देश के लिए गौरव, आत्मसम्मान और वीरता का उत्सव है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी आज पंचकूला में ÷तिरंगा यात्रा - एक यात्रा देशभक्ति के नाम÷ के आरंभ से पहले यवनिका टाउन पार्क में उपस्थिजन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री की अगुवाई में सेक्टर - 5 स्थित यवनिका टाउन पार्क से भारत माता की जय, वंदे मातरम जैसे नारों के साथ यात्रा आरंभ हुई और मेजर संदीप शांकला मेमोरियल पर जाकर सम्पन्न हुई। इस यात्रा में बच्चों, महिलाओं सहित हजारों लोगों ने भागीदारी की और देश के वीर सैनिकों को नमन किया। मेजर संदीप शांकला मेमोरियल पर मुख्यमंत्री और अन्य मंत्रीगणों ने माल्यार्पण कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और जवानों की वीरता व साहस को नमन किया।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि हमारे सैनिकों ने राष्ट्र को जख्म देने वालों को कड़ा सबक सिखाया है। उन्होंने भारत माता की आन-बान और सम्मान के प्रतीक राष्ट्र ध्वज तिरंगे को झुकने नहीं दिया। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा भारत माता के गौरव का उत्सव है। यह राष्ट्र के आत्मसम्मान और शौर्य का उत्सव है। यह हमारी राष्ट्रीय चेतना, एकता और स्वाभिमान की अभिव्यक्ति है। यह उन रणबांकुरों को समर्पित है, जिन्होंने दुश्मन को उसकी भाषा में जवाब दिया। यह हमें हर क्षण देशभक्ति की प्रेरणा देता है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारे बहादुर सैनिकों ने जिस साहस, निष्ठा और अनुशासन के साथ 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया, वह केवल एक सैन्य अभियान नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय गरिमा का प्रतीक बन गया है। प्रधानमंत्री का यह स्पष्ट संदेश पूरी दुनिया ने सुना कि 'भारत अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए किसी भी हद तक जाएगा।' यही नए भारत का आत्मविश्वास है और विकसित भारत की पहचान है।

प्रधानमंत्री ने भारत की सोच और संकल्प को दी नई दिशा

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस नए भारत की सोच और संकल्प को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने दिशा दी है। उनके नेतृत्व का ही परिणाम है कि आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की जा रही है, सेना का सशक्तिकरण किया गया है और दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा बड़ी है। मुख्यमंत्री ने हरियाणा की जनता की ओर से प्रधानमंत्री का धन्यवाद दिया कि उन्होंने देश को न सिर्फ आत्मनिर्भर बनाया बल्कि आत्मगौरव से भर दिया। हमारे देश का आत्मबल हमारी सेना है। जब हम चैन की नींद सोते हैं, तो हमारे जवान सीमा पर अपनी नींद कुर्बान करते हैं। हम अपने बच्चों को रोज स्कूल छोड़ते हैं, और वे अपने बच्चों से महीनों नहीं मिलते। जब हम तिरंगा यात्रा करते हैं, तब वे तिरंगे को अपने सीने से लगाकर शहीद हो जाते हैं। उनका साहस, उनका पराक्रम भारत की असली पूंजी है। मुख्यमंत्री ने उन परिवारों को प्रणाम किया जिन्होंने अपने बेटे, भाई, पति को देश की रक्षा के लिए समर्पित किया और देश के नागरिकों को भी धन्यवाद किया, जिनकी एकता और अनुशासन ने इस संकट की घड़ी में संभालकर रखा।

तिरंगा यात्रा देशभक्ति और सैनिकों के सम्मान का प्रतीकः मोहन लाल

इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष श्री मोहन लाल कौशिक ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ भारत ने जो लड़ाई लड़ी और जिस पराक्रम व साहस के साथ लड़ी, आज हम सब इस यात्रा के माध्यम से हमारे वीर सैनिकों को सलाम कर रहे हैं। यह तिरंगा यात्रा देशभक्ति और सैनिकों के सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने जो पराक्रम साहस करके दिखाया उनके सम्मान में हम इस यात्रा में शामिल हुए हैं। इस यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री की अगुवाई में लगभग 2 किलोमीटर तक हम सभी पैदल मार्च करेंगे।

वीर सैनिकों को समर्पित तिरंगा यात्राः मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी

मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने कहा कि यह तिरंगा यात्रा उन सभी वीर सैनिकों को समर्पित है, जिन्होंने अपने प्राणों का बलिदान इस देश के लिए दिया है। यह यात्रा उन सभी सेनानियों को भी समर्पित है, जो देश की सरहदों पर लड़ रहे हैं और दिन-रात अपना खून पसीना एक रहे हैं, जिससे हम शांति से अपने घर में चैन की नींद सो सकें। यह यात्रा उन सभी निर्दोष भारतवासियों, जिनकी निर्मम हत्या आतंकवादियों ने बहुत ही कायरतापूर्ण अंदाज में की, उनको समर्पित है।

'ऑपरेशन सिंदूर' सैनिकों के शौर्य का अद्वितीय उदाहरण

नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह ऑपरेशन भारत की सैन्य रणनीति, प्रधानमंत्री के नेतृत्व की कुशलता और सैनिकों के शौर्य का अद्वितीय उदाहरण है। इसमें आतंकवादियों के कई अड्डों को नेस्तनाबूद किया गया। पाकिस्तान को यह स्पष्ट संदेश दिया कि भारत की संप्रभुता पर हमला करने की कीमत बहुत बड़ी होती है। जब बात देश की सुरक्षा की आती है, तो भारत कोई समझौता नहीं करता। ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने युद्ध की परिभाषा ही बदल दी। उन्होंने कहा कि गैर-सैन्य कार्रवाई में सिंधु जल संधि निलंबित की गई। कलाकार, वीजा, व्यापार सब कुछ बंद किया। पाक नागरिकों की वापसी की, अटारी बॉर्डर सील किया, आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया और पाकिस्तान को पूरे संसार से अलग-थलग कर दिया। यह युद्ध नहीं था। यह नए भारत का प्रतिशोध था। हमारी सेनाओं ने सिर्फ मिसाइलें नहीं छोड़ीं, उन्होंने ऐसा संदेश दिया जो अमेरिका और चीन तक गूंज उठा। यह है नया भारत, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का सशक्त भारत। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस दिन ऑपरेशन सिन्दूर शुरू किया गया उस दिन सीता नवमी थी और मंगलवार का दिन भी। नवमी के दिन नौ ठिकानों पर हमला किया। पहलगाम में बहन-बेटियों के सिंदूर उजाड़े गये थे, इसलिए इस ऑपरेशन का नाम सिंदूर रखा गया और सीता नवमी व मंगलवार का दिन ही था जिस दिन यह हमला किया गया। इस ऑपरेशन सिंदूर की प्रेस ब्रीफिंग सिंदूर को अपना सौभाग्य मानने वाली आर्मी की महिला अधिकारी सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने की। नायब सिंह सैनी ने कहा कि पहलगाम में महिलाओं को जिंदा छो?कर आतंकवादियों ने कहा था कि मोदी को जाकर बता देना। अब मोदी ने उन्हें बता दिया है कि भारत की अस्मिता पर आंख उठाने वालों का क्या हाल होता है। उन्होंने पाकिस्तान में बैठे दानव मिटा दिये। उन्होंने कहा कि जब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सीजफायर की बात हुई, तो भारत ने फिर संयम और शांति की मिसाल पेश की। वह केवल एक सैन्य निर्णय नहीं, बल्कि मानवीयता की ओर उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। यह हमारे देश की परिपक्वता, विवेकशीलता और आत्मबल का प्रमाण है। प्रधानमंत्री ने संसार को भी बताया है कि हम आतंक के खिलाफ हैं और इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। यह दिखाता है कि भारत युद्ध का पक्षधर नहीं है, लेकिन जब तक शांति को कमजोरी समझा जाएगा, तो भारत चुप नहीं रहेगा। यही शौर्य और संयम भारत को एक महान राष्ट्र बनाता है।

न्यूज ब्रीफ

एसडीएम ने लघु सचिवालय में की बैठक

नरवाना (हितेश गर्ग)। एसडीएम एवं नरवाना विधानसभा के निर्वाचक पंजीयन अधिकारी जगदीश चंद्र के मार्गदर्शन में मंगलवार को स्थानीय लघु सचिवालय स्थित सभागार में निर्वाचन सुपरवाइजरों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में चुनाव कानूनगो नरेश कुमार ने सभी सुपरवाइजरों को निर्देश दिए कि वे अपने अधीनस्थ बूथ लेवल अधिकारियों को बीएलओ ऐप पर प्रतिदिन लॉगिन करने हेतु प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि वोट बनवाने के लिए आए फॉर्म की जांच-पड़ताल निर्धारित समय में पूरी की जाए। अगर बीएलओ को फॉर्म में दी गई जानकारी संतोषजनक नहीं लगती, तो वे स्पष्ट टिप्पणी के साथ फॉर्म रिजेक्ट करें। नरेश कुमार ने चेतावनी दी कि जो बीएलओ ऐप पर नियमित लॉगिन नहीं करेंगे, उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। सभी बीएलओ को निर्देशित किया गया कि वे अपने क्षेत्र में कार्य लंबित न रखें और किसी भी समस्या की जानकारी तुरंत कार्यालय को दें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि एक सुपरवाइजर के अधीन 10 से अधिक बीएलओ नहीं होने चाहिए। बैठक में जयपाल कानूनगो, निशांत, परमजीत, वीरेंद्र, कुश शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

एसडीएम ने नागरिक अस्पताल का किया दौरा

नरवाना (हितेश गर्ग)। एसडीएम जगदीश चंद्र ने मंगलवार को स्थानीय नागरिक अस्पताल का दौरा कर अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उनके साथ एसएमओ डॉ. देवेंद्र बिंदलिश भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने ओपीडी, फार्मेसी, लैब, आपातकालीन वार्ड, एक्स-रे वार्ड, जनरल वार्ड, डेंगू वार्ड और ऑक्सीजन प्लांट का बारीकी से निरीक्षण किया। एसडीएम ने अस्पताल में भर्ती मरीजों से बातचीत कर उनका हालचाल जाना और यह भी पूछा कि क्या उन्हें अस्पताल में सुविधाएं समय पर मिल रही हैं। मरीजों ने संतोष जताते हुए कहा कि उन्हें इलाज व दवाइयां समय पर मिल रही हैं। लैब विभाग में उन्होंने सभी टेस्टों का रजिस्टर चेक कर टेस्टों की नियमितता का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने एसएमओ को निर्देश दिए कि उपमंडल क्षेत्र में स्वास्थ्य जांच हेतु विशेष शिविर लगाए जाएं, जिससे आमजन समय पर अपनी जांच करवा सकें। उन्होंने ऑक्सीजन प्लांट को शीघ्र दुरुस्त कर चालू करने की बात भी कही। इसके साथ ही अस्पताल की जर्जर इमारत को विभागीय प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद कंडम घोषित कर गिराने की योजना की जानकारी भी दी। एसडीएम ने डॉक्टर्स व स्टाफ को निर्देश दिए कि वे अपनी ड्यूटी के प्रति ईमानदार रहें और बिना सूचना के अनुपस्थित न रहें। अस्पताल की साफ-सफाई, स्वच्छ शौचालय और शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डॉ. हिमांशु, डॉ रोहित,, डॉ. सुरेश, डॉ. रचना और एसडीएम के स्टेनो हरीश कुमार समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बाबा अस्तबली मंदिर में पंच धुनि तपस्या जारी

पिहोवा (अप्रस/मोहित पौलस्त्य)। हलके के गांव थाना में पीर बाबा

अस्तबली मंदिर में पंच धुनि तपस्या जारी है। बाबा सच्चिदानंद गिरी जी महाराज ब्रह्म सरोवर के तट पर पंच अग्नि में बैठकर तपस्या कर रहे हैं। भगत जोगिंदर सिंह ने बताया कि बाबा सच्चिदानंद गिरी जी 10 मई से 40 दिन के लिए पंचधूनी तपस्या कर रहे हैं। प्रतिदिन सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु अपना शीश नवाने के लिए आ रहे हैं। उन्होंने बताया की 10 जून को कलश यात्रा होगी तथा इसके पश्चात श्री रामचरितमानस की कथा प्रारंभ की जाएगी।कथा पंडित नंदराम ज्योतिषी करेंगे । वीरवार 19 जून को सुरेंद्र शर्मा यज्ञ आचार्य के सानिध्य में हवन यज्ञ किया जाएगा तथा दोपहर को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस भंडारे के साथ ही पंच धुनी तपस्या भी संपन्न हो जाएगी। रात्रि को जागरण किया जाएगा।इस मौके पर पंडित तेलूराम भगत रामचंद्र काकोत सहित अनेक धर्म प्रेमी मौजूद थे।

एमएम इंटरनेशनल स्कूल के बारहवीं का परिणाम शानदार

मुलाना (अप्रस/सचिन मलिक)। एम.एम. इंटरनेशनल स्कूल मुलाना ने बारहवीं कक्षा के परीक्षा परिणामों में एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। सभी संकायों का परिणाम बहुत शानदार रहा। विद्यालय के इस बेहतरीन प्रदर्शन पर स्कूल की निर्देशिका डॉ.पारुल नागपाल , प्रधानाचार्या सुनीता दोसाज , विद्यालय प्रशासन और शिक्षकों ने विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्वल भविष्य की कामना की है। कॉमर्स की छात्रा हिमांशी गुलाटी ने 97.6 प्रतिशत , हरलीन कौर ने 95.6 प्रतिशत,अंजनी सैनी ने 95प्रतिशत,कनुप्रिया कालरा ने 94 प्रतिशत,प्रिसिया गर्ग ने 93 प्रतिशत,हरमन अरोरा ने 91.4प्रतिशत , नॉन मेडिकल में सारा शर्मा ने 94.4 प्रतिशत,आदित्य कुमार ने 90.4प्रतिशत , आर्ट्स में अनमोल सिंह और अश्मित ने 93.4 प्रतिशत वहीं मेडिकल में नंदिनी ने 90.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल का नाम रोशन किया ।

वन नैशन वन इलैक्शन से धन और समय की बचत होगी : मीनू चावला

अर्थ प्रकाश/शैलेंद्र जैन

करनाल, 13 मई। आज विर्क हॉस्पिटल में भारत विकास परिषद की पूर्व अध्यक्षा मीनू चावला द्वारा वन नेशन,वन इलेक्शन की उपयोगिता के बारे सभी स्टाफ नर्सो ओर भारत विकास परिषद के सदस्यों को जानकारी दी गई। इस मौके पर उन्होंने उपस्थित सभी को वन नेशन वन इलेक्शन के उद्देश्यों के बारे मे बताते हुए इसके समर्थन के लिए अपील करते हुए कहा कि एक देश एक चुनाव से न केवल राजकोष की बचत होगी अपितु इससे कालेधन पर भी लगाम लगेगी इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अकसर चुनाव के दौरान विकास कार्यो में रूकावट आ जाती है क्योंकि चुनाव के समय राज्यों में आचार संहिता लागू हो जाती है और यह परिणाम जारी होने तक लागू रहती है। ऐसे में इससे विकास परियोजनाओं में देरी होती है। एक देश-एक चुनाव में ऐसा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय देशभर में फोर्स से लेकर विभिन्न सरकारी कर्मचारियों की ड्यूटी लगती है। इससे उनके सरकारी काम में भी व्यवधान होता है। ऐसे में साल में एक ही बार में इस तरह की आवश्यकता पड़ेगी और इससे संसाधनों में बचत होगी। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि पहले भी वर्ष 1952, 1957, 1962 और 1967 में लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव एक साथ हो चुके हैं। हालांकि, इसकेबाद यह परंपरा कायम नहीं रह सकी। अब फिर एक देश और एक चुनाव की मांग जोर पकड़ती जा चुकी है इस मौके पर उन्होंने मौके पर उपस्थित सदस्यों से शपथ ग्रहण करवाई गई ओर विर्क हॉस्पिटल के एडमिन हेड से समर्थन पेपर पे हस्ताक्षर भी लिए गए।

देव ऋषि नारद आदर्श पत्रकारिता के संवाहक थे उनकी शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक : डा. महासिंह पूनिया

विश्व संवाद केंद्र तथा डीएवी पीजी कॉलेज करनाल के संयुक्त तत्वाधान में हुआ पत्रकार जगत के लिए देव ऋषि नारद जयंती के उपलक्ष्य में संगोष्ठी

अर्थ प्रकाश/शैलेंद्र जैन

करनाल, 13 मई। कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी कुरुक्षेत्र में जनसंचार एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक डा. महासिंह पूनिया ने कहा कि ब्राह्मंड के आदि पत्रकार देवर्षि नारद दिव्यता से परिपूर्ण पत्रकार थे। उन्होंने पत्रकारों की पांच विशेषता बताई, जिनमें पत्रकार को बेहतर विश्लेषक, स्टीक निर्णय क्षमता, तार्किक क्षमता के साथ-साथ भाषा शैली के साथ-साथ ज्ञान का भंडार होना जरूरी है। पत्रकार जब खबर लेकर बैठता है तो वह जज की भूमिका में भी रहता है। विश्व संवाद केंद्र तथा डी.ए.वी पी.जी कॉलेज करनाल के संयुक्त तत्वाधान में पत्रकार जगत के लिए देव ऋषि नारद जयंती के उपलक्ष्य में संगोष्ठी का आयोजन हुआ। वह आज डी.ए.वी पी.जी कालेज करनाल के सभागार में पत्रकार जगत के लिए देव ऋषि नारद जयंती के उपलक्ष्य में संगोष्ठी अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि देव ऋषि नारद आदर्श पत्रकारिता के संवाहक थे और उनकी शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि आज बड़ा ही गौरव का दिन है हम विश्व संवाद केंद्र के तत्वाधान में पूरे हरियाणा ही नहीं बल्कि पूरे भारत वर्ष में नारद जयंती मना रहे है। देव ऋषि पूरे ब्रह्मांड के ऐसे पत्रकार हुए है जिन्होंने सूचनाओं का आदान प्रदान किया। उन्होंने कहा कि देव ऋषि नारद मुनि दिव्य पत्रकार हुए हैं क्योंकि दिव्य पत्रकार वो पत्रकार है जिनके अंदर पवित्रता हो, पावन हो और जिसके अंदर थोड़ा सा भी मैल न हो वो दिव्य पत्रकार है। कार्यक्रम की अध्यक्षता डी.ए.वी पी.जी कालेज करनाल के प्राचार्य प्रो. रामपाल सैनी ने की। वहीं विशिष्ट अतिथि के तौर पर प्रचार विभाग के विभाग प्रमुख केदार जी, आर.एस.एस के जिला कार्यवाह तथा एस.डी सीनियर सै. स्कूल बाल विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य धनेश डिमरी मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा नारद जी के चित्र के आगे दीप प्रज्वलित व पुष्प अर्पित कर की गई। कार्यक्रम का मंच संचालन सोशल मीडिया संवाद प्रमुख शैलेन्द्र जैन ने किया तथा आभार प्रदर्शन जिला प्रचार प्रमुख अमित कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रो. रामपाल सैनी ने कहा कि पत्रकारों को देवर्षि के दिखाए मार्ग का हमेशा अनुसरण करना चाहिए। लोकतंत्र को मजबूत बनाने में पत्रकारिता जगत की अहम भूमिका है। ऐसे में पत्रकारों को निष्पक्ष रहना और सत्य के आधार पर लिखना बहुत जरूरी है। इस मौके पर प्रचार विभाग के विभाग प्रमुख केदार ने कहा कि आज के समय मे सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेटफार्म पर कई तरह के गलत कंटेंट हमारे बीच परोसे जा रहे हैं। इससे हमें खुद भी बचना होगा और युवा पीढ़ी को भी बचाना होगा। सोशल मीडिया, इंटरनेट पर परोसे जा रहें कंटेंट पर नजर रखने की जरूरत है।

दस महीने बाद हुई नगर पालिका की हंगामेदार बैठक

महिला पार्षदों के पतियों को लेकर हुआ विवाद

अर्थ प्रकाश/मोहित पौलस्त्य

पिहोवा, 13 मई। लगभग दस महीने के इन्तजार के बाद नगर पालिका की आम बैठक हुई। जिसमें विधायक मनदीप सिंह चट्ठा ने भी भाग लिया। बैठक में जहां सभी पार्षद विकास कार्यो का रोना रोते रहे वहीं बैठक में महिला पार्षदो के पतियो का बैठक में शामिल होने को लेकर भी विवाद रहा। वहीं बैठक में वेतन न मिलने से नाराज ठेके के सफाई कर्मचारियो का मुद्दा भी बना रहा। पार्षदो ने कहा कि पालिका की उपेक्षा के चलते शहरवासी मुलभूत सुविधाओ के लिए भी तरस रहे है। पूरे शहर में कही भी विकास कार्य दिखाई नही दे रहे। वहीं विधायक मनदीप चट्ठा भी अनेक मुद्दो को लेकर बरसते रहे। बैठक में कुल 29एजेडे रखे गए । जिनमे से 22 पर ही चर्चा हुई। कांग्रेसी विधायक मनदीप चट्ठा के बैठक में शामिल होने के कारण चुनाव के बाद कांग्रेस छोडकर सत्ता पक्ष का हाथ थामने वाले पार्षद जहां गुमसुम रहे वहीं रेवडिया चखने वाले ठेकेदार पालिका भवन से उठकर चले गए। विधायक मनदीप चट्ठा ने कहा कि वह पहली बार पालिका की बैठक में शामिल हुए है। कोई भी पार्षद पालिका की कार्यप्रणाली से संतुष्ट नही है। वह प्रमुखता के आधार पर शहर के विकास कार्य के लिए कार्य करेंगे। पार्षद प्रतिनिधियो के बैठक में शामिल होना कानून के विरूध है। विधायक ने आवारा पशुओ , भगवान परशुराम चौंक के निर्माण को लेकर भी पालिका की कलास लगाई। उन्होने कहा कि पूरे शहर के सभी वार्डो की समस्याओ को लेकर एजेडा तय किया जाएगा। वहीं पालिका प्रधान आशीष चक्रपाणी ने कहा कि बेसहारा पशुओ को श्हर की गौशालाओ में भेजा जाएगा तथा नंदियो को हिसार की गौशाला में भेजा जाएगा। अम्बाला कैथल सडक के डिवाइडर को हराभरा किया जाएगा। पालिका की नई इमारत में बनी दुकानो व शोरूम को बोली के आधार पर किराए पर दिया जाएगा।

गुरु नानक देव अकादमी के छात्रों ने लहराया परचम

पिहोवा (अप्रस/मोहित पौलस्त्य)। गुरु नानक देव अकादमी का बारहवीं का परीक्षा परिणाम में साइंस विभाग से सिमरन ने 94.4 प्रतिशत अंक प्राप्त करके प्रथम स्थान प्राप्त किया। दूसरे स्थान पर रिंपल 89.4 प्रतिशत तथा अभिमन्यु 84.2 प्रतिशत अंक लेकर तीसरे स्थान पर रहे। कॉमर्स विभाग से अर्पण दीप कौर 96.2 प्रतिशत लेकर प्रथम तथा नंदिनी शर्मा 94.8 प्रतिशत अंक लेकर दूसरे स्थान पर रही। कुशान कटारिया 94.6 प्रतिशत अंक लेकर तीसरे स्थान पर रहे। आर्ट विभाग की तरफ से तजेंद्र सिंह 90.6 प्रतिशत अंक लेकर प्रथम स्थान पर रहे। मनजीत कौर 86.2 प्रतिशत लेकर दूसरे तथा नमन शर्मा 85.2 प्रतिशत अंक लेकर तीसरे स्थान पर रहे। इस प्रसन्नता के माहौल में अकादमी के एमडी सूरत सिंह गुराया व प्रिंसिपल रजिंद्र कौर ने सभी सफल छात्रों व अभिभावकों को बधाई देते हुए भविष्य के प्रति शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छात्रो ने अकादमी का नाम रोशान करके चारा चांद लगा दिए।

कुरूक्षेत्र की जनता करे पुकार, मीट मांस, मदिरा हो धर्मक्षेत्र से बाहर...

अर्थ प्रकाश/राजकुमार वालिया

कुरूक्षेत्र, 13 मई। कुरूक्षेत्र की जनता करे पुकार, मीट मांस, मदिरा की दुकानें हों धर्मक्षेत्र से बाहर...जी हां, धर्म के क्षेत्र कुरुक्षेत्र में अवैध रूप से खुली मीट मांस की दुकानों को बंद करवाने की मांग लगातार जोर पकड़ने लगी है।

हालात यह हैं कि धर्मनगरी कुरुक्षेत्र को 7 साल पहले होली सिटी घोषित किया गया था इसके बावजूद शहर की परिधि में अवैध तरीके से बेरोक-टोक मांस बेचा जा रहा है। जिसके चलते लोगों में काफी रोष है। कुरूक्षेत्र का अमीन रोड जहां ब्रह्मा जी का मंदिर है, विद्यालय है, इसी मार्ग पर महाभारतकालीन अदिति वन, गांव अमीन है। ऐसे में आप खुद अंदाजा लगा सकते हैं कि इस मार्ग पर प्रतिदिन असंख्य श्रद्धालु, विद्यार्थी, अभिभावक, ग्रामीण और पर्यटक आवागमन करते हैं। इसी अमीन मार्ग पर ब्रह्मा जी के मंदिर से चंद कदम की दूरी पर ही अवैध रूप से मीट मांस की दुकानें खुली हैं जहां प्रतिदिन असंख्य निरीह जीव जंतु और पशुओं को काटकर बेचा जाता है। उनका खून अक्सर सड़क पर नजर आता है। ऐसे में आप सोच सकते हैं कि इस सड़क से गुजरने वाले लोगों पर ऐसे दृश्यों का क्या असर पड़ता होगा। कुरूक्षेत्र की धर्मक्षेत्र की छवि कितनी धूमिल होती होगी। यही वजह है कि आसपास रहने वाले लोगों द्वारा नगरपरिषद और जिला प्रशासन से लगातार इन मीट मांस की दुकानों की बंद करवाने की मांग की जा रही है। लोगों ने आज भी इन दुकानों को बंद करवाने को मांग को लेकर अपना रोष जताया।

श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति ने 'धान्यक हिम' सेवन का दिया सुझाव

अर्थ प्रकाश/अर्पण वधवा

कुरुक्षेत्र, 13 मई। आसमान से आग बरस रही है और 25 मई से नौतपा की शुरुआत होने वाली है। जहां ऐसी भीषण गर्मी से बचने के लिए सरकार ने भी हिदायतें जारी की हैं। वहीं, शरीर को भीतर से शीतल और संतुलित बनाए रखने के लिए श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान ने आयुर्वेद में वर्णित पारंपरिक औषधीय पेय 'धान्यक हिम' का सेवन करने की सलाह दी है।

कुलपति प्रो.धीमान ने कहा कि गर्मी,पित्त दोष और लू के प्रभाव से शरीर में असंतुलन पैदा होता है। ऐसे में 'धान्यक हिम' एक सहज,सुलभ और लाभकारी तरल पथ्य कल्पना है, जो पाचन को सुधारता है, शरीर की अग्नि को संतुलित करती है और भीतरी शीतलता प्रदान करती है। विश्वविद्यालय के स्वस्थवृत्त विभाग की ओर से भी जनसामान्य को जागरूक किया गया कि ऋतुचर्या और आहारचर्या का पालन कर ही गर्मियों में होने वाले विकारों से बचाव संभव है।

कुलपति प्रो. धीमान ने बताया कि धान्यक (धनिया),सौंफ, लौंग, इलायची, सेंधा नमक और देसी खांड जैसी सामग्रियों से बना यह पेय सिर्फ स्वादिष्ट ही नहीं, बल्कि शास्त्रीय दृष्टि से पित्त का शमन करने वाला प्रभावी उपाय है। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि हम आधुनिक शीतल पेयों की ओर आकृष्ट होने की बजाय अपनी परंपरागत औषधीय पेय प्रणाली को अपनाएं। 'धान्यक हिम' जैसे पेय स्वास्थ्य, पाचन और मन की शांति तीनों के लिए उपयोगी हैं। यह एक ऐसा आयुर्वेदिक अमृत है, जो हमें ऋतु अनुकूल जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा देता है। कुलपति ने बताया कि दिनभर में थोड़ी मात्रा (50 मिली) में तीन-चार बार धान्यक हिम का सेवन किया जाए,तो यह गर्मी से होने वाली समस्याओं जैसे डिहाइड्रेशन, बुखार, अपचन और शरीर की जलन में राहत देता है।

ग्रीन फील्ड पब्लिक स्कूल का परिणाम रहा शत पतिशत

अर्थ प्रकाश/अरविंद मोहन शर्मा

कुरुक्षेत्र, 13 मई। कुरुक्षेत्र ने एक बार फिर शैक्षणिक उत्कृष्टता की मिसाल पेश करते हुए 10वीं और 12वीं कक्षाओं में सत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम हासिल किया है। इस अभूतपूर्व उपलब्धि ने विद्यालय का नाम जिलेभर में गर्व से ऊँचा कर दिया है। कक्षा 12वीं में कला संकाय से कृष ने 97.8 प्रतिशत अंकों के साथ स्कूल टॉप किया। अभिमन्यु ने 97 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय स्थान और शगुन व योशिता ने 96.4 प्रतिशत अंकों के साथ संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया।

विज्ञान संकाय में सौरव 86.2 प्रतिशत, आशिमा 83.8 प्रतिशत और सहनीत 82 प्रतिशत अंकों के साथ क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे। वाणिज्य संकाय में रजत ने 92.6 प्रतिशत, संचित ने 91.6 प्रतिशत और आर्यन ने 91 प्रतिशत अंक प्राप्त कर क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 10वीं के परिणाम भी अत्यंत उत्कृष्ट रहे। आदित्य ने 96.4 प्रतिशत अंकों के साथ पहला स्थान प्राप्त किया, सिमर ने 95.8 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरा और डेज़ी व कसक ने 94.8 प्रतिशत अंकों के साथ संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रज्वल ने 93.2 प्रतिशत, गुरमन दीप ने 92.4 प्रतिशत, कृतिका ने 89.8 प्रतिशत और सिमरनजीत ने 89.6 प्रतिशत, आशीसप्रीत ने 88.4 त्न, अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विषयगत उपलब्धियों में शगुन ने हिंदी में 100 में से 100 अंक प्राप्त किए। कमर्शियल आर्ट में अभिमन्यु, सुमेश, तनीषा, योशिता, सौरव, सहनीत, रूपांशी और जशन सहित कई विद्यार्थियों ने 100 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

रजत और कृष ने इकोनॉमिक्स में 99 प्रतिशत, वाणी ने बिजनेस स्टडीज में 99, रजत ने फिजिकल एजुकेशन में 99, कृष ने अंग्रेजी में 98, हरमन ने पॉलिटिकल साइंस में 98, शगुन और योशिता ने इतिहास में 97 प्रतिशत, अभिमन्यु ने गणित में 87 प्रतिशत, हर्षित ने भौतिकी में 75 प्रतिशत, सौरव ने रसायन विज्ञान में 91 प्रतिशत और सौरव व जिया ने जीवविज्ञान में 88 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। इस गौरवशाली उपलब्धि पर स्कूल प्रिंसिपल डॉ. सुमिता ठाकुर ने कहा, 'यह परिणाम विद्यार्थियों की कठोर मेहनत, शिक्षकों की निष्ठा और अभिभावकों के सहयोग का प्रतिफल है। मैं सभी विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देती हूँ।' स्कूल प्रबंधन की ओर से श्री रोशन लाल गुप्ता एवं श्री वरुण गुप्ता ने विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा, 'यह उपलब्धि पूरे स्कूल समुदाय के लिए गर्व का विषय है। हम बच्चों के सुनहरे भविष्य की कामना करते हैं।' इस अवसर पर शिक्षकों ने भी हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि बच्चों की यह सफलता उनकी निरंतर मेहनत और लगन का प्रतिफल है। यह परीक्षा परिणाम न केवल स्कूल की गुणवत्ता को दर्शाता है, बल्कि आने वाले वर्षों के लिए प्रेरणा स्रोत भी बनेगा।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता भारतीय सेनाओं के पराक्रम की गाथा: राव नरबीर

सैन्य कर्मियों व उनके आश्रितों के कल्याण के लिए प्रदेश सरकार कटिबद्ध

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के सैनिक एवं अर्ध-सैनिक कल्याण मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता भारतीय सेनाओं के शौर्य एवं पराक्रम की एक और गाथा है। जिस प्रकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने धैर्य के साथ रणनीति बनाकर पहलगाम में नरसंहार करने वाले आंतकवादियों को करारा जवाब देकर एक वैश्विक नेता का परिचय दिया है। वह एक सराहनीय कार्य है।

राव नरबीर सिंह ने कहा कि सैन्य कर्मियों व उनके आश्रितों के कल्याण के लिए प्रदेश सरकार कटिबद्ध है। वर्ष 2016 में अलग से सैनिक एवं अर्ध-सैनिक कल्याण विभाग का गठन किया गया है। इस विभाग में कार्यरत अधिकारियों की सेवानिवृति आयु रक्षा मंत्रालय के दिशा-निर्देशानुसार 58 वर्ष से बढ़ाकर 60 वर्ष किया गया है। उन्होंने कहा कि युद्ध के दौरान व आईईडी ब्लास्ट में मारे गए रक्षा कर्मियों एवं केंद्रीय अर्ध–सैनिक पुलिस बल के कर्मियों को दी जाने वाली एक्सग्रेसिया राशि 50 लाख रुपये से बढ़ाकर एक करोड़ रुपये की गई है।

उन्होंने कहा कि वर्ष अक्टूबर 2014 के बाद से अब तक 410 शहीदों के आश्रितों को सरकारी नौकरी प्रदान की गई है। वर्ष 2024-25 के लिए सैनिक एवं अर्ध-सैनिक कल्याण विभाग का बजट 13540.52 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। पलवल, पानीपत, झज्जर, नूंह, फतेहाबाद, जींद, नारनौल तथा रेवाड़ी में समेकित सैनिक सदन निर्माण के प्रस्ताव पर भी कार्य किया जाएगा। राष्ट्रीय इंडियन मीलिट्री कॉलेज देहरादून में पढ़ने वाले हरियाणा के विद्यार्थियों की स्कॉलरशिप राशि 1 अप्रैल, 2017 से 35 हजार बढ़ाकर 50 हजार रुपये प्रतिवर्ष की गई है। उन्होंने कहा कि रक्षा अकादमी से सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने उपरांत कमीशन प्राप्त करने वाले हरियाणा के अधिकारियों को एक लाख रुपये का स्टाइफंड भी उपलब्ध करवाया जाता है।

राव नरबीर सिंह ने कहा कि इसी प्रकार कर्तव्य परायणता के दौरान दिया जाने वाले सेना मेडल व विशिष्ट सेवा मेडल के लिए दी जाने वाली एक मुश्त राशि को वर्ष 2014 से बढ़ाकर 1,75000 रुपये किया गया है।

निरंकारी श्रद्धालुओं द्वारा समर्पण दिवस पर बाबा हरदेव सिंह जी को श्रद्धा सुमन अर्पित

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़/पंचकुला/मोहाली। संत निरंकारी मिशन द्वारा समर्पण दिवस के अवसर पर युगदृष्टा बाबा हरदेव सिंह जी महाराज की पुण्य स्मृति में एक भावनात्मक वर्चुअल संत समागम का आयोजन किया गया। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज और निरंकारी राजपिता जी के दिव्य सान्निध्य में आयोजित इस समागम में देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं ने ऑनलाइन सहभागिता की।

समर्पण दिवस के अवसर पर सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने वर्चुअल सत्संग में श्रद्धालुओं को संबोधित किया कि सतगुरु बाबा हरदेव सिंह जी महाराज का जीवन हर क्षण प्रेम, त्याग, सेवा और शिक्षाओं से परिपूर्ण था। ऐसा ही भक्ति समर्पण वाला जीवन हम सभी का हो यह समर्पण केवल शब्दों तक सीमित न रहे, बल्कि जीवन के व्यवहार में उतरे। सतगुरु माता जी ने स्पष्ट किया कि सच्चा आदर और प्रेम केवल वाणी से नहीं, बल्कि कर्मों से प्रकट होता है। यदि हम बाबा जी की शिक्षाओं को केवल सोशल मीडिया तक सीमित रखते हैं, तो वह सच्चा समर्पण नहीं। समर्पण का वास्तविक रूप तभी प्रकट होता है जब हम अपने भीतर झांकें और आत्म-विश्लेषण करें क्या हम वास्तव में विनम्रता, क्षमा और प्रेम जैसे गुणों को जी रहे हैं? उन्होंने अपने जीवन के हर पहलू पर साध संगत को महत्ता दी।

आइए रक्तदान करें और लोगों की जान बचाने में मदद करें: सिटी मेयर

अर्थ प्रकाश /वीरेन्द्र सिंह

चंडीगढ़। सिटी मेयर श्रीमती हरप्रीत कौर बबला ने शहर के सभी नागरिकों से आह्वान किया है कि वे 14 मई 2025 को शहर के छह प्रमुख स्थानों पर आयोजित होने वाले मेगा रक्तदान शिविर में रक्तदान करें और लोगों की जान बचाने में मदद करें। मेयर ने नेक काम के लिए मेगा रक्तदान शिविर के बारे में बताते हुए कहा कि इस विशेष पहल का उद्देश्य नागरिकों में स्वैच्छिक रक्तदान की भावना को बढ़ावा देना है।

उन्होंने निवासियों से आग्रह किया कि वे आगे आएं और किसी की जान बचाने के लिए रक्तदान करें। यह हमारे सैनिकों के लिए एक श्रद्धांजलि है जो हमारी सुरक्षा के लिए बलिदान देते हैं। आपका योगदान वास्तव में एक बड़ा बदलाव ला सकता है उन्होंने कहा यह शिविर विभिन्न गैर सरकारी संगठनों, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) और मार्केट वेलफेयर एसोसिएशन (एमडब्ल्यूए) के साथ सक्रिय भागीदारी में आयोजित किया जा रहा है और सुरक्षित, स्वच्छ और कुशल रक्त संग्रह प्रक्रियाओं को सुनिश्चित करने के लिए सरकारी अस्पतालों के प्रशिक्षित स्वास्थ्य पेशेवरों द्वारा समर्थित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि रक्तदान शिविर पूरे शहर में सभी छह स्थानों पर एक साथ सुबह 9 बजे शुरू होंगे-

* सामुदायिक केंद्र, मनीमाजरा कॉम्प्लेक्स (गोबिंदपुरा) * महिला भवन, सेक्टर 38 * सेक्टर 15 मार्केट * सेक्टर 19 मार्केट * सामुदायिक केंद्र, सेक्टर 28सी * नगर निगम भवन, सेक्टर 17, चंडीगढ़। महापौर ने प्रत्येक नागरिक से इस मानवीय कारण में भाग लेने और समर्थन करने का आग्रह किया। महापौर ने कहा कि दान की गई रक्त की प्रत्येक बूंद एक जीवन बचाने और वर्दी में हमारे नायकों को सम्मानित करने की दिशा में एक कदम है।

मास्टर महिंद्र कुमार खेड़ा ने 10 बच्चों को वर्दी भेंट की

अर्थ प्रकाश /सीमा देवी

इन्द्री। राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक पाठशाला इंद्री 1 में दाखिला लेने वाले हर बच्चे को स्कूल ड्रेस मुफ्त में देने का वादा निभाते हुए सामाजिक कार्यकर्ता एवं पर्यावरण मित्र मास्टर महिंद्र कुमार खेड़ा ने 10 बच्चों को वर्दी भेंट की। मास्टर महेंद्र कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने महसूस किया कि बहुत से बच्चे वर्दी खरीद पाने में असमर्थ है और इस वजह से वह स्कूल में अपने आप को असहज महसूस करते हैं। उन्हें बराबरी का एहसास करने के लिए उनके पास स्कूल ड्रेस का होना नितांत जरूरी है। उन्होंने बताया कि बच्चे मन से बड़े कोमल होते हैं, और वह बराबरी के साथ आगे बढना चाहते हैं, लेकिन परिस्थितिवश उनकी कोमल भावना को ठेस पहुंचती है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में पढने वाले बच्चों के अधिकतर अभिभावकों की आर्थिक व सामाजिक स्थिति बेहद तंग होने के कारण उसका प्रभाव उनके बच्चों पर पड़ता है और बच्चे अपने आप को उपेक्षित महसूस करते हैं।

जब पाकिस्तान ने भारत का अपमान किया कांग्रेस ने शर्मनाक चुप्पी साध ली: संजीव राणा

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। भाजपा चंडीगढ़ के मीडिया प्रभारी संजीव राणा ने कांग्रेस पार्टी पर सीधा हमला करते हुए कहा कि 26/11 के आतंकी हमले के बाद, जब पूरा देश आक्रोश में था, तब कांग्रेस सरकार घुटनों पर थी। पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री ने भारत के प्रधानमंत्री को ÷देहाती औरत÷ कहकर पूरे देश का अपमान किया और कांग्रेस ने जवाब देने की बजाय अमेरिका की चौखट पर सिर झुका दिया।

राणा ने कहा कि कांग्रेस को जवाब देना चाहिए कि जब मुंबई जल रहा था, निर्दोष लोग मारे जा रहे थे और पाकिस्तान खुलेआम आतंकियों को पनाह दे रहा था, तब उसकी सरकार ने एक भी ठोस कदम क्यों नहीं उठाया? क्या कांग्रेस को देश की गरिमा और आत्मसम्मान से ज़्यादा अंतरराष्ट्रीय तुष्टिकरण ज़रूरी लगा?

उन्होंने कहा, 'आज वही कांग्रेस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बेहूदा आरोप लगा रही है, जिसने सत्ता में रहते हुए आतंकवादियों को 'साहब' कहा, और देश की सुरक्षा पर समझौते किए। मोदी ने देश से वादा किया था कि आतंकवाद को जड़ से उखाड़ फेंकेंगे – और उन्होंने करके दिखाया। 'पाकिस्तान की मिट्टी में मिला देंगे' केवल नारा नहीं था, वह संकल्प था – जिसे सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक के ज़रिए पूरा किया गया।'

राणा ने दो टूक कहा कि नरेंद्र मोदी का भारत न तो झुकता है, न रुकता है – और आतंकवादियों को उन्हीं की भाषा में जवाब देता है। आज भारत की विदेश नीति से लेकर सुरक्षा नीति तक, हर जगह स्पष्टता, साहस और दृढ़ता है।

उन्होंने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि अगर उसके पास राष्ट्रहित में कहने को कुछ नहीं है, तो कम से कम सेना और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चुप रहना सीखे। देश अब भावनाओं से नहीं, तथ्यों और संकल्प से चलता है – और कांग्रेस की खोखली राजनीति की अब कोई जगह नहीं बची।

मोदी ने व्यापार के लिए भारतीय महिलाओं के सिंदूर का सौदा कर दिया : दीपा दुबे

चंडीगढ़ (अप्रस)। आज पूर्व महिला कांग्रेस अध्यक्ष दीपा दुबे ने कहा की अपने 22 मिनट के राष्ट्र के संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिन चीज़ों की चर्चा नहीं की वो यह हैं ट्रम्प बार बार क्यों कह रहे हैं कि अमेरिका ने युद्ध विराम करवाया, आज तो उन्होंने यहाँ तक कहा कि उन्होंने आपको व्यापार का हवाला देकर धमकाया है?

उन्होंने आगे कहा कि जब भारतीय सेना पाकिस्तान को नाको चने चबवा रही थी, और आप ही ने कहा हमारी सेना आक्रामक कार्यवाही से पाकिस्तान बौखला गया था, तब ऐसे में आपने युद्ध विराम क्यों किया? ओर आपने ट्रम्प की कश्मीर पर मध्यस्थता की पेशकश पर कुछ नहीं कहा. क्या आपको अमेरिका की दखलंदाज़ी मंज़ूर है?

रामदरबार की समस्याओं को लेकर भाजपा मंडल अध्यक्ष चंदन चंडीगढ़ महापौर से मिले

छाया: अजय चौधरी

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। आज भाजपा मण्डल अध्यक्ष चंदन अपनी मण्डल टीम के साथ वार्ड नं 19 राम दरबार की विभिन्न समस्याओं को लेकर चण्डीगढ़ महापौर श्रीमती हरप्रीत कौर बबला से मिल कर राम दरबार मे हो रही समस्याओं पर विस्तार से जानकारी दी तथा आप पार्टी की पार्षद ने 4 वर्ष से वार्ड में कोई काम नहीं किया, इस बाबत भी उन्होंने बताया कि राम दरबार में सड़कों, पार्क, सीवरेज तथा सफाई व्यवस्था बहुत दयनीय हो गई है। वर्तमान पार्षद ने इस दिशा में कभी कोई काम नहीं किया और न ही उन्हें लगता है कि राम दरबार के निवासियों को कोई समस्या है जो कि अपने आप में एक चिंता का विषय है। चण्डीगढ़ महापौर ने राम दरबार की समस्याओं पर प्राथमिकता से जल्द काम करने का विश्वास दिलाया। मण्डल टीम से महामंत्री लवकेश कुमार, सचिव मधु , सोशल संयोजक हिमांशु महावर व सचिव मनीष उपस्थित रहे।

न्यूज़ ब्रीफ

विद्यासागर इंटरनेशनल स्कूल घरोड़ा के 12वीं के विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम रहा शानदार

फ़रीदाबाद (अप्रस)। हरियाणा में फ़रीदाबाद जिले के गांव घरौंडा स्थित विद्यासागर इंटरनेशनल स्कूल के 12 वीं के विद्यार्थियों ने शानदार परीक्षा परिणाम लाकर अध्यापकों को रिटर्न गिफ्ट दिया। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा 13 मई को कक्षा 12वीं के परिणाम घोषित किए गए। जिसमें घरोड़ा स्थित विद्यासागर इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन कर बाड़ी मारी । ह्यूमैनिटी वर्ग में कक्षा बारहवीं की तन्वी ने 96.8 फ़ीसदी पलक ने 86 फ़ीसदी और करीना ने 85.2 फ़ीसदी अंक प्राप्त किये। कॉमर्स वर्ग में कक्षा बारहवीं की ज्योति ने 83.6 फ़ीसदी, वरुण ने 78.2 फ़ीसदी और निशु ने 73.8 फ़ीसदी अंक प्राप्त किये। विज्ञान वर्ग में कक्षा बारहवीं के तन्मय ने 86.8 फीसदी,विवेक ने 81.2 फ़ीसदी और ध्रुव कुमार ने 81 फीसदी अंक प्राप्त किये। विद्यासागर इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों में 100 फीसदी अंक प्राप्त करते हुए सफलता अर्जित की। तन्वी ने टाइपोग्राफी और कंप्यूटर एप्लीकेशन में 100 अंक हासिल कर विशेष उपलब्धि हासिल की। इस अवसर पर विद्यासागर इंटरनेशनल स्कूल के निदेशक दीपक यादव ने सभी छात्रों को उनके परिश्रम व सफलता से पूरे क्षेत्र में नाम रोशन करने पर सराहना की और उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी द्य उन्होंने विद्यासागर इंटरनेशनल स्कूल घरोड़ा के शिक्षकों व शिक्षिकाओं को भी बधाई और शुभकामनाएं दी। प्रधानाचार्या श्रीमती रेखा मलिक ने भी इस परीक्षा परिणाम को विद्यार्थियों और शिक्षकों के परिश्रम का परिणाम बताया तथा सभी उत्तीर्ण छात्रों को शुभकामनाएं दी।

दसवीं-बारहवीं में एसवीएसयू सी.से. स्कूल के विद्यार्थियों का दबदबा

पलवल (अप्रस)। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय सीनियर सेकेंडरी स्कूल के 58 विद्यार्थियों ने दसवीं और 17 विद्यार्थियों ने बारहवीं कक्षा में मेरिट हासिल की। बारहवीं में 32 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी प्राप्त की, जबकि दसवीं में 14 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में पास हुए। सफल हुए विद्यार्थियों को श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सुशील कुमार तोमर और कार्यवाहक कुलसचिव प्रोफेसर आरएस राठौड़ ने शुभकामाएं दी। विद्यालय की प्रिंसिपल डॉ. श्रुति गुप्ता ने बताया कि बारहवीं में 97 प्रतिशत अंक हासिल कर रिया पहले स्थान पर रही और 95 फीसदी अंकों के साथ निशांत ने दूसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने बताया कि सचिता 89.4 अंकों के साथ तीसरे और रुचि 89 फीसदी अंक लेकर चौथे नंबर पर रही। लता ने 87.8 अंक प्राप्त कर पांचवां, चंचल ने 85.8 अंक लेकर छठा स्थान प्राप्त किया। हेमंत ने 85.6 अंक लेकर सातवां, खुशी ने 84.4 प्रतिशत अंक लेकर आठवां और श्रृष्टि ने 81.4 अंक लेकर नौवां स्थान प्राप्त किया। भारत 80.4 अंक लेकर दसवें स्थान पर रहा। डॉ. श्रुति गुप्ता ने बताया कि दसवीं में 96.6 प्रतिशत अंक लेकर माही प्रथम और 96.4 फीसदी अंकों के साथ चांदनी दूसरे स्थान पर रही। तेजस्वी शर्मा ने 96 प्रतिशत अंकों के साथ तीसरा, सोनिया ने 95.6 अंकों के साथ चौथा और नमन शर्मा ने 95.4 अंकों के साथ पांचवां स्थान प्राप्त किया। कुल 18 विद्यार्थियों के 90 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त किए।

गौतम इलेक्ट्रॉनिक्स ने लिखा सुनहरी इतिहास लकी ड्रा में निकाली प्लैटिना मोटरसाईकिल

अर्थप्रकाश/रविन्द्र गिरी गोस्वामी

घरौंडा। शिव चौंक रेलवे रोड घरौंडा मे श्री गौतम इलेक्ट्रॉनिक्स एंड फर्नीचर ने मां भगवती की असीम अनुकम्पा व गुरुदेवों के पावन आशीर्वाद तथा श्री गौतम इलेक्ट्रॉनिक्स के संरक्षक पिताजी श्री धर्मपाल सचदेवा की अगुवाई मे दिवाली से चल रही लक्की ड्रा स्कीम के अंतर्गत एक भव्य समारोह आयोजित किया गया जिसमे प्रिय मित्र परम हितेषी नरेंद्र राणा व परम सखा व अन्तेवासी धीरज भटिया जी तथा परम स्नेही बड़े भ्राता श्री रामप्रीत मेहतो जी ने हमारे छोटे से निमंत्रण को स्वीकार करते हुए समारोह की रौनकों मे चार चांद लगा दिये ओर बजाज फाइनेंस की तरफ से ए एस एम श्री मुकेश चौरसिया जी तथा एस एम प्रीतम गहलावत जी मौजूदगी ने कार्यक्रम को ओर भव्यता प्रदान करते हुए हमे खुशियों से सराबोर कर दिया कार्यक्रम की लाइव कवरेज करने के लिए शहर के सबसे बड़े न्यूज चैनल जी एन ए 24 न्यूज को कार्यक्रम की बेहतरीन कवरेज के लिए आमंत्रित किया गया कार्यक्रम की शुरुआत मंच संचालन करके विधिवत ढंग से की गई जिसमे 41 इनाम निकाले गये कालरम गांव के गुलशन कुमार ने मोटर साईकल पर अपना कब्जा जमाया कालरम गांव के ही प्रवीण नंदवाल ने डबल डौर फ्रिज पर पर अपना नाम् लिखवाया ,वाशिंग मशीन घड़ी भरल के संजय कुमार के हिस्से में आई ,मोबाइल रसीन के इसरान ने जीता, 55 एल ई डी पनौड़ी के बिट्टू के हिस्से में आई ,आटा चक्की केमला वासी भोपाल को मिली सभी इतना बड़ा कार्यक्रम देखकर दंग रह गए सभी ने बार बार श्री गौतम इलेट्रॉनिक्स एंड फर्नीचर का धन्यवाद किया ओर ऐसे कार्यक्रम ज्यादा से ज्यादा करने की अपील की अंत मे श्री गौतम इलेक्ट्रॉनिक्स एंड फर्नीचर के संचालक संजय सचदेवा ने सभी का धन्यवाद करते हुए अगले लक्की ड्रा की घोषणा करते हुए कहा कि मैं आप सभी द्वारा दिये गये प्यार विश्वास तथा सहयोग से अभिभूत हुँ ओर आप सभी का बार बार धन्यवाद करता हूँ तथा अब तो हमे 41 इनाम निकाले जो आगे दिसंबर में निकालेंगे उसमे 51 इनाम निकालेंगे जिसमे 7 इनाम बड़े होंगे ओर हमारी कोशिश रहेगी इस प्रकार के कार्यक्रम ज्यादा से ज्यादा होते रहे।

आर एल एस इंटरनेशनल स्कूल का शानदार प्रदर्शन कक्षा 10वीं और 12वीं का शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम

अर्थ प्रकाश संवाददाता

घरौंडा। आर एल एस इंटरनेशनल स्कूल कालरों एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक परंपरा को कायम रखते हुए सीबीएसई बोर्ड की कक्षा 10वीं और 12वीं के परीक्षा परिणामों में शत-प्रतिशत सफलता प्राप्त करने में सफल रहा है। यह परिणाम विद्यार्थियों की कठिन मेहनत, शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन और अभिभावकों के निरंतर सहयोग का प्रतिफल है। स्कूल प्रबंधन ने इस उपलब्धि को विद्यालय के गौरव का प्रतीक बताया है।

कक्षा 10वीं के परिणामों की बात करें तो रूद्र राणा ने 97.4 फीसदी अंक प्राप्त कर टॉप स्थान हासिल किया। उनके अलावा अंशिका ने 86.6त्न, अंशुल भोरिया ने 86.4फीसदी, अरमान ने 85फीसदी, भव्या रानी ने 84फीसदी, तमन्ना ने 83.4फीसदी, वीर प्रताप सिंह ने 82.2फीसदी, तुषार राणा ने 81.8फीसदी और ध्रुव बांगर ने 79.6फीसदी अंक अर्जित किए। इन विद्यार्थियों के प्रदर्शन ने यह सिद्ध कर दिया है कि निरंतर परिश्रम और सही मार्गदर्शन से हर लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

कक्षा 12वीं में भी सभी संकायों में विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया।

वाणिज्य संकाय में सृष्टि गिरधर और संजम सिंह कपूर ने 95.2फीसदी अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया। प्रीति राणा ने 91.8फीसदी और नंदनी राणा ने 85.2फीसदी अंक अर्जित किए।

विज्ञान संकाय में प्राची राणा ने 84.8फीसदी, वंशिका बांगर ने 83फीसदी और हर्ष शर्मा ने 81.4फीसदी अंकों के साथ सफलता हासिल की।

कला संकाय में कार्तिकेय शर्मा ने 86.6फीसदी, दिव्या शर्मा ने 80.2फीसदी और रीया राणा ने 79.2फीसदी अंक प्राप्त किए।

विद्यालय की चेयरपर्सन श्रीमती संतोष यादव जी, निदेशक श्री जितेंदर राणा जी एवं प्रधानाचार्या संगीता यादव जी ने सभी विद्यार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह परिणाम विद्यार्थियों की लगन, अनुशासन और अध्यापकों की कठिन मेहनत का परिणाम है। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा केवल परीक्षा में प्राप्त अंकों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि छात्रों के सर्वांगीण विकास की दिशा में कार्य करना ही विद्यालय का मुख्य उद्देश्य है।

एसओएस चिल्ड्रन्स विलेजेज इंडिया ने फरीदाबाद की 300 से अधिक संवेदनशील परिवारों को सशक्त किया, जिनकी आय लगभग तीन गुना हुई

अर्थ प्रकाश /दयाराम वशिष्ठ

फरीदाबाद। फरीदाबाद के 312 संवेदनशील परिवार, जिनके पुरुष सदस्य प्रायः दिहाड़ी मजदूरी करते हैं, ने एसओएस चिल्ड्रन्स विलेजेज इंडिया के फैमिली स्ट्रेंथनिंग प्रोग्राम की मदद से अपनी मासिक आय को स्थिर किया है और उसे निरंतर बढ़ाया है। जो परिवार पिछले पांच वर्षों या उससे अधिक समय से इस कार्यक्रम का हिस्सा हैं, उनकी आय में औसतन 280त्न की वृद्धि हुई है।

एफएसपी कार्यक्रम 2008 से फरीदाबाद में संचालित है और आज यह जिले के कई क्लस्टर्स जैसे ग्रीनफील्ड्स, ऑटोपिन और नूंह में कार्यरत है। अब तक एसओएस चिल्ड्रन्स विलेजेज इंडिया ने गुरुकुल, ऑटोपिन और नूंह में कुल 859 परिवारों और केवल फरीदाबाद शहर में 312 परिवारों को सहायता प्रदान की है।

एसओएस चिल्ड्रन्स विलेजेज इंडिया 2003 से ग्रामीण गांवों और शहरी झुग्गियों में वंचित समुदायों के साथ मिलकर काम कर रहा है। एफएसपी वर्तमान में देशभर में 22 राज्यों में 28 स्थानों पर संचालित है।

एसओएस चिल्ड्रन्स विलेजेज इंडिया के सीईओ सुमंत कर ने कहा कि फरीदाबाद की महिलाएं, जिन्हें हमारे फैमिली स्ट्रेंथनिंग प्रोग्राम का समर्थन मिला है, अब अधिक आत्मविश्वास और स्वतंत्रता के साथ परिवार की आय और निर्णयों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। सशक्त स्वयं सहायता समूहों के पास अब 5 से 7 लाख रुपये का कोष है, और हर परिवार के पास कम से कम एक बैंक खाता है। इसके अलावा, सभी बच्चे स्कूल में नामांकित हैं, ड्रॉपआउट शून्य है, और परिवार अब शिक्षा व पोषण की जिम्मेदारी स्वयं निभा रहे हैं। नियमित स्वास्थ्य जांच, शिविर और राशन सहायता प्रदान की जाती है। बाल पंचायतें बच्चों में नेतृत्व विकसित कर रही हैं और उन्हें जागरूकता व समुदाय सुधार प्रयासों में भाग लेने के लिए प्रेरित कर रही हैं, जिससे समुदाय में समग्र सशक्तिकरण और सतत विकास सुनिश्चित हो रहा है।÷

हमारी समग्र दृष्टिकोण में आय सृजन, आजीविका सशक्तिकरण, शिक्षा, युवा रोजगार क्षमता, स्वास्थ्य देखभाल, पोषण और समुदाय-आधारित पहलों को शामिल किया गया है। 2024 में, हमने भारतभर में 72,616 प्रतिभागियों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया, जिनमें से 35,924 बच्चे और युवा थे।'

एफएसपी के बारे में÷ एफएसपी स्थानीय प्राधिकरणों, क्षेत्रीय दौरों, समुदाय सहभागिता और पारिवारिक साक्षात्कारों के माध्यम से 5-12 वर्ष की आयु के उन बच्चों और युवाओं की पहचान करता है, जो माता-पिता की देखभाल खोने के खतरे में हैं। लाभार्थियों का चयन दस्तावेजों द्वारा मूल्यांकन और फैमिली डेवलपमेंट प्लान के आधार पर किया जाता है।

एसओएस चिल्ड्रन्स विलेजेज इंडिया के बारे में

1964 में स्थापित, एसओएस चिल्ड्रन्स विलेजेज इंडिया उन बच्चों को गुणवत्तापूर्ण देखभाल सेवाओं की एक श्रृंखला प्रदान करता है जो माता-पिता की देखभाल से वंचित हैं या उसके खतरे में हैं। हमारा उद्देश्य सिर्फ बाल देखभाल नहीं, बल्कि समग्र बाल विकास सुनिश्चित करना है। हमारे वैयक्तिकृत देखभाल हस्तक्षेपों में फैमिली लाइक केयर, फैमिली स्ट्रेंथनिंग, किनशिप केयर, शॉर्ट स्टे होम्स, फोस्टर केयर, यूथ स्किलिंग, इमरजेंसी चाइल्डकेयर और स्पेशल नीड्स चाइल्डकेयर शामिल हैं। संगठन कमजोर परिवारों को आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनने के लिए सशक्त करता है, ताकि वे बच्चों के लिए सुरक्षित और पोषणपूर्ण माहौल बना सकें। आज, 6,500 से अधिक बच्चे, देशभर में फैले 32 एसओएस चिल्ड्रन्स विलेजेज में 440 से अधिक परिवारों में रहते हैं। इन बच्चों की देखभाल एसओएस माताओं और आंटियों द्वारा की जाती है। भारत की सबसे बड़ी स्वयं-क्रियान्वित बाल देखभाल एनजीओ के रूप में, एसओएस चिल्ड्रन्स विलेजेज इंडिया प्रति वर्ष 65,000 से अधिक बच्चों को सशक्त करता है और अब तक 83,000 से अधिक जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाल चुका है।

भारतीय सेना की शौर्य गाथा को घर-घर तक पहुंचाएगी भाजपा : मोहन लाल बड़ौली

सैनिकों के सम्मान में 14 से 23 मई तक प्रदेश भर में निकाली जाएंगी तिरंगा यात्राएं : बड़ौली

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 13 मई। भारतीय जनता पार्टी ''ऑप्रेशन सिंदूर'' की सफलता पर प्रदेशभर में तिरंगा यात्रा निकालेगी। तिरंगा यात्रा के दौरान भारतीय सेना के पराक्रम और शौर्य गाथा को घर-घर तक पहुंचाया जाएगा। हरियाणा में मंगलवार को पंचकूला में प्रदेश स्तरीय तिरंगा यात्रा निकालकर शुभारंभ किया गया। इस तिरंगा यात्रा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली, मंत्री, विधायक और सामाजिक संगठनों ने भाग लिया।

हरियाणा में निकाली जाने वाली तिरंगा यात्रा के शैड्यूल की जानकारी देते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि 14 और 15 मई को लोकसभा स्तर पर तिरंगा यात्राएं निकाली जाएंगी। 16 और 17 मई को सभी संगठनात्मक 27 जिलों में तिरंगा यात्राएं आयोजित होंगी। श्री बड़ौली ने कहा कि 18 मई से 23 मई तक विधानसभाओं, बड़े शहरों व कस्बों में सैनिकों के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकाली जाएंगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि ऑप्रेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने पाकिस्तान में आतंकियों के ठिकानों को ध्वस्त किया और आतंकवादियों को मौत के घाट उतारा। आतंकवाद के खिलाफ इस युद्ध में हमारी सेना ने शौर्य और पराक्रम का परिचय देते हुए आतंकवादियों को माटी में मिला दिया। श्री बड़ौली ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और भारतीय सेना के साहस को सलाम करते हुए कहा कि आज पूरा देश पीएम मोदी और सेना के साथ एकजुटता से खड़ा है।

श्री बड़ौली ने कहा कि हमारी सेना ने तकनीकी का सही इस्तेमाल किया और पाकिस्तान के हर हमले को नाकाम किया। पाकिस्तान को निशाने पर लेते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की सेना आतंकियों के पक्ष में खड़ी हुई है। श्री बड़ौली ने कहा कि पीएम मोदी ने भी कहा है कि अभी आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई बंद नहीं हुई है। ऑप्रेशन सिंदूर आतंकवाद के खिलाफ शुरूआत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे विश्व को बता दिया है कि भारत आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा।

अब फसलों के बीज के थैलों पर लगेगा 'बार कोड टैग'

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 13 मई। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने बताया कि अब फसलों के बीज के थैलों पर 'बार कोड टैग' लगाया जाएगा। इस बार कोड को स्कैन करके बीज के निर्माता से लेकर वजन, किस्म (प्रजाति) आदि के बारे में विस्तृत जानकारी मिल सकेगी। सरकार का यह महत्वपूर्ण कदम है , इससे नकली बीज पर अंकुश लगाने में मदद मिल सकेगी।

राणा ने बताया कि आज विभाग की हाई पावर परचेज कमेटी में इस 'बार कोड टैग' की खरीद के लिए एक कंपनी को टेंडर देने की स्वीकृति दी गई है।

इस अवसर पर कमेटी में उनके अलावा , शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा , कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री राजा शेखर वुंडरू, निदेशक श्री राजनारायण कौशिक, हरियाणा राज्य बीज प्रमाणीकरण एजेन्सी के निदेशक डॉ. कुलदीप डबास भी उपस्थित थे।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने बताया कि 'हरियाणा राज्य बीज प्रमाणीकरण एजेंसी' द्वारा पंजीकृत बीज उत्पादकों को उनके प्रमाणित बीज के आगे बेचने के लिए अपनी सेवाएं प्रदान की जाती हैं। यह बीज भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के तहत उत्पादित किया जाता है। पूरी प्रक्रिया से गुजरने के बाद उत्पादित बीज को बिक्री के लिए पैक किया जाता है। इस बीज को पैक करते समय उक्त एजेंसी द्वारा जारी एक टैग को बैग पर सिलना होता है। टैग पर बीज से संबंधित पूरी जानकारी दर्ज की जाती है। उन्होंने बताया कि अभी तक इन टैग को प्रिंट किया जा रहा है और जानकारी को मैन्युअल रूप से दर्ज किया जा रहा है और बीज बैग के साथ सिला जा रहा है। श्री श्याम सिंह राणा ने आगे बताया कि हाल ही में भारत सरकार ने केंद्रीकृत 'साथी' (बीज प्रमाणीकरण, पता लगाने की क्षमता और समग्र सूची) पोर्टल शुरू किया है जिसमें बीज प्रमाणीकरण की पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन स्वचालित किया गया है।

राज्य मंत्री ने किया राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान का निरीक्षण

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में कौशल पाने वाले विद्यार्थियों का भविष्य सुरक्षित : गौरव गौतम

अर्थ प्रकाश/सुभाष जैन

पानीपत, 13 मई। हरियाणा के खेल, युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता राज्य मंत्री गौरव गौतम ने मंगलवार को जीटी रोड़ स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान का औचक निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

राज्य मंत्री ने कहा कि जो विद्यार्थी राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानो में कौशल का प्रशिक्षण ले रहे हैं उन विद्यार्थियों का भविष्य उज्जवल है। सरकार ऐसी प्रशिक्षण केंद्रों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने को लेकर कटिबद्ध है। राज्य मंत्री ने औचक निरीक्षण के दौरान प्रशिक्षण केंद्र की मैकेनिकल वर्कर, ऑटोमोबाइल वर्कशॉप का भी निरीक्षण किया व विद्यार्थियों से उनके काम और प्रशिक्षण के बारे में जानकारी हासिल की।

मंत्री ने कई विद्यार्थियों से प्रशिक्षण केंद्र में पहुंचने का समय भी जाना व उनके प्रशिक्षण के बारे में भी उनसे जानकारी ली। मंत्री ने निरीक्षण करते हुए लड़कियों से इलेक्ट्रिकल विंग के प्रशिक्षण इत्यादि के बारे में भी जानकारी ली। मंत्री ने प्रशिक्षण केंद्र में जो सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है उनकी जानकारी ली व कहा कि इसमें और विस्तार किया जाएगा व बिल्डिंग का भी जीर्णोद्धार करने का उन्होंने आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रशिक्षण केंद्रों का सुधार करना व विद्यार्थियों को अच्छा प्रशिक्षण दिलाना है ताकि वे कौशल में और आगे बढ़ सके।

इस मौके पर स्टाफ के कुछ सदस्यों ने राज्य मंत्री से स्टाफ क्वार्टर बनवाने का भी अनुरोध किया जिस पर मंत्री ने प्रस्ताव भेजने के लिए कहा। मंत्री ने परिसर में शौचालय को और दुरुस्त करने व साफ सफाई करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान प्राचार्य विक्रम ने मंत्री को प्रशिक्षण केंद्र की ट्रेड के बारे में बताया व इस बात की भी जानकारी दी कि यहां से उत्तीर्ण होने के बाद बच्चों का किस क्षेत्र में भविष्य सुरक्षित है।

न्यूज ब्रीफ

स्वः रमेश गर्ग की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर कल

टोहाना (अप्रस/संजीव सिंगला)। स्वर्गीय श्री रमेश गर्ग उर्फ (मेशा) जी की पुण्यतिथि पर दिनांक 15 मई 2025 दिन वीरवार समय 9:00 बजे से 2:00 बजे तक थैलेसीमिया से पीड़ति बच्चों के लिए नई अनाज मंडी में श्री बालाजी मंदिर के प्रांगण में एक खून दान कैंप लगाया जा रहा है। जिसमें सारे शहर के नौजवान वह समाजसेवी ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचकर हमारे पूजनीय रमेश गर्ग उर्फ (मेशा)जी को उनकी पुण्यतिथि पर अपने शारदा के पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दें। हमारे पूजनीय रमेश गर्ग जी एक ऐसे व्यक्ति थे जो कि सिर्फ अपने ही समाज के लिए नहीं अपितु हर वर्ग के कल्याण के लिए सदैव अपना समय व भिलाई के कार्य करने में विश्वास करते थे आइए हम सब इस पुनीत कार्य में हम सब अपना योगदान दें।

स्व. सुशीला देवी जैन के जन्मदिन पर लगाया रक्तदान शिविर

रोहतक (अप्रस/सुकरमपाल)। एल.पी.एस. बौसार्ड व हरिओम सेवा दल रोहतक द्वारा आयोजित दिल्ली रोड पर स्थित जाट कॉलेज के बाहर एल.पी.एस. बौसार्ड के डायरेक्टर राजेश जैन की माता स्व. श्रीमती सुशीला देवी जैन के जन्म दिन के अवसर पर स्वच्छ रक्तदान शिविर व पानी की छबील का आयोजन किया गया। एल.पी.एस. बौसार्ड से आई रक्तदान वाहन में मैडिकल के डाक्टरों की टीम के द्वारा लगा गया। हरिओम सेवा दल के मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया शिविर में 85 लोगों ने रजिस्टैऊशन करवाया व 58 लोगों ने अपना रक्तदान किया। शिविर में महिलाओं ने भी बढ़चढ़ कर भाग लिया व रक्तदान भी किया। इसके साथ साथ जरूरतमंद छात्र को साईकिल भेंट की गई जो कि काफी समय से स्कूल में आने जाने के लिए जरूरत थी और उसकी जरूरत को पूरा किया गया। मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया रक्तदान शिविर के मुख्य अतिथि एलपीएस बौसार्ड के एम.डी. राजेश जैन, समिति के प्रधान डा. अनिल शर्मा, अश्विनी पाहवा व सभी सदस्यों ने भगवान गणेश जी के सक्षम द्वीप प्रजवलित कर रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। रक्तदान शिविर में योगश अरोड़ा, विजय खुराना, अश्विनी पाहवा, संजय खुराना,एन.के. भुटानी, जगत सिंह गिल, रिया, राजिन्द्र, शीतल, सन्नी निझावन, राजीव जैन आदि मौजूद थे।

जयराम पब्लिक स्कूल का परिणाम रहा शत-प्रतिशत

कुरुक्षेत्र (अप्रस/राजकुमार वालिया)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) का 12वीं कक्षा और 10वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। देश के विभिन्न राज्यों में संचालित श्री जयराम संस्थाओं के परमाध्यक्ष एवं श्री जयराम शिक्षण संस्थान के चेयरमैन ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी की प्रेरणा से श्रीमती केसरी देवी लोहिया जयराम पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने सीबीएसई परीक्षा परिणाम में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। जयराम पब्लिक स्कूल का 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। विज्ञान वर्ग में रविंद्र ने 94.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान, गुंजन ने 87.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान, खुशप्रीत कलेर ने 85 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। वाणिज्य संकाय में नैंसी ने 94.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान, दीप्ति ने 92.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान, रितिका ने 91.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया।

नगर परिषद अधिकारियों की मिली भगत से बन रही हैं अवैध बिल्डिंग

अर्थ प्रकाश/संजीव सिंगला

टोहाना, 13 मई। शहर में चारों ओर आप कहीं भी किसी भी जगह चाहे वह गुरुद्वारा गली हो या रतिया रोड या संतोख कॉलोनी, जमालपुर रोड, मेडिकल एनक्लेव हर जगह आपके शहर में बड़ी-बड़ी नई बिल्डिंग बनती हुई दिखाई देगी। इन बनने वाली बड़ी-बड़ी बिल्डिंग सरकार के सभी नियम व शर्तें दरकिनार कर कर बनाई गई हैं। इन सभी बिल्डिंग के कौन नक्शे पास कर रहा है कई ये नव निर्माण बिल्डिंग एरिया रेजिडेंशियल एरिया में दुकान बनाई जा रही हैं क्या यह वेध है जब यह बनकर तैयार हो जाएगी फिर अधिकारियों की आंखें खुलेगी फिर तोड़ने पीला पंजा लेकर विभाग आ जाता है क्यों पहले ही अधिकारियों को अपने वातानुकूलित कमरों से बाहर निकाल कर इन चल रहे अवैध बिल्डिंग के निर्माण कार्यों को रोकना नहीं चाहिए यह बिल्डिंग बनाने वाले कुछ अधिकारियों से मिलकर सरकार के करोड़ों रुपए के राजस्व का भी नुकसान पहुंचा रहे हैं। टोहाना शहर में चार-चार मंजिली बिल्डिंग के आसमान को छुती हुई मंजिलें बन रही हैं क्या इन सब बिल्डिंगों के नक्शे पास हुए हैं। टोहाना नगर परिषद में तो खुले आम ही भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है भ्रष्टाचार के कार्य से ही शहर में अवैध निर्माण चल रहे हैं अगर सी एम फ्लाइंग या अन्य एजेंसियां टोहाना नगर परिषद में सिर्फ निर्माण कार्यों के नक्शे संबंधी दस्तावेज की जांच करें तो करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार सामने आ सकता है नगर परिषद के अधिकारियों का इन निर्माणाधीन भवनों की जांच ना करना और अवैध निर्माण को होते हुए भी ना रोकना अधिकारियों की मिली भगत की तरफ इशारा करता दिख रहा है।

बेटी बचाओं-बेटी पढ़ाओं कार्यक्रम के अन्तर्गत गांवों में विशेष तौर पर चलाया जाएगा जागरूकता अभियान : एसएमओ

अर्थ प्रकाश/सुशील कुमार

शहजादपुर, 13 मई। बेटी बचाओं-बेटी पढाओं कार्यक्रम के अन्तर्गत उन गांवों में विशेष तौर पर जागरूकता अभियान चलाया जाए जिनमें लिंगानुपात कम है। इसके लिए ग्रामीण क्षेत्रों में सरपंच, पंच व गांव के लोगों के साथ विचार गोष्ठीयां आयोजित की जाए। यह निर्देश सीएचसी शहजादपुर के एसएमओं डॉ. गुरप्रीत सिंह ने स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों के साथ आयोजित बैठक में दिये। बैठक में एएसएमओं विनोद कुमार ने भी बेटी बचाओं-बेटी पढाओं कार्यक्रम व लिंगानुपात में वृद्धि को लेकर जरूरी दिशा-निर्देश दिये।

सोमवार को आयोजित इस बैठक में सभी पीएचसी के प्रभारी, सीएचओ, एएनएम तथा आशा वर्कर मौजूद रहे। बैठक में सीएचसी क्षेत्र के उन गांवों के स्वास्थ्य कर्मीयों को जरूरी दिशा-निर्देश दिये गये जिनका लिंगानुपात 800 से कम है। इन गांवों में विशेष तौर पर जागरूकता अभियान चलाने को कहा गया।

एसएमओं डॉ. गुरप्रीत सिंह ने कहा कि यह बड़ा ही चिंता का विशेष है कि कुछ गांवों में लिंगानुपात कम है, इसके लिए ग्रामीण महिलाओं ओर पुरूषों को बताया जाए कि आज के समय में बेटा-बेटी एक समान है और प्रत्येक क्षेत्र में आज महिलाएं आगे बढ कर अपनी काबलियत का लौहा मनवा रही है।

उन्होंने कहा कि देश की सरहदों की रक्षा में भी महिलाएं पीछे नहीं है। उन्होंने कहा कि बेटीयों को समान अवसर दिये जाए और उन्हें उनकी योग्यता अनुसार आगे बढने के लिए प्रेरित किया जाए।

बैठक में यह भी कहा गया कि सभी पीएचसी प्रभारी गांवों में सरपंच, पंच एवं गणमान्य व्यक्तियों के साथ मीटिंग आदि कर जागरूकता कार्यक्रम चलाये और स्कूलों में इस सम्बंध में चर्चा के साथ-साथ जागरूकता से सम्बंधित विशेष प्रतियोगिताएं आयोजित करवायें।

नेफ्रोलॉजी, यूरोलॉजी हेल्थ चेकअप कैंप में 60 मरीजों का चेकअप किया

अंबाला (अप्रस/रवि पाहुजा)। पार्क हीलिंग टच हॉस्पिटल, अंबाला में नेफ्रोलॉजी और यूरोलॉजी हेल्थ चेकअप कैंप में 60 से अधिक मरीजों का चेकअप किया गया। कैंप का नेतृत्व नेफ्रोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. ज्योति अग्रवाल और यूरोलॉजी विशेषज्ञ डॉ तेजेंदर पाल सिंह खुराना ने किया। कैंप का उद्देश्य आम जनता को किडनी और यूरोलॉजिकल स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और समय पर रोग की पहचान व उपचार सुनिश्चित करना था। शिविर में 32 से 80 वर्ष तक के मरीजों की जांच की गई, जिनमें झागदार पेशाब, उच्च रक्तचाप, डायबिटीज से जुड़ी किडनी समस्याएं, क्रोनिक किडनी डिजीज, किडनी स्टोन और प्रोस्टेट ग्रंथि का बढ़ना जैसे लक्षण प्रमुख रूप से सामने आए।

शैक्षणिक संस्थान का नैतिक दायित्व समाज के वंचित एवं उपेक्षित वर्ग के उत्थान हेतु कार्य करना भी होता है : कुलपति

अर्थ प्रकाश/सुकरमपाल

रोहतक, 13 मई। समाज सेवा की भावना को केंद्र में रखते हुए बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय रोहतक एवं जिला रेड क्रॉस सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में गांव मोखरा (खेडी) में एक दिवसीय निशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं सहायता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के यूथ रेड क्रॉस विंग वॉलंटियर्स व नर्सिंग स्टाफ ने भाग लिया। इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीण समुदाय, विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों एवं जरूरतमंद ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाएं एवं सहायक उपकरण पहुँचाना था। इस शिविर में चिकित्सकीय परीक्षण के साथ-साथ जरूरतमंद लाभार्थियों की पहचान कर उन्हें आवश्यक सहायक उपकरण जैसे व्हीलचेयर, वॉकर, छड़ी, बैस कमोड स्टूल, कमर व घुटनों की बेल्ट, कान की मशीन आदि प्रदान करने हेतु सूचीबद्ध किया गया। चयनित लाभार्थियों को आगामी 15 मई को रेड क्रॉस भवन रोहतक में आयोजित विशेष शिविर में ये उपकरण निशुल्क वितरित किए जाएंगे। यह वितरण कार्यक्रम केंद्र सरकार और जिला प्रशासन के सहयोग से संपन्न होगा। शिविर में आधुनिक सर्वेक्षण प्रणाली द्वारा बुजुर्गों की स्वास्थ्य स्थिति का मूल्यांकन कर विस्तृत सूची तैयार की गई। इस सूची के आधार पर आगामी शिविर में पात्र लाभार्थियों को मौके पर ही उनकी जरूरत के अनुसार उपकरण उपलब्ध करवाए जाएंगे। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) एच. एल. वर्मा ने इस अवसर पर कहा कि किसी भी शैक्षणिक संस्थान का कार्यक्षेत्र केवल शिक्षण-प्रशिक्षण तक सीमित नहीं होता, बल्कि उसका नैतिक दायित्व समाज के वंचित एवं उपेक्षित वर्ग के उत्थान हेतु कार्य करना भी होता है। उन्होंने कहा कि ऐसे सेवा कार्यों से छात्रों में मानवीय मूल्यों की समझ विकसित होती है और वे एक जिम्मेदार नागरिक बनते हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय की यूथ रेड क्रॉस विंग के छात्रों के समर्पण और सेवा भावना की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से युवा वर्ग प्रेरित होता है और समाज सेवा के लिए आगे आता है। जिला रेडक्रॉस सचिव श्याम सुंदर शर्मा ने कहा कि रेड क्रॉस का मूल उद्देश्य जरूरतमंदों तक सहायता पहुँचाना है।

स्वास्थ्य विभाग एवियन इंफ्लुएंजा के मानव प्रभावों की गहन समीक्षा करे: मुख्यमंत्री योगी

अर्थ प्रकाश/विजय कुमार निगम

लखनऊ। प्रदेश में एच5 एवियन इंफ्लुएंजा (बर्ड फ्लू) संक्रमण की आशंका को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज संबंधित अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि प्रदेश के समस्त प्राणी उद्यानों, पक्षी विहारों, नेशनल पार्कों, वेटलैंड क्षेत्रों और गो-आश्रय स्थलों में संरक्षित पशु-पक्षियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता पर सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस संक्रमण को रोकने के लिए केंद्र व राज्य सरकार की गाइडलाइनों के अनुरूप सभी आवश्यक कदम तत्परता से उठाए जाएं।

मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि प्राणी उद्यान परिसरों को नियमित रूप से सैनेटाइज किया जाए और आवश्यकतानुसार ब्लो टॉर्चिंग की प्रक्रिया भी अपनाई जाए। सभी वन्य जीवों एवं पक्षियों की जांच की जाए, और उनके आहार की गहन जांच के उपरांत ही उन्हें भोजन उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि सभी कर्मचारियों को एवियन इंफ्लुएंजा से संबंधित विस्तृत जानकारी दी जाए तथा उन्हें पीपीई किट सहित आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए जाएं। बाड़ों में नियुक्त कर्मचारियों की ड्यूटी इस जोखिम के स्तर को ध्यान में रखते हुए तय की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के सभी पोल्ट्री फार्मों की मानकों के अनुरूप विशेष निगरानी की जाए और पोल्ट्री उत्पादों के आवागमन पर सतत नियंत्रण रखा जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि एच5 एवियन इंफ्लुएंजा के मनुष्यों पर पड़ने वाले प्रभावों की भी स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से गहन समीक्षा की जाए ताकि संक्रमण की कोई भी कड़ी मानव समाज तक न पहुंच पाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण, नई दिल्ली, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, स्वास्थ्य मंत्रालय, मत्स्यपालन एवं डेयरी विभाग, भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर (बरेली) आदि से लगातार संपर्क बनाकर सुझाव लिए जाएं और आवश्यकतानुसार क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। श्री योगी ने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि जिला प्रशासन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी और मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी के बीच समन्वय को सशक्त बनाया जाए ताकि सभी निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित हो सके।

महिला विंग की राज्यतरीय बैठक में अनेक मुद्दों पर हुई चर्चा

अर्थ प्रकाश / बोम्मा रेड्डी

अमरावती। पिछले कुछ दिनों सेराज्य में पुलिस की ज्यादती और घर में और विरोध कायम रहा पूर्व स्वास्थ्य मंत्री के विरोध मेंशहर थाना प्रभारीकी अति उत्साहआपत्तिजनक बर्बरता को लेकर पूरे राज्य में दिनभर दिन धरने और आंदोलन जारी है। जिस मामले के बाद वाईएसआरसीपी राज्य स्तरीय महिला विंग ने अपने ताडेपल्ली पार्टी केंद्रीय कार्यालय में राज्य स्तरीय बैठक आयोजित की। जिसकी अध्यक्षता महिला विंग की अध्यक्ष और एमएलसी वरुदु कल्याणी ने की, जिसका उद्देश्य वाईएस जगन मोहन रेड्डी के जन-केंद्रित शासन को बहाल करने के लिए महिला नेताओं को एकजुट करना था। उपस्थित लोगों में राज्य समन्वयक सज्जला रामकृष्ण रेड्डी, संबद्ध विंग प्रभारी चेविरेड्डी भास्कर रेड्डी, पूर्व मंत्री आरके रोजा और तानेती वनिता, एमएलसी कल्पलता रेड्डी और लेला अप्पी रेड्डी, जिला परिषद अध्यक्ष, महापौर, पूर्व विधायक, एमएलसी और महिला विंग की नेता शामिल थीं।

वरुदु कल्याणी ने महिलाओं से गठबंधन के भ्रामक शासन के खिलाफ 'जगन्ना की सेना' बनाने का आग्रह किया। उन्होंने गठबंधन के विश्वासघात की निंदा करते हुए कहा, चंद्रबाबू के शासन ने महिलाओं को निराश किया है, जगन्ना के सशक्तीकरण की जगह 'सुपर सिक्स' के वादे गांजा, ड्रग्स और अत्याचार के अलावा कुछ नहीं हैं। हम जगन्ना के शासन 2.0 के लिए लड़ेंगे। पूर्व मंत्री आरके रोजा ने गठबंधन के शासन को 'नरकासुर का अत्याचार' कहा और इसे समाप्त करने की कसम खाई। उनके 'सुपर सिक्स' का मतलब अराजकता और झूठे मामले हैं। जगन्ना ने वादों से बढ़कर काम किया। हम उनके अगले कार्यकाल में न्याय सुनिश्चित करेंगे, उन्होंने अवैध मामलों के डर को खारिज करते हुए कहा। पूर्व गृह मंत्री तानेटी वनिता ने जगनमोहन रेड्डी के पारदर्शी शासन पर जोर देते हुए महिलाओं के संकल्प की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, झूठे प्रचार की हमें कीमत चुकानी पड़ी, लेकिन हम जगन्ना की उपलब्धियों को फैलाने और गठबंधन के झूठ को उजागर करने के लिए अपने जमीनी स्तर को सक्रिय करेंगे। सज्जला रामकृष्ण रेड्डी ने डॉ. वाईएस राजशेखर रेड्डी के आदर्शों में वाईएसआरसीपी की जड़ों पर प्रकाश डाला। उन्होंने आग्रह किया, जगनमोहन रेड्डी का महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण क्रांतिकारी था। 18 लाख सक्रिय सदस्यों के साथ, हम लोगों से जुड़ेंगे। महिलाओं को सोशल मीडिया का उपयोग करके गठबंधन उत्पीड़न का मुकाबला करना चाहिए।÷ वाईएसआरसीपी की महिला शाखा ने जमीनी स्तर पर प्रयासों को मजबूत करने, गलत सूचनाओं का मुकाबला करने और न्याय के लिए लड़ने का संकल्प लिया।

मानवीय संवेदनाओं के साथ कार्य करें : श्री डेका

राज्यपाल से परिवीक्षाधीन आईएएस अधिकारियों ने की सौजन्य भेंट

अर्थ प्रकाश/अखिलेश कुमार

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से आज राजभवन में छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी के महानिदेशक श्री सुब्रत साहू के नेतृत्व में वर्ष 2024 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने सौजन्य भेंट की।

राज्यपाल श्री डेका ने परिवीक्षाधीन अधिकारियों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी और कहा कि अपना कर्तव्य भली-भांति निभाते हुए देश और समाज की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहें और मानवीय संवेदनाओं के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर वर्ग के कल्याण को प्राथमिकता दें साथ ही अपने अधीनस्थों के प्रति भी संवेदनशील रहें।

इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना, संचालक छत्तीसगढ प्रशासनिक अकादमी टी सी महावर, प्रशिक्षण निदेशक श्रीमती सीमा सिंह सहित परिवीक्षाधीन अधिकारी अनिकेत अशोक सहायक कलेक्टर जशपुर, अरविंद कुमारन टी. सहायक कलेक्टर बिलासपुर, अक्षय डोसी सहायक कलेक्टर रायगढ़, क्षितिज गुरभेले सहायक कलेक्टर कोरबा और श्री विपिन दुबे सहायक कलेक्टर जिला बस्तर उपस्थित थे।

प्रत्येक बजटीय घोषणा को पूरा करने के लिए अधिकारी बनाएं टाइम लाइन: मुख्यमंत्री भजनलाल

अर्थ प्रकाश/मनोहर लाल

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य बजट को प्रदेश के चहुंमुखी विकास के लिए समर्पित बताते हुए प्रत्येक बजटीय घोषणा को पूरा करने के लिए टाइम लाइन बनाकर काम करने के निर्देश दिए हैं।

श्री शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर वर्ष 2025-26 की बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बजट की प्रत्येक घोषणा को पूरा करने के लिए अधिकारी टाइमलाइन बनाते हुए काम करें। अधिकारी उसी तय सीमा में काम को पूरा करना सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने 2047 तक विकसित राजस्थान के संकल्प को ध्यान में रखते हुए अपने प्रत्येक बजट में राज्य के चहुंमुखी विकास के लिए विभिन्न प्रावधान किए हैं। हम प्रदेश के युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर देते हुए उन्हें आत्मनिर्भर, सशक्त एवं खुशहाल बनाने के लिए निरंतर काम कर रहे हैं। बैठक में मुख्यमंत्री ने विभिन्न घोषणाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बजटीय घोषणाओं की प्रगति का नियमित फॉलोअप सुनिश्चित कर रही है, जिससे जमीनी स्तर पर इन योजनाओं का लाभ आखिरी व्यक्ति तक पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है कि राज्य के युवाओं को रोजगार मिले। इस दिशा में लगभग एक लाख 88 हजार सरकारी पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों में जनकल्याणकारी योजनाओं की सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण पहुंच सुनिश्चित कर रही है। इसी क्रम में शीघ्र ही वन विभाग में विभिन्न कार्मिकों, पटवारी, स्कूल शिक्षक तथा कांस्टेबल के पदों पर भर्ती की जाएगी। कार्मिक विभाग द्वारा इस संबंध में अग्रिम कार्यवाही प्रारंभ की जा चुकी है।

श्री शर्मा ने कहा कि चिकित्सा महाविद्यालयों सहित सभी चिकित्सा संस्थानों में बेहतर प्रशासनिक प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए हॉस्पिटल मैनेजर का पद सृजित किया जाएगा। विभाग में कार्यरत चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ को विशेष प्रशिक्षण दिया जाए जिससे उनकी प्रबंधन दक्षताओं में वृद्धि हो सके। उन्होंने कहा कि मा योजना तथा आरजीएचएस पोर्टल को इंटीग्रेटेड हैल्थ मैनेजमेंट सिस्टम के तहत इंटीग्रेट किया जाए। साथ ही स्वास्थ्य शिविर लगाकर ई-हैल्थ रिकॉर्ड के कार्य में गति लाई जाए।

श्री शर्मा ने कहा कि श्री अन्न को राज्य सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल किया जाए जिससे इसके उपयोग को प्रोत्साहन मिले। उन्होंने कहा कि श्री अन्न की पोषण क्षमता एवं उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए मिड-डे मील तथा मां बाडी केन्द्रों पर पायलट बेसिस पर श्री अन्न आधारित उत्पाद शुरू किए जाएं जिससे बच्चों में सुपोषण तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकारी आयोजनों में स्वयं सहायता समूह तथा राजीविका की महिलाओं द्वारा बनाए गए उत्पादों को उपयोग में लाया जाए जिससे न केवल उन उत्पादों को प्रोत्साहन मिलेगा बल्कि उनकी आय में वृद्धि भी होगी। श्री शर्मा ने अधिकारियों को श्री अन्न के मार्केटिंग, उत्पादन तथा प्रचार-प्रसार को ब?ावा देने के उद्देश्य से एक समिति बनाने के भी निर्देश दिए।

श्री शर्मा ने कहा कि बजटीय घोषणाओं की स्पष्ट कार्ययोजना बनाई जाए जिससे तय समयसीमा में घोषणाएं धरातल पर उतर सकें। उन्होंने कहा कि विभाग अपनी बजटीय घोषणाओं की प्रगति रिपोर्ट तैयार कर उनकी नियमित समीक्षा करें। साथ ही, जिन विभागों में अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है उनके कार्य में तेजी लाई जाए। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में रोजगार के अवसरों का सृजन करने के साथ सर्विस सेक्टर में निवेश बढ़ाने के उद्देश्य से ग्लोबल कैपेसिटी सेंटर पॉलिसी लाई जाएगी।

मुख्यमंत्री नीतीश ने शहीद मोहम्मद इम्तियाज को दी श्रद्धांजलि

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

छपरा/पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पाकिस्तान की फायरिंग में शहीद हुए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के सब इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज को आज श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्री कुमार ने मंगलवार को सारण जिला के गरखा प्रखंड के नारायणपुर गांव पहुंचकर बीएसएफ के सब इंस्पेक्टर शहीद मोहम्मद इम्तियाज के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शहीद के पुत्र मोहम्मद इमरान रजा, मोहम्मद इमदाद रजा एवं अन्य परिजनों से बात कर उन्हें सांत्वना दी। मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार की तरफ से शहीद मोहम्मद इम्तियाज के परिजनों को 50 लाख रुपये की सम्मान राशि का चेक सौंपा। साथ ही उन्होंने घोषणा की कि राज्य सरकार की तरफ से शहीद मोहम्मद इम्तियाज के पुत्र को योग्यता के अनुसार सरकारी नौकरी दी जायेगी। साथ ही शहीद मोहम्मद इम्तियाज के नाम पर चिंतामनगंज पुल से रहमपुर बाजार तक दो किलोमीटर तक ग्रामीण पथ का नामकरण किया जायेगा।

श्री कुमार ने घोषणा की कि जलाल-बसंत पंचायत में गांव के प्रवेश स्थल पर शहीद द्वार का निर्माण कराया जायेगा। नारायणपुर गांव में एक नये स्वास्थ्य उप केन्द्र का निर्माण किया जायेगा। शहीद मोहम्मद इम्तियाज के नाम पर एक स्मारक का भी निर्माण किया जायेगा।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमा खान, विज्ञान, प्रौवैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुमित कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा, विकास आयुक्त प्रत्यय अमृत, पुलिस महानिदेशक विनय कुमार, गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव अरविंद कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, सारण प्रमंडल के आयुक्त गोपाल मीणा, सारण प्रक्षेत्र के पुलिस उप महानिरीक्षक नीलेश कुमार, सारण के जिलाधिकारी अमन समीर, पुलिस अधीक्षक डॉ. कुमार आशीष सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

समर्पण केवल शब्दों में नहीं, जीवन के हर कर्म में झलकना चाहिए: सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज

निरंकारी श्रद्धालुओं द्वारा समर्पण दिवस पर बाबा हरदेव सिंह जी को श्रद्धा सुमन अर्पित

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़/पंचकुला/मोहाली। संत निरंकारी मिशन द्वारा समर्पण दिवस के अवसर पर युगदृष्टा बाबा हरदेव सिंह जी महाराज की पुण्य स्मृति में एक भावनात्मक वर्चुअल संत समागम का आयोजन किया गया। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज और निरंकारी राजपिता जी के दिव्य सान्निध्य में आयोजित इस समागम में देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं ने ऑनलाइन सहभागिता की।

समर्पण दिवस के अवसर पर सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने वर्चुअल सत्संग में श्रद्धालुओं को संबोधित किया कि सतगुरु बाबा हरदेव सिंह जी महाराज का जीवन हर क्षण प्रेम, त्याग, सेवा और शिक्षाओं से परिपूर्ण था। ऐसा ही भक्ति समर्पण वाला जीवन हम सभी का हो यह समर्पण केवल शब्दों तक सीमित न रहे, बल्कि जीवन के व्यवहार में उतरे। सतगुरु माता जी ने स्पष्ट किया कि सच्चा आदर और प्रेम केवल वाणी से नहीं, बल्कि कर्मों से प्रकट होता है। यदि हम बाबा जी की शिक्षाओं को केवल सोशल मीडिया तक सीमित रखते हैं, तो वह सच्चा समर्पण नहीं। समर्पण का वास्तविक रूप तभी प्रकट होता है जब हम अपने भीतर झांकें और आत्म-विश्लेषण करें क्या हम वास्तव में विनम्रता, क्षमा और प्रेम जैसे गुणों को जी रहे हैं? उन्होंने अपने जीवन के हर पहलू पर साध संगत को महत्ता दी। समर्पण दिवस केवल एक तिथि नहीं, बल्कि यह अवसर है यह सोचने का कि क्या हम वाकई अपने जीवन को इन शिक्षाओं से जोड़ पाए हैं? प्रेम, एकता, मानवता और विनम्रता को अपने भीतर बसाकर ही हम इस दिवस को सार्थक बना सकते हैं। यही बाबा जी के प्रति सच्चा आदर और समर्पण होगा।

इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने विचार, गीत, कविता और भजनों के माध्यम से बाबा जी की करुणा, प्रेम और समर्पण की गूंज को जीवंत किया। सतगुरु माता जी ने श्रद्धेय अवनीत जी का स्मरण करते हुए उन्हें एक सच्चा गुरसिख बताया, जिन्होंने अपने आचरण से समर्पण की मिसाल प्रस्तुत की।

समर्पण दिवस के अवसर पर, सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के कर-कमलों द्वारा 'हरदेव वचनामृत' का विमोचन किया गया। यह एक सटीक और सारगर्भित संकलन है, जिसमें युगदृष्टा बाबा हरदेव सिंह जी के दिव्य विचार, उपदेश और सत्संग वचनों को संयोजित किया गया है। 'हरदेव वचनामृत' केवल एक पुस्तक नहीं, बल्कि वह आध्यात्मिक अमृत है जो पाठक को बाबा जी की शिक्षाओं की गहराई से जोड़ता है।

इस संकलन में प्रेम, सेवा, विनम्रता, एकत्व और निरंकार से जुड़ाव जैसे मूल तत्वों को सरल एवं मार्मिक भाषा में प्रस्तुत किया गया है। यह वाणी संग्रह, बाबा जी की आत्मा की आवाज है जो हर युग, हर पी?ी के लिए पथप्रदर्शक बनकर जीवन को सकारात्मक दिशा देने का कार्य करेगी। निःसंदेह, बाबा हरदेव सिंह जी की दिव्य छवि हर श्रद्धालु के अंतर्मन में एक अमिट स्मृति बन चुकी है। उनके अनगिनत उपकारों के लिए संपूर्ण निरंकारी संसार सदा कृतज्ञ रहेगा।

उत्तराखंडः मुस्लिम महिलाओं को धामी सरकार का तोहफा

तीन महिलाओं को हज कमेटी में मिला प्रतिनिधित्व

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड सरकार ने नामित हज कमेटी में मुस्लिम महिलाओं को जगह दी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की पहल पर राज्य की तीन महिलाओं को पहली बार हज समिति में प्रतिनिधित्व दिया गया है।

शासन की ओर से जारी की गई कमेटी सूची में कोटद्वार निगम पार्षद की रिजवाना परवीन, हल्द्वानी की तरन्नुम खान और अल्मोड़ा की शाहिदा सिराज को स्थान दिया गया है।

समिति में विधायक लक्सर के विधायक शहजाद को भी प्रतिनिधित्व दिया गया है। इसके अलावा जिशान अहमद, हसीब अहमद, इस्लामुद्दीन अंसारी, समीर जाफरी, खतीब अहमद, मन्नान राजा, हाजी अबरार हुसैन, हाजी फईम खान को भी समिति में नामित किया गया है।

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि मुस्लिम महिलाएं भी हज करने जाती हैं। उनकी हज कमेटी में मजबूत पैरवी हो, हज संबंधी फैसलों में वे भी अपने सुझाव दे सकें, इसको देखते हुए उनकी सरकार ने राज्य बनने के बाद पहली बार उन्हें हज कमेटी में प्रतिनिधित्व दिया है। मुस्लिम महिलाओं के सशक्तिकरण के उद्देश्य से पूर्व में भी महिला आयोग के उपाध्यक्ष पद पर सायरा बानो को नियुक्ति दी गई है।

पुलिस के रवैया व हमले की निंदा, राज्य के अनेक शहरों में महिलाओं ने दिया धरना

अर्थ प्रकाश/बोम्मा रेड्डी

अमरावती। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी ने सोमवार को विशाखापट्टनम पलनाडु रायलसीमा के अलावा अनेक शहरों में मनुकोंडावरिपलेम में पूर्व मंत्री विदादला रजनी के खिलाफ सर्कल इंस्पेक्टर सुब्बारायडू के नेतृत्व में पलनाडु जिला पुलिस द्वारा की गई भयावह क्रूरता की कड़ी निंदा उसे दोषी अधिकारी के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने कामांग किया और राज्य में पुलिस की प्रताड़ना अनैतिक कार्यहत्याएं आगजनी जैसी घटनाओं कोदिल्ली में धरना देकर वर्तमान केंद्र सरकार को अवगत करा चुका गया था राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को भी इसकी लिखित शिकायत दी गई उसके बावजूद राज्य में पुलिस प्रशासन इतनी निकम्मी हो चुकी है कि मणिपुर की व्यवस्था से भी गंभीर है डेढ़ साल के कार्यकाल में वर्तमान सरकार की घोषणा के अनुरूप विकासशील योजनाओं को तप कर दियाउन योजनाओं को खुले मंच पर चंद्रबाबू और उनके पुत्र कोआम जनता द्वारा प्रश्नों से बौछार करना और उनका अपमान लगा और इसे बदला लेने के लिएगत सरकार से जुड़ी मंत्रियों के ऊपर अनैतिक कार्रवाई करना एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है बताया उक्त मामले को अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग कोऔर भारतीय मानव अधिकार आयोग को शिकायत देने के बाद भीगठबंधन सरकार की छुट्टी शर्मसार है इससे बड़ी दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है इन सारी गलत हरकतों को लिखने वाले समाचार पत्रों के कार्यालय में जाना अधिकारियों को डराना और उनके घरों में बिना सूचित किया संपादक जैसे लोगों के घरों में जाकर बिना सूचना केघर का सर्च करना यह देश में सबसे बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण घटना है कहा और इन सारी मांगों को लेकर अनेक शहरों में आज धरना दिए और तत्काल कार्रवाई की मांग किया अगर इसे हल नहीं होता है तो दिल्ली तक कुछ करने की पुनः योजना बना रहे हैं विभिन्न राजनीतिक दलों ने दो दिनों से अनेक प्रेस वार्ताएं करके वर्तमान पुलिस और प्रशासन की तंत्र को काफी आकर्षित ढंग से प्रेस वार्ताएं कर रहे हैं उन्हीं से जुड़ी चंद फोटोग्राफ्स कुछ ऐसे हैं।

पुलिस के दुरुपयोग को लेकर गठबंधन सरकार की आलोचना, कहा-

पुलिस का इस्तेमाल सरकार की विफलताओं पर सवाल उठाने वालों को डराने के लिए किया जा रहा

अर्थ प्रकाश / बोम्मा रेड्डी

अमरावती। वाईएसआरसीपी के राज्य समन्वयक सज्जला रामकृष्ण रेड्डी ने सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार द्वारा गिरती कानून व्यवस्था, कमजोर पुलिस प्रणाली और राजनीतिक प्रतिशोध के लिए राज्य आम जनहित मशीनरी के दुरुपयोग को संबोधित करने के लिए ताडेपल्ली में पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में एक बैठक की।

वाईएसआरसीपी नेताओं ने विपक्ष को चुप कराने के लिए गठबंधन द्वारा पुलिस के शोषण की निंदा की, स्थानीय सर्कल इंस्पेक्टर द्वारा पूर्व मंत्री विदुदाला रजनी के साथ हाल ही में किए गए दुर्व्यवहार को सत्तावाद का सबूत संवैधानिक के विरोध मेंहै बताया।

सज्जला ने घोषणा की 'पुलिस का इस्तेमाल सरकार की विफलताओं पर सवाल उठाने वालों को डराने के लिए किया जा रहा है।

बैठक में कानूनी प्रोटोकॉल के प्रति सरकार की अवहेलना की आलोचना की गई, जिसमें पुलिस वाईएसआरसीपी सदस्यों को निशाना बनाने के लिए नियमों का उल्लंघन कर रही है। नेताओं ने गठबंधन के 'लाल किताब संविधान' को अराजकता और न्याय में बाधा के प्रतीक के रूप में उजागर किया, शिकायत निवारण के लिए डीजीपी नियुक्तियों की अनुमति देने से सरकार के इनकार पर ध्यान दिया। सज्जला ने जोर देकर कहा, 'यह उनके कदाचार को बचाता है।'

बैठक में पूर्व मंत्री अंबाती रामबाबू, मेरुगु नागार्जुन, जोगी रमेश और विदुदाला रजनी, पूर्व सांसद मोदुगुला वेणुगोपाल रेड्डी, पूर्व विधायक मोंडितोका जगनमोहन राव और अन्नाबाथुनी शिवकुमार, और नेता देवीनेनी अविनाश, वेमारेड्डी और पोथिना महेश सहित अन्य लोग शामिल हुए।

विमुक्त, घुमन्तु व अर्द्ध घुमन्तु समुदाय की प्रतिभाओं को करें प्रोत्साहित: मुख्यमंत्री यादव

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्ध घुमन्तु समुदायों की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करें। डॉ. यादव ने मंगलवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में विभाग की बैठक में इस संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समुदाय के अनेक विद्यार्थियों ने लोक सेवा आयोग जैसी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त की है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में इनका निवास है। इनकी पुरानी पृष्ठभूमि अथवा पूर्व धारणा के आधार पर इन जातियों के सभी लोगों को अपराधी ना माना जाए। पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई में भी जातिगत संबोधन से संबोधित ना किया जाए। अपराधियों की जानकारी में जातियों का उल्लेख नहीं किया जाएं। इस तरह की असम्मानजनक शब्दावली से बचा जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला स्तर पर पुलिस प्रशासन द्वारा इन जातियों के ऐसे लोगों को अपराधों से विमुख करने के लिए प्रयास किया जाए जो विभिन्न कारणों से अपराधों से जुड़ जाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजगढ़ जिले में पुलिस प्रशासन द्वारा सांसी जाति के कल्याण के लिए किए गए कार्यों की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पिछड़ा वर्ग के कल्याण के कार्यों को प्रभावी रूप से संपादित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभिन्न छात्रवृतियों की राशि शैक्षणिक सत्र के दौरान ही वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्ध घुमन्तु कल्याण राज्य मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि आगामी शिक्षण सत्र में विभिन्न जिलों में पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के छात्रवृत्ति वितरण के कार्य तय समय में किया जाएगा।

महाभारत से जुड़ा है दिल्ली के कालकाजी मंदिर का इतिहास

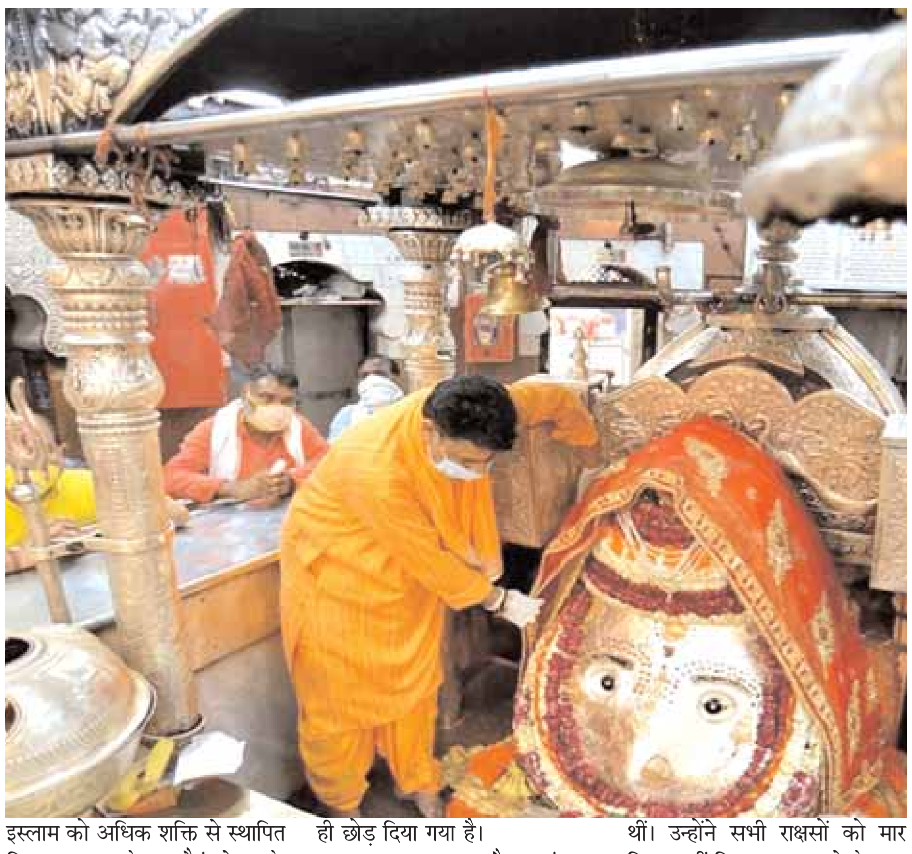

दिल्ली एनसीआर के सबसे प्रसिद्ध हिंदू मंदिरों में कालकाजी मंदिर शामिल है। यह मंदिर दक्षिण दिल्ली के कालकाजी में स्थित है। इस मंदिर में पूरे साल लाखों की संख्या में भक्त दर्शन के लिए पहुंचते हैं। कालकाजी में सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग और कलियुग जैसे चारों युगों से वैसा ही है। वहीं नवरात्रि पर भी हजारों की संख्या में श्रद्धालु इस पवित्र मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस मंदिर से जुड़े कुछ रोचक तथ्यों के बारे में बताने जा रहे हैं।

दिल्ली के कालकाजी मंदिर का निर्माण 1764 में किया गया था। हिंदू महाकाव्य महाभारत में वर्णित है कि कुरुक्षेत्र का युद्ध जीतने के बाद पांडवों ने कई स्थानों की यात्रा की और साथ ही पांच मंदिरों का भी निर्माण किया। यह भी उस मंदिर में से एक है। कालकाजी मंदिर में भी पांडवों ने पूजा की, जिससे उनको शक्ति, उत्साह और धैर्य प्राप्त हुआ। धार्मिक मान्यता है कि कालकाजी मंदिर में जो भी सच्चे मन से प्रार्थना करता है, उसकी हर इच्छा पूरी होती है।

औरंगजेब मुगल साम्राज्य का छठा शासक था और उसने भारतीय उपमहाद्वीप पर करीब 50 सालों तक शासन किया। औरंगजेब ने एक आदेश जारी किया कि मंदिरों को नष्ट किया जाए, जिससे कि इस्लाम को अधिक शक्ति से स्थापित किया जा सके। औरंगजेब के आदेश के हिसाब से इस मंदिर के कुछ हिस्सों को भी नष्ट कर दिया गया। दरअसल, हम मंदिर का जो स्वरूप आज देखते हैं, वह 18वीं शताब्दी में औरंगजेब की मौत के बाद फिर से बनाया गया। हालांकि इस मंदिर का कुछ हिस्सों को वैसे ही छोड़ दिया गया है।

माना जाता है जहां पर कालकाजी मंदिर स्थित है, उसी स्थान पर देवी कालका का जन्म हुआ था। एक समय पर राक्षसों ने मंदिर के पास युद्ध छेड़ दिया, तब मां कौशिकी ने उन राक्षसों से लड़ाई की फिर तब कालका देवी जोकि कौषिकी देवी की भौंहों से उत्पन्न हुई थीं। उन्होंने सभी राक्षसों को मार दिया। वहीं विजय प्राप्त करने के बाद देवी ने उस स्थान को अपना निवास बनाया और उनकी वहां पर पूजा की जाने लगी।

बच्चों का होता है मुंडन संस्कार

वहीं 6-8 महीने के बच्चों का मुंडन संस्कार किया जाता है, इस दौरान बच्चे के सिर के बाल मुंडवाए जाते हैं। हिंदू धर्म में माना जाता है कि यह वो बाल होते हैं, जो बच्चे पिछले जीवन से लेकर आए होते हैं। इस मंदिर में यह अनुष्ठान किया जाता है, जिससे कि बच्चा इन बंधनों से मुक्त हो सके और नई जिंदगी शुरू कर सके।

ग्रहण के दौरान भी खुला रहता है मंदिर

अधिकतर मंदिर ग्रहण के समय बंद रहते हैं। वहीं मूर्तियों को भी ढक दिया जाता है और भक्तों का प्रवेश भी बंद कर दिया जाता है। लेकिन काजकाजी मंदिर ग्रहण के दौरान भी खुला रहता है। वहीं इन दिनों में काजकाजी मंदिर में अधिक भीड़ होती है।

जिस तरह से 12 राशियां और 9 ग्रह हैं, माना जाता है कि यह सब मां काली के मंदिर में मौजूद हैं। यह ग्रह मां कालकाजी मंदिर में उनके पुत्रों के रूप में निवास करते हैं। इसलिए इन दोनों को अलग करने की जरूरत नहीं है। इसलिए मंदिर के द्वार भक्तों के लिए आधी रात तक खुले रहते हैं।

आसपास घूमने की जगहें

कैलाश मंदिर से करीब 600 मीटर की दूरी पर लोटस टेंपल है। जहां पर आप कार से सिर्फ 5 मिनट में पहुंच सकते हैं। वहीं आप यहां पर टैक्सी से भी जा सकते हैं। या फिर पैदल भी जा सकते हैं। कैलाश मेट्रो के पास फेमस इस्कॉन टेंपल है। जोकि सिर्फ 2 किमी की दूरी पर है।

नगर निगम मेयर राजीव जैन ने दिए निर्देश

प्रत्येक शनिवार को स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा ताकि सफाई कार्य सुचारु रूप से हो सके

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत। नगर निगम मेयर राजीव जैन ने निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक शनिवार को स्वच्छता अभियान चलाया जायेगा ताकि सफाई कार्य सुचारु रूप से हो सके। इसके साथ ही 20 जून से पहले नालों एवं सेक्टर में रेन वाटर लाइन की सफाई भी सुचारु रूप से की जाये ताकि जलभराव की समस्या ना हो।

मंगलवार को नगर निगम कार्यालय में सह आयुक्त नरेश कुमार की अध्यक्षता में मुख्य सफाई निरीक्षक, सफाई निरीक्षक, सफाई ठेकेदार, कंपनी के सभी सुपरवाइजर की आयोजित बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि बाजारों में रात को होने वाला सफाई का कार्य अब शनिवार को हुआ करेगा ताकि रविवार को बाजारों में गंदगी दिखाई ना दे।

राजीव जैन ने यह भी कहा कि नालों की सफाई करने के बाद स्लैब जरूर ढकी जाये ताकि कोई हादसा ना हो और निकाली गई गाद एक दिन के बाद उठाना सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने निर्देश दिए कि सेक्टरों में रेन वाटर की नालियों एवं जालियों की सफाई भी अच्छी तरह से की जाये तथा रेन वाटर जालियों के पास लगे छोटे पौधे एवं घास भी साफ की जाये।

मेयर जैन ने सभी नालों की टूटी हुई स्लैब की भी सूचि बनाने को कहा ताकि बरसात से पहले उन्हें ढका जा सके। राजीव जैन ने कहा कि आप सभी भी इसी शहर के वासी हो इसलिए नौकरी की बजाये अपना शहर मानकर स्वच्छता पर गंभीरता से ध्यान दो। राजीव जैन ने ठेकेदारों को सफाई उपकरण समय पर उपलब्ध करवाने के भी आदेश दिए।

मोटरसाईकिल चोरी करने के 2 आरोपी गिरफ्तार

अर्थ प्रकाश संवाददाता

कुरुक्षेत्र। जिला कुरुक्षेत्र पुलिस ने मोटरसाईकिल चोरी करने के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल के कुशल नेतृत्व में अपराध अन्वेषण शाखा-2 की टीम ने मोटरसाईकिल चोरी करने के आरोप में फिरोज खान उर्फ प्रिन्स व विशाल वासी कुरुक्षेत्र को गिरफ्तार करके चोरीशुदा 5 मोटरसाईकिल बरामद करने में सफलता हासिल की है। जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 9 मई 2025 को थाना शहर थानेसर पुलिस को दी अपनी शिकायत में राज कुमार वासी हिंगाखेडी जिला कुरुक्षेत्र ने बताया कि वह डीसी कार्यालय में चतुर्थ श्रेंणी कर्मचारी है। दिंनाक 6 मई को वह अपनी मोटरसाईकिल लेकर ड्यूटी पर आया था। उसने अपनी मोटरसाईकिल डीसी कार्यालय के बाहर पार्किंग में खड़ी की थी। शाम को जब वह वापस घर जाने के लिए आया तो उसको उसकी मोटरसाईकिल वहां नही मिली। जिसको कोई नामपता नामालूम चोर चोरी करके ले गया है। जिसकी शिकायत पर थाना शहर थानेसर में मामला दर्ज करके जांच की गई।

चाकू मारकर युवक की हत्या करने मामले में और दो आरोपी गिरफ्तार

अर्थ प्रकाश/सुभाष जैन

पानीपत। सीआईए श्री पुलिस टीम ने विद्यानंद कॉलोनी में सैनी कॉलोनी निवासी युवक की चाकू से हत्या करने मामले में फरार चल रहे और दो आरोपियों को सोमवार देर शाम मिली गुप्त सूचना पर दबिश देकर बलजीत नगर नाका के पास से गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान नहीम निवासी भारत नगर नूरवाला व साकिर उर्फ मोटा निवासी बबैल रोड के रूप में हुई। दोनों आरोपी पुलिस पकड़ से बचने के लिए 10 माह से ठीकाने बदल कर छुपकर रह रहे थे।

आरोपियों ने पूछताछ में मामले में पहले गिरफ्तार हो चुके अपने छह साथी आरोपी आजाद उर्फ साडी निवासी उग्राखेड़ी, दीपांशु उर्फ नौरंग निवासी भारत नगर, सोनू उर्फ मोना निवासी धूप सिंह नगर, सावेज उर्फ जावेद निवासी काबुली बाग बेरी वाली मस्जिद, समीर निवासी अशोक विहार कॉलोनी व साहिल निवासी हाली कॉलोनी के साथ मिलकर हत्या कि उक्त वारदात को अंजाम देने बारे स्वीकारा। पुलिस ने मंगलवार को पूछताछ के बाद दोनों आरोपियों को माननीय न्यायालय में पेश किया जहा से उन्हें न्यायिक हिरासत जेल भेज दिया गया।

सीआईए श्री प्रभारी इंस्पेक्टर विजय ने बताया कि मामले में पहले गिरफ्तार हो चुके छह आरोपी आजाद उर्फ साडी, दीपांशु उर्फ नौरंग, सोनू उर्फ मोना, सावेज उर्फ जावेद, समीर व साहिल के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त 2 चाकू व 2 बाइक बरामद कर आरोपियों को माननीय न्यायालय में पेश कर जेल भेजा जा चुका है।

आरोपियों से पूछताछ में खुलासा हुआ था आरोपी आजाद उर्फ साडी के चचेरे भाई दीपक का वारदात से करीब एक महीना पहले कृष्ण पाल निवासी सैनी कॉलोनी व उसके साथियों के साथ झग?ा हुआ था। आरोपी आजाद उर्फ साडी ने चचेरे भाई के साथ हुई मारपीट का बदला लेने के लिए अपने उक्त साथी आरोपियों के साथ मिलकर साजिश रची और 20 जुलाई 2024 को विद्यानंद कॉलोनी में कृष्ण पाल के साथ मारपीट कर पेट में चाकू घोपने की वारदात को अंजाम दिया। बाद मे कृष्णापाल की रोहतक पीजीआई में इलाज के दौरान 24 जुलाई को मौत हो गई थी।

थाना चांदनी बाग में कृष्ण पाल पुत्र भोलेराम निवासी सैनी कॉलोनी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि वह 20 जुलाई की देर शाम विद्यानंद कॉलोनी में अपनी बहन के पास जा रहा था। तभी गली में दो लड़के आए और रास्ता रोक उसके साथ मारपीट की। युवकों ने नुकीली चीज उसके पेट में मारी। मारपीट करने वाले आरोपी दीपक व आजाद थे। पुलिस ने कृष्ण पाल की शिकायत पर अभियोग दर्ज कर आरोपियों की धरकपड़ के प्रयास शुरू कर दिए थे। इसके बाद 24 जुलाई को रोहतक पीजीआई में इलाज के दौरान कृष्ण पाल की मौत हो गई। दर्ज अभियोग में पुलिस द्वारा बीएनएस की धारा 103,1, 190,191,3 इजाद कर कानूनी कार्रवाई अमल में लाई गई थी।

महापुरुष तो सबको दिल से प्यार करते हैं

महापुरुष तो सबको दिल से प्यार करते हैं। उनका प्रेम शरीर की भावना से नहीं निरंकार (आत्मतत्व) की भावना से होता है । ऐसी ही भक्ति हमेशा से महापुरुषों-भक्तों ने की है । उन्होंने इस प्रभु-परमात्मा के साथ हृदय से प्रेम किया, लोगों को दिखाने के लिए नहीं किया और न ही सांसारिक वस्तुओं की प्राप्ति के लिए इस प्रभु की प्राप्ति की है । क्योंकि वे जानते हैं कि भक्ति के द्वारा ही सांसारिक वस्तुओं की प्राप्ति नहीं होती। ये तो उनको भी प्राप्त हो जाती हैं जो डाके डालते हैं, चोरियाँ करते हैं, बुरे काम करते हैं । उनके पास शायद दौलत ज्यादा हो, धन-सम्पत्ति ज्यादा हो-

सुत दारा और लक्ष्मी, पापी के भी होए।

सन्त समागम हरि कथा, तुलसी दुर्लभ दोय।

जो पापी हैं, बुरे काम करने वाले हैं, उनको भी ये वस्तुएँ प्राप्त हो जाती है, लेकिन दुर्लभ वस्तु सन्त समागम है। महापुरुषों की संगति ही दुर्लभ है।

महात्मा कभी भी भौतिक पदार्थों का सहारा नहीं लेते । इनका यथोचित उपयोग करते हुए भी वे प्यार परमात्मा से ही करते हैं । महापुरुषों-सन्तों का एक यही निराकार परमात्मा ही आसरा हुआ करता है । यह एक ऐसा नाम का

सद्गुरू माता सुदीक्षा जी महाराज

दारु (दवा) है जो हम सब के रोगों को दूर कर देता है, इन रोगों से मुक्त कर देता है-

ओं सतिगुर प्रसादि, हरि को नामु सदा सुखदाई।

जा कउ सिमरि अजामलु उधरिओ मन कोहू गति पाई ।

यह नाम अमृत हमेशा के लिए सुख देने वाला है । दुनिया की जितनी भी चीजें हैं वो हमेंशा एकरस नहीं रहा करती और इन चीजों का असर भी बदल जाया करता है । इनका उपयोग एक समय पर तो सुखदायी होता है, और एक समय पर इसी चीज का उपयोग दुखदायी बन जाता है । हम जानते हैं कि दूध इस शरीर को ताकत देता है । लेकिन अगर किसी को दस्त लगे हुए हों तो डॉक्टर हमेशा मना करता है । कहता है कि दस्त हैं, आप थोड़े दिन दूध मत पिओ।

दुनिया के पदार्थों के अलग-अलग इस्तेमाल, अलग-अलग उसके असर हैं । लेकिन हरि के नाम के बारे में कहा है ङ्क सदा सुखदाई । सुख में सुख देने वाला और दुख में भी यही सुख देने वाला है । इसको जिसने भी मन में बसा लिया है, इसका आधार ले लया है, वही वास्तव में सहज अवस्था का आनन्द लेता है । गुरमुख महापुरुष का सदुरु पर विश्वास इतना पक्का और दृढ़ होता है कि किसी भी हालत में डिगता नहीं-

कबीर संत न छेड़े सन्तई जउ कोटिक मिलहि असंत ।

मलिआगरु भुयंगम बेठिओ ते सीतलता न तजंत ।।

भाव, जेसे चंदन का पेड़ अपनी शीतलका को नहीं छोड़ता, इसी तरह संत भी गुरुमत को नहीं छोड़ता, परोपकार का त्याग नहीं करता । अगर संसार का पार उतारा हुआ है तो ऐसी भावना रखने वाले महापुरुषों के द्वाराही हुआ है।

इसीलिए कहा है कि ये धरती तो साधु की है, धरती तो सन्तों की है लेकिन तस्कर इस पर बैठे हुए इसको बिगाड़रहे हैं । यह धरती ऐसे लोगों, ऐसे पापियों का बोझ सहन नहीं कर सकती। यह धरती फिर भी थमी हुई है, किस लिए क्योंकि सन्त भी इस धरती पर हैं। सन्तों की बदौलत यह धरती थमी हुई है ।

पंचांग

बुधवार, 14 मई, 2025, सूर्योदयः 05:31 ए एम, सूर्यास्तः 07:04 पी एम, चन्द्रोदयः 08:51 पी एम, चन्द्रास्तः 06:12 ए एम, शक सम्वतः 1947 विश्वावसु, विक्रम सम्वतः 2082 कालयुक्त, गुजराती सम्वतः 2081 नल, अमान्त महीनाः वैशाख, पूर्णिमान्त महीनाः ज्येष्ठ, वारः बुधवार, पक्षः कृष्ण पक्ष, तिथिः द्वितीया - 02:29 ए एम, मई 15 तक, नक्षत्रः अनुराधा - 11:47 ए एम तक, योगः परिघ - 06:34 ए एम तक, करणः तैतिल - 01:34 पी एम तक, द्वितीय करणः गर - 02:29 ए एम, मई 15 तक, सूर्य राशिः मेष - 12:21 ए एम, मई 15 तक, चन्द्र राशिः वृश्चिक, राहुकालः 12:18 पी एम से 01:59 पी एम, गुलिक कालः 10:36 ए एम से 12:18 पी एम, यमगण्डः 07:13 ए एम से 08:54 ए एम, अभिजित मुहूर्तः कोई नहीं, दुर्मुहूर्तः 11:51 ए एम से 12:45 पी एम, अमृत कालः 04:28 ए एम, मई 15 से 06:13 ए एम, मई 15

भविष्य फल

मेषः लंबे समय से प्रतीक्षित कानूनी मुद्दे का आकस्मिक निर्णय आपको आश्चर्यचकित कर सकता है।

वृषः बिजनेस में आत्मनिर्भरता रहेगी। नए लोगों से भी कॉन्टैक्ट हो सकता है। कामकाज सावधानी से निपटाएं।

मिथुनः आज आपको प्रभावशाली लोगों से संपर्क का लाभ मिलेगा। महत्वपूर्ण लोगों के साथ बातचीत करते वक्त अपने शब्दों को गौर से चुनें।

कर्कः आज का दिन आपके लिए मिश्रित प्रभावदायक है। इस समय आप जो भी बोलें बहुत सोच-समझ कर बोलें। कार्यस्थल पर जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचें।

सिंहः बेरोजगार लोगों के लिए दिन ठीक रहेगा। बिजनेस में भी सफलता मिल सकती है। भावनाओं भरा दिन होगा।

कन्याः आज कोई नई राह पकड़ लें, तो आपका करियर भी आगे बढ़ सकता है। यदि आप अपने काम में मन लगाएं और कुछ देर खामोश रहें, तो आपके लिए लोगों का नजरिया बदल सकता है।

तुलाः आज आप जीवन के सभी क्षेत्रों में सुधार पाएंगे और आपकी यश की सहज प्रगति होगी।

वृश्चिकः धैर्य की कमी होने से कामकाज में रुकावटें पैदा हो सकती हैं। किसी भी काम में अति न करें।

धनुः आज की गई यात्रा आपके लिए आनन्ददायक और बहुत फायदेमंद होगी। कारोबार में अच्छी खबर मिलेगी।

मकरः आपकी इच्छाशक्ति बढ़ेगी और आप उत्साहपूर्वक अपने कार्यों को अंजाम देंगे। भाग्य का साथ होने से रुकी हुई परियोजनाएं प्रगति करेंगी और सकारात्मक विकास भी होगा।

कुंभः अचानक धन लाभ के योग हैं। बिजनेस और कार्यक्षेत्र में आ रही परेशानियां खत्म हो सकती हैं। बिजनेस बढ़ सकता है।

मीनः आय से अधिक खर्च आज आपको परेशानी में डाल सकता है। घरेलू ताम-झाम में शाम तक व्यस्त रहेंगे।

शिक्षा मंत्री के बयान पर शैलजा का पलटवार

सरकार एचकेआरएन कर्मचारियों को हटाने के बजाए उन्हें उसी पद पर करें नियमित : कुमारी सैलजा

वायदों को भूलकर अब जनता पर ही गुर्रा रही है भाजपा सरकार

अर्थ प्रकाश/राजेश रावल

जींद। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि चुनाव के दौरान जनता से किए गए वायदों को भूलकर आज भाजपा सरकार जनता पर ही गुर्रा रही है। हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत लगे कर्मचारियों को कभी जॉब गारंटी देने वाली सरकार निकालने में लगी हुई है, अब मंत्री कह रहे है कि एचकेआरएन के तहत कर्मचारियों को एक साल के कहकर रखा गया। भाजपा सरकार को अपने वायदे में कायम रहते हुए कर्मचारियो को निकालने के बजाए नियमित करने के बारे में सोचना चाहिए।

मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि आज सभी को पता चल चुका है कि भाजपा सरकार झूठी घोषाणाएं और वायदे करने वाली सरकार है। इस सरकार के पास जुमलों के सिवाय कुछ नहीं है। इस सरकार ने सभी के साथ विश्वासघात किया है। चुनाव के समय सभी से लंबे चौड़े चुनावी वायदे किए

जाते है, लंबी लंबी घोषणाएं की जाती है पर सत्ता में आते ही भाजपा दूध में मक्खी की भांति जनता को बाहर निकालकर फैंक देती है। भाजपा का काम ही जनता का शोषण करना है, आज उससे हर वर्ग के लोग परेशान है,

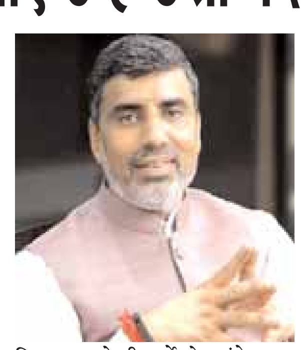

किसान पहले ही वर्षो से आंदोलनरत है, कर्मचारी आए दिन सड़क पर आकर प्रदर्शन कर रहे है, महिलाओं ने भी मोर्चा खोला हुआ है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि चुनाव के समय तत्कालीन सीएम नायब सिंह सैनी ने एचकेआरएन कर्मचारियों से वायदा किया था कि उन्हें नौकरी से नहीं हटाया जाएगा इसके लिए वाकायदा अधिसूचना भी जारी की गई जिसमें शर्त लगा दी गई यानि कर्मचारियों को धोखा दिया गया। अब सरकार के मंत्री करते है कि ऐसे कर्मचारियों को हटाया नहीं जा रहा है क्योंकि उन्हें रखा ही एक साल के लिए गया था, समय पूरा हो गया है। कुमारी सैलजा ने कहा कि तीसरी बार सत्ता में आने के बाद से भाजपा सरकार एचकेआरएन कर्मचारियों को हटाने में लगी हुई है। कभी किसी विभाग से कर्मचारी निकाले जा रहे है तो कभी किसी और विभाग से। अभी एचकेआरएन पोर्टल से 252 पीजीटी को रिलीव करने के आदेश जारी किए हैं। हालांकि इन सभी 252 पीजीटी को स्थायी पीजीटी की नियुक्ति के साथ ही हटा दिया गया था, लेकिन अभी भी वे एचकेआरएनएल पोर्टल पर दिख रहे थे। इसलिए सरकार ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को पत्र लिखकर इन पीजीटी को एचकेआरएनएल पोर्टल से रिलीव करने के आदेश जारी किए है। कुमारी सैलजा ने सरकार से अनुरोध किया है एचकेआरएन के तहत कार्यरत कर्मचारी पूरी योग्यता रखते है तभी काम कर रहे है ऐसे में इन्हें नौकरी से हटाने के बजाए उन्हें उसी पद पर नियमित किया जाए।

विदेश भेजने के नाम पर लाखों की ठगी करने की घटना में तीसरा आरोपी गिरफ्तार

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत। जिले के थाना सदर गोहाना की पुलिस टीम नें विदेश भेजने के नाम पर लाखो रूपये की ठगी करने की घटना में संलिप्त तीसरे आरोपी को प्रोड्क्शन वारंट पर लेकर गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी पंकज पुत्र सेवासिंह निवासी आनंद विहार, करनाल का रहने वाला है। इस प्रकरण की विस्तृत जानकारी देते हुए बतलाया कि गत 14 दिसम्बर 2023 को जिला सोनीपत निवासी एक महिला ने थाना सदर गोहाना में शिकायत दी कि रोहित पुत्र जय प्रकाश निवासी छोटूराम कालोनी, सोनीपत हमारे घर पर आया और हमें आकर बोलता है मैं आपके पति को अमेरिका भिजवा देता हूं तो हमारी उसके साथ 25,00,000 रुपये मे बात हो गयी है जिसमें अमेरिका तक पहुंचाने की पुरी जिम्मेवारी रोहित की थी तो रोहित ने हमें कहा कि पासपोर्ट के साथ 10,00,000 रुपये एंड्वांस के तौर पर लुंगा तो हम सहमत हो गये हमने उससे कहा कि 10,00,000 रुपये इस समय हमारे पास नही है 4,00,000 रुपये दे देते है तो रोहित ने कहा कि ठीक है और यह कहकर रोहित ने कुल 400,000 रुपये रविन्द्र पुत्र बलवान निवासी करनाल के खाता मे ड़लवा दिये। फिर उसके बाद रोहित ने मुकेश को दिल्ली बुला लिया व दिल्ली बुलाने के बाद कहने लगा की कुछ पैसे और दो फिर हमने रोहित के खाता में 3,00,000 रुपये ड़लवाये फिर उन्होने मुकेश को दुबई भेज दिया मुकेश वहां तीन महिने रहा फिर उन्होनें और पैसे मांगे की मुकेश की आगे की टिकल बनवानी है तो हमने रोहित को 4,00,000 रुपये नगद दिये।

अवैध हथियार सहित गिरफ्तार, न्यायालय में पेशकर भेजा जेल

अर्थ प्रकाश संवाददाता

सोनीपत। जिले की क्राईम यूनिट गोहाना की पुलिस टीम नें अवैध हथियार रखने की घटना में संलिप्त आरोपी को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी बलजीत उर्फ सागर पुत्र महाबीर निवासी गाँव मोखरा जिला रोहतक का रहने वाला है। इस प्रकरण की विस्तृत जानकारी देते हुए बतलाया कि 12 मई को क्राईम यूनिट गोहाना की पुलिस टीम में नियुक्त उप निरीक्षक अमित अपनी पुलिस टीम के साथ दौराने गश्त सैक्टर-7 गोहाना की मार्किट में मौजूद था कि खुफिया जानकारी प्राप्त हुई कि बलजीत उर्फ सागर पुत्र महाबीर निवासी गांव मोखरा, जिला रोहतक जिसके पास अवैध हथियार है जो रोहतक में रहता है जो गोहाना में किसी से मिलने आएगा अगर रोहतक रोड़ गोहाना बाईपास पर नाकाबन्दी की जाए तो अवैध हथियार सहित काबू आ सकता है। जो पुलिस टीम सूचना के आधार पर गोहाना से रोहतक रोड़ गोहाना बाईपास पर पहुंचकर नाकाबन्दी शुरू की तो कुछ समय बाद एक नौजवान लड़का गोहाना बाईपास रोड़ से गोहाना की तरफ आता दिखाई दिया। जिसको पुलिस टीम ने शक की बिनाह पर काबू करके नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम बलजीत उर्फ सागर पुत्र महाबीर निवासी गांव मोखरा जिला रोहतक बतलाया। जो शक के आधार पर पुलिस टीम ने बलजीत उर्फ सागर की नियमानुसार तलाशी ली तो उसकी पहनी हुई पजामी से एक देशी पिस्तौल व दो जिन्दा रोंद बरामद हुए।

सिविल डिफेंस वालंटियर बनें और आपदा प्रबंधन में निभाएं अपनी अहम भूमिका : डॉ. मनोज कुमार

डीसी एवं कंट्रोलर सिविल डिफेंस डॉ. मनोज कुमार ने जिलावासियों से की वालंटियर बनने की अपील

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत। उपायुक्त एवं सिविल डिफेंस के जिला कंट्रोलर डॉ. मनोज कुमार ने आपदा प्रबंधन में नागरिक सहभागिता सुनिश्चित करने की दिशा में जिलावासियों से सिविल डिफेंस वालंटियर बनने की अपील की है। उन्होंने कहा कि किसी भी आपात स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों में सिविल डिफेंस की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है, और इसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी आवश्यक है।

डॉ. कुमार ने बताया कि जिले के युवाओं, पूर्व सैनिकों, स्वास्थ्य कर्मियों तथा सामाजिक कार्यों में रुचि रखने वाले नागरिकों को सिविल डिफेंस से जुड़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इच्छुक व्यक्ति जिला प्रशासन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध गूगल फॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं।

डीसी ने बताया कि इस बार 6,000 सिविल डिफेंस वालंटियर्स तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। पंजीकृत वालंटियर्स के लिए गुरुवार, 15 मई को दोपहर 02

बजे सुभाष स्टेडियम, सोनीपत में एक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस प्रशिक्षण में राहत, बचाव एवं आपदा प्रबंधन से संबंधित विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी जाएगी, जिससे वालंटियर्स आपात स्थिति में प्रभावी सहयोग दे सकें।

डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि सिविल डिफेंस वालंटियर बनना एक सम्मानजनक और जिम्मेदारीपूर्ण कार्य है। यह सेवा पूर्णतः निस्वार्थ होती है, जिसमें वालंटियर्स संकट के समय जरूरतमंदों की मदद करते हैं। उन्होंने जिलावासियों से अपील की कि वे इस पुनीत कार्य में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।

इच्छुक नागरिक नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक कर या क्यूआर कोड स्कैन कर अपना पंजीकरण कर सकते हैं।

हरियाणा सरकार ने किया अनुबंध रोजगार नीति में संशोधन: मुख्य सचिव

सरकारी संगठनों, निजी क्षेत्र को मिलेगी कुशल जनशक्ति, युवाओं को विदेशों में भी मिलेगा रोजगार

उद्यमिता के माध्यम से मिलेगा स्वरोजगार को प्रोत्साहन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 13 मई। हरियाणा सरकार ने सेवा वितरण में सुधार, समय पर वेतन भुगतान सुनिश्चित करने और अनुबंध कर्मियों के बीच उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'अनुबंध कर्मियों की नियुक्ति नीति, 2022' में कई संशोधन किए हैं।

मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा आज इस आशय की एक अधिसूचना जारी की गई है।

इस नीति का उद्देश्य न केवल लोगों को सेवाएं प्रदान करने की प्रक्रिया को मजबूत करने का, बल्कि सहायक प्रकृति की गतिविधियों या सेवाओं के लिए जनशक्ति को नियोजित करना भी है। साथ ही, इस नीति का उद्देश्य सरकारी संगठनों, निजी क्षेत्र (भारत और विदेश दोनों में) को गुणवत्तापरक और कुशल जनशक्ति प्रदान करना और उद्यमिता के माध्यम से स्वरोजगार को प्रोत्साहित करना भी है।

इन संशोधनों में भुगतान समय-सीमा से लेकर प्रशिक्षण कार्यक्रमों, आयु मानदंडों और अनुकंपा नियुक्ति तक विभिन्न पहलुओं का समावेश किया गया है। अनुबंध कर्मियों के लिए वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए, नीति में अनिवार्य किया गया है कि मांग करने वाले संगठन तैनात जनशक्ति के लिए हरियाणा कौशल रोजगार निगम को समय पर भुगतान करें। यदि महीने की 7 तारीख तक वेतन वितरित नहीं किया जाता है, तो एचकेआरएनएल तैनात कार्यबल को वापस लेने का अधिकार सुरक्षित रखता है। इसके अतिरिक्त, भुगतान करते समय संगठनों को स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) के लिए जीएसटी और आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों का अनुपालन करना होगा।

एचकेआरएनएल अब चयनित उम्मीदवारों के लिए उपयुक्त प्रशिक्षण और कौशल कार्यक्रमों की व्यवस्था करेगा ताकि उन्हें उनकी निर्धारित भूमिकाओं के लिए तैयार किया जा सके। इसके अलावा, इस नीति में पंजीकृत उम्मीदवारों को राज्य और केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित उद्यमिता कार्यक्रमों से जोड़कर उद्यमिता को प्रोत्साहित किया गया है, जिससे स्वरोजगार और आर्थिक स्वतंत्रता को ब?ावा मिलता है।

संशोधित नीति के अन्तर्गत नियुक्ति में स्थिरता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए अनुबंध नियुक्ति के लिए स्पष्ट आयु मानदंडों का प्रावधान किया गया है। पात्रता के लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष निर्धारित की गई है। सरकार के मौजूदा निर्देशानुसार, प्रारंभिक नियुक्ति के लिए अधिकतम आयु सीमा 42 वर्ष तय की गई है, जिसमें आरक्षित श्रेणियों के उम्मीदवारों के लिए लागू छूट शामिल है। इसके अलावा, नीति में अधिकतम आयु भी निर्दिष्ट की गई है, जिस तक किसी अनुबंध कर्मचारी को रखा जा सकता है। जॉब लेवल-ढ्ढ के लिए 60 वर्ष और अन्य सभी जॉब लेवल के लिए 58 वर्ष की आयु निर्धारित की गई है। जिस महीने व्यक्ति की अधिकतम आयु पूरी हो जाती है, उस महीने के अंतिम दिन उसकी सेवा स्वतः समाप्त हो जाएगी।

संशोधित नीति के तहत योग्यता-आधारित चयन मानदंडों को सुपरिभाषित स्कोरिंग प्रणाली के माध्यम से सुव्यवस्थित किया गया है, जिसमें प्रमुख मापदंडों पर कुल 80 अंक दिए गए हैं। एक लाख रुपये तक की सालाना आय वाले परिवार पूरे 40 अंकों के लिए पात्र हैं। इसके अलावा, 24 से 36 वर्ष की आयु वाले उम्मीदवारों को 10 अंक, जबकि 36 से 42 वर्ष की आयु वालों के लिए 5 अंक निर्धारित किये गए हैं। कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, प्रासंगिक कौशल प्रमाणपत्र या उच्च शैक्षणिक योग्यता के लिए 5 अंक निर्धारित किये गए हैं। इसके अतिरिक्त, जिन उम्मीदवारों ने कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीईटी) पास कर लिया है, उन्हें 10 अंक मिलेंगे। नीति के अन्तर्गत उसी या नजदीकी ब्लॉक या नगर निगम, जहां रोजगार है, में रहने वाले उम्मीदवारों को 10 अंक देकर स्थानीय रोजगार को भी प्रोत्साहित किया गया है।

नियुक्ति के लिए किसी भी उम्मीदवार की सिफारिश करने से पहले, एचकेआरएनएल एसएमएस या ईमेल के माध्यम से उम्मीदवार की सहमति प्राप्त करेगा। यदि उम्मीदवार निर्धारित समयावधि के भीतर जवाब देने में विफल रहता है, तो उसे मेरिट सूची से अस्थायी रूप से वंचित किया जाएगा। पहली बार जवाब न देने पर उम्मीदवार को एक महीने के लिए, दूसरी बार जवाब न देने पर तीन महीने के लिए और तीसरी बार जवाब न देने पर एक साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य शीघ्र संचार सुनिश्चित करना और शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों द्वारा नियुक्ति प्रक्रिया में गंभीर भागीदारी सुनिश्चित करना है।

संशोधित नीति में आरक्षण ढांचे को सीधी भर्ती मानदंडों के साथ संरेखित किया गया है। प्रत्येक जॉब रोल के लिए राज्य स्तर पर वर्टीकल और हॉरिजॉन्टल, दोनों तरह के आरक्षण का प्रावधान किया गया है। यदि आरक्षित श्रेणियों का प्रतिनिधित्व अनिवार्य सीमा से कम रहता है, तो अगले वर्ष के इंडेंट में बैकलॉग को प्राथमिकता दी जाएगी। उपयुक्त आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों की अनुपस्थिति में, योग्यता के आधार पर अन्य श्रेणियों के उम्मीदवारों को नियुक्त किया जा सकता है।

सेवा के दौरान अनुबंध कर्मी की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु की स्थिति में, उसके परिवार को दो में से कोई एक सहायता विकल्प चुनने का अधिकार दिया गया है। पहला विकल्प अनुकंपा वित्तीय सहायता है, जिसमें परिवार को 3,00,000 रुपये के एकमुश्त भुगतान का प्रावधान है। वैकल्पिक रूप से, परिवार अनुकंपा नियुक्ति का विकल्प चुन सकता है, जो मृतक कर्मी द्वारा धारण किए गए पद के बराबर या उससे निचले पद पर परिवार के सदस्य की नियुक्ति की अनुमति देता है। इसके अतिरिक्त, एक कैलेंडर वर्ष में 10 प्रतिशत तक की भर्ती तात्कालिक परिस्थितियों में अनुकंपा के आधार पर की जा सकती है, बशर्ते कि अनुरोध को मुख्य सचिव द्वारा सत्यापित और अनुमोदित किया गया हो।

इस नीति में अब एचकेआरएनएल को भारत और विदेशों में निजी क्षेत्र के संगठनों में जनशक्ति की नियुक्ति की अनुमति दी गई है। इसके लिए नियम और शर्तें एचकेआरएनएल तथा संगठनों के बीच आपसी सहमति से तय की जाएंगी।

जो स्वेच्छा से इस्तीफा दे देते हैं या जिनके अनुबंध नियमित नियुक्तियों के कारण समाप्त हो जाते हैं, उनके सम्बन्ध में योग्यता के आधार पर पुनः नियुक्ति के लिए विचार किया जा सकता है। हालांकि, कदाचार या खराब प्रदर्शन के कारण बर्खास्त किए गए लोग भविष्य में किसी भी नियुक्ति के लिए अयोग्य होंगे। यदि लेवल-ढ्ढ में कार्यरत अनुबंध कर्मचारी पात्रता मानदंड को पूरा करते हैं तो वे उच्च जॉब लेवल के लिए आवेदन कर सकते हैं। उनके आवेदनों का मूल्यांकन योग्यता के आधार पर किया जाएगा।

एचकेआरएनएल द्वारा उम्मीदवारों को सॉफ्ट स्किल्स और विशिष्ट जॉब लेवल में प्री-डिपार्चर ओरियंटेशन प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे नियोक्ता संगठनों में शामिल होने से पहले अच्छी तरह से तैयार हों।

वकीलों के शिष्टमंडल ने विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण से की मुलाकात

प्रशासन को दिए निर्देश: योजनाबद्ध तरीके से वकीलों व आमजन को सुविधाएं प्रदान करने का कार्य करें

अर्थ प्रकाश संवाददाता

करनाल, 13 मई। घरौंडा न्यायिक परिसर के मामले में वकीलों के एक शिष्टमंडल ने हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण से करनाल के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में मुलाकात की। शिष्टमंडल ने नए न्यायिक परिसर की विधान सभा अध्यक्ष को शुभकामनाएं देते हुए वहां के लिए मूलभूत सुविधाओं की मांग रखी। वकीलों ने कोर्ट की समस्याओं से विधान सभा अध्यक्ष को डीसी उत्तम सिंह की मौजूदगी में अवगत करवाया। विधान सभा अध्यक्ष ने वकीलों के शिष्टमंडल की बात गंभीरता से सुनी और प्रशासन को निर्देश दिए कि योजनाबद्ध तरीक़े से वकीलों व आमजन को सुविधाएं प्रदान करने का कार्य करें ताकि व्यवस्था सुचारू रूप से चल सके। इस मौके पर घरौंडा एसडीएम, पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे।

गौरतलब है कि कुछ दिन पूर्व घरौंडा न्यायिक परिसर में निर्माण को लेकर उत्पन्न हुए विवाद के मामले में हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने डीसी उत्तम सिंह को पत्र लिखकर पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट देने को कहा था, ताकि तथ्यात्मक जानकारी के आधार पर उचित कार्रवाई की जा सके। इस मामले में वकीलों के शिष्टमंडल ने भी विधान सभा अध्यक्ष को हर तथ्य से अवगत कराया जिसके बाद डीसी की मौजूदगी में हरविन्द्र कल्याण द्वारा वकीलों की बात सुनकर घरौंडा के नए न्यायिक परिसर में सही व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए गए।

डीसी उत्तम सिंह ने कहा कि आपसी विचार विमर्श व समन्वय से इस मामले को सुलझाया जाएगा तथा प्रशासन हर समय उनके साथ है। साथ ही पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को भी साइट का मुआयना करके वहां के स्वीकृत प्लान और वकीलों की ज़रूरतों के मुताबिक काम करने के निर्देश दिए गए। बता दें कि पिछले दिनों घरौंडा में न्यायिक परिसर का शुभारंभ किया गया था। इसके बाद यहां वकीलों ने चैंबर बनाने शुरू कर दिए थे। प्रशासन ने इस निर्माण पर आपत्ति जताई थी। मामला संज्ञान में आने के बाद हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने डीसी को पत्र लिखकर इस मामले की विस्तृत रिपोर्ट मांगी थी। उसके बाद डीसी की मौजूदगी में वकीलों के शिष्टमंडल ने विधान सभा अध्यक्ष के समक्ष घटनाक्रम का उल्लेख किया और योजनाबद्ध तरीके से काम करने का भरोसा दिलाया।

देसी पिस्टल और जिंदा कारतूस रखने के मामले में आरोपी काबू

चंडीगढ़ (रंजीत शम्मी)। थाना 11 पुलिस ने देसी पिस्टल और जिंदा कारतूस रखने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान सेक्टर 38 के रहने वाले लोकेश कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार पता चला कि चंडीगढ़ पुलिस के आला अधिकारियों के दिशा निर्देशों के चलते थाना पुलिस की टीम सोमवार को एरिया में पेट्रोलिंग कर रही थी। पेट्रोलिंग के दौरान जब पुलिस सैक्टर 25 स्थित पब्लिक टॉयलेट के पास पहुंची तो पुलिस ने शक के आधार पर उक्त आरोपी को रोककर पूछताछ के दौरान उसकी तलाशी ली तो पुलिस को आरोपी के कब्जे से एक देसी पिस्टल के आलावा तीन जिंदा कारतूस बरामद हुए पुलिस ने तुरंत मामले में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

सेना की वर्दी लेने वालों की रखी जाएगी पहचान

चंडीगढ़ जिला मजिस्ट्रेट के आदेश आदेश; कहा-आईडी की फोटो कॉपी रखे दुकानदार

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 13 मई। चंडीगढ़ के जिला मजिस्ट्रेट ने 4 अलग-अलग आदेश जारी किए हैं। ये आदेश 3 जुलाई 2025 तक लागू रहेंगे। इनका मकसद महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना, होटलों में ठहरने वालों की पहचान दर्ज करना, विदेश भेजने वाले ट्रैवल एजेंटों को नियंत्रित करना और आर्मी-पुलिस से जुड़ा सामान बेचने वालों पर निगरानी रखना है। आदेशों का उल्लंघन करने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जिला मजिस्ट्रेट ने कहा कि चंडीगढ़ में स्थित कंपनियां महिला कर्मचारियों को रात 8 बजे से सुबह 7 बजे तक अकेले कैब में न भेजें। कैब में महिलाओं के साथ सुरक्षा गार्ड या कोई पुरुष साथी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ड्राइवर, स्टाफ और गार्ड की पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य कराएं। महिला के घर पहुंचने तक कैब वहां रुकी रहे। जिससे महिलाएं सेफ अपने घर पहुंचे सके। कैब में जीपीएस सिस्टम लगाना अनिवार्य है। कैब ड्राइवर पर शक हो तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

जिला मजिस्ट्रेट ने कहा कि चंडीगढ़ में किसी भी अनजान व्यक्ति को बिना आईडी प्रूफ के न रुकने दें। आने वालों का नाम, पता, मोबाइल नंबर, पहचान पत्र रजिस्टर में दर्ज जरूर करें। मान्य पहचान पत्र, आधार कार्ड, वोटर कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट आदि की फोटो कॉपी को आईडी प्रूफ के तौर पर जमा करें।

रेल के इंजन ने कार को मारी टक्कर, चालक सस्पेंड

फाटक नहीं लगा, रेड सिग्नल में क्रास हुआ इंजन, घबराए कार चालक ने गाड़ी ट्रेक से भगाई

अर्थ प्रकाश/संदीप सिंह बावा

जीरकपुर, 13 मई। मंगलवार को शाम करीब सवा सात बजे एक रेलवे के इंजन ने एक गाड़ी को टक्कर मार दी। बचाव रहा के इंजन की रफ्तार कम थी जिस के चलते बड़ा हादसा होने से टल गया। मौके से मिली जानकारी अनुसार फाटक अभी पूरी तरह नही लगा था और ट्रेन के इंजन को फाटक क्रॉसिंग के लिए रेड सिग्नल ही था। लेकिन इंजन ने रेड सिग्नल की परवाह किए बिना इंजन को आगे बढ़ा दिया। इस दौरान एक वेगनर गाड़ी फाटक क्रॉस कर थी थी जिसके पिछले हिस्से को इंजन ने टक्कर मार दी है जिस कारण वेगनर गाड़ी की डिक्की बुरी तरह डेमेज हो गई है। हादसे के कारण वेगनर गाड़ी का ड्राइवर इतना घबरा गया के वह गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया। जिसे लोगों ने रोक कर पानी पिलाया और आराम से बैठने के लिए कहा लेकिन कार चालक की सांस फुल रही थी। हैरानी की बात यह है के फाटक ना लगने के कारण रेल इंजन का क्रसिंग करना बड़ी लापरवाही है, आसपास खड़े सैंकड़ों लोगों की जान को खतरा हो सकता था। गनीमत रही के वेगनर गाड़ी को भी ज्यादा नुक्सान नही हुआ है। कार चालक सुनील निवासी विकास नगर ने बताया की फाटक बंद नही हुआ था और में अपने हिसाब से गाड़ी निकाल रहा था जबकि इंजन के सिग्नल रेड था। कार चालक सुनील ने बताया की वह गाड़ी में अकेला था और काम खत्म कर घर जा रहा था। हैरानी की बात है के हादसा होने के बाद भी एक ट्रेन बिना फाटक बंद हुए गुजरी, जबकि सैंकड़ों लोग फाटक के आसपास सड़क क्रॉस करने के लिए खड़े थे।

हैरानी की बात है के रेल विभाग के कर्मचारियों से फाटक बंद ना होने व इंजन चालक द्वारा रेड सिग्नल में गाड़ी क्रॉस करना बहुत बड़ी लापरवाही है। जिसकी उच्च स्तरीय जांच होने चाहिए। मौके से मिली जानकारी अनुसार इंजन को अगले स्टेशन पर रोक कर ड्राइवर को हिरासत में ले ली गया है और रेलवे विभाग की सेफ्टी टीम द्वारा मौके का जायजा किया जा रहा है। रेलवे फाटक पर मौजूद एक ऑटो चालक ने बताया की फाटक पिछले कुछ दिनों से खराब है जो प्रॉपर बंद नही हो रहा है। क्योंकि हम यहां से रूटीन में निकलते हैं तो मैंने दो बार पहले ऐसा होता देखा है।

> हमारा एक लाइफ इंजन जा रहा था, सिंगल इंजन था, ड्राइवर ने बताया के उससे ब्रेक नही लगा था। हम अपना सेफ्टी टीम भेज रहे हैं। इंजन को अगले स्टेशन पर रोक लिया है और ड्राइवर का मेडिकल करवाया जाएगा, कि कहीं उसने कोई नशा तो नही किया हुआ था। उसके लिए ड्राइवर के ब्लड सेंपल लिए जाएंगे। यह हमारे विभाग का प्रोटोकाल है। हमने ड्राइवर को गाड़ी से उतारकर डउसको सस्पेंड कर दिया है। सेफ्टी टीम के साथ आरपीएफ की टीम भी जांच के पहुंच रही है। सारी फॉर्मेल्टी पूरी करने के बाद आगामी कार्रवाई की जाएगी।
>
> **–नवीन कुमार, सीनियर अधिकारी रेल विभाग अंबाला।**

अर्थ प्रकाश न्यूज पेपर्स के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक महावीर जैन द्वारा 'अर्थ प्रकाश प्रेस' से मुद्रित एवं प्रकाशित तथा अर्थ प्रकाश कार्यालय अर्थ प्रकाश भवन, सैक्टर 29-डी, चण्डीगढ़ से जारी। प्रधान सम्पादक : **महावीर जैन,** सम्पादक एवं मुख्य संवाददाता **कैलाश चन्द जैन**
आर.एन.आई. पंजीक्रम : **42427/86** डाक पंजीक्रम : **G/CHD/0197/2021-23** फोन : 0172-2652743, 2638515, फैक्स 2653533 E-mail : arthparkash@gmail.com, arthparkashnews@gmail.com मुख्य सलाहकार : **हरीश चंद्र जैन,** एचसीएस (सेवानिवृत्त)